जिनदर्शन प्रतिष्ठान ग्रन्थ क्रमांक २

जैन मन्दिरों के ज्ञान भण्डार

जोधपुर

हस्तलिखित ग्रन्थों का

सूची पत्र

प्रथम खण्ड







Jñāna Bhaṇḍāras of Jaina Temples

JODHPUR

Handwritten Manuscripts'

CATALOGUE

Vol. I

– कृतज्ञता ज्ञापन –

भारत सरकार के राष्ट्रीय अभिलेखागार ने इस सूची पत्र के मुद्रण व्यय की 75% राशि के अनुदान की स्वीकृति प्रदान की है जिस कारण इसका मूल्य लागत का चौथाई मात्र ही रखा है।

– समर्पण –

राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान जोधपुर के प्रथम निदेशक स्वर्गीय पुरातत्त्वाचार्य मुनि श्री जिनविजयजी को समर्पित जिन्होंने पूरे जीवन पर्यन्त पुरातत्त्व की अथक सेवा की।

संकलन कर्त्ता :
कार्यकर्त्तागण :
सेवा मंदिर रावटी, जोधपुर
342 024
राजस्थान (भारत)





Compiled by :-
Inmates of
Seva Mandir Raoti, JODHPUR
342 024
Rajasthan, India

— विषय सूची —

प्रकाशक	सचालक सेवा मदिर रावटी, जोधपुर 342 024
वितरक	सत्साहित्य वितरण केन्द्र सेवा मन्दिर रावटी, जोधपुर 342 024 (राजस्थान) भारत
मुद्रक	राजश्री प्रिन्टिग प्रेस, नागोरी द्वार के अन्दर जोधपुर 342 002
सस्करण	प्रथम प्रवेश
वर्ष	विक्रम सवत् 2045, वीर सवत 2514, शक सवत् 1910 ईस्वी सन् 1988
प्रति	**500**
पृष्ठ	**552**
आकार	रॉयल ऑक्टेव (20 × 30 आठ पेजी)

मूल्य

	रु०
कागज (20 × 30 मेपलीथो 13 6 Kg) 37 रीम	8,000
कपोजिग छपाई व प्रूफरीडिग 69 फर्मे	13 000
जिल्द बधाई व भाडा ताडा	5 000
कुल व्यय	26 000
1 प्रति की लागत	52 00
विक्रय मूल्य चौथाई	रु 13 50

निवेदन

1 पुस्तक विक्रेता अपना नफा/खर्चा अतिरिक्त लेगा।
2 प्राक्कथन मे दिये सकेत अवश्य पढें।
3 पुस्तक के अन्त मे अशुद्धियो का शुद्धि पत्र छपा है।
4 इस पुस्तक पर किसी भी प्रकार का अधिकार प्रकाशक ने स्वाधीन नही रखा है।
5 पात्रता देखकर ही पुस्तक दी जावेगी।

० प्राक्कथन ०

सेवामन्दिर जोधपुर के रावटी स्थित जिनदर्शन प्रतिष्ठान द्वारा देश के इस भू-भाग में आये जैन ज्ञान भण्डारो मे और यत्र तत्र बिखरे पड़े हस्तलिखित ग्रन्थों के बारे में कुछ वर्षो से एक परियोजना क्रियान्वित की जा रही है जिसके कतिपय पहलू निम्न प्रकार है—

(i) आधुनिक ढंग से इन ग्रंथों का पूर्ण बीगतवार सूचीकरण और उन सूची पत्रों का मुद्रण;

(ii) ग्रन्थों का संग्रहण और भण्डारों का विलीनीकरण;

(iii) अतिप्राचीन, जीर्ण, प्रथम आदर्श, अद्यावधि अमुद्रित, दुर्लभ, सचित्र, अत्यन्त शुद्ध संशोधित या अन्यथा महत्वपूर्ण ग्रन्थों का फोटु प्रतिबिम्ब या फीलमीकरण;

(iv) ग्रन्थों के वैज्ञानिक ढंग से भण्डारीकरण एवं संरक्षण हेतु आवश्यक सलाह, सहायता व साधन सामग्री का वितरण।

इस परियोजना के अन्तर्गत अब तक निम्न ज्ञान मंडारो से लगभग एक हजार चार सौ हस्तलिखित ग्रन्थ रावटी भण्डार में आ गये हैं—

(i)	यशोसूरि व केशरगणि ज्ञान भण्डार श्री महावीरजी जैन मन्दिर पुरानी मण्डी जोधपुर	833 प्रतियां
(ii)	श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन मन्दिर क्षेत्रपाल चबूतरा पुरानी मण्डी जोधपुर	317 प्रतियां
(iii)	श्री तिवरी मन्दिरजी, श्री देवेन्द्र मुनि, श्री प्रकाशजी बाफणा व अन्यों से भेंट/क्रय 19 129 86 4	238 प्रतियां
	योग	1388 प्रतियां

सूचीकरण व सूची पत्रों के मुद्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम ग्रन्थ के रूप में जैसलमेर के पांच ज्ञान भण्डारों का सूचीपत्र मुद्रित होकर प्रकाशित किया जा रहा है और द्वितीय ग्रन्थ के रूप में जोधपुर शहर के निम्न जैन मन्दिरों के ज्ञान भंडारों का यह सूचीपत्र तैयार होकर प्रकाशित किया जा रहा है।

		सूचीपत्र मे स्रोत सकेत
(i)	श्री केशरियानाथजी मन्दिर दफ्तरियों का मोहल्ला मोती चौक जोधपुर	के०—
(ii)	श्री चिंतामणि पार्श्वनाथजी मन्दिर कोलड़ी, नवचौकिया जोधपुर	को०—
(iii)	श्री कुंथुनाथजी का मन्दिर सिंघियो का मोहल्ला जोधपुर	कुं०—
(iv)	श्री वर्द्धमान जैन मन्दिर तीर्थ ओसिया जिला जोधपुर तथा उपरोक्तानुसार रावटी मे स्थानान्तरित	ओ०—
(v)	श्री महावीर स्वामी मन्दिर पुरानी मण्डी जोधपुर	म०—
(vi)	श्री मुनिसुव्रत स्वामी मन्दिर क्षेत्रपाल चबूतरा पुरानी मण्डी जोधपुर	मु०—
(vii)	श्री सेवामन्दिर रावटी भण्डार के अन्य ग्रन्थ	से०—

इस सूची पत्र मे 7,350 ग्रन्थो का सूचीकरण किया गया है और जैसा कि सूची पत्र के अवलोकन से स्पष्ट है अधिकतर ग्रन्थ पन्द्रहवी शताब्दी के बाद के ही है। इसका कारण है कि जोधपुर शहर विक्रम सवत् 1516 मे ही बसाया गया था और उसके बाद ही ये भंडार स्थापित हुवे है। ओसिया मन्दिर का भण्डार भी

अधिक पुराना नहीं है। इन भण्डारों की स्थापना का विशेष कोई इतिहास प्राप्य नहीं है। श्री महावीर स्वामी मन्दिर के भण्डार खरतर गच्छ के आचार्य श्री यशसूरिजी व उनके शिष्य श्री केशरगणि द्वारा विक्रम की 20वी शताब्दी में व्यवस्थित रूप से संकलित किये गये थे। केवल श्री कुंथुनाथजी के मन्दिर के भण्डार को छोड़कर (जो कि पायचन्द गच्छ के आचार्य श्री पार्श्वचन्दजी द्वारा स्थापित किया हुआ प्रतीत होता है) बाकी के सब भण्डार जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ की आम्नाय वालों द्वारा स्थापित व व्यवस्थित है और इसी कारण प्रायः करके सभी भण्डारों के ग्रंथ एक सरीखे ही है।

यह सूची पत्र किस प्रकार बनाया गया है तत्सम्बन्धी जानकारी व स्पष्टीकरण निम्नलिखित "संकेत" में दिये जा रहे हैं इस सूची पत्र का सही रूप में उपयोग हो सके उस वास्ते उस लेख को ध्यान पूर्वक पूरा पढ़ लेना अनिवार्य है। उस पर भी यदि मुद्रित जानकारी व सूचना से किसी ग्रंथ के बारे में पाठक वृन्द को संतोष न हो शका हो या विशेष जिज्ञासा हो तो प्रार्थना है कि हमसे सम्पर्क करें। प्रति आदि उपलब्ध कराने में और उन्हें हर प्रकार से सहयोग देने में हम हमारा अहोभाग्य समझेंगे।

---

० संकेत ०

मोटे तौर पर यह सूचीपत्र प्रचलित केटलोगस केटलोगोरम (Catalogus Catalogorum) पद्धति व भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रपत्रानुसार बनाया गया है। ग्रंथों का विभागीकरण विषय सूची के अनुसार है। वह भी लगभग सरकारी विषय विभाजन से मेल खाता है। चूंकि यह सूची पत्र जैन ज्ञान भण्डारों का है इसलिये इसमें जैन ग्रंथों की बहुतायत है। यद्यपि सरकारी प्रपत्र के अनुसार सभी प्रकार के जैन ग्रंथों को केवल एक ही भाग नम्बर सातवें में डाला जाता है परन्तु हमने आवश्यक समझकर इन जैन ग्रंथों को चार भागों (1 से 4) में बांटा है जिनके पुनः क्रमशः 2+2+3+2 कुल मिलाकर 9 विभाग किये हैं और पहिले भाग के दूसरे विभाग के पांच उप विभाग किये हैं। अतः भाग 1 से 4 तक सभी विभाग व उपविभाग मिलकर सरकार द्वारा निर्धारित सातवें भाग के ही अन्तर्गत आते है। भाग 5 जैनेतर धार्मिक ग्रंथों का है जिसमें सरकार द्वारा निर्धारित भाग 1 से 10 (केवल उपरोक्त भाग 7 छोड़कर) इन 9 भागों के ग्रंथों का समावेश है और उन्हें क्रमशः (अ) से (औ) तक विभाजित कर दिया है। इसी प्रकार इस सूची पत्र के भाग 6, 7 8 और 9 में क्रमशः सरकारी निर्धारित भाग 11, 12 से 16 23 व 24 के ग्रंथों को अलग अलग दिखा दिया है। और चूंकि भाग 17 से 22 व 25 तक के ग्रंथ बिल्कुल थोड़े हैं अतः उन्हें इस सूचीपत्र के अन्तिम भाग 10 में अवर्गीकृत शेष रूप में दिखा दिया गया है।

जैन ग्रंथों के भाग विभाग व उपविभाग के शीर्षकों को देखने से सारा विभाजन लगभग स्पष्ट हो जावेगा। हम आगमों की संख्या के विवाद में नहीं पड़ना चाहते है और जो कोई भी ग्रंथ किसी भी सम्प्रदाय द्वारा आगम माना जाता है वह हमने आगम में ले लिया है। चूंकि साम्प्रदायिक खण्डन मण्डन विशेषकर धार्मिक क्रिया काण्ड से सम्बन्ध रखते हैं अतः इसे उस भाग का ही एक विभाग बना दिया है।

तथा अमुक ग्रंथ किस विभाग में डाला जाना चाहिये इस बारे में कई बार एक से अधिक मत संभव होते है अथवा एक ही ग्रंथ में विविध प्रकार की विषय वस्तु होती है अतः एक दम निर्विवाद शुद्ध विभाजन असंभव है और जो विभाजन किया गया है उसके लिये एकान्त रूप से हमारा आग्रह भी नहीं है।

सूचीपत्र के स्तम्भो मे दी गई सूचना को मुख्यत: दो भागों मे बांट सकते है—कुछ स्तम्भो की बीगत तो उस ग्रन्थ से सम्बन्ध रखती है और कुछ स्तम्भों की बीगत उस प्रति विशेष से ही सम्बन्धित है। अब हम प्रत्येक स्तम्भ का थोडा विश्लेषण करना उपयुक्त समझते है—

स्तम्भ 1—क्रमांक :—

इसमे हमने विभागीय, या जहाँ है वहाँ उपविभागीय क्रमाक दिया है। सामान्य अनुक्रमांक सारे ग्रंथ तक एक ही चालू रखा जा सकता था परन्तु हमारी राय मे विभागीय संख्या का महत्व अधिक है और मुद्रण आदि मे सुविधाजनक भी है। वैसे विषय सूची मे कुल प्रतियो की संख्या का योग आ ही गया है। साधारणतया हर प्रति की अलग प्रविष्टि करके विभागीय क्रमाक दे दिया गया है। परन्तु कई ग्रथों की अर्वाचीन प्रतियाँ जो अति सामान्य है और पाठ भेद आदि दृष्टियो से महत्वहीन है उनकी प्रविष्टि एक साथ कर दी गई है लेकिन वहा भी जितनी प्रतिया है उतने क्रमांक दे दिये है। (देखिये पृष्ठ 170 सिंदूर प्रकर सात प्रतिये एक साथ मे क्रमांक 1201 से 1208)। इस तरह सूची पत्र को अनावश्यक रूप से बडा नही होने दिया है। इसके विपरीत जिस संयुक्त प्रति मे एक से अधिक उल्लेखनीय ग्रन्थ है उन सभी ग्रन्थो की अलग अलग प्रविष्टियां विभागानुसार अकारादिक्रम से बीगतवार यथा-स्थान कर दी है और क्रमाक दे दिये हैं। और चू कि ऐसी प्रत्येक प्रविष्टि मे पन्नों की सख्या पूरी प्रति की ही लिखी है, जो भ्रमोत्पादक न हो जाए इसलिये पन्नो की सख्या पर * तारे का चिन्ह लगा दिया है। तथा जहाँ आवश्यक समझा गया है वहाँ सयुक्त प्रति के प्रथम ग्रन्थ की प्रविष्टि देखने की सूचना कर दी गई है।

इसके अतिरिक्त कई प्रतियाँ विशेषत: स्तवन मत्रादि एक दो पन्नो के अति लघु ग्रन्थ होते हैं। तथा प्रत्येक भण्डार मे कई सारे पन्ने स्फुट और त्रुटक भी होते है और कई गुटके भी होते है जिनमे बहुत सी छोटी-मोटी कृतियो का सकलन होता है। हमने इन सब लघु ग्रन्थो, स्फुट व त्रुटक पन्नो और गुटको की पूरी छानबीन करके जो मुख्य या सकलनीय रचनाये प्रतीत हुई उनकी तो अलग अलग प्रविष्टियां कर दी है; तथा बाकी बचे हुए इन अमहत्वपूर्ण व अनुल्लेखनीय लघु ग्रन्थो व पन्नो को मिलाकर एक ही क्रमांक पर विभागानुसार अंत मे प्रविष्टि कर दी है। कदाचित् विषय की अधिक गहराई मे जाने वाले के लिए इन लघुकृतियो व स्फुट त्रुटक व अपूर्ण पन्नों की उपयोगिता हो सकती है। इसी प्रकार गुटको को भी क्रमाक देकर अलग से भी प्रविष्टि कर दी है। इस तरह हमने भण्डार की समस्त प्रतियो पूर्ण या अपूर्ण, गुटको तथा स्फुट पन्नो व त्रटक या लघु ग्रन्थो आदि सबको सूची पत्र मे ले लिया है—बाहिर कुछ भी नही छोड़ा है।

स्तम्भ—2—स्रोत परिचयाङ्क :—

चूंकि यह सूचीपत्र केटेलोगस केटेलोगोरम पद्धति से बनाया गया है अत: इस स्तम्भ की आवश्यकता है ताकि ग्रंथ उपलब्धि आसानी से की जा सके। भडारो के सूचक अक्षरों का स्पष्टीकरण सुगम्य है—यथा

ओ0—1 अ 16	=	ओसिया के भण्डार की इस नम्बर की प्रति
कु0—47/3	=	श्री कुथुनाथजी के मन्दिर के भण्डार की पोथी सैंतालीस प्रतिसख्या तीन
के0—2/4	=	श्री केशरियानाथजी के भण्डार की 2 नम्बर की पेटी की चौथी प्रति
को0—1	=	कोलडी श्री पार्श्वनाथजी मन्दिर के भण्डार की एक नम्बर की प्रति
म0 -1 अ 1	=	श्री महावीर स्वामी मदिर के भण्डार की इस नम्बर की प्रति
मु0—1 अ 46	=	श्री मुनिसुव्रत स्वामी मदिर के भण्डार की इस नम्बर की प्रति
से0—1 अ 58	=	सेवामन्दिर रावटी भण्डार की इस नम्बर की प्रति

स्तम्भ 3—ग्रन्थ का नाम :—

जैन आगम भाग को छोड़कर प्रत्येक विभाग के गन्थों को अकारादिक्रम से लिखा गया है और इसलिये सूचीपत्र मे उल्लेखित ग्रन्थो को पुनः परिशिष्ट में अकारादिक्रम से सजाने की विशेष आवश्यकता नही समझी गई है।

उन आगम ग्रंथों की जैन मा यतानुसार अगसूत्र और अगबाह्य सूत्र (पाच उप विभागो म विभाजित) का जो क्रम नियत है तदनुसार लिखा गया है और यह विषयसूची से स्पष्ट हो जाता है।

लेकिन विभागीकरण की तरह नामकरण मे भी एकरूपता नहीं हो सकती क्योंकि भिन्न-2 प्रकार सयोजना से ग्रन्थनाम का प्रथम अक्षर भी भिन्न हो जाता है। उदाहरण स्वरूप "गौडी पार्श्व स्तोत्र" और 'चितामणि पार्श्व स्तोत्र" को हमने क्रमश पार्श्व (गोडी) स्तोत्र" और पार्श्व (चिंतामणि) स्तोत्र एसा नाम देकर दोनो स्तोत्रो को अक्षर 'पा" के नीचे सकलित करना अभीष्ट समझा है। कई बार एक ग्र थ विद्वत् जगत् म एक से अधिक नामो से प्रचलित होता है जैसे दर्शन सत्तरी या 'सम्यक्त्व सत्तरी' भी कहते हैं और विचार षटत्रिंशिका चतुर्विंशतिदण्डक" चौबीसदण्डक" या केवल 'दण्डक" के नाम से भी प्रसिद्ध है। उपरोक्त कठिनाइयो से उत्पन्न समस्याओ के निराकरण हेतु पाठको से और विशेषतया शोधार्थी पाठको से हमारा निवेदन है कि अभिलषित ग्रन्थ की प्रविष्टि के बारे म निराश होन के पहले सभावनीय विविध विकल्पो के अनुसार सूचीपत्र को अच्छी प्रकार से ढूढें तथा लेखक परिशिष्ट की भी मदद लें। इस वास्ते पूरी विषय सूची को हृदयगम करके तथा प्रविष्टि के सभी स्तम्भो को देखना व इस प्राक्कथन सकेत' को भी ध्यान पूर्वक पढना आवश्यक है। सूची पत्र में विभागीकरण, विषय सूची अकारादिक्रमणिका इत्यादि सुविधा के हेतु हैं परन्तु प्रमादवश उसे ही एक मात्र आधार या बहाना बना लेंगे तो विद्यमान होते हुवे भी ग्रन्थ हाथ नहीं लगेगा।

स्तम्भ 3 A —

इसम ग्रन्थ का नाम रोमन लिपि म दे दिया है ताकि देवनागरी लिपि न जानने वालो को कुछ सुविधा हो जाय। तथा उनकी सहुलियत के लिये ही सूची पत्र म सवत्र भारतीय अको का अन्तर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग में लिया गया है।

स्तम्भ 4—ग्रन्थ कर्त्तादि का नाम —

इस स्तम्भ म ग्रन्थकार का नाम व उसके गुरु या पिता का नाम और उसकी आम्नाय भी दे दी गई है ताकि पूरा नाम परिचय हो जाव। यदि ग्रन्थ वृति आदि सहित होने से दो अथवा दो से अधिक लेखको की कृति है तो उन दोनो या सबका नाम व परिचय दिया गया है। उनम क्रमानुसार प्रथम नाम मूल लेखक का है और/करके आगे वृत्तिकार आदि का नाम लिखा गया है। जहाँ लेखक का नाम प्रति म नहीं है वहाँ स्तम्भ को खाली ही रखा है। लेकिन जहा पक्का निश्चय हो गया है कि लेखक का नाम मिलने वाला नहीं है वहाँ 'अज्ञात' शब्द लिख दिया है। कहीं कहीं साथ म ग्रन्थ की रचना के वर्ष का उल्लेख भी किया है यद्यपि अच्छा यह रहता कि रचना समय की जानकारी एक स्वतन्त्र स्तम्भ म दी जाती।

स्तम्भ 5—स्वरूप —

इस स्तम्भ म सूचना दो दृष्टिकोणो से दी गइ है। प्रथमत यह बताया गया है कि ग्रन्थ गद्य या पद्य या चपू या नाटक या सारिणी या तालिका या यत्र आदि किस प्रकार का है तथा दूसरे में यह बताया गया है कि ग्रन्थ का स्वरूप क्या है—मूल निर्युक्ति चूर्णि भाष्य, वृत्ति दीपिका अवचूरि, टब्बा (स्तबक), बालावबोध, वाचना अन्तर्वाच्य व्याख्यान टीका विवरण, स्वोपज्ञ विवृत्ति आदि किस किस्म या जाति का है। प्राय करके प्रकार या स्वरूप को दर्शाने वाले उपरोक्त शब्दों के प्रथम अक्षर को लिख दिया है जिसका तात्पर्य उस शब्द से लगा लेना चाहिये। बहुधा एक ही प्रति म दो किंवा दो से अधिक स्वरूप साथ में हैं तो वहाँ उतने सकेत दे दिये हैं तथा ग्रन्थ का नाम लिखते हुवे भी कहीं-कहीं यह उल्लेख कर दिया है। उदाहरण —' प्रवचन सारोद्धार सहवृत्ति" मू (प)+व (ग)= अर्थात् मूल पद्य म तथा वृत्ति सहित जो गद्य म है।

सामान्य पाठक की सुविधा के लिये ग्रन्थो के स्वरूप का स्पष्टीकरण दे देना उचित होगा जो निम्न प्रकार है।

मू = मूल (Bare Text)

अर्थात् ग्रन्थ का मूल पाठ मात्र है।

नि० = निर्युक्ति (Explication)

जो निश्चित रूप से समग्रता व अधिकता को लिये हुवे, सूत्र मे अभिहित, अन्तर्निहित सकेतित या स्थित है उन जीव अजीव आदि विषयो के अर्थो को भली प्रकार परस्पर वाच्य वाचक सम्बन्ध पूर्वक प्रकट करने के उपाय को (युक्ति योजना या घटना को) निर्युक्ति कहते है।

यद्यपि सूत्र मे अर्थ बीज रूप मे वर्तमान है तो भी शिष्यों के लिए उसका रहस्योद्घाटन या विश्लेषण करना द्विभाषण नही है, तथापि निर्युक्तिकार अधिकारक विद्वान है। सभी निर्युक्तियाँ प्राकृत भाषा की पद्य मय रचनाये है। निक्षेप उपोद्घात व सूत्रस्पर्शिक ये तीन इसके प्रकार है। निर्युक्ति निरुक्त से भिन्न होती है और कई आचार्य इसके दो भेद भी करते है—स्पर्श निर्युक्ति व निश्चयेन उक्ति।

भा० = भाष्य (Treatise)

मूल ग्रन्थ पर वह विशद रचना जिसमें प्रायः भाष्यकार का स्वय का भी अर्थपूर्ण योगदान होता है भाष्य कहलाता है।

यह प्रायः पद्य शैली मे लिखा जाता है और मूल ग्रन्थ की सपूर्ण विषय वस्तु की विभिन्न दृष्टियो से समीक्षा भी की जाती है।

चू० = चूर्णि (Exegesis)

मूल सूत्र की जो गद्य शैली व सरल भाषा मे विस्तार सहित अध्येता को हृदयंगम कराने के लिये अभिव्यक्ति की जाती है उसे चूर्णी (या चूर्णि) कहते है।

चूर्ण धातु 'पेषण' के अर्थ मे है अर्थात् सूत्रो का चूरा करके सुग्राह्य व सुपाच्य बना दिया जाता है।

वृ० = वृत्ति (Exposition)

वृत्ति एक वह उपयोगी व महत्त्वपूर्ण विवेचन है जिसके माध्यम से शब्दार्थ सह अनुगामिनी व्याख्या द्वारा मूल लेखक का संपूर्ण अभिप्राय निष्ठापूर्वक हेतु नय, शकासमाधान आदि सम्मेत स्पष्ट कर दिया जाता है।

यद्यपि वृत्ति व चूर्णि शब्द का प्रयोग एक दूसरे के लिये कर दिया जाता है तो भी सामान्य पाठक के लिये यह सूचना है कि समस्त चूर्णि साहित्य (अल्प सस्कृत मिश्रित) प्राकृत भाषा मे ही उपलब्ध है जबकि सारी प्रचलित वृत्तियां सस्कृत मे है।

दी० = दीपिका (Illuminant)

यथानाम दीपक की तरह मूल ग्रन्थ पर लघु प्रकाश डालने वाली रचना को दीपिका कहते है।

प्रायः करके वृत्ति की पश्चात्वर्ती होती है और भावानुवाद द्वारा उसमे रही हुई जटिलता का यह निराकरण व सरलीकरण भी करती है।

अ० = अवचूरि (Elucidatory Version)

मूल ग्रन्थ व उस (प्राय करके संस्कृत) रूपान्तर को अवचूरि कहते हैं जिसमें बिना विस्तार के भी भावार्थ पत्र की तरह लिख जाता है। अव शब्द अनुगामी के अर्थ में है मोटा चूर्ण हो लिया जाता है।

वा० = वाचना (Discourse)

शास्त्र सिखाने हेतु स्वाध्यायी को पाठ रूप में जो वक्तृता गुरु द्वारा दी जाती है उसे वाचना कहते हैं। इस देशी भाषा में वखाण कह सकते हैं जिसमें व्याख्या व प्रांसगिक दोनों का समावेश हो जाता है।

व्या० = व्याख्यान (Lecture)

तदर्थ बुलाई गई सगोष्ठी में उस विषय पर पाण्डित्यपूर्ण ढंग से दिये गये भाषण को व्याख्यान कहते हैं।

टि० = टिप्पणक (Annotation)

ग्रन्थ का खुलासा करने के लिए जो पद-टिप्पणियाँ की जाती हैं उन्हें टिप्पणक कहते हैं।

चू० = चूलिका (या चूडा (Excursus)

मूल सम्बन्धित या सूचित अंश की विशेष प्ररूपणा के लिए विशिष्ट संग्रह जो बहुधा ग्रन्थ के अन्त में जोड़ा जाता है चूलिका या चूडा कहा जाता है। पहाड़ की चोटी के सदृश मानो ग्रन्थ पर कलश हो।

प० = पंजिका (Expansion)

मूल ग्रन्थ के कतिपय अंशों का सारयुक्त विवेचन पंजिका कहलाता है। पंजिका = पदभंजिका।

टी० = टीका (Commentary)

आलोचना समालोचना करते हुए किसी भी ग्रन्थ के तात्पर्य को बीगतवार व विस्तृत रूप से प्रकट करने वाले प्रबन्ध को टीका कहते हैं।

बा० = बालावबोध (Vernacular)

साहित्यिक भाषा में लिखे गये मूल ग्रन्थ का वह संस्करण जो देशी बोलचाल की भाषा में व्यक्त किया जाता है बालावबोध (बालावबोध बालावबोध बालबोध) कहलाता है ताकि सामान्य जन भी उसका लाभ उठा सकें।

ट० = टब्बार्थ (Gloss)

पुरानी हस्तलिखित प्रतियों में अल्पपरिचित शब्दों या पदों के निर्वचन या भावार्थ की बहुधा उस प्रति में ही मूल इबारत के ऊपर सरल भाषा में (या देशी बोली में) की गई संक्षिप्त लिखावट को टब्बार्थ कहा जाता है। इसे स्पष्टीकरण को स्तबक भी कहते हैं।

स्वो० = स्वोपज्ञवृत्ति (Own Dilation)

अपने ग्रन्थ को और अधिक सुबोध बनाने के लिये जब मूल लेखक स्वयं उस पर वृत्ति (या भाष्य आदि) लिखकर विस्तार करता है तो उसे स्वोपज्ञ वृत्ति (या भाष्यादि) कहते हैं।

दु० = दुर्ग पद पर्याय (या विषम पद बोध आदि) (Terminology Made-easy)

ग्रन्थ में आये हुए कठिन या दुर्गम्य शब्दों या पदावली का सरल भाषा में निर्वचन, परिभाषा अथवा पर्याय कथन दुर्ग पद पर्याय कहा जाता है।

अन्त० = अन्तर्वाच्य (Intervenient)

वाचना मे पूरक रूप से वाह्य वस्तु का समावेश कर परिवर्द्धन करना अन्तर्वाच्य है। "प्रक्षिप्त" तो मूल पाठ का भाग ही बना दिया जाता है —अन्तर्वाच्य उससे भिन्न है।

अनु० = अनुवाद (Translation)

ग्रन्थ की मूल भाषा को न जानने वालो के लिए भाषान्तर द्वारा ग्रन्थ के शुद्ध स्वरूप का उनकी भाषा मे प्रस्तुतिकरण अनुवाद कहलाता है।

व्याख्या = (Explanation)

मूल कृति के मर्म को आसानी से समझा देने वाली ग्रन्थ पद्धति की सामान्य संज्ञा व्याख्या है। शास्त्रीय दृष्टि से इसके 6 अग होते हैं—सहिता पदच्छेद, पदार्थ, पदविग्रह, चालना और प्रत्यावस्था।

वि० = विवरण (Narration)

विवरण शब्द सामान्य न कि विशेष पारिभाषिक, अर्थ में ही प्रचलित है। अलबत्ता वृत्ति के लिए इसका प्रयोग अधिक होता है।

यद्यपि उपरोक्त परिभाषाये दी गई है तो भी वे कोई कठोर निश्चयात्मक नही है एक ग्रन्थ एक से अधिक परिभाषाओ के अन्तर्गत आ सकता है। अतः हमने भी ग्रन्थकार ने जैसा अपने ग्रन्थ को कहा है वैसा ही मान लिया है।

स्तम्भ 6– विषय संकेत :—

यद्यपि मोटे रूप मे विभागानुसार विषय सकेत हो जाता है तो भी इस स्तम्भ मे ग्रन्थ की विषय वस्तु का अति संक्षिप्ततम साराश परिचय रूप मे दिया है जो पाठको के लिए लाभप्रद सिद्ध होगा।

स्तम्भ 7– भाषा.—

ग्रन्थ प्राकृत, सस्कृत अपभ्रंश आदि जिस भाषा मे लिखा गया है उस भाषा को या तो प्रथम अक्षर से दर्शाया गया है और नही तो भाषा का पूरा नाम लिख दिया है।

इस प्रकार—	प्रा० = प्राकृत	डि० = डिङ्गल	रा० = राजस्थानी
	स० = सस्कृत	हि० = हिन्दी	मा० = मारुगुर्जर
	अ० = अपभ्रंश	गु० = गुजराती	के बोधक है।

जहाँ ग्रन्थ (मूल+वृत्ति आदि) एक से अधिक भाषा मे है वहाँ उन सभी भाषाओ को बता दिया है। मिश्रित होने से कई बार ग्रन्थ की भाषा क्या है इस बारे मे मतभेद भी हो सकता है जैसे 'जयतिहुअरण' स्तोत्र को कई लोग प्राकृत की रचना कहते हैं तो कई उसे अपभ्रंश की। जिन ग्रन्थो की भाषा को हमने 'मारु गुर्जर' की संज्ञा दी है उस बारे में स्पष्टीकरण करना चाहेंगे।

पश्चिमी राजस्थान व गुजरात इस भू-भाग की भाषा विक्रम की लगभग 18वी शताब्दी तक प्राय एक सी ही रही है और उसमे विपुल साहित्य रचा गया है। अपभ्रंश भाषा के काल के बाद, प्रदेश की उस भाषा को क्या नाम दिया जावे इस बारे मे विद्वान एक मत नही है। चूंकि विगत दो ढाई शताब्दियो मे राजस्थानी व

गुजराती भिन्न भिन्न भाषाओं के रूप में उभरी है अतः इस प्रभाव में आकर प्रादेशिक व्यामोह के कारण 13वीं से 18वीं तक 5-6 शताब्दियों में रचे गये ग्रन्थों की भाषा को कई लोग तो गुजराती या प्राचीन गुजराती कहते हैं और कई लोग राजस्थानी कहते हैं। उदाहरण स्वरूप अहमदाबाद (गुजरात) से छपे सूचीपत्रों में श्री समय सुन्दरजी के ग्रन्थों की भाषा को स्व. आगमप्रभाकर मुनि पुण्यविजयजी ने गुजराती बताई है, जबकि जोधपुर (राजस्थान) से छपे सूची पत्रों में उन्हीं ग्रन्थों की भाषा स्व. पद्म श्री मुनि जिनविजयजी ने राजस्थानी बताई है। इस समग्र भू-भाग में विचरण करने वाले होने के कारण जैन साधुओं द्वारा रचित जैन साहित्य में तो यह भाषा एकता व साम्य इतना अधिक है कि भाषा भेद की कल्पना ही हास्यास्पद लगती है। ग्रन्थकर्त्ता ने स्वयं की बोली में रचना की उस बोली को पराई सत्ता देकर अन्याय नहीं करना चाहिये अतः इस भाषा विवाद में न पड़कर हमने मध्यम मार्ग का अनुसरण करना ही श्रेयस्कर समझा है और कुवलयमाला नामक प्रसिद्ध ग्रन्थ में सुझाये गये मारू गुर्जर नाम से इस भाषा को बताया है जिसमें 19वीं शताब्दी से पूर्व की लगभग 5-6 शताब्दियों की इस भू-भाग की बोलचाल किंवा साहित्यिक भाषा का समावेश हो गया है।

इस प्रकार उपरोक्त सात स्तम्भों में ग्रन्थ सम्बन्धी जानकारी के संकेतों का स्पष्टीकरण के बाद अब उन स्तम्भों का विवेचन किया जाता है जो मुख्यतः प्रस्तुत प्रति से ही सम्बन्धित हैं।

स्तम्भ 8– पत्रों की संख्या—

इस स्तम्भ में प्रति के कुल पत्रों की शुद्ध संख्या जो है वह लिख दी गई है जिसको द्विगुणित करने से पृष्ठों की संख्या आ जाती है। यथा सम्भव पत्रों को गिनकर सही संख्या लिखी गई है और बीच में जो पत्र कम हैं अथवा अतिरिक्त हैं उन क्रमांकों की टिप्पणी दे दी गई है। अपूर्ण या अपूर्ण तथा कहीं कहीं त्रुटक प्रति के भी पत्रों के क्रमाङ्क जो उपलब्ध है अथवा कम है बीजकवार लिख दिये हैं। जहां एक से अधिक प्रतियों की प्रविष्टि एक साथ की गई है वहां प्रत्येक प्रति के पत्रों की संख्या अलग-अलग लिखी गई है जिनका क्रम विभागीय क्रमांकानुसार है ऐसा समझ लेना चाहिये।

स्तम्भ 8A– नाप —

इस स्तम्भ में प्रति के बारे में चार प्रकार से सूचना दी गई है। पहिली संख्या प्रति की लम्बाई और दूसरी संख्या प्रति की चौड़ाई दर्शाती है जो दोनों ही सेंटीमीटरों में है। तीसरी संख्या प्रतिपृष्ठ (न कि प्रति पत्र में) कितनी पंक्तियां है यह बताती है और चौथी संख्या प्रति पंक्ति औसतन कितने अक्षर हैं यह दिखाती है। चारों संख्याओं को इसी क्रम में लिखा है और उन्हें अलग 2 करने हेतु सुविधा के लिये बीच में '×' निशान लगा दिया है। जहां ग्रन्थ केवल यन्त्र तालिका स्वरूप ही है वहां लकीरों व अक्षरों की संख्या नहीं दी है। तथा जहां प्रति पञ्चपाठी (अर्थात् बीच में मूल ग्रन्थ व उसके चारों ओर वृत्ति आदि लिखी हुई) या टब्बार्थ सहित है वहां पंक्तियां व अक्षरों की संख्या मूल की ही दी है। जहां एक से अधिक प्रतियों की प्रविष्टि एक साथ में की गई है वहां केवल प्रतियों की लम्बाई चौड़ाई ही दी है और वे भी जब प्रति प्रति भिन्न है तो लम्बाई व चौड़ाई दोनों की लघुतम व दीर्घतम दो दो संख्यायें लिख दी गई है। दृष्टांत—भाग 3 (आ) भक्तामर स्तोत्र 5 प्रतियों की प्रविष्टि के सामने 24 से 27 × 12 से 13 लिखने का तात्पर्य यह है कि इन पांचों प्रतियों की लम्बाई भिन्न भिन्न है जो नीचे में 24 और ऊंचे में 27 सेन्टीमीटर है और इसी प्रकार चौड़ाई भी भिन्न-2 है जो नीचे में 12 और ऊंचे में 13 सेन्टीमीटर है। चूंकि सेन्टीमीटर भी कोई बहुत विस्तार वाली इकाई नहीं है अतः हमने मीलीमीटरों में जाना श्रेयस्कर नहीं समझा है - आधे से अधिक को पूरा सेन्टीमीटर गिन लिया है और आधे से कम को छोड़ दिया है।

स्तम्भ 9– परिमाण—

इस स्तम्भ में भी सूचना दो दृष्टिकोणों से दी गई है —

(i) ग्रन्थ के स्कन्ध (खण्ड) पर्व, सर्ग, अध्याय, प्रकाश, परिच्छेद, अधिकार, प्रकरण, उद्देशक, ढाल, पद, छन्द, गाथा, श्लोक आदि की सख्या द्वारा उसका परिमाण वताया गया है। जहाँ उपलब्ध है वहाँ ग्रथाग्र [ग्रन्थ के कुल अक्षरो की सख्या को 32 (प्राचीन अनुष्टभ् छद का अक्षर परिमाण) से भाग देने पर आने वाला भजनफल ग्रंथाग्र कहलाता है] सख्या भी लिख दी है। परन्तु कभी-कभी यह ग्रंथाग्र संख्या वास्तविकता से मेल नही भी खाती है क्योंकि लिपिक इस सख्या को अनुमान से अथवा वढा चढाकर अथवा परपरागत शास्त्र वर्णित परन्तु वर्तमान में अनुपलव्व है, वह लिख देते हैं। सूचीपत्र मे दी हुई पन्नो की सख्या को दुगना करने से पृष्ठो की सख्या आ जाती है और उसे पंक्ति प्रतिपृष्ठ की सख्या से गुणा करने पर ग्रथ के कुल पक्तियों की सख्या आ जाती है और उसे औसतन अक्षरो की सख्या से गुणा करने पर ग्रन्थ के कुल अक्षरो की सख्या आ जाती है जिसमे 32 का भाग देने से ग्रंथाग्र की सख्या आ जावेगी—इस प्रकार पाठक स्वय ग्रंथाग्र अनुमानित कर सकते हे।

(ii) साथ मे यह भी वताया गया है कि प्रति संपूर्ण है या अपूर्ण या त्रुटक और यदि अपूर्ण है तो कितनी अपूर्णता है। यदि प्रति पूरे ग्रथ के एक अश हेतु ही लिखी गई है और वह अश पूरा है तो उसे 'प्रतिपूर्ण' कहा गया है। प्रथम या अन्तिम पन्ना वहुधा नही होते है तो प्रति को अपूर्ण न कहकर वैसी टिप्पणी लिख दी गई है कि पहला या अन्तिम पन्ना कम हे। उपरोक्त परिमाण सूचक शब्दों के प्रथम अक्षर ही बहुधा सूची पत्र मे लिखे हैं अतः तदनुसार अर्थ लगा लेना चाहिये—जैसे स = संपूर्ण, अ = अपूर्ण, ग्र = ग्रन्थाग्र।

स्तम्भ 10– प्रतिलेखन वर्ष, स्थल व लिपिक :—

इस स्तम्भ मे प्रति के बारे मे तीन प्रकार से सूचना दी गई है—

(i) सर्व प्रथम प्रस्तुत प्रति जिस वर्ष में लिखी गई है वह विक्रम सवत् दिया गया है। कदाचित् कही पर शक या वीर सवत् या अन्य साल हे तो वैसा विशिष्ट उल्लेख कर दिया गया है। विक्रम सवत् से शक सवत् व ईस्वी सन् क्रमशः 135 और 56 कम होता है जबकि वीर सम्वत् 470 अधिक होता है, परन्तु वहुत सी प्रतियो मे उनका प्रतिलेखन सवत् लिखा हुआ नही मिलता है। ऐसी अवस्था मे अनुमान से वह प्रति जिस शताब्दी मे लिखी प्रतीत हुई वह विक्रम की शताब्दी लिख दी गई है। यद्यपि अनुमान लगाते हुए हमने पर्याप्त अनुदार दृष्टि से काम लिया हैं (अर्थात् सदेहास्पद मामलो मे प्रति को प्राचीन की अपेक्षा अर्वाचीन ही बताने की ओर झुकाव रहा है) तो भी अन्दाज तो अन्दाज ही है। अत. पाठकों को सलाह है कि हमारे इस अन्दाज को ठोस आधार न मान ले। भिन्न-भिन्न वर्षो मे लिखित प्रतियो की प्रविष्टि जव एक साथ ही की गई है वहाँ कालावधि की सीमाये व यथा योग्य सूचना दे दी गई है।

(ii) दूसरी सूचना प्रति किस स्थल में लिखी गई है उसकी है और

(iii) तीसरी सूचना लिपिक के नाम की है

स्तम्भ 11– विशेषज्ञातव्य—

उपरोक्त सब के अलावा ग्रन्थ अथवा प्रति के बारे मे जो भी सूचना देना उपादेय या आवश्यक समझा गया है उस वास्ते इस स्तम्भ की शरण ली गई है। यह तरह-तरह की जानकारी से भरा गया है और इसका अवलोकन किये विना प्रविष्टि पूरी देख ली है ऐसा नहीं कहा जा सकता। इस स्तम्भ मे दी गई जानकारी के कतिपय उदाहरण है—चित्रित, सशोधित, अपठनीय, जीर्ण, प्रथम आदर्श, ताडपत्रीय या वस्त्र पर, देवनागरी से भिन्न लिपि, स्वर्णाक्षरी, ग्रन्थ का दूसरा प्रचलित नाम, प्रशस्ति है, वृत्ति आदि का नाम जो अवसर वृत्तिकार अपनी कृति को देते है, साथ मे गौण वस्तु जो सलग्न हो आदि 2।

उपरोक्त स्तम्भों के अतिरिक्त सरकारी निर्धारित प्रपत्र द्वारा चार अन्य स्तम्भों की अपेक्षा की गई है जो निम्न प्रकार है —

(1) प्रति किस पर लिखी गई है — कागज, ताडपत्र भोजपत्र, कपडा आदि।

(2) प्रति किस लिपि में लिखी गई है — देवनागरी मोडी, अरबी, गुजराती।

(3) प्रति जीर्ण है या ठीक है या अपठनीय है इत्यादि सूचना।

(4) ग्रन्थ अद्यावधि मुद्रित हो चुका है अथवा आज तक अमुद्रित ही है।

परन्तु इस सूची पत्र में इन चार स्तम्भों को नहीं रखा है और इसका स्पष्टीकरण निम्न प्रकार है —

लगभग सारी की सारी प्रतियां कागज पर हैं और देवनागरी लिपि (अक्षर अधिकतर जैन मोड दिये हुए) में लिखी हुई है अतः अलग स्तम्भ बनाकर सबमें ,, का निशान लगाने में कुछ सार नही प्रतीत होता। इसी प्रकार इस सूची पत्र में उल्लेखित प्रायः सभी प्रतियों की अवस्था ठीक है, पठनीय है अतः उसका भी स्वतन्त्र स्तम्भ बनाना उपयुक्त नही लगा। हां, कदाचित यदि कोई प्रति कागज पर नहीं है अथवा देवनागरी लिपि में नही लिखी हुई है अथवा जीर्ण व अपठनीय है तो वैसा उल्लेख अवश्य 'विशेष ज्ञातव्य" स्तम्भ में कर दिया गया है। विशेष उल्लेख के अभाव में पाठक निःशंक यह समझ लें कि प्रति देवनागरी लिपि में कागज पर लिखी हुई है और उसकी दशा ठीक है। तथा ग्रन्थों के अद्यावधि मुद्रित या अमुद्रित होने की जानकारी का संकलन करने में हम असमर्थ रहे हैं। अतः अपूर्ण किंवा असत्य जानकारी देने की अपेक्षा मौन रहना ही श्रेयस्कर समझा है। इसका पता शोधार्थी या प्रकाशक हमारी अपेक्षा आसानी से लगा सकते हैं।

तथा इस बारे में एक और निवेदन है। अतिरिक्त परिशिष्ट तथा और कई स्तम्भ सूची-पत्र में जोड़े जा सकते हैं और उससे शोधार्थियों को अवश्य कुछ सुविधा हो जाती है। परन्तु साथ में हमें यह भी नहीं भूलना चाहिये कि सूची-पत्र की अपनी मर्यादायें होती हैं और सूची-पत्र बनाने वाले की योग्यता भी असीमित नहीं होती। ग्रन्थ के बारे में आवश्यक सूचना सम्मेत सूची बना देना पर्याप्त है, बाकी सब टन्ट सारी सामग्री पकाकर शोधार्थी को देने से उसमें प्रमाद पनपता है अन्वेषण की जिज्ञासा कुण्ठित हो जाती है जो ज्ञान के विकास के लिये घातक सिद्ध होती है। सूची-पत्र कितना भी विस्तृत हो, शोधार्थी के लिये तो असल प्रति या फोटो फिल्म प्रतिबिम्ब देखने के अलावा गत्यन्तर नहीं है, यह हमारा निश्चय मत है अन्यथा शोध कार्य के प्रति न्याय नही होगा। केवल सूची बनाने वाले पर ही अधिक भार लादने से यह श्रम साध्य कार्य और इतना गुरुतर हो जावेगा कि साधारण मनुष्य इस को हाथ में लेने से ही घबरा जावेगा - उसका उत्साह मारा जावेगा। सूची पत्र सूचना है - जांच के लिये आमन्त्रण है - निर्णय का आधार नहीं।

आभार प्रदर्शन

(1) i. मुनि श्री जयानन्दजी महाराज साहिब को वन्दना करते है जिनकी आज्ञा से खरतरगच्छ समुदाय जोधपुर के अध्यक्ष महोदय ने श्री महावीर स्वामी मन्दिर के यशोसूरि व केशरगणि भण्डारो के ग्रन्थ यहाँ रावटी मे स्थानान्तरित कर दिये है।

ii श्रीमान् मिलापचन्दजी साहिब ढढ्ढा धन्यवाद के पात्र है जिन्होने श्री ओसियां तीर्थ के रत्नप्रभ ज्ञान मंडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधायें उपलब्ध की थी।

iii. श्रीमान् सम्पतराजजी साहिब भसाली धन्यवाद के पात्र है जिनकी प्रेरणा से मुनिसुव्रत स्वामी मन्दिर भण्डार के ग्रन्थ यहाँ रावटी मे स्थानान्तरित कर दिये गये हैं।

iv. श्रीमान् स्व. भोपालचन्दजी साहिब दफ्तरी की आत्मा को शान्ति मिले जिन्होने श्री केशरीया–नाथजी के मन्दिर के भडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधाये उपलब्ध की थी।

v. श्रीमान् सायरमलजी साहिब पटवा धन्यवाद के पात्र है जिन्होने श्री 'चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर कोलड़ी भंडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधायें उपलब्ध की थी।

vi. श्रीमान् कल्याणमलजी साहिब भंसाली धन्यवाद के पात्र है जिन्होने श्री कुंथुनाथजी के मन्दिर के भंडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधायें उपलब्ध की थी।

(2) स्व. अगरचन्दजी नाहटा बीकानेर, श्रीमान् भंवरलालजी नाहटा बीकानेर एवं महामहोपाध्याय श्री विनयसागरजी जयपुर वालों को धन्यवाद दिया जाता है कि उन्होने इस सूची-पत्र की भूलो का परि-मार्जन व संशोधन किया है।

(3) सेवा मन्दिर के परिवार में से श्री वंशीधरजी पुरोहित बी.ए.एल.एल.बी., श्री सुशीलकुमार मुथा एम.ए. एव श्री रामलालजी धाड़ीवाल के नाम विशेषरूप से उल्लेखनीय है जिन्होने इस सूची-पत्र को बनाने मे पूरा सहयोग दिया है।

तथा पुस्तक प्रकाशित करने का मुझे बिलकुल अनुभव नहीं था- यह प्रथम प्रयास है अतः कई भूलें हुई हैं। उदाहरण स्वरूप प्रूफरीडिंग का काम मैने पूर्णतः कर्मचारियो पर छोड देने की भयकर भूल की अतः इस सूची-पत्र मे अनेक अशुद्धियां छप गई है। इन सब के लिये एक मात्र दायित्व व दोष मेरा है और तदर्थ क्षमा प्रार्थी हूं।

जोधपुर
2044, होलिका रजपर्व
दिनांक 3 मार्च 1988

जौहरीमल पारख का प्रणाम

राजस्थान के जैन ग्रंथ भंडारों के

हस्तलिखित ग्रंथों का

सूची-पत्र

प्रथम खण्ड

(जोधपुर नगर)

Rajasthan Jain Granth Bhandars

CATALOGUE OF

Hand-Written Manuscripts

Volume I

(JODHPUR CITY)

क्रमांक 1	ग्रन्थ परिचयाङ्क 2	ग्रन्थ का नाम 3	नाम रोमन लिपि में 3A	ग्रन्थकार का नाम व परिचय 4	स्वरूप 5
1	के नाथ 2/4	आचाराङ्ग सूत्र	Ācāranga Sūtra	सुधर्मा +	मू (ग प)
2	„ 1/20	„	„	„ +	„
3	„ 20/34	„	„	„ + पार्श्वचन्द्र	मू + ट „
4	„ 1/22	„ + बा	„ +Bāla	„ + पार्श्वचन्द्र	मू + बा „
5	धानि 1 व 16	„	„	सुधर्मा +	मू + ट „
6	1 व 17	„	„		„
7	1 व 56	„ + बा	„ +Bala	सुधर्मा +	मू + बा „
8	महा 1 व 2	„	„	सुधर्मा	मू + ट „
9	के नाथ 29/38	„	„	„	„
10	„ 29/39	„	„		„
11	„ 13/22	„	„	सुधर्मा	„
12	गु गु 47/3	„	„	„	मू (ग)
13	के नाथ 9/10	„ + वृत्ति सह	„ (with Vṛtti)	सुधर्मा + शीलाङ्काचार्य	मू + वृ
14	महा 1 व 1	„ की वृत्ति	„ Ki Vṛtti	शीलाङ्काचार्य	वृ (ग)
15	के नाथ 18/58	„ की विषय सूची	„ Ki Viṣaya sūci		गद्य
16	9/15	सूत्रकृताङ्गसूत्र	Sūtrakṛtānga Sūtra	सुधर्मा	मू + ट (प ग)
17	14/30	„	„	„	„ „
18	„ 1/11	„	„	सुधर्मा +	मू (प ग)
19	29/34	„	„	„ +	„ „

विषय संकेत 6	भाषा 7	पन्ने 8	नाप पंक्त्याक्षर ल × चौ × पं × अ. 8A	परिमाण 9	प्रतिलेखन सं. आदि 10	विशेष ज्ञातव्य 11
प्रथम अंग (आचरण)	प्रा.	50	27 × 11 × 15 × 50	स.दोनो स्क.ग्र.2644	17वी	
,,	,,	83	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	1749	
,,	प्रा. मा.	80	25 × 11 × 18 × 44	सं. प्र. स्कध	18वी	
,,	,,	118	26 × 11 × 17 × 58	,, द्वि. ,,	18 ,,	
,,	,,	87	24 × 11 × 7 × 33	,, प्र. ,,	1833 विक्रमपुर मनरग	
,,	,,	150	24 × 11 × 6 × 33	,, द्वि. ,,	,, ,, ,,	
,,	,,	92	26 × 11 × 15 × 58	,, प्र. ,,	19वी	
,,	,,	63	26 × 12 × 5 × 36	,, ,, ,, ग्रं. 1817	1936 बजरगगढ़ लक्ष्मी विजय	
,,	,,	110	27 × 12 × 4 × 32	,, ,, ,, ,, 4000	20वी	
,,	,,	189	27 × 12 × 5 × 32	,, द्वि ,, ,, 8500	20वी	
,,	,,	43	27 × 11 × 4 × 42	प्र. छठे अध्य. तक	19वी	
,,	प्रा.	12	27 × 12 × 13 × 35	अपूर्ण त्रुटक	19 ,,	
,,	प्रा. सं.	58	25 × 12 × 20 × 64	,, ,,	19 ,,	लकीरो की सख्या भिन्न भिन्न
अग साहित्य	सं.	398	26 × 12 × 13 × 40	सं. दोनों स्कंधो की ग्र. 12225	1847	
,,	मा.	2	27 × 11 × 11 × 68	संपूर्ण	19वी	
द्वितीय अंग	प्रा.मा.	50	26 × 11 × 6 × 35	सं. प्र. अध्य. 16	1574	
,,	,,	60	26 × 11 × 6 × 27	,, ,, ,,	16वी	
,,	प्रा.	42	26 × 11 × 15 × 54	,, दोनो स्कंध 23 अध्य	1653	
,,	,,	53	30 × 11 × 13 × 56	,, ,, ,,	17 वी	

1	2	3	3A	4	5
20	कोलटी 23	सूत्रकृताङ्गसूत्र	Sūtrakṛtāṅga Sūtra	सुधर्मा	मू (प)
21	महा 1ब4	,,	,,	,,	,, ,,
22	मु सुव्रत 1ब46	,,	,,	,,	, ,,
23	,, 1ब47	,,	,,		,, (ग प)
24	,, 1ब45	,,	,,	सुधर्मा	मू + ट (प ग)
25	के नाथ 29/9	,,	,,	,,	मू (प)
26	मोसि 1ब18	,,	,,	,,	मू + बा (प ग)
27	के ना 13/11	, + दीपिका	,, + Dīpikā	, + हर्षकुशल	मू + दी ,,
28	कु धु 29/2	,, + ,,	,, + ,,	,, + साधुरंग	,, ,,
29	महा 1ब3	,, + वृत्ति	, + Vṛtti	,, + शीलां-काचार्य	मू + वृ
30	के ना 18/40	,, + ,,	,, + ,	,, ,,	,, ,,
31	मुनि सु 3इ27/4	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू (प)
32	के नाथ 10/77	,,	,		,, (ग)
33	,, 15/132	,,	,	सुधर्मा स्वामी	,, (प)
34	कोलडी 872	,,	,,	,,	, (प)
35	के नाथ 29/99	,, की वृत्ति	,, ki Vṛtti	शीलांकाचार्य	गद्य
36	मुनि सु 1ब44	स्थानाङ्गसूत्र	Sthanāṅga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
37	मोसि 1 ब 19	,	,,	,,	,,
38	महा 1 ब 6	,, + वृत्ति	,, + Vṛtti	सुधर्मा + अभयदेव	मू + वृ (ग)
39	के नाथ 4/3	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू + (ग)

6	7	8	8A	9	10	11
द्वितीय अंग	प्रा.	30	27×11×11×42	सं. प्र. स्क. 16 अध्य.	17वी	
,,	,,	22	26×11×13×44	,, ,, ,,	,,	
,,	,,	27	26×11×11×41	,, ,, ,,	,,	
,,	,,	54	26×11×11×41	,, द्वि. स्क. 7 अध्य	,,	
,,	प्रा. मा.	63	26×11×6×32	,, प्र. स्क ग्र 5000	1696/ 1701 धमदास	
,,	प्रा.	30	26×10×11×33	प्र. स्कं. कुछ त्रुटक	17वी	
,,	प्रा. मा.	51	26×11×15×35	ग्र. 12 अध्य प्र. स्क	18वी	
,,	प्रा. सं.	50	26×11×17×45	,, ,, ,,	19वी	
,,	,,	89	26×11×18×72	ग्र 13वें से 23 अध्या	17वी	
,,	,,	346	26×12×15×48	सं.दोनो स्क.ग्र.16950	20वी	
,,	,,	12	26×11×19×59	द्वि. अध्य-मात्र	17वीं	
,, महावीर स्तुति	प्रा.	2	25×10×14×44	छठा अध्या. मात्र	1783	
,, का 1 अध्या.	,	10	26×12×19×55	क्रियानाम अध्य मात्र	18वी	
,, वीर स्तुति	,,	3	17×9×9×30	छठा अध्या. मात्र	1897	
,, ,,	,,	2	20×12×16×34	,, ,, ,,	1901	
अग-साहित्य	सं.	132	27×12×15×52	ग्र.13वे से 23 अध्या.	1867	
तीसरा अग (ठाणाग)	प्रा.	105	28×11×13×42	स. ग्र. 3800	16वी	
,, ,,	,,	82	26×11×15×46	,, 3750	16वी	
,,	प्रा म.	241	32×13×15×63	,, 18000	16वी	
,,	प्रा.	137	27×11×12×39	,, 3750	17वीं	

1	2	3	3A	4	5
60	कालडी 20	भगवतीसूत्र	Bhagavati Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
61	के नाथ 5/3	,,	,,	,,	,,
62	ओसिया 1अ21	,,		,,	,,
63	महावीर 1अ8	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	सुधर्मा/अभयदेव	मू +व (ग)
64	मुनिसु 1अ40	,, ,,	,,	,, ,,	,,
65	महावीर1अ14	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
66	कोलभो 1012	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
67	महावीर 1अ9	,,	,,	,,	,,
68	के नाथ 17/50	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, +अभय	मू +व (ग)
69	कु थुनाथ 2/6	,,	,,	,,	मू +ट (ग)
70	कालभो 1012	,,	,,	,,	मू (ग)
71	कुथुनाथ52/18	,,	,,	,,	,,
72	ओसि 2अ408	,,	,,	,,	मू +ट (ग)
73	क नाथ10/41	,,	,,	,,	,,
74	मुनिसु 1/अ57	,,	,,	,,	,,
75	कुथुनाथ 52/22	,,	,,	,,	,,
76	क नाथ 6/108	,,	,,	,,	मू (ग)
77	,, 6/61	,, की वृत्ति	,, ki Vṛtti	अभयदेव	गद्य
78	,, 9/11	,, ,,	,, ,,	,,	,,
79	कोलडी 21	,, का बीजक	,, kā Bijaka		,,

6	7	8	8A	9	10	11
पाचवा अग (व्याख्याप्रज्ञप्ति)	प्रा.	401	27 × 11 × 13 × 52	सपूर्ण	1670	
,,	,,	205	26 × 11 × 17 × 54	सं. ग्रं. 15875	1698	
,,	,,	904	26 × 12 × 13 × 41	,,	1887 रतलम, मनोरदास	
,,	प्रा.सं.	971	27 × 13 × 15 × 47	,, 41 शतक	1894	
,,	,,	715	33 × 19 × 17 × 45	,,	1900 तखतराम	
,,	,,	681	31 × 15 × 14 × 64	,, ग्रं 18616	1965 जोधपुर	
,,	प्रा.	423	27 × 11 × 11 × 40	त्रुटक	19वी	बीच मे कई पन्ने कम
,,	,,	168	26 × 12 × 13 × 38	अपूर्ण शतक 8/8 तक	,,	
,,	प्रा.सं.	94	25 × 12 × 15 × 44	केवल शतक 1/7 तक	,,	
,,	प्रा.मा.	5	25 × 12 × 5 × 30	,, प्र. ,, का 7वां उद्दे.	1859	
,,	प्रा.	15	26 × 13 × 6 × 40	अपूर्ण मात्र	19वी	
,,	,,	53	26 × 11 × 15 × 45	,, 13 आलापक मात्र	17वी	
,,	प्रा.मा.	11	26 × 11 × 6 × 35	केवल जयंती प्रश्नोत्तरी	1763	देवल्लीये, शतक 2/1 + 3/1,2 + 7/9,10.9/ 33.60 + 11/ 11.12 + 12/ 1,2,9, जमालि अधिकारादि
,,	,,	20	26 × 11 × 11 × 38	,, ऋषभ जयपाली अधिकार	18वी	
,,	,,	27	26 × 11 × 11 × 41	,, 9/36 व 16/5,6	,,	
,,	,,	13	25 × 11 × 12 × 40	,, 9/33 जवाली अधिकार	19वीं	
,,	प्रा.	6	26 × 11 × 12 × 44	कुछ उद्धरण मात्र	,	
आगम साहित्य	म.	424	26 × 11 × 15 × 45	सं. ग्र. 18616	1663	
,,	,,	468	26 × 11 × 15 × 45	,, ,,	1667	
विषय सूची	,,	12	27 × 11 × 18 × 54	सं. 138ग 1925 उद्दे	1658	

1	2	3	3A	4	5
80	मुनि सु 2/320	भगवतीसूत्र की सज्भायें	Bhagavatı Sutra kı Sajjhāyen	मानविजय	पद्य
81	कोलडी 22	,, मन्त्राणि	,, Yantranı		तालिकायें
82	के नाथ 11/95	ज्ञाता धर्म कथाङ्ग सूत्र	Jñatādharma kathānga Sutra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
83	मुनि सु 1घ53	,,	,,	,,	,,
84	के नाथ 1/31	,,	,,	,,	,,
85	मुनि सु 1घ54	,,	,,	,,	,,
86	मोतिया 1घ35	,,	,,	,,	,,
87	के नाथ 4/1	,,	,,	,,	,,
88	मोतियां 1घ37	,,	,,	,,	,,
89	के नाथ 14/25	,,	,,	,,	,,
90	,, 5/2	,,	,,	,	,,
91	से म 1घ 58	,,	,,	,,	,,
92	के नाथ 4/14	,,	,	,,	मू +ट(ग)
93	,, 5/102	,,	,,	,,	मू (ग)
94	से म 1घ59	,,	,,	,,	मू +ट(ग)
95	कोलडी 24	,,	,	,,	,,
96	के नाथ 1/26	,,	,,	,,	मू (ग)
97	सु नाथ43/9	,,	,,	,,	मू (ग)
98	,, 23/6	,,	,,	,, /विनय सु दर	मू +ट(ग)
99	के ना 13/36	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)

6	7	8	8A	9	10	11
आगम साहित्य	मा.	9	27×12×12×31	अ. 12वी सज्झाय तक	17वी	शांति विजय शिष्य
,,	प्रा.	3	28×11×5×65	त्रुटक	19वीं	
अग सूत्र/धर्म कथाये	प्रा. मा.	77	29×11×18×63	सं. दोनो स्कंध	1522	पहिला पन्ना कम
,,	प्रा.	110	30×12×14×52	;;	1570	
;;	,,	170	25×11×11×48	,, ग्र. 5834	16वीं	
;,	,,	159	26×11×11×47	,,	1597	
,,	,	248	28×12×10×32	;;	16वी	पहिला पन्ना कम
,,	;;	223	27×11×11×32	,, ग्रं. 5464	1601	
,,	;,	109	33×13×13×64	,, ;;	17वीं	
,,	;;	146	25×11×13×41	अ द्वि.स्कं.के 7वर्ग तक	,,	
,,	,,	55	26×11×13×44	,, आठवी कथा से द्वि. की 1	;;	
,,	,,	154	26×11+11×42	सं दोनो स्कंध	18वी	
छठा अग सूत्र	प्रा.मा.	263	25×11×7×40	सं. दो. स्कंध ग्र. 14000	18वी	
;;	प्रा.	131	26×10×11×44	अपूर्ण दूसरी कथा से अन्त तक	18वीं	
,,	प्रा.मा.	169	26×12×7×43	त्रुटक द्वि.स्कं.8वे वर्ग तक	18वी	जीर्ण
,,	,,	333	25×12×15×37	संपूर्ण दोनो स्कंध	1839	
,,	प्रा.	209	25×11×5×35	अपूर्ण	19वी	
;;	;;	117	27×11×16×44	,, 16वी कथा तक	19वीं	
;;	प्रा.मा.	106	26×12×5×46	त्रुटक	19वी	
,,	प्रा.	149	26×12×12×38	;;	20वी	

1	2	3	3A	4	5
100	के नाथ 11/24	ज्ञाताधर्म कथाङ्गसूत्र	Jñātādharma Kathānga sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू + ट (ग
101	कालडो 1014	,,	,,	,,	मू (ग)
102	,, 1013	,,	,,	,,	मू + ट (ग
103	के ना 5/114	,,	,,	,,	,,
104	महा 1अ15	,,	,, +Vṛtti	,, /अभयदेव	मू + वृ (ग
105	भाणि 2/312	ज्ञातोपनया	Jñātopanayā		मू + अ (ग
106	कालडो972	ज्ञाताधर्म कथांग की वृत्ति	Jñātadharma kathānga kı Vṛtt ı	अभयदेव	गद्य
107	भाणि 1अ36	,,	,,	,,	गद्य
108	दे म वि गु 3	ज्ञाताभास	Jñātābhāsa	पद्मऋषि (पासचंद गच्छ)	पद्य
109	क ना 14/59	ज्ञाताधर्म कथा पर्याय	Jñātādharmakathā Paryāya		गद्य
110	,, गु 27	,, बाल	,, Bola		गद्य
111	भोणि 1अ26	उपासक दशांग सूत्र	Upāsakadaśanga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
112	मु मु 1 अ43	,,	,	,,	,,
113	,, 1 अ 42	,,	,,	,,	मू + ट(ग)
114	क नाथ 4/6	,	,,	,,	मू ग
115	, 11/20	,,	,,	,,	,,
116	,, 14/34	,,	,	,,	,,
117	भोणि 1अ 38	,,	,,	,,	,,
118	क नाथ 6/21	,,	,	,	,
119	,, 5/49	,,	,	,	,

6	7	8	8A	9	10	11
छठा अग सूत्र	प्रा.मा.	22	25×11×6×36	अपूर्ण पहली कथा भी अधूरी	18वी	
,,	प्रा.	157	26×10×11×45	,, पाँचवी से अंत तक	19वी	
,,	प्रा.मा.	147	25×11×5×48	त्रुटक	19वी	बीच में कई पन्ने कम
,,	,,	20	25×11×7×34	केवल 17वी18वी कथा	19वी	
,,	प्रा सं.	61	25×12×14×44	अपूर्ण पहली कथाभी अधूरी	19वी	
अग-साहित्य कथा शिक्षा व रूपक वि	,,	4	26×11×22×34	सं. 19 कथाओ के	15वी	
आगम-साहित्य	सं.	58	34×14×17×72	सं. ग्र 7300	1629	
,,	सं.	88	33×13×13×63	,,	17वी	
,,	मा.	39	16×13×13×17	,, 19 कथासार	1721	
कठिन शब्दार्थ	प्रा मा.	20	25×11×19×50	,, प्र.स. के शब्दार्थ	19वी	
आगम-साहित्य सार तालिका	मा.	19	15×10×14×10	,, 113 अनुच्छेद	1929	
सातवां अंग सूत्र श्राद्धाचार	प्रा.	17	28×11×15×58	,, 10 अध्ययन	1598 सौभाग्यसुन्दर	
,,	,,	30	27×11×11×50	,, 10 ,, ग्रं. 886	16वी	
,,	प्रा.मा.	49	26×11×7×42	,, 10,, ग्र. 1986	16वी	
,,	प्रा.	39	26×11×13×47	,, 10 ,, ग्रं 976	1613	
,,	,,	24	25×11×13×39	,, 10 ,, ग्रं 812	1679	
,,	,,	35	26×11×11×40	,, ,,	17वी	
,,	,,	23	26×11×13×44	,, 921	17वीं	
,,	,,	17	26×11×15×54	अपूर्ण 8वे अध्य तक	18वी	
,,	,,	13	27×11×16×56	,, 2 से 10 ,,	18वी	

1	2	3	3A	4	5
120	के नाथ 3/21	उपासकदशागसूत्र	Upāsakada‹ānga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू +ट (ग)
121	श्रोमिया 1ब2	,,	,,	,,	,
122	के नाथ 15/21	,,	,	,,	मू ग
123	,, 4/4	,,	,,	,,	,,
124	,, 2/6	,,	,,	,,	,,
125	श्रोमि 1ब39	,,	,	,,	,,
126	क नाथ 9/9	,,	,	,,	मू +ट (ग)
127	,, 1/36	,,	,,	,,	मू ग
128	5/22	,,	,,	,,	मू +ट (ग)
129	17/52	,, की वृत्ति	, ki Vṛtti	अभयदेव	गद्य
130	, 15/216	,, ,,	, ,	,,	,,
131	से म 1ब60	अन्तकृताङ्गसूत्र	Antakrtānga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू ग
132	मू सु 1ब49	,,	,	,,	,,
133	से म 1ब61	,,	,	,,	,,
134	श्रामि 1ब27	,,	,,	,,	,,
135	1ब34	,,	,,	,,	,,
136	के नाथ15 17	,,	,,	,,	,,
137	कालडो 25	,,		,,	,,
138	कोलडो 26	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /अभयदेव	मू +वृ (ग)
139	महावीर1ब10	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,

6	7	8	8A	9	10	11
सातवां अग सूत्र श्राद्धाच्दशा	प्रा. मा.	61	26×11×6×38	सपूर्ण 12 अध्याय	1863	
,,	,,	116	27×12×4×30	,,	19वी	
,,	प्रा.	27	25×10×15×43	,,	19वी	
,,	,,	22	26×11×14×50	,,	19वीं	
,,	,,	23	26×11×13×43	सं.10अध्याय ग्रं.912	19वी	
,,	,,	23	28×12×13×54	अ 8वें अध्याय तक	19वी	
,,	प्रा. मा.	60	26×11×5×42	अ. 9 वें ,,	20वी	
,,	प्रा.	11	26×11×16×50	अ, 3 दे ,,	20वीं	पहिला पन्ना कम
,,	प्रा.मा.	11	26×11×6×32	अ. पहिला अध्या भी अधूरा	20वीं	
आगम-साहित्य	स.	24	26×10×14×44	सं.ग्र.944अध्या.10	19वी	
,,	,,	30	25×11×13×40	स. 10 अध्या. की	20वी	
आठवां अंग सूत्र धर्म कथायें	प्रा.	19	26×11×15×53	स. 10 ,, 890	16वी पोभाजीत	
,,	,,	21	26×12×13×48	,, ,,	16वी	
,,	,,	30	27×11×11×40	,, ,,	16वी	
,,	,,	16	28×11×15×58	,, ग्रं. 790	1589 पोभाग्यसुन्दर	
,,	,,	25	26×11×13×43	,, ग्रं. 795	1654 गली, जयत	
,,	,,	24	25×10×13×33	,, 92 कथाये ग्रं 800	1746	
,,	,,	19	25×11×15×50	,, 10 अध्या. ग्रं.800	18वी	
,,	प्रा स.	24	27×11×15×47	,, 10 अध्या.	18वी	अंतिम पृष्ठ नहीं
,,	,,	23	25×13×15×38	,, 10 अध्या	19वी	

1	2	3	3A	4	5
140	[illegible] 15/96	अन्तकृताङ्गसूत्र	Antakṛtanga Sūtra	सुधर्म स्वामी	मू ग
141	[illegible] 1¤48	"	"	"	मू + ट(ग)
142	[illegible] 10 66	"	"	"	मू (ग)
143	[illegible] 1 ¤ 28	अनुत्तरोपपातिकदशाङ्गसूत्र	Anuttaropapatika daśaṅga Sūtra	"	"
144	[illegible] 52/15	"	"	"	"
145	37 11	"	"	"	"
146	[illegible] 17 44	"	"	"	"
147	" 15 7	"	"	"	"
148	" 15/98	"	"	"	"
149	[illegible] 1¤52	"	"	"	"
150	[illegible] 11 66	"		"	मू + ट(ग)
151	[illegible] 1¤32	"	"	"	"
152	[illegible] 1¤62	"	"	"	मू ग
153	[illegible] 27	"	"	"	मू + ट(ग)
154	[illegible] 1¤51	"	"	"	"
155	[illegible] 3/45	"	"	"	"
156	[illegible] 10 5		"	"	मू ग
157	[illegible] 1¤33		"	"	"
158	1¤30	"	"	"	"
159	[illegible] 11/46	" [illegible]	" [illegible]	"	मू + ब (ग)

6	7	8	8A	9	10	11
आठवां अग सूत्र धर्मकथायें	प्रा.	31	24×11×13×32	सं.10अध्याय ग्रं.892	19वी	
,,	प्रा. मा.	67	25×12×6×31	,, ग्रं.880	1897फलोदी भीमराज	
,,	प्रा.	23	27×11×14×34	अपूर्ण	19वी	
नवमां अग सूत्र धर्मकथायें	,,	4	28×11×15×58	स.10अध्या. ग्र.190	1598 सौभाग्यसुन्दर	
,,	,,	8	26×11×11×48	,, ,,	16वी	
,,	,,	8	26×11×11×48	,, ,,	16वी	
,,	,,	8	26×11×11×46	,, ग्रं. 191	16वी	
,,	,,	8	26×10×13×38	,, ग्रं. 196	1638	
,,	,,	8	26×11×11×35	,, ग्रं. 192	1646	
,,	,,	9	26×11×11×34	,, ,,	17वी	
,,	प्रा. मा.	14	26×11×6×34	,, ,,	1700	पहिला पन्ना कम
,,	,,	13	25×12×8×30	,, ,,	18वी	जीर्ण
,,	प्रा.	9	25×11×10×37	,, ,,	18वी	
,,	प्रा.मा.	12	25×12×14×40	,, ,,	1839	
,,	,,	14	25×11×7×33	संपूर्ण 10 अध्याय	1898 गोपालसागर	
,,	,	30	26×12×3×38	,, ,,	19वी	
,,	प्रा.	9	26×11×13×44	,, ,,	19वी	
,,	,,	5	25×12×16×47	,, ,,	19वी	
,,	,,	9	24×14×11×30	,, ,,	19वी	
,,	प्रा. सं.	40	26×13×14×33	मू.सं. वृत्ति अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3A	4	5
160	आमिया 1प31	अनुत्तरोपपातिकदशांगसूत्र	Anuttaropapātika daśanga Sūtrā	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
161	,, 1प39	प्रश्नव्याकरणसूत्र	Praśnavyākarana Sūtra	,,	,,
162	के नाथ6/64	,,	,,	,,	,,
163	से म 1प63	,,	,	,	,,
164	कु नाथ 54/4	,,	,,	,,	,,
165	के नाथ 29/33	,, +बाला	,, +Bāla	,, /पार्श्वचंद	मू +बा (ग)
166	, 10/13	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
167	,, 14/29	,,	,	,,	,,
168	, 1/24	,,	,	,,	,,
169	महा 1प11	,, +वृत्ति	, +Vṛtti	,, /अभयदेव	मू वृ (ग)
170	आसि 1प24/25	,,	,	सुधर्मा स्वामी	मू +ट (ग)
171	क नाथ 15/176	,,	,,	,,	,,
172	क नाथ 29/37	,, की वृति	,, kı Vrtti	अभयदेव	गद्य
173	के नाथ10/26	,, ,,	,, ,	,,	,
174	के नाथ 5/50	,, दीपिका	,, Dıpikā	अजीतदेवसूरि	,,
175	गु सु 1प50	विपाकसूत्र	Vıpāka Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू ग
176	कानजी 813	,,	,	,,	,,
177	म म 1प64	,,	,,	,,	,
178	क नाथ 4/9	,,	,	,,	,,
179	बाजटो 28	,,	,,	,,	,

6	7	8	8A	9	10	11
नवमा अग घम कथाय	प्रा.	12	25×12×7×42	सपूर्ण 10 अध्याय	1927 महात्मा गुजलाल	
दसवा अंग/ आश्रव सवर	,,	24	28×11×15×58	,, 10 अध्याय ग्र. 1250	1598 सौभाग्यसुन्दर	
,,	,,	57	27×11×11×37	,, ,,	1616	
,,	,,	88	27×12×9×26	,, ,, ग्र. 1500	17वी	
,,	,,	35	26×12×13×52	,, ,, ग्र. 1250	17वी	
,,	प्रा. गा.	195	26×11×11×54	,, ,, ग्र. 7450	17वी	
,,	प्रा.	53	28×13×13×50	अपूर्ण 3रे से 7वे अध्या.	17वीं	
,,	,,	48	26×11×13×42	संपूर्ण 10 अध्याय	19वी	
,,	,,	38	26×11×13×42	,, ,, ग्र. 1200	19वी	
,,	प्रा.स.	125	26×12×15×44	,, ,, ग्र. 5880	19वी	
,,	प्रा.मा.	91	25×13×7×32	,, ,, ग्र. 5400	1944	
,,	,,	6	26×11×5×30	अपूर्ण	20वी	
आगम साहित्य व्याख्या	सं.	105	26×11×15×41	सपूर्ण 10 अ. ग्र. 4630	17वी	
,,	स.	23	26×11×17×45	अपूर्ण दूसरे अध्या. तक	19वी	
,,	सं.	12	26×11×19×47	,, आश्रव 2 से 5	19वी	
ग्यारवा अंतिम अग धर्मकथायें	प्रा.	50	26×11×11×38	स. दोनो स्कध	1596	
,,	,,	33	31×11×13×35	,, ,,	1597	
,,	,,	53	27×11×11×38	,, ,,	16वी	
,,	,,	58	26×11×11×34	,, ,, ग्र. 1316	1605	
,,	,,	24	27×11×15×54	,, ,,	1677	पहिला [illegible]

1	2	3	3A	4	5
180	के नाथ 2/3	विपाकसूत्र	Vipāka Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
181	" 17/43	,,	,,	,,	,,
182	महा 1अ12	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /अभयदेव	मू +वृ (ग)
183	के नाथ/14/33	विपाकसूत्र	Vipāka stūra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
184	मोसि 1अ23	,,	,,	,,	,,
185	के नाथ 3/5	,,	,,	,,	मू +ट (ग)
186	" 9/94	,, की वृत्ति	,, Ki Vṛtti	अभयदेव	गद्य
187	के नाथ 1/23	,, ,,	,, ,,	,,	,,
188	कोलड़ी 29	,, ,,	,, ,,	,,	,,
भाग	विभाग	1 आ (1) जैन	आगम अङ्ग बाह्य-उपाङ्ग	सूत्र	
1	महा 1आ 1	औपपातिकसूत्र	Aupapātika Sūtra	+/अभयदेव	मू +वृ (ग)
2	कोलड़ी 30	,,	,,		मू (ग)
3	के नाथ 2/2	,,	,,		,
4	कु नाथ52/9	,,	,,		,,
5	के नाथ 24/1	,,	,,		,,
6	म म 1आ 128	,,	,		,,
7	के नाथ 17/25	,,	,,		मू +ट (ग)
8	आमि 1आ92	,,			मू (ग)
9	क नाथ 15/19	,,			,

6	7	8	8A	9	10	11
ग्यारवां अंतिम अग/धर्मकथायें	प्रा.	28	25 × 12 × 15 × 50	संपूर्ण-दोनो स्कध ग्र. 1250	17वी	
,,	,,	29	26 × 11 × 13 × 53	,, ,, ग्र. 1316	1719	
,,	प्रा.सं.	47	25 × 13 × 17 × 36	,, ,,	19वी	
,,	प्रा.	29	26 × 11 × 16 × 41	,, ,, ग्र. 1334	19वी	
,,	,,	3	26 × 12 × 15 × 56	द्वितीय स्कध	19वी	
,,	प्रा.मा.	11	24 × 10 × 5 × 29	केवल सुवाहु अध्य.	19वी	
आगम साहित्य व्याख्या	स.	17	26 × 10 × 16 × 50	सपूर्ण दोनो स्कंध	1617	
ग्यारवे अंग की व्याख्या/धर्मक	,,	23	26 × 11 × 15 × 46	,, ,, ग्र. 6800	1649	
,,	,,	10	26 × 11 × 15 × 52	अपूर्ण	1677	
प्रथम उपांग विविधवृत	प्रा स.	83	27 × 11 × 17 × 38	संपूर्ण ग्र. 7125	16वी	
,,	प्रा.	28	22 × 11 × 15 × 48	सपूर्ण	1665	
,,	,,	34	26 × 11 × 13 × 48	,, ग्र. 1167	1669	
,,	,,	32	26 × 10 × 13 × 41	,, ग्र. 1175	17वीं	
,,	,,	42	27 × 11 × 11 × 44	,, ग्र. 1250	17वी	
,,	,,	36	26 × 11 × 13 × 41	,, ग्र. 1300	17वी	प्रथम 3 पन्ने कम
,,	प्रा.मा.	82	25 × 11 × 5 × 40	सपूर्ण	17वी	
,,	प्रा.	95	27 × 11 × 5 × 41	संपूर्ण	18वी	
,,	,,	31	25 × 10 × 15 × 47	,, ग्र 1167	19वी	

1	2	3	3A	4	5
10	क नाथ 15/97	औपपातिकसूत्र •	Aupapatika Sūtra		मू (ग)
11	11/78	,,	,,		मू + ट (ग)
12	कोनटो 1017	,,	,		मू (ग)
13	,, 1016	,,	,		,
14	के नाथ 15/12	राजप्रश्नीयसूत्र	Rājapraśnīya Sūtra		,,
15	,, 5/64	,,	,		,,
16	,, 1/28	,,	,		,,
17	मु मु 1भा 116	,,	,		,,
18	पे म 1भा 127	,,	,,		,,
19	ग्रासिया 1भा 90	,,	,,		,,
20	, 1भा 91	,,	,	/वा मेघराज	मू + ट (ग)
21	क नाथ 10/16	,,	,,		,,
22	9/3	,,	,		मू (ग)
23	, 11/109	,, + वृत्ति	+ Vṛtti	/मलयगिरि	मू + वृ (ग)
24	कानटो 31	राजप्रश्नीयसूत्र	Rajapra nīya sūtra		मू (ग)
25	क नाथ 14/31	,,	,,		,,
26	कोनटो 32	,,	,,		मू + ट (ग)
27	, 1012	,,	,		मू (ग)
28	1020	,,	,,		मू + ट (ग)
29	क ना 16/16	,, + वृत्ति	,, + Vṛtti	,	मू + वृ (ग)

6	7	8	8A	9	10	11
प्रथम उपांग विविधवृत	प्रा.	39	25×11×13×48	संपूर्ण ग्र. 1167	19वी	
,,	प्रा.भा.	11	26×11×6×42	अपूर्ण अंतिम पन्ने	1786	
,,	प्रा.	29	26×11×5×30	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	25	25×11×15×55	,,	19वी	
द्वितीय उपांग /2 कथायें	,,	50	25×11×15×42	संपूर्ण	1598	(सूर्यदेव + प्रदेशी केशी)
,,	,,	55	26×11×13×47	,, ग्र. 2100	1668	,,
,,	,,	68	27×11×13×36	,,	1681	,,
,,	,,	67	28×12×14×40	,, ग्र. 2579	17वी	,,
,,	,,	61	26×11×13×46	,,	17वी	,, अंतिम पन्ना कम
,,	,,	62	27×11×13×41	,, ग्र. 2179	17वी	,,
,,	प्रा.भा.	193	24×11×5×40	,, ग्र 6500	18वीं	,,
,,	,,	52	26×11×13×47	अपूर्ण	17वी	
,,	प्रा.	54	26×11×13×48	संपूर्ण ग्र. 2121	18वी	
,,	प्रा.सं.	77	31×13×13×58	लगभग पूर्ण	18वी	प्रथम व अंतिम पन्ना कम
,,	प्रा.	49	27×11×13×52	संपूर्ण ग्र. 2079	18वी	
,,	,,	50	26×11×13×42	अपूर्ण बीच के पन्ने	19वी	
,,	प्रा.भा.	158	27×11×16×48	स.ग्र. 2117+5000	1921	
,,	प्रा.	38	26×11×11×42	त्रुटक	18वीं	
,,	प्रा.भा.	84	27×12×7×37	अपूर्ण	18वी	
,,	प्रा.भा.	30	26×11×15×53	त्रुटक	19वी	

1	2	3	3A	4	5
30	कु ना 53/1	राजप्रश्नीयसूत्र	Rajapraśnīya Sūtra		मू ट (ग)
31	कोलडी 1021	,,	,		मू ग
32	महा 1वा 2	,, की वृत्ति	, kī Vṛtti	मलयगिरि	गद्य
33	,, 1वा3	,, ,,	,, ,,	,,	,,
34	के नाथ 10/47	,, ,,	, ,,	,,	,,
35	से म 1वा129	जीवाजीवाभिगमसूत्र	Jīvājīvābhigama Sūtra		मू प (ग)
36	के नाथ 4/11	,,	,,		मू ग
37	, 9/2	,,	,,		,,
38	कोलडी 33	,,	,		,,
39	घोमिया 1वा 6	,	,,		मू ट (ग)
40	के नाथ 6/14	,,	,,		मू ग
41	कोलडी 1027	,,	,,		मू ट (ग)
42	के नाथ 16/7	,,	,,		मू ग
43	कोलडी 34	,, की वृत्ति	, kī Vṛtti	मलयगिरी	गद्य
44	,, 35	, ,,	,, ,,	,,	,,
45	कु नाथ25/8	,, ,,	,, ,,	,,	,,
46	मु मु 1वा111	प्रज्ञापनासूत्र	Prajñāpanā Sūtra	श्यामाचार्य	मू ग
47	क नाथ 1/6	,,	,	,,	,,
48	के नाथ24/4	,	,,	,,	,,
49	,, 15/13	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8A	9	10	11
द्वितीय उपाग/ 2 कथायें	प्रा.मा.	66	27×12×6×33	अपूर्ण सूर्यादेव भी अपूर्ण	19वी	
,,	प्रा.	11	24×13×6×42	अपूर्ण	20वी	किंचित् टब्बार्थ भी
आगम साहित्य व्याख्या	सं.	75	27×11×17×50	पूर्ण ग्र. 4300	17वी	
,,	,,	44	26×11×15×60	अपूर्ण बीचके पत्र	18वीं	
,,	,,	54	27×12×16×43	अपूर्ण	19वीं	
तृतीय उपांग-विभक्तियां	प्रा.स	186	27×11×11×42	,,	17वी	
,,	प्रा.	213	26×11×11×37	,,	17वी	
,,	,,	96	26×11×15×50	सपूर्ण ग्र. 4700	1720	
,,	,,	90	25×10×17×52	,, ग्र. 4750	1721 जोधपुर	
,,	प्रा मा.	291	26×12×7×43	त्रुटक	18वीं	बीच के पत्र कम है
,,	प्रा.	171	24×12×7×49	अपूर्ण	19वी	
,,	प्रा.मा.	50	28×15×6×40	,,	19वीं	
,,	प्रा.	4	28×11×14×48	केवल विजयदेव पूजा प्रकरण	19वीं	
आगम साहित्य व्याख्या	सं.	201	28×11×17×54	सं. ग्र. 14000	1561	
,,	,,	161	30×11×19×80	,, ,,	1599	
,,	,,	72	25×10×14×50	त्रुटक	16वी	
चतुर्थ उपांग जीव अजीव विभ.	प्रा.	160	29×12×15×49	स. ग्र. 8980	16वी	
,,	,,	299	26×11×11×43	,, ग्र. 7788	17वी	
,,	,,	223	28×12×13×41	,, 36 पद ग्र 8300	18वी	
,,	,,	182	26×11×13×52	,, ग्र. 7787	18वी	

1	2	3	3A	4	5
70	के नाप 15/2	जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति	Jambūdvıpa Prajñaptı		मू (ग)
71	,, 14/32	,,	,,		,,
72	,, 10/9	,,	,,		,,
73	कोलडो 37	,,	,,		मू ट (ग)
74	के ना 5/65	,,	,,		मू (ग)
75	कोलडो 971	,, की वृत्ति	,, kı Vṛttı	/हीरविजय (दान-सूरिका शिष्य)	गद्य
76	के ना 9/13	,, ,,	,, ,,		,,
77	मु सु 1धा114	चन्द्रप्रज्ञप्ति	Candra Prajñaptı		मू (ग)
78	मोसि 1धा102	सूर्यप्रज्ञप्ति	Sūrya ,,		,
79	के नाप 9/14	,,	,, ,		,,
80	,, 11/36	निरयावलिका-पञ्चोपाङ्ग सूत्र	Nıryāvalıkā pañcopānga Sūtra	सुधर्मा/श्रीचन्द्रसूरि	मू व (ग)
81	मु ना 29/7	,,	,,	सुधर्मा	मू (ग)
82	के ना 15/4	,,	,,	,,	,,
83	मु सु 1धा112	,,	,,	,,	,,
84	के नाप 14/28	,,	,,	,,	,,
85	मोसि 1धा89	,,	,,	,,	,,
86	के ना 17/64	,,	,,	,,	मू ट (ग)
87	,, 10/27	,,	,,	,,	मू अ (ग)
88	महा 1धा7	,,	,,	,	मू (ग)
89	,, 1धा8	निरयावलिका की वृत्ति	Nıryāvalıka kı Vṛttı	श्री चन्द्रसूरि	गद्य

6	7	8	8A	9	10	11
पांचवां उपांग भूगोल	प्रा.	148	26×11×11×42	लगभग पूर्ण	18वी	प्रथम दो पन्ने कम
,,	,,	81	23×11×19×49	संपूर्ण	19वी	
,,	,,	83	29×11×15×60	,,	19वी	
,,	प्रा. मा.	224	25×12×14×56	,,	1908	
,,	प्रा.	35	30×12×15×58	अपूर्ण (44से78अंत)	17वी	
आगम व्याख्या साहित्य	सं.	198	32×14×22×54	संपूर्ण ग्र. 14252	1639	
,,	,,	77	26×11×15×50	अपूर्ण	17वी	प्रचलित लेखक से भिन्न
छठा उपांग-अंतरीक्ष	प्रा.	37	30×14×19×50	संपूर्ण	18वी	किंचित अवचूरि संस्कृत मे
सातवां उपांग अंतरीक्ष	,,	43	27×11×16×57	,, ग्र. 2200	15वी	
,,	,,	76	27×11×11×45	;	17वी	
8से12 उपांग/ कथायें	प्रा.स	32	26×11×12×45	,, ग्र. 1209+637	16वीं	
,,	प्रा.	16	27×12×19×78	लगभग पूर्ण	17वी	प्रथम व अंतिम पन्ना कम
,,	,,	29	26×11×13×43	संपूर्ण ग्र. 1319	17वी	
,,	,,	27	26×11×13×52	,, ग्र. 1109	17वीं	
,,	,,	21	26×11×18×45	,, ग्र. 1319	1691	
,,	,,	12	27×12×21×64	,, 52 उद्देशक	1845 नागर टीकमदास	
,,	प्रा.मा	105	25×12×7×28	,, ग्र. 3600	19वी	
,,	प्रा.सं.	8	26×11×35×70	,, ग्र. 1050	19वीं	
,,	प्रा.	27	25×13×17×37	,, ग्र. 1161	1928	
आगम व्याख्या साहित्य	सं.	11	25×13×19×40	,, ग्र. 801	1928 बालूनर, प जीवन	

1	2	3	3A	4	5
भाग	विभाग 1 श्रा	(ii) जनआगम-अंग	बाह्य छेद सूत्र		
1	म म 1श्रा 131	निशीथसूत्र	Nisitha Sutra	भद्रबाहु स्वामी	मू (ग)
2	प्राणि 1श्रा82	"	"	"	मू ट (ग)
3	महा श्रा9	"	"	"	"
4	पोति 1श्रा85	"	"	"	"
5	" 1श्रा83	"	"	"	"
6	कु ना 42/1	निशीथ की चूर्णि	Nisitha ki Curni		गद्य
7	महा 1श्रा10	वृहत्कल्पसूत्र + वृत्ति	Vrhatkalpa Sutra + Vrtti	भद्रबाहु/क्षमकीर्ति	मू वृ (ग)
8	" 1श्रा11	व्यवहारसूत्र	Vyavahara Sutra	भद्रबाहु	मू भ (ग)
9	पोति 1श्रा81	दशाश्रुतस्कन्धसूत्र	Daśaśrutaskandha Sūtra	"	मू (ग)
10	कालडो 968	कल्पसूत्र	Kalpa Sutra	"	मू ट (ग)
11	के ना 24/79			"	मू (ग)
12	म ग 1श्रा36	"	"	"	मू भ (ग)
13	के ना 8/24	" + किरणावली	+ Kiranāvali	"/धर्मसागरगणि	मू वृ (ग)
14	" 1/4	"	"	/ भक्तिलाभ	मू तर्वाच्य
15	कु ना 20/1	"	"	भद्रबाहु	मू ट (ग)
16	महा 1श्रा64	" + किरणावली	" + Kiranavali	" /धर्मसागर	मू व (ग)
17	के ना 20/6	"	"	" /गुणविजय	मू तर्वाच्य

6	7	8	8A	9	10	11
छेदसूत्र साधु समाचारी	प्रा. -	28	27 × 11 × 13 × 40	सपूर्ण 20 उद्दे ग्र.815	16वी	
,,	प्रा.मा.	62	25 × 12 × 6 × 55	,, ,, ग्र. 825	19वी	
,,	,,	101	25 × 11 × 5 × 38	,, ,,	19वी	
,,	,,	49	25 × 12 × 8 × 37	,, ,,	1933 विक्रमपुर	
,,	,,	53	25 × 13 × 8 × 35	,, ,,	944 विक्रमपुर	
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा.	20	30 × 12 × 15 × 56	त्रुटक	19वी	
छेदसूत्र साध्वाचार नियम	प्रा.सं.	164	33 × 12 × 17 × 76	तृतीय खंड संपूर्ण	16वी	
,,	,,	23	27 × 11 × 16 × 57	सपूर्ण 10 उद्देशक	17वी	
,,	प्रा.	14	26 × 11 × 15 × 52	,, ,,	16वी टीकम दास ऋषि	
दशाश्रुत आठवा अध्याय तीर्थंकर कल्याणक, साधु समाचारी व स्थिरावली	प्रा.मा.	96	35 × 14 × 7 × 36	,, ग्र. 1216	1485 नागपुर हेमसागर	38 चित्र है
,,	प्रा.	82	28 × 11 × 8 × 38	,, ,,	1536	
,,	प्रा स.	131	27 × 11 × 7 × 25	,, ,,	1548	12 चित्र है
,,	,,	201	26 × 11 × 13 × 41	,, ग्र 5200	1628	संभवतः रचना वर्ष प्रशस्ति है विस्तृत
,,	,,	56	26 × 11 × 13 × 50	,,	1645	
,,	प्रा.मा.	134	26 × 11 × 5 × 40	,, ग्र. 5000	1658	
,,	प्रा सं.	127	26 × 11 × 18 × 52	,, ग्र. 4814	1664	प्रशस्ति है विस्तृत
,,	प्रा.सं मा.	138	26 × 11 × 15 × 44	,,	1687	

1	2	3	3A	4	5
18	के नाथ 15/57	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	भद्रबाहु	मू ट (म)
19	घोलि 1का70	,,	,	,,	मू (ग)
20	कोलडो 1030	,,	,,	,,	मू ट (ग)
21	,, 1230	,,	,,	,	,,
22	महा 1का63	,,	,,	,,	मू (ग)
23	घोलि 1का 8	,,	,,	,,	मू ट (ग)
24	के नाथ 8/10	,,	,,	,,	मू (ग)
25	,, 8/4	,,	,,	,,	मू ट (ग)
26	,, 6/62	,,	,,	,,	,,
27	कोलडो 12	,,	,,	भद्रबाहु/गुणविजय	अन्तर्वाच्य
28	महा 1का33	,, +कल्पलता	+Kalpalātā	,, /समयसुन्दर	मू वृ (ग)
29	,, 1का37	,, +सुबोधिका	+Subodhikā	,, /विनयविजय	,,
30	, 1का35	,, +किरणावल	+Kiranāvali	,, /धर्मसागर	,,
31	घोलि 1का65	,, +बालावबोध	+Balavabodha	,, ,,	मूट बा ट(ग)
32	कोलडो 1237	कल्पसूत्र+सन्देहविषौषधि	Kalpa Sūtra+Sandeha Viṣausadhi	भद्रबाहु/जिनप्रभ	मू व (प्र)
33	13	,,	,,	,,	मू ट व्या कथा
34	के नाथ 4/8	,,	,,	,,	मू (ट)
35	से म 1का133	,,	,,	,,	,,
36	के नाथ 8/13	,, +कल्पलता	,, +Kalplatā	,, /समयसुन्दर	मू व (ग)
37	कोलडो 15	,,	,	भद्रबाहु	मू ट व्या

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत आठवां अध्याय तीर्थंकर	प्रा. मा.	116	26×11×6×32	लगभग पूर्ण	1689	4 पत्रे कम हैं
कल्याणक, साधु समाचारी	प्रा.	43	26×11×13×39	सपूर्ण ग्र.1250	17वीं	3 चित्र मामूली
व स्थविरावली ,,	प्रा.मा.	141	25×10×14×46	अपूर्ण	17वीं	31 चित्र है व्याख्यान भी है
,	,,	59	26×11×5×40	सपूर्ण	17वीं	व्याख्यान भी है
,,	प्रा.	76	28×12×9×33	,, ग्र.1216	1719	
,,	प्रा. मा	124	25×11×6×25	,, ,,	1722	
,,	प्रा.	71	26×11×11×25	, ,,	1747	
,,	प्रा. मा.	95	25×11×7×34	,, ,,	1757	
,,	,,	137	25×11×6×38	,, ,, कथासह	1758	
,,	प्रा सं मा.	133	27×12×12×60	,,	1766	
,,	प्रा. सं.	184	26×11×15×50	,, 9वाचनाये	18वीं	
,,	,,	210	28×13×10×46	,,	18वीं	
,,	,,	299	26×11×10×31	,, ग्र. 4814	18वीं	
,,	प्रा. मा.	153	25×12×17×48	अपूर्ण ग्र 1000 तक	18वीं	
,,	प्रा. स.	72	24×11×7×36	सपूर्ण 1216 ग. की	18वीं	कठिनपदभजि विवृत्ति
,,	प्रा. मा.	95	24×10×11×58	,, ग्र. 1216	18वीं	
,	,,	135	25×11×6×32	,,	18वीं	
,,	,,	145	26×11×8×40	लगभग पूर्ण ग्र.1216	1793 गुटा. नेयमूर्ति	प्रथम2पत्रे कम
,,	प्रा. सं.	154	26×11×14×43	अपूर्ण (कुल 13पत्रे कम है)	1793	
,,	प्रा. मा.	243	25×11×13×35	सं. ग 1216 का	1807	

1	2	3	3A	4	5
38	के ना 20/32	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	भद्रबाहु	मू व्याख्यान
39	कोलडी 17	,,	,,	,,	मू ट व्या
40	,, 1035	,,	,,	,,	,,
41	के ना 8/22	,,	,,	,,	मू ग
42	,, 8/8	,,	,,	,,	,,
43	ओसि 1म्रा 67	,,	,,	,	मू ट व्या कथा
44	कालडी 6	,,	,	,,	मू ग
45	,, 14	,,	,,	,,	मू ट व्या कथा
46	कु ना 22/2	,,	,,	,,	मू ट व्या
47	कोलडी 4	,,	,	,,	मू ग
48	महा 1म्रा62	,,	,,	,,	मू ट कथा
49	,, 1म्रा 65	कल्पसूत्र+कल्पद्रुमकलिका	Kalpa Sūtra+Kalpadruma kalikā	,, /लक्ष्मीवल्लभ	मू वृ (ग)
50	,, 1म्रा32	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	,,	मू ग
51	कोलडी 5	,,	,,	,,	,,
52	ओसि 1म्रा96	,,+कल्पद्रुमकलिका	,, +Kalpadrumakalikā	, /लक्ष्मीवल्लभ	मू वृ (ग)
53	महा 1म्रा 34	,,	,,	,,	मू ग
54	के ना 18/1	, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /	मू व (ग)
55	,, 17/45	,,		,,	अन्तर्वाच्य
56	, 15/109	,, +किरणावली	, +Kiraṇāvalī	,, /धर्मसागर	मू व (ग)
57	15/103	,, +कल्पचन्द्रिका	, +Kalpacandrikā	,, /गुणविनय	,,

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत का आठवां अध्याय	प्रा. मा.	118	25×11×15×45	स. ग्र. 1216 का	1810	
,,	,,	106	25×11×5×38	स.ग्र.1216+2500 +825	1816	
,,	,,	183	24×11×6×32	सं.	1825	
,,	प्रा.	34	26×12×11×38	,, ग्र. 1216	1831	
,,	,,	61	25×12×11×34	,, ,,	1843	
,,	प्रा. मा.	166	26×12×17×40	,, ,,	1845 सत्यसुन्दर	
,,	प्रा.	72	27×13×11×30	,, ,,	1857	
,,	प्रा. मा.	129	27×14×17×38	,,	1865	
,,	,,	157	25×10×5×46	,,	1869	
,,	प्रा.	61	25×14×12×34	,, ग्र 1216	1873	
,,	प्रा. मा.	160	27×13×13×31	,, 9वाचनायें	1875 विजयचंद	
,,	प्रा. सं.	206	26×11×13×43	,, 9व्याख्यान	1876 गुलाबविजय	विगतवार प्रशस्ति
,,	प्रा.	92	26×12×8×35	,, ग्र. 1216	1880 सुभटपुर	प्रारंभ मे कुछ अवचूरि भी
,,	,,	50	26×31×12×32	,, ,,	1883	
,,	प्रा. सं.	161	26×13×15×44	,, ,,	1885	20.50 रुपयों मे खरीदी गुणचद से
,,	प्रा.	78	26×12×10×26	,, ,,	19वी सिद्धचद्र	
,,	प्रा. स.	100	26×13×16×51	,, 8वाचना तक	19वी	खरतर अन्त-र्वाच्य का उल्लेख
,,	प्रा.सं.मा.	72	25×11×13×36	,, ग्र. 2500	19वी	
,,	प्रा. सं.	126	25×10×17×60	,,	19वी	
,,	,,	103	25×11×15×47	,,	19वी	

1	2	3	3A	4	5
58	कोलडी 16	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	भद्रबाहु/	मू ट व्या
59	,, 3	,,	,,	,,	मू ग
60	,, 1	,,	,,	,,	,,
61	कु ना 30/1	,,	,,	,,	,,
62	,, 53/3	,,	,,	,,	मू ट व्या क
63	कोलडी 2	,,	,,	,,	मू ग
64	के ना 29/35	,,	,,	भद्रबाहु	,,
65	,, 29/30	,,		,,	,,
66	कु नाथ30/2	,,	,,	,,	अन्तर्वाच्य
67	,, 4/80	,,	,,	,,	मू ग
68	महा 1श्रा 61	,, +सुबोधिका	,, +Subodhikā	,, /विनयविजय	मू वृ (ग)
69 70	,, 1श्रा59/60	,, 2 प्रतिमा	,, 2 Copies	,,	मू ग
71	के नाथ 8/20	,,	,,	,, /भक्तिविलास	अन्तर्वाच्य
72	,, 8/26	,, +कल्पद्रुमकलिका	,,+Kalpadrumkalikā	,, /लक्ष्मीवल्लभ	मू वृ (ग)
73	,, 20/43	,,	,,	,,	मू ग
74	,, 5/7	,,	,,	,,	मू ट कथा
75	महा 1श्रा140	,, +कल्पार्थबोधिनि	,, +Kalpārthabodhini	,, /वैशरमुनि	मू व (ग)
76	के नाथ29/102	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
77	,, 10/82	,,	,,	,,	मू ट

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत 8वा अध्य जिनकल्याणक स्थविरावली +समाचारी	प्रा.मा.	175	25×10×12×30	सपूर्ण	19वी	
	प्रा.	78	26×11×7×35	,, ग्र. 1216	19वी	
,,	,,	114	26×11×9×22	,,	19वी	
,,	,,	126	25×17×7×24	,,	19वी	
,,	प्रा.मा.	137	26×11×6×37	,,	19वीं	
,,	प्रा.	58	27×12×9×37	स्थविरावली तक	19वी	समाचारी नहीं है
,,	,,	144	27×13×7×22	संपूर्ण ग्र. 1216	1919	
,,	,,	51	27×12×13×32	,, ,,	1927	
,,	प्रा.स मा.	131	26×12×4×54	,, ,,	1939	
,,	प्रा.	108	26×13×6×34	,, ,,	1955	
,,	प्रा.स.	212	27×12×10×43	,, ,,	1955 अहमदावाद, श्रीकृष्ण	
,,	प्रा.	133, 139	26×13×7×35	,, ,,	20वी	चित्रो की खाली जगह है
,,	प्रा सं.मा.	152	25×11×11×42	,, ,,	20वी	जिनकीर्ति सूत्र शिष्य
,,	प्रा स.	149	26×11×7×32	,, ,,	20वी	पत्रे अस्तव्यस्त लिखावट
,,	प्रा.	63	25×11×13×27	,, ,,	20वी	
,,	प्रा.मा	123	27×12×13×36	,, ग्र. 4000	20वी	
,,	प्रा.सं.	110	30×13×18×72	,, ग्र. 1216+7443	2010 जोधपुर शिवदत्त	1993की कृति
,,	,,	189	25×11×16×48	,, ,,	2008नागोर शिवदत्त	,,
,,	प्रा.मा.	7	26×12×6×44	केवल अन्द्देरा अधिकार	16वी	10प्राप्तसंवृत्तान

1	2	3	3A	4	5
103	के ना ४/9	कल्पसूत्र व्याख्यान	Kalpa Sūtra Vyākhyāna		अन्तर्वाच्य
104	,, 4/19	,, ,,	,, ,,		,,
105	,, 8 2	कल्पलतानाम्नीवृत्ति	Kalpalata Namnı Vṛttı	समयसुन्दर	गद्य
106	प्राशि 1प्रा97	,,	,,	,,	,,
107	के ना 8/11	,,	,,	,,	,,
108	,, 8/1	,,	,	,,	,,
109	, 18/42	,,	,	,,	,,
110	मु स 1प्रा124	,,		,,	,,
111	के ना 11/71	,,	,	,,	,,
112	" 8/17	सन्देह विषौषधिनाम्नी पंजिका	Sandeha Vısauşadhı Nāmanı Pañjıkā	जिनप्रभसूरि	,,
113	बालही 7	कल्पान्त वाच्यानि	Kalpāntah Vācyānı	जिनहंससूरि	,,
114	,, 9	कल्पद्रुमकलिकानाम्नी-वृत्ति	Kalpadrumakalıkā Namnı Vṛttı	लक्ष्मीवल्लभ	,,
115	के ना 5/18	कल्पसूत्र की वृत्ति	Kalpa Sūtra kı Vṛttı		,,
116	कोलड़ो 8	,,	,		,,
117	कु ना 24/1	कल्पसूत्र भाषान्तर	Kalpa Sūtra Bhāsantara		,,
118	,, 3/77	,, वाचना	, Vacanā		,,
119	के ना 6/97	कल्पव्याख्यान	Kalpa Vyakhyāna	जयानन्दसूरि	,,
120	,, 9/37	कल्पान्त वाच्यानि	Kalpāntah Vācyanı		,
121	पोमि 4प्रा6	(स्थविरावली) कल्पसूत्र	(Sthavırāvalı) Kalpa Sutra	(कल्पसूत्रे)	,,
122	2/2 6	(समाचारी) ,,	(Samācārı) ,	,,	,,

6	7	8	8A	9	10	11
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा.स.	88	26×11×13×36	सपूर्ण	19वी	
,,	प्रा.सं.अ. मा.	55	26×11×5×30	,,	19वी	
कल्पसूत्र की व्याख्या	स.	169	25×11×15×50	,, ग्र.1216की	16वी	
कल्पसूत्र के व्याख्यान	,,	85	26×11×15×48	,, 8व्याख्यान	18वी	
,,	,,	113	25×11×15×47	अपूर्ण 5 ,,	1732	महावीर निर्वाण तक
,,	,,	66	25×11×15×36	,, महावीर जन्मोत्सव तक	18वीं	
,,	,,	127	27×11×15×45	,, 6ठी वाचना तक	'9वी	
,,	,,	24	25×11×16×50	,, केवल 1½ व्याख्यान मात्र	19वी	
,,	,,	7	25×11×19×44	,, ,, 7वा व्याख्यान,	20वी	ऋषभचरित्र मात्र
कल्पसूत्र की दुर्गपद विवृत्ति	,,	54	26×11×16×56	सपूर्ण ग्र.3041	1638	1364 की रचना
कल्पसूत्र की व्याख्या	,,	55	28×11×15×44	,,	1662	प्रथम पन्ना कम
,,	,,	196	25×10×13×45	,, ग्र. 1216 की	1899	
,,	,,	60	26×11×13×45	अपूर्ण (कुछ समाचारी की)	17वी	प्रारभ ॐ श्रुता पंचमति-श्रुता वपि....
,,	,,	77	24×11×14×36	,, 7वी वाचना तक	1850	
,,	,,	17	26×14×11×36	,, स्वप्नाधिकार तक	19वी	
,,	,,	10	26×13×11×44	,, केवल चौथी वाचना	19वी	
,,	,,	18	26×11×17×50	,, स्वप्नो से मत तक,	19वी	प्रथम 4पन्ने कम हैं
,,	,,	8	26×11×19×48	,, स्थविरावली का अंश	20वी	
,,	प्रा.मा.	24	25×13×13×33	केवल स्थविरावली	20वी बीकानेर कंवलगच्छे	
,,	,,	18	26×12×16×32	,, समाचारी	1914	,,

1	2	3	3A	4	5
123	मु मु 1प्रा119	कल्पसूत्र व्याख्यान	Kalpa Sutra Vyākhyāna		गद्य
124	के ना 8/3	,, बालावबोध	,, Bālāvabodha		,
125	म म 1प्रा138	,, व्याख्यान	,, Vyākhyana		,,
126	प्रोसि 1प्रा71	,, वाचना	, Vacanā		,,
127	तु ना 55/1	,, भाषा टीका	,, Bhāsā Tika	शान्तिसागर	,,
128	कालडी 1031	,, व्याख्यान	, Vyākhyana		,
129	, 1029	,, ,,	, ,,		,,
130	के ना 20/20	,, बालावबोध	,, Balavabodha		,,
131	प्रासि 1प्रा95	,, ,,	,,		,,
132	तु नाप 55/8	,, भाषा	, Bhaṣa		,,
133	क नाप15 146	,, बालावबोध	,, Bālavabodha		,,
134	प्रोसि 1प्रा125	,, व्याख्यान	Vyākhyana		,,
135	के नाप 5/63	, ,,	,, ,		,,
136	, 10/57	, अन्तर व्याख्यान	, Antara Vyākhyana		,,
137	म म 1प्रा132	,, वाचना	, Vacanā		,,
138	प्रासि 1प्रा98	, ,,	, ,		,,
139	क ना 8/25	,, बालावबोध	, Bālavabodha		,
140	, 17 67	,, वाचना	,, Vacanā	शिवनिधान गणि	,,
141	तु ना 44/3	,, ,	, ,		,
142	,, 24/10	, ,,	, ,,		,,

6	7	8	8A	9	10	11
कल्पसूत्र की व्याख्या	मा.	113	29 × 13 × 12 × 40	सपूर्ण लगभग कालक कथा	16वी	प्रथमत्र ज्ञतिम पत्रा रूग्ण
,,	,,	174	25 × 12 × 13 × 41	,, ग्र 1216	1608	
,,	,,	68	26 × 12 × 11 × 28	लगभग पूर्ण (स्थ.प्र)	1616	
,,	,,	102	25 × 12 × 20 × 37	म. 9वाचनायें कथासह	19वी	
,,	राजस्थानी	212	27 × 13 × 13 × 27	सपूर्ण	19वी	
,,	मा.	194	26 × 11 × 15 × 48	,, 9वाचना	19वी	
,,	,,	146	25 × 11 × 16 × 32	लागभग पूर्ण कालक-कथा अपूर्ण	19वी	
,,	,,	139	26 × 13 × 14 × 39	सपूर्ण	19वीं	
,,	,,	176	26 × 12 × 14 × 37	,, 9वाचनायें	1913 विक्रमपुर	
,,	,,	134	26 × 14 × 15 × 38	,,	1934	
,,	,,	185	25 × 11 × 14 × 36	,, ग्र.1216 का	1935	
,,	,,	99	25 × 13 × 20 × 39	,, 9वाचनायें	1942	
,,	ग्र.	35	26 × 11 × 13 × 46	,,	20वी	स्थविरावलीविधि व मचलगच्छ की
,,	मा.	13	28 × 12 × 16 × 51	,,	20वी	
,,	,,	116	26 × 11 × 12 × 43	5वी वाचना अधूरी	17वी	जीर्ण प्रारभ मे प्रशस्ति
,,	,,	63	25 × 11 × 13 × 40	1,2,4,और 6 की वाचना	18वी	
,,	,,	66	26 × 11 × 15 × 42	प्र. पार्श्वनाथचरित्र तक	1.वी	
,,	,,	105	25 × 10 × 14 × 46	5से8वी वाचनाये	19वी	
,,	,,	82	21 × 14 × 11 × 24	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	7	26 × 11 × 12 × 40	केवल 5वीं वाचना अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3A	4	5
143	कोलड़ी 446	कल्पसूत्र-वाचना	Kalpa Sutra Vācanā		गद्य
144	,, 158	,, ,,	,, ,,		,,
145	,, 1034	,, व्याख्यान	,, Vyākhyāna		,,
146	मोसि 3§185	,, ,,	,, ,,		,,
147	कोलड़ी 1040	,, वाचना	,, Vācanā		,,
148	के नाथ 19/57	,, व्याख्यान भावघोल	, Vyākhyāna Bhāsaghola	ज्ञानविमल	पद्य
149	,, 11/1	पंचकल्पभाष्य (महत्)	Pañcakalpa Bhāṣya (Mahat)	संघदास क्षमाश्रमण	भाष्य
150	,, 11/2	,, चूर्णि	,, Cūrṇi		चूर्णि
151	महा 1आ13	महानिशीथसूत्र	Mahānisītha Sūtra		मू ग
152	,, 1आ12	,,	,,		,,
153	क नाथ 29/3	,,	,,		,,
154	महा 1आ40	यतिजीतकल्प	Yati Jītakalpa	जिनभद्रक्षमाश्रमण/सोमप्रभ	मू ट
155	,, 1आ38	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	, / , /देवगुप्त शिष्य	मू वृ
156	,, 1आ39	,, ,,	,, ,,	/ ,, / ,	,,
157	कोलड़ी 38	जीतकल्प+वृत्ति	Jītakalpa+ ,,	,, /तिलकाचार्य	,,
भाग	विभाग 1 आ	(iii) जैन आगम-ग्रंथ	बाह्य चूलिका व मूल सूत्र		
1	कोलड़ी 39	नंदीसूत्र	Nandi Sūtra	देववाचक	मू ग
2	क नाथ 14/26	,,	,,	,,	,,
3	महा 1आ28	,,	,,	,,	मू ट (ग

6	7	8	8A	9	10	11
कल्पसूत्र-व्याख्यान	भा.	14	26×10×13×50	केवल 3री वाचना	19वी	
,,	,,	5	27×11×17×44	केवल 9वी वाचना भी अधूरी	19वी	
,,	,,	59	26×12×10×32	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	17	25×11×13×33	,, महावीर पूर्व भव तक	19वी	
,,	,,	3	26×11×10×33	3री वाचना भी अधूरी	20वी	
कल्पसूत्र का साराश	,,	22	28×13×12×36	सपूर्ण 10 व्याख्यान	1935	
छेद सूत्रागम साहित्य	प्रा.	84	30×16×15×40	,, ग्र. 3218	1940	
,,	प्रा.स.	61	29×16×18×41	,, ग्र. 3125	1940	
छेद सूत्र	प्रा.	160	27×11×13×38	,, ग्र. 4504	1784 चतुरहर्ष	
,,	,,	99	26×12×13×55	,, ,,	19वीं	
,,	,,	40	26×11×7×46	अपूर्ण6,7वा अध्य. मात्र	19वी	
,,	प्रा.मा	37	26×11×7×27	सपूर्ण 306 गाथायें	17वी	मूल संक्षिप्त जिनचन्द्र का
,,	प्रा.स.	139	26×13×15×44	,, ,, की ग्र. 6602	19वी	,,
,,	,,	129	27×13×10×51	,, ,, ,,	20वी गहरदान	
,, साहित्य	,,	55	24×14×13×38	,, 105 गाथा की	19वी	
जैनागम-ज्ञान पर	प्रा.	29	27×11×11×40	संपूर्ण	17वी	
,,	,,	41	27×11×6×45	,,	1724	
,,	प्रा मा.	38	26×11×7×51	,,	18वीं	

1	2	3	3A	4	5
4	कोलद्दी 40	नं दिसूत्र +बालावबोध	Nandı Sūtra +Balavabodha	देव वाचक	मू बा (ग)
5	मु सु 1प्रा117	,,	,,	,,	मू ट (ग)
6	प्रासि 1प्रा73	,,	,	,,	मू ट कथा
7	महा 1प्रा56	,, +वृत्ति	+Vrttı	,, /मलयगिरि	मू वृ (ग)
8	प्रासि 1प्रा75	,,	,,	,,	मू ग
9	1प्रा74	,,	,	,,	मू ट (ग)
10	के ना 13/37	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	,, /मलयगिरि	मू वृ (ग)
11 12	कु ना 3/70 40/1	,, आलापक 2 प्रतियां	, Ālapaka 2 Copies	,,	मू ग
13	महा 1प्रा 29	,, की वृत्ति	, kı Vṛttı	मलयगिरि	गद्य
14	के नाथ1/18	,, ,	,, ,,		,,
15	कोलद्दी 1166	,, ,,	,, ,,		,,
16	मु सु 1प्रा113	अनुयोगद्वारसूत्र	Anuyogadvara Sūtra		मू प
17	के नाथ 3/4	,,	,		,,
18	,, 11/103	,, +वृत्ति	,, +Vrttı		मू वृ (प ग)
19	,, 14/35	,,	,,		मू प
20	, 2/1	,,	,,		,
21	प्रोसि 1प्रा72	,, +बालावबोध	,, +Balavabodha		मू गा
22	मु सु 1प्रा118	दशवैकालिकसूत्र	Daśavaıkalıka Sūtra	शय्यंभवसूरि	मू
23	के नाथ1/30	,,	, ,,	,,	,,
24	प्रासि 1प्रा105	,	,,	,,	मू ट

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-ज्ञान पर	प्रा.मा.	104	26×13×15×28	संपूर्ण	1888	
,,	,,	44	25×12×8×44	,,	19वी	
,,	,,	96	25×12×6×35	,,	1943, ×, वासुदेव	
,,	प्रा.सं.	193	27×13×12×61	,,	1963	
,,	प्रा.	11	24×12×16×59	,,	1967	
,,	प्रा.मा.	72	24×11×19×50	,,	1985 नागोर	
,,	प्रा स	70	29×12×16×63	अपूर्ण (आधाभाग पिछला)	1607	पत्रे 78से147 (अंत)
,,	प्रा.	1+1	26×11×11×9	मूल के उद्धरण	18/19वी	
जैनागम व्याख्या साहित्य	स.	169	26×11×15×50	सपूर्ण ग्र. 8105	18वी	
,,	,,	28	26×11×13×42	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	11	26×12×15×37	,,	19वी	
जैनागम/व्याख्यान पद्धति	प्रा	81	26×11×9×30	म गा 1604/ग 2005	17वी पाली.भागचद	
,,	,,	36	26×11×13×47	सपूर्ण ग्र. 1399	1519	जीर्ण
,,	प्रा स	176	27×10×13×54	लगभग पूर्ण	16वी	
,,	प्रा.	51	28×12×13×41	सपूर्ण ग्र 1604	17वी	
,,	,,	30	27×11×15×50	,,	1704	किंचित् अवचूरि भी है
,,	प्रा मा.	83	26×12×5×64	,, ग 1417 का	1836 पाली टीकमदास	जीर्ण
जैनागम-आचारादि	प्रा.	34	27×9×8×54	सं. 10 ग्रन्थ ; 2 पत्रिका	15वी	बीच में कुछ पत्रे कम है
,,	,,	16	26×11×16×50	,, ,,	1620	
,,	प्रा मा.	49	26×11×6×44	,, ग्र 700 ,,	17वी	

1	2	3	3A	4	5
25	के ना 15/107	दशवैकालिकसूत्र	Daśavaikālika Sūtra	सयभवसूरि	मू
26	,, 20/5	,,	,,	,,	मू ट
27	कोलडो 1024	,,	,,	,,	मू भ्र
28	,, 50	,,	,,	,,	मू ट
29	,, 1025	,,	,,	,,	,,
30	,, 46	,,			मू
31	के ना 3/23	,,	,	,,	मू ट
32	, 24/2	,,	,	,,	मू
33	, 15/5	,,	,,	,	मू ट
34	कु ना 17/9	,,	,,	,,	मू
35	क ना 1/3	,,	,	,,	,,
36	कालडो 51	,,	,,	,,	मू ट
37	, 49	,,	,,	,,	,,
38	प्रोसि 1भ्रा 107	,,	,	,,	,,
39	,, 1भ्रा106	,,	,,	,,	,,
40	महा 1भ्रा22	,, +चूर्णि,वृत्ति, दीपिका	,, + Cūrni Vṛtti Dipika	सयभव/हरिभद्र/ माणिक शेखर	मू चू वृ दी
41	कोलडो 45	,,	,	सयभव	मू
42	, 47	,,	,	,,	,,
43	,, 48	,,+बालावबोध	,, + Bālāvabodha	,,	मू बा
44	कु ना 24/8	,,	,,	,,	मू ट

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-ग्राचा-रादि	प्रा.	16	26×10×14×60	स.10ग्रध्य.+2चूलिका ग्र. 700	17वी	ग्रत मे10श्लो ग्रतिरिक्त
,,	प्रा. मा.	52	26×11×16×41	,, ,,	17वीं	
,,	प्रा. सं.	26	25×11×13×34	लगभग संपूर्ण	17वी	प्रथम व अंति पन्ना नही
,,	प्रा. मा	66	24×10×5×44	संपूर्ण	1754	
,,	,,	41	24×11×6×42	लगभग संपूर्ण	18वीं	10वें ग्रध्या. की 20गा. क
,,	प्रा.	20	26×11×10×38	संपूर्ण चूलिकासह	18वी	
,,	प्रा. मा.	31	25×11×7×53	,, ग्र. 1924	18वीं	
,,	प्रा.	31	25×12×11×33	,, चूलिकासह	18वीं	
,,	प्रा. मा	64	24×10×5×37	,, 10ग्रध्या.	1807	
,,	प्रा.	39	25×12×10×26	,, ,, ग्र. 700	1810	प्रथम पन्ना कम
,,	,,	34	24×11×11×32	,, ,, चूलिकासह	1812	
,,	प्रा. मा	45	26×10×5×42	,, ,, ,,	1820जोध-पुर गुणविजय	
,,	,,	67	25×11×5×33	,, ,,	1827	
,,	,,	68	25×13×5×32	,, ,,	1876 बीकानेर	
,,	,,	54	26×12×5×35	,, ,,	1889विक्रम-नगर ग्रर्द्धवि-शाल	
,,	प्रा. सं.	112	27×13×16×54	,, वृ ग्र. 7470	19वीं	
,,	प्रा.	35	28×13×7×46	,,	1846	
,,	,,	20	25×11×13×45	संपूर्ण 10ग्रध्या.	19वी	
,,	प्रा. मा.	83	25×12×13×45	,, ,,	19वी	
,,	,,	38	27×13×5×56	ग्रपूर्ण विनयसमाधि 2 उद्दे. तक	19वी	

1	2	3	3A	4	5
45	के ना 1/21	दशवैकालिक सूत्र	Daśavaikālika Sūtra	शय्यभव	मू ट
46	,, 4/18	,,	,,	,,	,,
47	प्रोसि 1प्रा104	,,	,,	,,	,,
48	,, 1प्रा108	,,	,,	,,	मू
49	महा 1प्रा21	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /हरिभद्र	मू वृ
50	प्रोसि 1प्रा103	,, +बाला	,, +Bala	,, /-	मू बा
51	महा 1प्रा24	,, +वृत्ति	, +Vṛtti	,, /हरिभद्र	मू वृ
52	कु ना 43/5	दशवैकालिक सूत्र	,,	शय्यभव	मू ट
53	कोलहो 52A	,,	,	,	,
54	महा 1प्रा23	,,	,,	,,	मू
55	कु ना 25/10	,,	,	,,	मू ट
56	के ना 15/200	,,	,	,	मू
57	11/102	,,	,	,	,,
58	,, 6/83	,, +वृत्ति	, +Vṛtti	, /-	मू वृ
59	,, 24/3	दशवैकालिक सूत्र	,	,	मू
60	, 13/23	,	,	,	मू ट
61-2	कोलहो 1023, 1026	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	,,	मू
63	प्रोसि 3प्र31	,	,	,,	मू ट
64	महा 1प्रा54	,,		,	,,
65	प्रोसि 1प्रा134	, का अवचूरि	,, Avacūri		गद्य

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-आचारादि	प्रा.मा.	46	25×10×6×40	सपूर्ण चूलिकासह	19वा	
,,	,,	46	25×11×7×37	,, 10अध्य.ग्र.1500	19वी	
,,	,,	69	25×13×19×38	,, ,,	1943	
,,	प्रा.	7	27×12×28×65	,, ,,	1952मालेर कोटला,लछमनदास	
,,	प्रा. सं.	250	26×11×11×47	,, ,, चूलिकासह	1961, ×, अमरदत्त	
,,	प्रा.मा.	54	25×11×6×47	,, ,,	1965नागौर	
,,	प्रा. सं.	171	26×13×15×44	,, ,, चूलिकासह	20वी, ×, यशसूरि	
,,	प्रा.मा.	69	26×12×5×32	,, ,,	20वी	
,,	,,	17	27×11×5×34	अपूर्ण 4 अध्य. तक	1763	
,,	प्रा.	2	25×12×12×34	केवल 2रा अध्य.	18वीं	
,,	प्रा.मा	22	26×11×7×60	त्रुटक	18वीं	
,,	प्रा.	41	26×11×13×46	अपूर्ण पिण्डेषणा से अंत तक	18वी	
,,	,	18	26×11×13×40	,, 5वें से 10वें अध्य तक	18वी	
,,	प्रा.सं.	46	24×10×13×48	, 3रे से अंत तक	18वी	
,,	प्रा.	21	25×11×9×27	,, 5वे अध्य. तक	19वी	
,,	प्रा.मा	57	27×12×6×35	, 5वें से विनय समाधि तक	19वी	
,,	प्रा.	16,10	27×13व25×12	त्रुटक	19वी	
,,	प्रा.मा.	5	27×13×8×50	अपूर्ण 4थे अध्य तक	19वी	
,,	,,	3	23×13×4×33	,, केवल 2 अध्ययन	20वी	
जैनागम व्याकरण साहित्य	मा.	17	27×11×25×62	सपूर्ण	16वी	माघ वे पचमी गुणाकरसूरि

1	2	3	3A	4	5
66	कु ना 55/5	दशवैकालिकसूत्र का बालावबोध	Daśavaikālika Sūtra kā Balavabodha	राजसूरि (खरतर)	पद
67	के ना 13/32	,, का वृत्ति	,, ki Vṛtti	सुमतिसूरि	,,
68	,, 18/37	,, ,,	,, ,,		,,
69	मु सु 2/328	,, की सज्झाय	,, ki Sajjhaya	जयतसी	पद
70	,, 2/329	,, ,,	,, ,,	,,	,,
71	महा 3ः164	,, ,,	, ,,	,,	,,
72–3	के ना 20/26 19/43	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 Copies	,,	,,
74	,, 15/133	,, ,,	,, ,,	क्षमसमुद्र	,,
75	,, 21/89	,, ,,	,, ,,	वृद्धिविजय	,,
76	कोलडी 1156	,, ,,	, ,	,,	,,
77	से म 1का109	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyayana Sūtra		मू
78	के ना 1/5	,, +वृत्ति	+Vṛtti		मू वृ
79	कु ना 38/1	,, +बाला	,, +Balā		मू बा
80	कोलडी 52B	,, + ,,	,, + ,		,,
81	के ना 14/27	उत्तराध्ययनसूत्र	,,		मू
82	कोलडी 54	,, +बाला	, +Bāla		मू बा
83	के ना 4/2	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	-/नेमिचद्रसूरि	मू व
84	मोहि 1का76	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyayana Sūtra		मू
85	,, 1पा93	,,	,,		,,
86	,, 1पा79	,,	,,		मू ट

		6	7	8	8A	9	10	11
kā odha		...गम-व्याख्यान साहित्य	मा.	79	27×11×13×45	किंचित् प्रारंभ मे अपूर्ण 5 पत्रे कम	17वी	गाथा सहित
		,,	स.	61	26×12×15×48	स.10अध्य ग्र.2600	1785	
		,,	,,	15	27×11×15×38	अपूर्ण 4थे अध्य. तक	19वी	
a		अध्य मय साराश	मा.	3	25×11×15×49	संपूर्ण सज्झाय	1763	
	,,	,,	,,	5	25×11×10×36	लगभग पूर्ण	18वीं	अतिम पत्रा व
	,,	,,	,,	5	25×12×13×34	सपूर्ण 11 सज्झाय	19वी	
pies	,,	,,	,,	8,6	23×11 व 25×13	,, 11 ,,	20वी	
		,,	,,	14	26×11×15×40	,, 12 ,,	1850	
		,,	,,	7	28×12×12×39	,, 11 ,,	1904	
	,,	,,	,,	8	26×12×13×32	लगभग पूर्ण	1828	प्रथम पत्रा क
		जैनागम-प्रतिप उपदेश	प्रा.	54	27×11×15×35	सं.ग्र. 2194अ.36	1484मूली ग्राम,भट्ट शिवाणी	
		,,	प्रा.सं.	362	26×11×11×35	,, 8260	18वी	
		,,	प्रा मा.	159	28×12×6×36	लगभग पूर्ण (36वा कुछ कम)	16वी	
		,,	,	101	26×11×6×40	सपूर्ण 36 अध्ययन	1619	
		,,	प्रा.	58	27×11×14×43	,, ,,	1623	
		,,	प्रा.मा.	167	26×11×13×50	,, ग्र 6250	1657	
		,,	प्रा.स	317	25×11×15×45	,, ग्र. 14000	1666	अपर नाम देवेन्द्र गणि सुखबोधी नाम्नी वृत्ति
		,,	प्रा.	51	26×11×15×50	सं.ग्र. 2000अध्य 36	17वीं	
		,,	,	46	33×13×13×61	,,	17वीं	जीर्ण
		,,	प्रा.मा.	231	26×11×4×33	म 36 अध्य	1767 × जेठाबीमती	

1	2	3	3A	4	5
87	के ना 5/115	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttaradhyayana Sūtra		मू ट
88	,, 20/2	,,	,,		,
89	,, 13/1	,,	,,		मू
90	कोलडी 53	,	,,		मू ट
91	,, 1018	,, +बाला	,, +Balā	-/-	मू बा
92	,, 58	उत्तराध्ययनसूत्र	,,		मू ट
93	, 57	,,	,,		मू ट कथा
94	,, 56	,,	,,		,,
95	प्रोसि 1भा 78	,,	,,		मू
96	कालडी 55	,,	,,		मू ट
97	प्रोसि 1भा 136	,,	,,		मू ट कथा
98	के ना 11/4	,, +वृत्ति	, +Vṛtti	-/शान्त्याचार्य	मू वृ
99	महा 1भा53	,, + ,	,, + ,	-/भावविजय	,,
100	के ना 5/48	,, +दीपिका	, +Dīpikā	/लक्ष्मीवल्लभ	मू दी
101	, 5/1	,, +वृत्ति	, +Vṛtti	-/-	मू वृ
102	13/17	,, +बाला	, +Bālā	-/-	मू बा
103	,, 10/8	,, +वृत्ति	, +Vṛtti	-/-	मू वृ
104	प्रोसि 1भा77	उत्तराध्ययनसूत्र	,		मू ट
105	के ना 9/8	, +वृत्ति	, +Vṛtti	-/भावविजय	मू वृ
106	कोलडी 61	,, +दीपिका	, +Dīpikā	-/लक्ष्मीवल्लभ	मू दी

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-अंतिम उपदेश	प्रा मा	191	26×11×7×38	सपूर्ण 36 अध्य.	1787	
,,	,,	133	27×11×13×45	,,	17वीं	
,,	प्रा.	121	27×12×9×32	,,	17वीं	
,,	प्रा.मा	178	25×11×5×35	,,	1753/62	
,,	,,	273	26×11×13×45	लगभग पूर्ण 36वें का 265 श्लोक	18वीं	
,,	,,	177	26×11×5×38	पूर्ण36अध्य.ग्र.2205	18वी	
,,	,,	267	25×12×16×50	सपूर्ण 36 अध्य.	1839	
,,	,,	302	26×11×5×34	,,	1892	टब्बार्थ 18वें अध्य. तक ही
,,	प्रा.	41	26×11×16×54	,, ग्र. 2000	19वी	
,,	प्रा.मा.	177	25×11×5×36	,, ग्र. 2205	19वी	
,,	,,	203	26×13×17×53	सं ग्र.2000+8000 +4000	1900बीकानेर,छोटुलाल	जीर्ण, प्रथम पन्ना कम है
,,	प्रा स	399	29×16×17×38	सं 36 अध्य.	1941,	(टीका पाई नाम्नी)
,,	,,	521	27×13×13×41	स. ग्र. 16255	1958जामनगर खूबकुशल	प्रशस्ति है। सशोधित
,,	,,	33	26×11×18×48	अपूर्ण32/70से अंत तक	16वी	
,,	,,	126	26×11×15×49	,, 4थे से 11वे अध्य. तक	16वी	
,,	प्रा.सं.मा	144	26×12×13×35	,, 25वें अध्य तक	17वीं	प्रथम पृष्ठ पर चित्र
,,	प्रा.स.	218	27×11×15×58	,, 23वें ,,	17वी	
,,	प्रा.मा	101	25×11×5×47	अपूर्ण 26वें अध्य.तक	18वी	
,,	प्रा सं	162	26×11×12×43	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	29	25×13×17×50	,, 2 अध्या. तक	19वी	

1	2	3	3A	4	5
107	के ना 1/25	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyayana Sūtra		मू ट
108	दु ना 17/11	"	"		मू
109	के ना 26/96	"	"		"
100	महा 1का26	" +वृत्ति	" +Vṛtti	-/भावविजय	मू वृ.
111	कोलडी 814	उत्तराध्ययनसूत्र	"		मू ट
112	, 1019	" +बाला	" +Balā		मू बा
113	क ना 16/22	उत्तराध्ययनसूत्र+अव	" +Avcūri		मू अ.
114 5	,, 14/24,26 /72	" 2 प्रतियां	" 2 Copies		मू
116	महा 1का25	" की चूर्णि	" ki Cūrni		गद्य
117	,, 1का55	" की वृत्ति	" ki Vṛtti	शांत्याचार्य	"
118	कोलडी 60	" की कथायें	" ki Kathāyen	शीलगणि	"
119	मु मु 1का12?	,, की बृहद्वृत्ति, की कथायें	" ki Vṛhad Vṛtti Kathayen	पद्मसागर	"
120	दु ना 47/7	" "	" "		"
121	कोलडी 54	" "	" "	पद्मसागर	"
122	दु ना 25/9	, की कथायें	. ki Kathayen		"
123	के ना 23/80	" की सज्झायें	" ki Sajjhayen	वाचक रामविजय	पद्य
124	गोमि 1का135	" "	" "	"	"
125	क ना 21/84	" "	" "	आलकरणजी	"
126	कोलडी4/7गु	" "	" "	उदयविजय	"
127	,, गु 10/5	" "	" "	"	"

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-अंतिम उपदेश	प्रा.मा	17	25×11×17×41	अ केवल 32 अध्य.	19वी	
,,	प्रा.	6	27×12×17×42	,, ,, 36वा ,,	19वी	पन्ना स.4 नही है
,,	,,	2	26×11×13×40	,, नमिप्रव्रज्या ,,	19वी	
,,	प्रा म.	139	28×12×15×42	,, 6ठे अध्य. तक	20वी	
,,	प्रा.मा.	9	30×10×5×36	,, मृगापुत्र अ.99गा.	19वी	
,,	,,	22	25×10×12×30	,, अध्या. 3/14 तक	20वी	
,,	प्रा सं	3	26×11×9×40	,, अनाथी मुनि अध्या.	20वी	
,,	प्रा.	4,7	27×12×9×30	त्रुटक 9और 36अध्य	20वी	
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा सं.	130	27×13×15×44	सं.मूल व नियुक्ति पर ग्र 5990	19वी	
,,	सं.	417	28×13×14×52	,, 36अध्य. की	1964नागोर जीवराज	
,,	,,	40	27×10×16×48	सपूर्ण	1581	
,,	,	105	27×18×17×48	, 25वें अध्या.तक की	1713 मिणोरापाटण विवेकरुचि	प्राकृत की संस्कृत की गई 1137की रचना
	,,	92	26×11×15×48	अपूर्ण	18वी	
,,	,,	124	25×11×14×42	सं.25वें अध्याय तक	1826	
,,	,,	86	26×11×15×80	त्रुटक उदयन कथा तक	19वी	
,,	मा.	46	19×11×11×31	संपूर्ण 36अध्या. की	1811	
,,	,,	23	26×12×11×36	अपूर्ण 5 से 36 तक	1847पातर-मुवागुलावचद	
,,	,,	4	24×11×17×36	केवल नमिराजर्षि की 7 ढालें	1847	
,,	,,	41	15×9×9×48	सं. 36 अध्य. की	1878	
,,	,,	गुटका	19×13×13×23	,,	1884	

1	2	3	3A	4	5
128	कोलडी गु 4	उत्तराध्ययन की सज्झायें	Uttaradhyayana ki Sajjhāyen	सुमतिविजय(लक्ष्मी विजयशिष्य)	पद्य
129	,, 1324	,,	,,	,	,,
130	के नाथ 29/29	उत्तराध्ययन वार्त्तिक	Uttaradhyayan Vrttika	पार्श्वचंद	गद्य
131	,, 1/9	ओघनियुक्ति +वृत्ति	Oghaniryukti +Vrtti	भद्रबाहु/	मू वृ
132	महा 1भा27	ओघनियुक्ति	Oghaniyukti	,,	मू प
133	के नाथ 14/36	,,	,	,,	,,
134	,, 9/26	,, का बालावबोध	, kā Bālavabodha		गद्य
भाग	विभाग 1 आ	(IV) जन आगम-अंग	बाह्य-आवश्यक सूत्र		
1	ओसि 2/152	आवश्यकसूत्र+गाथायें	Āvaśyaka Sūtra+Gathāyen		मू
2	के नाथ 26/69	,, ,,	,, ,,		मू ट
3	कु ना 15/14	,, ,,	, ,,		मू
4	के ना 13/41	,, ,,	,, ,		मू ट
5	कु ना 4/98	,, ,,	,, ,,		मू
6	के ना 24/23	,, ,,	,, ,		,,
7	,, 15/196	,, ,,	, ,,		,,
8	,, 21/60	,, ,,	,		मू ट
9	15/157	,, ,,	,		मू
10	,, 16/34	,, ,,	,, ,,		,,
11	,, 1/27	,, ,,	,, ,		,,

6	7	8	8A	9	10	11
आगम व्याख्या साहित्य	मा.	48	12 × 10 × 17 × 10	लगभग पूर्ण	19वी	साथ मे प्रत्येक वुद्ध गीत भी
,,	,,	5	25 × 10 × 13 × 31	संपूर्ण नमि अध्य. तक	19वी	
,,	,,	215	25 × 11 × 11 × 33	,, 9वे अध्य तक	19वी	
जैनागम विकल्पसे सघु आचार पर	प्रा. सं	129	25 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण	16वी	नोवे पूर्व से नियूंट प्राभृत20समा-चारी तीसरी
,,	प्रा.	33	26 × 11 × 15 × 48	सपूर्ण 1164 गाथा	17वी	
,,	,,	30	27 × 13 × 15 × 45	974 गाथा तक	19वी	
,,	मा.	6	27 × 13 × 14 × 39	अपूर्ण	20वी	
षडावश्यक आगम-सूत्र	प्रा	123	26 × 12 × 11 × 40	प्रति पूर्ण	16वी	
,,	प्रा.मा.	13	26 × 11 × 5 × 36	अपूर्ण	16वी	
,,	प्रा.	7	27 × 11 × 10 × 33	प्रति पूर्ण	1623	
,,	प्रा.मा.	18	26 × 11 × 7 × 37	,,	1664	
,,	प्रा.	11	26 × 12 × 11 × 38	,,	1656	
,,	,,	6	26 × 11 × 14 × 45	,,	1664	
,,	,,	5	25 × 11 × 15 × 40	अपूर्ण	1672	
,,	प्रा.मा.	54	26 × 11 × 5 × 37	प्रति पूर्ण	1689	साथ मे सम स्मरणादि भी
,,	प्रा.	10	29 × 11 × 17 × 50	,,	17वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 12 × 43	अपूर्ण	17वी	
,,	,,	7	26 × 11 × 38 × 11	प्रति पूर्ण	17वी	

1	2	3	3A	4	5
12	कालड़ी 1074	आवश्यक सूत्र+गाथाएँ	Āvasyaka Sūtra+Gathāyen		मू ट
13	,, 441	,,	, ,		मू
14	के ना 20/3	,, ,,	, ,		मू ट
15	कु ना 5/107A	, ,	,, ,,		मू
16	कु ना 5/108	, +स्तोत्र सज्झायादि	, +Stotra Sajjhayādi		मू (ग प)
17	के ना 23/9	, ,	,, ,,		,,
18	,, 5/24	,, +वंदनक	, +Vandanaka		मू ट
19	पाहि 1आ84	आवश्यक गाथाएँ	Āvaśyaka Gāthayen		,,
20	से म 3व56	,, +स्मरणादि	, +Smaranādi		मू (प ग)
21	महा 1आ15	, + ,	,, + ,		,
22	पोसि 3ब63	,, + ,	, + ,		मू अप
23-4	, 2/167व24	,, गाथाएँ 2 प्रतियां	Gāthāyen 2 Copies		मू (ग प)
25	कु ना 10/ 129A	,, गाथाएं	, Gathāyen		मू ट
26 30	कोलड़ी384 7 430 40,1075	,, , 5 प्रतियां	,, 5 Copies		मू (ग प)
31	कोलड़ी 43	,, ,,	Gāthayen		मू ट
32	महा 1आ14	,, आदि	,, , Ādi		,
33	पोसि 3व22	,, गाथाएं			मू (प ग)
34	कोलड़ी बस्ता70	आवश्यक+स्तवनादि	Āvaśyaka+Stavanādi		मू (ग प)
35 51	के ना 5/80 117 6/20 40 15/40 52 185 16/73 17/51 18/ 0 1 /100 21/33 71 98 23/2 24/61 85	,, 17 प्रतियां	17 Copies		,, (ग प)

6	7	8	8A	9	10	11
षडावश्यक आगमसूत्र	प्रा मा	11	26 × 11 × 4 × 20	अपूर्ण	17वी	
,,	,,	14	26 × 9 × 11 × 40	प्रतिपूर्ण	17वी	साथ मे स्तवनादि
,,	,,	10	26 × 11 × 18 × 40	,,	1735	
,,	,,	13	15 × 22 × 8 × 16	,,	1781	
,, + भक्ति	प्रा.स.मा	177	16 × 23 × 11 × 20	,,	1797	
,, ,,	,,	7	25 × 11 × 11 × 36	,,	1799	साथ मे चन्द्रसूरि कृत स्तवहुणी
,,	प्रा.मा	16	26 × 11 × 7 × 38	,,	18वी	
,,	,,	18	25 × 11 × 5 × 35	,,	1823	
,, + भक्ति	प्रा स मा.	74	26 × 11 × 13 × 52	,,	1855	
,, ,,	,,	50	25 × 11 × 13 × 40	,,	1863 बीकानेर, लक्ष्मीरंग	
,, ,,	,,	69	27 × 13 × 4 × 22	,,	1888 अजमेर जवानकुशल	
षडावश्यक आगमसूत्र	प्रा.मा.	16,16	25 × 12 व 27 × 12	,,	19वी	
,,	,,	10	26 × 11 × 6 × 42	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	9,13,21 10 12	24 से 26 × 10 से 13	प्रतिपूर्ण	19वी	
,,	,,	12	25 × 12 × 15 × 30	,,	19वी	
,,	,,	56	27 × 12 × 4 × 29	,,	19वी राजनगर, सेठमल	
,,	,,	10	25 × 12 × 15 × 31	,,	20वी	
षडावश्यक भक्ति आदि	प्रा.सं.	123	25 से 30 × 10 से 14	स्फुट पत्रे भिन्न 2	19/20वी	सामान्य प्रतियाँ
,,	,,	10 10.75 10.12.15 4.4.11. 3 7 49 52.41.58 4 7	24 से 28 × 10 से 13	पूर्ण, अपूर्ण	19/20वी	,, ,,

1	2	3	3A	4	5
52	के ना 13/46	आवश्यक–गाथायें	Āvaśyaka Gathāyen		मू ट
53	,, 19/61	,, +चैत्यवदन	,, +Caityavandana		मू प्रप
54	,, 11/40	,	,		मू ट
55	,, 3/14	षडावश्यक+बालावबोध	Ṣadavasyaka+Balava bodha	-/हेमहंस गणि	मू बा
56	कोलडो 42	,, ,,	, ,,	-/ ,,	,,
57	के ना 4/7	,, ,,	, ,,	–/जिनकीर्ति	,,
58	,, 20/1	,, ,,	,	-/जिनविजय	मू ट बा
59	,, 27/61	,, ,,	,, ,	–/ ,,	,, ,,
60	कोलडो1071 73	,, ,	,		, ,,
61	के ना 21/48	,, ,	,,		मू बा
62	,, 5/21	,, ,,	,,		,
63	,, 11/32	, ,,	, ,		,,
64	, 11/41	, ,	,, ,		,,
65	,, 21/105	,, ,	,		,,
66	5/20	,, ,,			,,
67	कोलडो 439	,, ,,	, ,		,,
68	कु ना 37/10	साधु-प्रतिक्रमणसूत्र	Sādhu Pratikramana Sūtra		मू
69	कोलडो 438	,,	,		,,
70	महा 3a16	,	,,		मू ट
71	के ना 19/31	,,	, ,,		,

6	7	8	8A	9	10	11
षडावश्यक आगम-सूत्र	प्रा. मा.	18	26 × 11 × 6 × 38	प्रतिपूर्ण	20वीं	
+ भक्ति	,,	5	26 × 12 × 11 × 40	अपूर्ण	20वीं	
षडावश्यक	,,	9	25 × 12 × 6 × 45	प्रतिपूर्ण	20वीं	
,,	,,	62	26 × 11 × 14 × 52	संपूर्ण ग्र. 3100	1526	
,,	,,	137	25 × 12 × 11 × 38	,,	18वीं	
,,	,,	86	27 × 11 × 13 × 50	,, ग्र. 2200	1603	
,,	प्रा.सं.मा.	115	25 × 11 × 18 × 46	,,	1751	
,,	,,	80	26 × 12 × 15 × 41	अपूर्ण (67 से 146 पत्र अन्त)	19वीं	
,,	प्रा. मा.	107	25 × 12 × 5 × 36	संपूर्ण	1836	
,,	,,	26	25 × 11 × 11 × 42	,,	16वीं	
,,	,,	77	26 × 11 × 13 × 42	अपूर्ण बीच के पत्रे	16वीं	
,,	,,	20	26 × 11 × 11 × 49	संपूर्ण लगभग	18वीं	प्रथम पत्रा कम
,,	,,	7	26 × 11 × 8 × 40	अपूर्ण	18वीं.	
,,	,,	22	24 × 12 × 15 × 47	,, (मसाग्दादा. तक)	19वीं	
,,	,,	16	25 × 11 × 17 × 54	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	79	25 × 13 × 17 × 48	,,	19वीं	
साधु आवश्यक	प्रा.	4	27 × 12 × 13 × 36	संपूर्ण (दगामनउभाय)	16वीं	
,,	,,	5	20 × 11 × 6 × 40	त्रुटक	16वीं	
,,	प्रा. मा.	7	19 × 11 × 7 × 39	संपूर्ण	1762	
,,	,,	6	25 × 11 × 25 × 55	,,	1764	

1	2	3	3A	4	5
72	मु सु 3म35	साधुप्रतिक्रमण सूत्र	Sadhu Pratikramana Sutra		मू
73	कोलडो 436	,,	,,		,,
74	क ना 18/36	,	,		मू ट
75	,, 18/39	,,	,,		,,
76 81	5/54,10/75, 76 11/63 15/ 128,16/32	,, 6 प्रतियां	, 6 Copies		मू
82 85	कोलडो 435 37,1187A B	,, 4 ,,	, 4 ,,		,,
86	मु सु 3च36	,,	,,		,,
87	से म 3ε345	,,	,		मू ट
88	महा 1च17	,,			मू
89	कु ना 2/9	,	,,		,,
90 92	, 2/24 10/ 167 13/43	रात्रि संथारा सज्झाय 3प्रतियां	Rātri Santhāra Sajjhaya 3 Copies		,
93	के ना 6/17	,, ,	,, ,,		,
94	से म 3म57	,, +बाला	,, +Bālā		मू बा
95	मोसि 3च 51	, अवचूरि	, +Avacuri		ग
96	कु ना गु.36/1	लघवृत्ति प्रतिक्रमणसूत्र	Laghu Vrtti Pratikramana Sūtra		ग प
97	क ना 15/95	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्र	Śrādha Pratikramana Sūtra		पद्य
98	,, 13/39	,,	,, ,,		मू ट
99	मोसि 3च47	,,	,, ,,		मू (ग प)
100 1	, 3भा30 46	,, 2 प्रतियां	, , 2 Copies		,,
102-4	कु ना 17/17, 37 37,34/4	,, 3 ,	,, ,, 3 ,		,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ु आवश्यक	प्रा.मा.	6	26 × 11 × 16 × 46	प्रतिपूर्ण	18वी	
,,	प्रा.	4	26 × 11 × 14 × 40	संपूर्ण	1843	
,,	प्रा.मा.	10	27 × 12 × 4 × 36	,,	20वी	
,	,,	5	25 × 12 × 24 × 48	,,	20वी	
,,	प्रा.	22,2,8, 2,4	23से29 × 10से12	,,	19/20वी	सामान्य प्रतियां
,,	,,	5 4,3,3	25से26 × 11से13	,,	19/20वी	,,
,,	,,	6	24 × 12 × 13 × 40	,,	1854	
,,	प्रा.मा	1	25 × 11 × 4 × 34	,,	19वी	अप्रचलित पाठ
,,	,,	4	26 × 13 × 15 × 51	,,	19वी	पाक्षिक अतिचार महित
,,	प्रा.	7	23 × 12 × 11 × 19	,,	19वी	
,,	,,	1,1,2	26से27 × 11से12	,, 18 गाथा	19वी	
,,	,,	2	22 × 10 × 10 × 30	,,	20वी	
,,	प्रा.मा.	12	23 × 11 × 18 × 60	सपूर्ण	16वी	
,,	सं.	2	26 × 11 × 16 × 57	,.	19वी	मूल प्राकृत सूत्रो की संस्कृत
ावक आवश्यक	प्रा स.	क्रम गुटका 6		,,	1544	दिगम्बर आम्नाय
,,	प्रा.	5	26 × 11 × 11 × 40	,, वदित्त सूत्र 50 गाथा	17वी	
,,	प्रा.मा.	14	27 × 11 × 5 × 56	,,	1726	
,,	,,	5	26 × 12 × 12 × 36	,,	1870,विक्रमपुर जिनमदन	अतिचार सहित
,,	,,	5,10	24 × 11व27 × 12	,,	19वी	
,,	,,	14,5,18	19से26 × 11से13	,,	19/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
105	वे नाय 11/54	श्राद्ध प्रतिक्रमण सूत्र	Śrādh Pratikraman Sūtra		मू ट
106	कालजी 443	,,	,,		मू
107	385	,,	,		मू ट
108	,, 1108	,,	,,		मू +भय
109	386	,	,,		मू +ट
110	श्राविया 3 अ 29	,,	,		ग प
111 7	व नाय 6/124 15/39 64 67 75 16/26 26 /31	, 7 प्रति	, 7 Copies		मू (प)
118	व नाय 13/51	+बाला	+Bālā		मू बा
119	1/29	आवश्यक सूत्र नियुक्ति	Āvasyak Sūtra Niryukti	भद्र बाहु	मू (प)
120	महा 1 भ्रा 16	,, ,		,,	,,
121	व नाय 15/111	, ,,	,	,	,,
122	महा 1 भ्रा 17			,,	,,
123	वे नाय 5/16	,,			,,
124	, 3/18	आवश्यक नियुक्ति मह बाला	with Bālā	,/नेमी दवगणि	मू बा
125	श्रामिया 3 अ 37	,,	with Bālā	,,/रत्न शेखर शिष्य	
126	व नाय 11/75	आवश्यक प्रतिक्रमण संग्रहणी	Āvasyak Pratikraman Sangrahni	—	मू (प)
127	महा 1 भ्रा 20	विशेषावश्यक भाष्य वत्ति मह	Viśesāvasyak Bhasya with Vrti	जिन भद्र/म हेमचन्द्र	मू +वृ
128	व नाय 15/112	आवश्यक वृत्ति	Āvasyak Vrti	हरिभद्र	ग
129	महा 1 भ्रा 18	आवश्यक बृहत वृत्ति	Brhat Vrti	—/हरिभद्र	ग
130	1 भ्रा 19	,, , लघ टीका	Laghu Tīkā	—/तिलकाचार्य	,
131	वे नाय 21/96	आवश्यक वति मह	with Vrti	— ?	मू वृ
132	10/53	,	,	—?	,,
133	कालजी 1072	आवश्यक वति	, Vrti	—?	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रावक आवश्यक	प्रा.मा.	10	25 × 12 × 5 × 38	सम्पूर्ण	1842	
,,	प्रा.	2	26 × 11 × 12 × 38	,,	19वी	
,,	प्रा मा	6	25 × 11 × 5 × 32	,,	19वी	
,,	,,	5	26 × 12 × 10 × 30	अपूर्ण 6 गाथा तक	19वी	
,,	,,	24	25 × 11 × 5 × 33	सम्पूर्ण ग्रथाग्र 995	19वी	पाँच सूत्र सह
,, + भक्ति	प्रा सं.मा	8	26 × 12 × 14 × 34	प्रतिपूर्ण	1895 विक्रमपुर दौलतसिंह	स्मरण सह
,,	प्रा.	2 3,3, 4,33,4	25,26 × 10,11	पूर्ण/अपूर्ण	19/20वी	
,,	प्रा.मा.	4	26 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण गा.24 से 50 (अंत) तक	1619	पत्रे 15 से 19 (अंत) तक
आवश्यक + व्याख्या साहित्य	प्रा	65	28 × 11 × 15 × 54	संपूर्ण गाथा 2525 ग्र 3130	1524	
,,	,,	113	26 × 11 × 11 × 40	,, ग्र. 3375	16वी	
,,	,,	47	26 × 11 × 17 × 60	,,	1628	
,,	,,	83	26 × 11 × 13 × 49	लगभग पूर्ण (अंतिम पत्रा कम)	17वी	
,,	,,	47	26 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण (पत्रे 32 से अंत 78 तक)	17वी	
,,	प्रा मा	40	26 × 11 × 11 × 42	केवल पीठिका व्याख्यान का	1514	गाथा 81 तक का सम्पूर्ण
,,	,,	29	22 × 11 × 15 × 36	,, ,,	19वी	गाथा 78 तक का सम्पूर्ण
आवश्यक क्रिया सम्बन्धी	प्रा	6	25 × 10 × 13 × 50	संपूर्ण 169 गाथायें	16वी	
आवश्यक व्याख्या साहित्य	प्रा सं	569	26 × 12 × 17 × 43	अपूर्ण 3622 गाथा + 714	19वी विक्रमपुर नागपुर	पहिले 36 पत्रे कम
,, ,,	सं.	100	26 × 11 × 16 × 64	त्रुटक	15वी	जीर्ण (पत्रों की संख्या लगभग
,, ,,	सं	659	26 × 12 × 13 × 40	सम्पूर्ण ग्र 22000	1951	वृत्ति शिष्य हिता नाम्नी
,, ,,	.	140	25 × 11 × 15 × 43	अपूर्ण (लोगस्स से अन्त तक)	1672 जहांगीर नगरे	पत्रे 220 से 359 तक
,, ,,	प्रा.सं	20	25 × 11 × 11 × 35	,, (करेमिभंते तक)	1870	
,, ,,	,,	71	26 × 11 × 13 × 32	,,	19वी	
,, ,,	सं.	15	28 × 13 × 15 × 26	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
134	कुंथुनाथ 42/14	आवश्यक वृत्ति	Āvasyak Vṛtti	—	ग
135	के नाथ 21/34	आवश्यक बालावबोध	, Bālāvabodha	तरुण प्रभ सूरि	,
136	, 18/19	,	, ,	महद्‌कीर्ति	,,
137	महावीर 3 अ 12	साधु प्रतिक्रमण वृत्ति सह	Sādhu Pratikraman with Vṛtti	/जितकाधाम	मू वृ
138	3 अ 4	, ,		/ ,,	,,
139	3 अ 11	,, ,,	,	/हेम सोमसूरि	,
140	कानजी 859	,, ,,		/ —	
141	कुंथुनाथ 3/76	साधु प्रतिक्रमण के बोल	ke Bol	—	ग
142	आमिया 3 अ 23	श्राद्ध प्रतिक्रमण+अवचूरी	Śrādh Pratikraman+ Avacūri	/कुल मंडन सूरि	मू +अ
143	क नाथ 23/85	+ ,,	Śrādh Pratikraman+ Avacūri	/देवेन्द्रसूरि (वृ दानसूरि)	,
144	महावीर 3 अ 1	+वृत्ति	Śrādh Pratikraman+Vṛtti	वृ मानसूरि	मू व
145	क नाथ 3/31	, - ,	+	/	मू व ट
146	कानजी 41	की वृत्ति	ki Vṛtti	,	ग
147	क नाथ 14/140	की वृत्ति		,	,,
148	महावीर 3 अ 5	श्राद्ध प्रतिक्रमण+वृत्ति	+Vṛtti	- /रत्नशेखर	मू वृ (ग प)
149	क नाथ 13/24	, ,	+	,,	,
150	कुंथुनाथ 54/8	श्राद्ध प्रतिक्रमण की वृत्ति	ki Vṛtti	—?	ग
151	क नाथ 15/121	श्राद्ध प्रतिक्रमण+अवचूरि	Śrādh Pratikraman+ Avacūri	—?	मू +अ
152	आमिया 3 अ 49	+ ,	+	—?	, (प ग)
153	क नाथ 23/6	श्राद्ध प्रतिक्रमण+वृत्ति	+Vṛtti	—?	मू वृ (ग)
154	18/2	, +वृत्ति	, + ,,	—?	मू वृ +कथा
155	महावीर 3 अ 6	पाक्षिक (पक्खी) सूत्र+वृत्ति	Pāksik (Pakhi) Sūtra+Vṛtti	—/यशोदेवसूरि	मू वृ (ग)
156	3 अ 13	+अवचूरि	+Avacūri	/यशाभद्र	मू अ (ग)
157	आमिया 3 अ 52	पाक्षिक सूत्र	Pāksik Sūtra	—	मू (ग)
8	क नाथ 5/73			—	,

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक व्याख्या सहित	सं.	4	26 × 11 × 7 × 64	त्रुटक	19वी	
,, ,,	मा.	196	26 × 11 × 13 × 41	सपूर्ण कथा सह ग्रं.7110	1499	
,, ,,	,,	31	27 × 14 × 33 × 46	संपूर्ण ग्र. 2700	1928	
,, ,,	प्रा स.	6	24 × 10 × 21 × 43	संपूर्ण ग्रथाग्र 396	1645	
,, ,,	,,	14	27 × 12 × 13 × 28	,,	20वी	पगाम सज्झाय पर
,, ,,	,,	6	26 × 11 × 26 × 57	संपूर्ण	1645	
,, ,,	,,	7	25 × 10 × 7 × 50	,,	17वी	
,, ,,	मा	7	26 × 12 × 11 × 37	,,	19वी	पगाम सज्झाय व राइ सथारे पर
,, ,,	प्रा स.	4	26 × 11 × 16 × 49	,,	1480	पगाम सज्झाय के थोकडे
,, ,,	,,	3	26 × 11 × 9 × 41	,, वदित् की 50 गाथा	16वी	
,, ,,	,,	89	26 × 13 × 14 × 37	प्रतिपूर्ण ग्र 2720	19वी	
,, ,,	प्रा.स.मा.	167	28 × 12 × 7 × 39	सपूर्ण ग्र. 6000	19वी	
,, ,,	स.	66	27 × 11 × 15 × 48	,, ग्रं. 2728	19वी	
,, ,,	,,	35	25 × 11 × 17 × 44	अपूर्ण	19वी	
,, ,,	प्रा स.	191	26 × 12 × 16 × 42	संपूर्ण 5 अधिकार ग्र 6744	19वी	प्रशस्ति वीगतवार
,, ,,	,,	158	27 × 11 × 15 × 48	,, ,,	19वी	
,, ,,	स.	50	26 × 11 × 15 × 60	अपूर्ण (सपूर्ण के गथाग्र 2700)	16वी	प्रति त्रुटक है
,, ,,	प्रा.स.	4	26 × 11 × 17 × 60	सपूर्ण	16वी	
,, ,,	,,	8	25 × 11 × 19 × 56	,, 43 गाथा	1665 मेडता [illegible]	
,, ,,	,,	34	26 × 11 × 17 × 51	त्रुटक अपूर्ण	17वी	
,, ,,	,,	47	27 × 12 × 12 × 35	अपूर्ण	19वी	
साधु पाक्षिक आव-श्यक	,,	37	28 × 12 × 18 × 55	संपूर्ण ग. 2700	15वी × प्रसन्न- [illegible] सूरि	[illegible] 1180 की रचना
,,	,,	10	26 × 11 × 22 × 55	,,	15वी	
,,	प्रा.	5	25 × 11 × 15 × 53	,,	16वी × [illegible]	
,,	,,	9	25 × 11 × 13 × 45	,, ग. 360	1605	

1	2	3		3 A	4	5
159	के नाथ 5/38	पाक्षिक सूत्र		Pāksik Sūtra	—	मू (ग)
160	कोलडी 433	,,		,	—	,,
161	मुनि सुव्रत 3 श्र 39	,			—	,,
162	3 श्र 40	,,		,	—	,
163	महावीर 3 श्र 20	,,	+वृति	+Vṛtti	/यशादेव	मू व (ग)
164	कुंथुनाथ 42/13	पाक्षिक सूत्र			—	मू ग
165	10/188	,,		,	—	,,
166	नवामंदिर 3 श्र 60	,	+बालावबोध	+Bālāvabo-dha	—/विमल कीर्त्ति	मू बा (ग)
167	महावीर 3 9	पाक्षिक सूत्र		,,	—	मू ग
168	ग्रामिया 3 श्र 54	,			—	मू ट
169	मुनि सुव्रत 3 श्र 41	,			—	मू (ग)
170	3 श्र 38	,			—	,
171	के नाथ 21/73	,			—	,,
172	ग्रामिया 3 श्र 53				—	,,
173	के नाथ 6/4	,,			—	मू ट
174	महावीर 3 श्र 2		+वृति	+Vṛtti	—/यशोदेव	मू वृ (ग)
175 81	नेरडी 430A-31 32 34 1103 68 120(	पाक्षिक सूत्र	7 प्रतियें	7 Copies	—	मू (ग)
182 6	के नाथ 5/23 21/74 24/46 48-50	,	5 प्रतियें	, 5	—	
187	नव मंदिर 3 श्र 6,	,	—	,, —	—	,,
188 9	कुंथुनाथ 10/180 16/	,	2 प्रतियें	2 Copies	—	,,
190 1	ग्रामिया 3 श्र 25 5(		2 प्रतियें	2	—	
19?	महावीर 3 श्र 19 11		2 प्रतियें	2	—	,,
194	3 श्र 14	पाक्षिक क्षमापणा		Ksamāpana	—	मू अ (ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु पाक्षिक आवश्यक	प्रा.	10	25 × 11 × 13 × 40	सपूर्ण	1643	क्षमासणा सहित
,,	,,	14	27 × 11 × 11 × 38	,,	1690	
,,	,,	9	26 × 11 × 12 × 41	,,	17वी	अंत मे पार्श्व लघु स्तोत्र प्रा मे 7 गाथा
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 33	,,	17वी	
,,	प्रा स.	57	26 × 11 × 15 × 56	,, ग्रं. 2700	17वी	
,,	प्रा.	6	27 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण	17वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 13 × 37	सपूर्ण	1715	
,,	प्रा.मा	18	26 × 12 × 6 × 53	,,	1727 × हर्समुनि	जीर्ण
,,	प्रा.	9	25 × 11 × 13 × 50	,,	1776. सत्यपुर पुण्योदय	
,,	प्रा मा	21	26 × 11 × 6 × 39	,,	1787 × रामकृष्ण	
,,	प्रा.	8	26 × 11 × 15 × 45	,,	1793 अहीपुर	
,,	,,	13	26 × 11 × 9 × 46	,,	1798 उकारपुर दयालसागर	
,,	,,	11	25 × 12 × 13 × 39	,,	1806	
,,	,,	10	25 × 11 × 13 × 33	,,	1840 × सत्यसुदर	
,,	प्रा मा	20	27 × 11 × 5 × 40	,,	19वी	
,,	प्रा.सं.	68	25 × 11 × 15 × 46	,, ग्रथाग्र 2700	19वी	
,,	प्रा.	8,14,12 24,4,6, 9	24से27 × 11से13	,, अपूर्ण	19वी	
,,	,,	20,9,14 9,7	20से26 × 9से12	संपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	38	26 × 13 × 7 × 19	,,	1897 देशनोक [illegible]	
,,	,,	3,16	26 × 13 × भिन्न 2	,,	19वी	
,,	,	9,13	26 × 12व25 × 11	,,	19वी (विक्रमपुर [illegible]	
,,	,,	12,82	26 × 12व21 × 11	,,	20वी(1 [illegible] [illegible] 1953	दूसरी प्रति [illegible]
,,	प्रा.स.	2	28 × 12 × 15 × 40	,, प. 75	1931 [illegible] [illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
195	कुंथुनाथ 10,143	पाक्षिक क्षामरण	Pāksik Ksamāpanā	—	मू (ग)
196	महावीर 3 अ 8	पाक्षिक सूत्र की अवचूरि	,, Avacūri	/यशो भद्र	ग
197	3 अ 7	पाक्षिक प्रतिक्रमण सत्तरी	Paksik Pratikraman Sattari	चन्द्र सूरि ?	मू (प)
198	आमिया 1 आ 134	पाक्षिक सूत्र की अवचूरी	,, Sūtra ki Avacūri	/—?	ग
199	मुनि सुव्रत 3 अ 34	पाक्षिक (साधु) अतिचार	(Sādhu) Aticār	—	,,
200 4	बोरडी 389-94-96 922-24	,, ,, 5 प्रतियें	,, , 5 copies	—	,,
205 6	नेमि नाथ 18/75 21/104	, 2 प्रतियें	, , 2 ,	—	,,
207	मुनि सुव्रत 3 अ 3?	, —	—	—	,,
208 9	महावीर 3 अ 3 33	, , 2 प्रतियें	2 copies	—	,,
210	नेमि नाथ 15 142	, , —	—	—	,
211	सवामन्दिर गुटका 3 नि	पाक्षिक (श्राद्ध) अतिचार	(Śrāddh) Aticār	पार्श्व चंद सूरि	प
212	नेमि नाथ 11/81	, , ,,	,	—	ग
213	मुनि सुव्रत 3 अ 42	, ,		—	पद्य
214	बोरडी 199	, ,		(चातुर्मासिक व्याख्यान)	मू ट
215	कुंथुनाथ 15/16	, ,	,,	—	ग
216	29/9	,	,	—	प
217	बोरडी 390	, ,	,, ,	—	ग
218-2	बोरडी 388-81 82-83 1161	, , 5 प्रतियें	, 5 copies	—	,,
223 8	नेमि नाथ 6/6 11/8 18/9 19/62 19/75 24/52	, , 6 प्रतियें	, 6 ,,	—	,,
229	आमिया 3 अ 48	,, , अतिचार	, —	—	,,
230-1	महावीर 2/278 9	ललित विस्तरा (चैत्यवन्दनादि सूत्र) दो प्रति	Lalit Vistarā 2 copies	हरिभद्र/मुनिचंद्र	मू + वृ + प

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु पाक्षिक आवश्यक	प्रा.	1	24 × 11 × 9 × 31	संपूर्ण	20वी	
आवश्यक व्याख्या साहित्य	सं.	7	26 × 11 × 25 × 65	,, क्षामणा सहित	16वी	
,, ,,	प्रा.	3	29 × 12 × 17 × 59	संपूर्ण 72	1594 गुणलाभगणि	
,, ,,	सं.	17*	27 × 11 × 25 × 62	,,	16वी	
साधु पाक्षिक आवश्यक	प्रा मा.	4	26 × 12 × 11 × 36	,,	1818 नागपुर	
,, ,,	,,	3,3,5, 3,3	23से25 × 10से13	,,	19वीं	बीच की प्रति मे पक्खी विधि
,, ,,	,,	2,2	25 × 12 × 15 × 48	,,	19वी	
,, ,,	,,	4	24 × 11 × 11 × 31	,,	19वी	
,, ,,	,,	3,9	28 × 13व22 × 11	,,	20वी	
,, ,,	,,	8	26 × 12 × 10 × 42	,,	20वी	सामान्य से भिन्न पाठ
श्राद्ध पाक्षिक आवश्यक	मा.	13	16 × 13 × 13 × 18	संपूर्ण 156 गाथा	1651	प्रचलित से भिन्न पाठ
,, ,,	,,	7	26 × 11 × 13 × 46	संपूर्ण ग्रंथाग्र 235	1724	
,, ,,	,,	5	26 × 11 × 13 × 35	,, 94 गाथायें	1764	प्रचलित से भिन्न पद्य में
,, ,,	प्रा.मा.	4	26 × 11 × 4 × 42	,, 25 गाथायें	1856	कुल 124 अतिचार
,, ,,	मा.	5	24 × 11 × 15 × 46	संपूर्ण	1875	प्रचलित से भिन्न पाठ
,, ,,	,,	5	26 × 11 × 12 × 48	अपूर्ण गाथा 12 से 144	19वी	,, ,, पद्य मे
,, ,,	,,	9	25 × 11 × 13 × 37	संपूर्ण	19वी	,, ,, पाठ
,, ,,	,,	5,10,7, 8,6	25से28 × 11से13	,,	19/20वी	
,, ,,	,,	7,11,7, 9,6,7	23से26 × 11से16	,, लगभग सभी	19वी	
,, ,,	,,	10	28 × 12 × 12 × 28	संपूर्ण	19वी	
चैत्यवंदनादि वृत्ति	प्रा.स.	141, 141	27 × 13 × 11 × 37	संपूर्ण ग्र. 3400-3600	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
232	महावीर 2/280	ललित विस्तरा की पंजिका	Lalitvistarā kı Panjıkā	मुनिचंद	ग
233	„ 3/281	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय+बा	Caıtyavandanādı Bhāsya *Traya+Bālā*	देवेन्द्र सूरि/ज्ञान विमल	मू बा
234	मुनि सुव्रत 2/257	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय	Caıtyavandanādı Bhāsya Traya	„	मू (प)
235	के नाथ 15/2	चैत्य गुरु वंदन व प्रत्याख्यान भाष्य + बा	Caıtya Gurūvandan & Pratyākhyān Bhasya+Bālā	„	मू +बा
236	सेवामंदिर 2/364	„ „	Caıtya, Gurūvandan & Pratyākhyān Bhasya+Bālā	„	मू +ट
237	के नाथ 15/48	प्रत्याख्यान भाष्य	Pratyākhyān Bhāsya	„	मू (प)
238	„ 3/12	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय + अवचूरि	Caıtyavandanādı Bhāsatrya +Avacūrı	„/सोमसुंदर	मू अ
239	कोलड़ी 829	„ „	„ „	देवेन्द्र सूरि	मू ट
240	के नाथ 23/17		„ „	„	„
241	„ 11/90	„ „	„ „	„	मू (प)
242	„ 11/29	„ „	„ „	„	मू ट
243	„ 19/29	„ „+बा	„ „+Bālā	„	मू बा
244	कालड़ी 108	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय	„ „	„	मू ट
245	के नाथ 6/8	चैत्य+गुरुवंदन भाष्य	Caıtya Guru Vandan *Bhāsya*	„	मू व्या
246	„ 20/16	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय	Caıtya Vandanādı Bhāsya Traya	„	मू ट
247	„ 22/42	„ „	„ „	„	„
248	„ 21/100	प्रत्याख्यान भाष्य	Pratyākhyān Bhāsya	देवेन्द्र सूरि/सोमसुंदर	मू अ
249	„ 24/5	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय	Caıtya Vandanādı Bhāsya Traya	देवेन्द्र सूरि	मू (प)
250	कानड़ी 1340	„ „	„ „	„	„ „
251	„ 109	„ „+बा	„ „+Bala	देवेन्द्र सूरि/ज्ञान विमल	मू बा
252	के नाथ 15/136	„ „+बा	„ „+Bālā	देवेन्द्र सूरि/—	„
253	महावीर 2/282	चैत्यवंदन भाष्य सावचूरी	Caıtya Vandan Bhāsya with Avacūrı	„/ज्ञान सूरि ?	मू अ
254	„ 2/283-4	गुरु व प्रत्याख्यान भाष्य „	Guru & Pratyakhyān Bhāsya with Avacūrı	„/सोमसुंदर	„
255	मुनि सुव्रत 3 अ 64	चैत्यवंदन भाष्य अवचूरि	Caıtyavandan Bhāsya Avacūrı	„/—	ग
256	के नाथ 10/78	„	„ „	„/—	„

6	7	8	8 A	9	10	11
चैत्यवंदनादि स्तुति	स.	31	27 × 11 × 17 × 65	सपूर्ण ग्र. 2130	1505 × कमल सयम	
आवश्यक क्रिया सूत्र	प्रा मा.	6	26 × 11 × 18 × 55	लगभग सपूर्ण (अंतिम पन्ना कम)	15वी	
,,	प्रा.	6	26 × 10 × 14 × 42	संपूर्ण (63 + 42 + 48 गा.)	16वी	
,,	प्रा मा	10	26 × 11 × 9 × 33	,,	16वी	
,,	,,	9	28 × 11 × 7 × 54	,, 152 गा.	1697	
,,	प्रा.	4	23 × 10 × 12 × 30	,, 60 गा.	1698	
,,	प्रा.स	20	26 × 11 × 18 × 54	, 153 गा.	1711	
,,	प्रा.मा	15	31 × 11 × 5 × 35	,,	1756	
,,	,,	17	26 × 11 × 5 × 37	अपूर्ण (पहिले के 38 गा कम)	1788	
,,	प्रा	6	25 × 11 × 12 × 40	सपूर्ण 155 गा	18वी	
,,	प्रा.मा	9	28 × 12 × 0 × 40	अपूर्ण अंत की 20 गा कम)	18वी	
,,	,,	42	26 × 13 × 17 × 52	सपूर्ण	1849	
,,	,,	16	26 × 11 × 6 × 45	, (152 गा.)	1841	
,,	,,	25	26 × 13 × 15 × 39	,, (63 + 41 गा.का)	1897	
,,	,,	16	25 × 12 × 20 × 52	,,	19वी	
,,	,,	12	25 × 11 × 9 × 35	,,	19वी	
,,	प्रा.सं	8	25 × 12 × 16 × 50	,, 48 गाथा	19वी	
,,	प्रा	10	24 × 13 × 11 × 39	,, 152 गाथा	19वी	
,,	,	6	25 × 11 × 14 × 40	लगभग पूर्ण (अंतिम पन्ना कम)	19वी	
,,	प्रा मा.	32	26 × 12 × 16 × 65	संपूर्ण 152 गाथा का	1906	
,,	,,	53	27 × 13 × 13 × 44	, ,,	1929	
,,	प्रा.सं.	14	30 × 15 × 15 × 50	संपूर्ण 63 गाथा की	20वीं	
,,	,,	19	30 × 15 × 15 × 36	संपूर्ण 42 + 48 ,,	20वी	
[illegible] व्याख्या सहित	स.	2	27 × 12 × 23 × 80	सपूर्ण 62 गाथा की	16वी	[illegible]
,, ,,	,,	6	26 × 11 × 15 × 48	सपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
257	ब नाथ 24/42	गुरु प्रत्या भाष्य का बा	Gurū Pratyā Bhāsya kā Bālā	—	गद्य
258	,, 20/38	चैत्यादि भाष्यत्रय का बा	Caityādi Bhāsya Traya kā Bāla	—	,,
259	ग्रामिया 2/152	वन्दनक भाष्य	Vandanak Bhāsya	—	मू प
260	बे नाथ 26/103	,, ,,	,,	—	,,
261	,, 11/47	भाष्यत्रय+वंदितु+वृत्ति	Bhāsya Traya+Vanditu+Vṛti	—/जिनप्रभाचार्य	मू वृ (प ग)
262	,, 5/35	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—/ ,,	,,
263	महावीर 3 ग्र 15	,, ,, ,,	,, ,,	—/ ,,	,,
264	मवामदिर 2 376	भाष्यत्रय+वन्दितु की वृति मात्र	,, , ki Vṛti only	जिनप्रभाचार्य	ग
265	कुंथुनाथ 42/9	,, ,,	,,	,,	,,
266	बोनडी 318	चैत्य वन्दन भाष्य गाथायें	Caitya Vandan Bhāsya Gāthāyen	—	मू (प)
267	कुंथुनाथ 4/90	प्रत्याख्यान सूत्र	Pratyakhyān Sūtra	—	मू (ग)
268	ब नाथ 5/55	,, ,,	,,	—	,,
269	बातली 917	,,	,,	—	,,
270	ग्रामिया 3 ग्रा 146	,, ,,	,,	—	

1	2	3	3 A	4	5
1	ब नाथ 10/7	आतुर प्रत्याख्यान	Ātur Pratyākhyān	—	मू (प)
2	6/39			—	,,
3	कालडी 44			—	,,
4	ग्रोमिया 1 ग्रा 42	,,		—	,,
5	महावीर 1 ग्रा 41	गच्छाचार प्रकीर्णक+वृत्ति	Gachācār Prakirnak+Vṛti	—/विजय विमल	मू वृ
6	,, 1 ग्रा 30	चउसरण (अवचूरी सह)	Causaran (with Avacūri)	वीरभद्र	मू म
7	ब नाथ 15/106	,,	,,	,,	,,
8	6/25	,,	,,	,,	मू (प)
9	मुनि सुव्रत 1 ग्रा 21	,,	,,	,,	

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक व्याख्या साहित्य	मा.	10	27 × 11 × 13 × 49	सपूर्ण	18वी	
,, ,,	,,	19	24 × 11 × 16 × 42	,,	19वी	
आवश्यक क्रिया सूत्र	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 27 गाथा	16वी	देवेन्द्र सूरि का नही है
,,	,,	276*	25 × 12 × 20 × 56	,, 28 ,,	18वी	,, ,,
,,	प्रा.सं.	16	25 × 11 × 18 × 60	,, ग्रंथाग्र 800 वृतिये	1829	,, ,,
,,	,,	22	26 × 12 × 17 × 40	,, ,, 750 ,,	1900	,, ,,
,,	,,	24	30 × 16 × 16 × 43	,, ,, 750 ,,	19वी	
आवश्यक व्याख्या साहित्य	सं.	17	26 × 11 × 14 × 46	संपूर्ण ग्रथाग्र 800	16वी	
,, ,	,,	16	26 × 11 × 21 × 86	,, ,, 750	19वी	
आवश्यक क्रिया सूत्र	प्रा.	3	20 × 12 × 9 × 22	अपूर्ण	20वी	
,, पाठ	,,	1	25 × 11 × 13 × 40	प्रतिपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	1	25 × 11 × 11 × 42	,,	19वी	
,, ,,	,,	3	25 × 11 × 10 × 38	,,	19वी	
,, ,,	,,	4	26 × 11 × 11 × 38	,,	19वी	14 नियम के भी पाठ साथ मे

जैन आगम-अग बाह्य-प्रकीर्णक .—

प्रकीर्णक आगम सूत्र	प्रा.	4	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्ण 83 गाथायें	17वी	
,,	,,	4	25 × 11 × 11 × 36	,,	18वी	
,,	,,	7*	27 × 11 × 13 × 50	,,	19वी	साथ मे भक्त परिज्ञा गा. 145
,,	,,	6	27 × 12 × 10 × 30	,, 79 गाथा.	20वी	
संघ व्यवस्था	प्रा.स.	140	26 × 11 × 15 × 37	,, 137 गाथा की ग्रं 5850	18वी	3 पत्रा मे प्रशस्ति है
भक्ति	,,	6	26 × 11 × 18 × 52	,, 63 गाथा की	1524, श्री पट्टन मध्ये	
	,,	6	26 × 11 × 7 × 32	,, 62 ,, की	17वी	
	प्रा.	15	26 × 11 × 11 × 50	,, 66 गाथा	17वी	
	,,	4	26 × 11 × 10 × 33	,, 63 गा.	17वी [illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
10	वे नाथ 5/45	चउशरण (अवचूरी सह)	Cauśaran (with Avacūri)	वीर भद्र	मू ट
11	ओसिया 1 श्रा 137	,,	,,	,	मू (प)
12	कुंथुनाथ 52/7	,,	,,		,,
13	महावीर 1 श्र 57	,,	,,	,,	मू ट (पग)
14	मुनि सुव्रत 1 श्रा 120	, + बालावबोध	,, + Bālāvabodha	,,	मू + बा
15	, 1 श्रा 130	चउशरण	,	,,	मू (प)
16	महावीर 1 श्रा 31		,	,	,,
17	बालडी 815	,	,,	,,	,,
18	,, 1184 F	,,	,	,,	मू ट
19	वे नाथ 10/90		,	,,	मू श्र
20	,, 5/26		,,	,	मू ट
21	,, 15/44	,	,	,	,
22	, 2/5	,	,	,,	,,
23 5	, 14/96 15/ 37 17/5	, 3 प्रतियें	, 3 Copies	,	मू (प)
26	,, 5/86		,,	,	मू ट
27	मुनि सुव्रत 1 श्रा 122	,	,	,	,,
28	वे नाथ 26/50	चउशरण का बालावबोध	, kā bālāvabodha	,,	ग
29	महावीर 1 श्रा 44	ज्योतिष करंडक की वृत्ति	Jyotish Karandak ki Vṛti	मलयगिरी	,,
30	,, 1 श्रा 45	, ,	,, ,,	—	,,
31	वे नाथ 3/17	तंदुल वयारीय	Tandul Vaiyatiya	—	मू ट
32	, 5/84	तित्थोगालि पइन्ना	Titthoggāli Painnā	—	मू (प)
33	महावीर 1 श्रा 43	दीव सागर प्रज्ञप्ति	Div Sāgar Prajnāpti	चंद्र सूरि	,,
34	ओसिया 2/223	पर्यंत आराधना	Paryant Ārādhanā	सोम सूरि	मू ट
35	, 3 श्र 26		,	,,	मू (प)
36	कुंथुनाथ 10/184	,,	,,	,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति	प्रा.मा.	5	25×11×6×40	सपूर्ण 60 गा.	17वी	
,,	प्रा.	4	27×11×9×38	पहिले पत्रे के 8 गाथा कम	17वी	
,,	,,	3	26×11×12×46	संपूर्ण 63 गाथा	17वी	
,,	प्रा.मा.	5	26×11×6×44	,, ,, ,, का	1700	
,,	,,	7	25×11×15×57	,, ,,	18वी	
,,	प्रा.	5	25×11×9×34	,, 63 गा.	18वी	
,,	,,	3	26×11×18×60	,, ,,	18वी जयपुर सूर रत्न	साथ मे पर्यंत आराधना 70 गा.
,,	,,	9	30×11×6×28	,, ,,	1844× माणचंद्र	
,,	प्रा.मा.	6	25×11×6×31	,, 63 गाथा का	19वी	
,,	प्रा म.	12	26×12×18×55	,, ,, की	19वी	
,,	प्रा.मा.	8	25×11×5×35	,, ,, का	19वी	
,,	,,	7	25×11×4×38	,, 62 गाथा का	19वी	
,,	,,	11	21×12×5×26	,, 63 गाथा का	1893	
,,	प्रा.	2,3,2	25से30×11से16	,, 62 से 64 गाथाये	19वी	
,,	प्रा.मा.	6	25×11×7×33	,, 63 गाथाये	20वी	
,,	,,	10	26×12×4×33	,, ,,	20वी जोधपुर उदयसागर	
,,	मा.	2	26×12×17×47	संपूर्ण का	20वी	
आगम व्याख्या साहित्य	सं.	188	25×11×11×40	संपूर्ण ग्र. 5000	1957	
,, ,,	,,	2	26×11×18×65	प्रतिपूर्ण	19वी	चन्द्र सूर्य मण्डल विचार
,,	प्रा.मा	33	26×11×6×33	संपूर्ण गाथा 1188	1691	
,,	प्रा.	37	26×11×15×44	,, 1260 गाथा	19वी	
,,	,,	8	26×12×14×43	,, 223 ,,	20वी	
अन्त समय आराधना	प्रा मा.	6	26×11×6×37	,, 70 ,,	1596, मुल्तानपुर, जोगीदास	
,,	प्रा.	3	26×11×13×34	,, ,, ,,	17वी	
,,	,,	1	26×10×21×68	,, 68 ,,	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
37	कोलडी 382	पयन्त आराधना	Paryant Ārādhanā	सोम सूरि	मू प्र ट
38	के नाथ 15/125	"	"	"	मू ट
39 40	कोलडी 379,1112	, दो प्रतियां	, 2 copies	"	मू (प)
41-3	के नाथ 6/78,10/38,15/105	" तीन प्रतिया	" 3 "	"	"
44	" 15/223	"	"	"	मू ट
45	महावीर 1 भा 49	"	"	"	मू प्र
46	के नाथ 10/98	पिंडविशुद्धि+वृति	Pindviśudhi+Vṛti	जिन वल्लभ/उदयसिंह	मू वृ
47	ओसिया 1 भा 94	पिंडविशुद्धि	,	" / —	मू प्र
48	के नाथ 3/25	" + बाला	+Bālāvabodha	" /सामसुदर	मू बा
49	ओसियां 2/152	" —	" —	" —	मू
50	के नाथ 5/10	पिंडविशुद्धि		जिन वल्लभ	मू ट
51	" 15/238	"	,	"	मू प्र
52	महावीर 1 भा 46	"		,	मू प
53	" 1 भा 47	" +वृति	+Vṛti	"/यशोदेव	मू वृ
54	, 1 भा 48	पिंडविशुद्धि	"	जिन वल्लभ	मू प्र
55	के नाथ 6/22	,	,	"	मू ट
56	मुनिसुव्रत 1 भा 115	,	"	"	मू प्र
57	के नाथ 20/11	"		"	मू ट
58	महावीर 1 भा 50	वगचूलिया सूत्र	Bangcūliya Sūtra	यशाभद्र	मू (प)
59	कुंथुनाथ 4/82	संस्तारक	Sanstārak	—	
60	के नाथ 2/7	"	,	—	,
61	महावीर 3 भ 42	सिद्ध प्राभृत	Sidh Prabhṛt	—	मू वृ
62	मुनिसुव्रत 1 भा 110	प्रकीर्णक संग्रह प्रति	Prakirṇak Sangrah Prati	मिश्र 2	मू

6	7	8	8 A	9	10	11
अंत समय आराधना	प्रा.स.मा.	5	26 × 10 × 6 × 36	सपूर्ण 70 गाथा	1713	
,,	प्रा.मा.	9	25 × 11 × 5 × 32	,, 70 ,, ग्रं. 300	1716	
,,	प्रा.	6,5	26 × 12व25 × 12	प्रथम पूर्ण द्वितीय में 38 गा	1861/19वी	
,,	,,	7,5,2	24से25 × 11से13	सपूर्ण 70 गाथा	19/20वी	
,,	प्रा.मा.	8	19 × 11 × 7 × 24	,,	19वी	
,,	प्रा.स.	5	27 × 12 × 17 × 50	सपूर्ण 69 गाथा की ग्रं.325	20वी	
आहार नियम साधुओं के	,,	22	26 × 11 × 13 × 45	संपूर्ण 103 गा की	1775	
,,	,	4	27 × 11 × 9 × 37	अपूर्ण 97 गा की अंतिम पन्ना कम	15वी	
,,	प्रा.मा.	53	27 × 11 × 9 × 36	संपूर्ण	1580	
,,	प्रा.	123[अ]	26 × 12 × 11 × 40	,, 103 गाथा	16वी	
,,	प्रा मा.	16	26 × 11 × 5 × 28	,, 104 गाथा/ग्र 925	1684	
,,	प्रा.स.	6	26 × 11 × 11 × 36	,, 104 गाथा/अवचूरी 40 तक	17वी	
,,	प्रा.	5	26 × 11 × 12 × 39	,, 103 गाथा/ग्रं.131	17वी	
,,	प्रा.स.	50	26 × 11 × 17 × 56	,, ,, की/ग्र 2800	18वी	
,,	,,	16	26 × 11 × 14 × 50	,, ,, ,,	19वी	
,,	प्रा.मा.	17	26 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण 28 गाथा का	19वी	
,,	प्रा.स.	7	30 × 14 × 26 × 52	सपूर्ण 103 गा की	19वी	
,,	प्रा.मा.	8	27 × 11 × 14 × 43	सपूर्ण 103 गाथा का	19वी	
	प्रा.	8	29 × 13 × 10 × 30	,, 109 गाथा	19वी अजमेर	अपर नाम गुणहीन गुणानि
	,,	6	26 × 11 × 11 × 34	,, 122 ,,	17वी	
	,,	4	26 × 11 × 14 × 42	,, 119 ,,	19वी	
[illegible]	प्रा.स	23	28 × 14 × 16 × 44	,, 120 गाथा की	20वी	
	प्रा.	66	23 × 12 × 15 × 29	कुल 13 प्रकीर्णक	20वीं [illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
1	कोलडी 852	अक्षर बत्तीसियें व अक्षर बावनी	Aksar Battısıyen & Aksar Bāvanı	रूप कवि	प
2	बे नाथ 6/121	अक्षर बत्तीसी	,, Battısı	—	,,
3	सवामदिर 2/420	अठारह पापस्थान	Athārah Pāpsthān	ऋषि सातचद	,,
4	कुथुनाथ 23/8	अठारह पापस्थान निवारण	, , Nıvaraņ	ब्रह्म	,,
5	बे नाथ 26/89 गु	अठारह पापस्थान सज्झाय	, Sājjhāya	आगमरग	,,
6	कालडी 1335	अट्ठाइस लब्धि व जलविचार	Athāıs Labdhı & Jalvicār	—	ग
7	कुथुनाथ 52/25	अध्यात्मक कल्पद्रुम	Adhyātm Kalpdrum	मुनि सुन्दर	मू (प)
8	कालडी 896	,, ,	,	,,	,
9	क नाथ 11/56	, ,	,	,,	,,
10	कालडी 893	, +वृत्ति	,, +Vŗtı	मुनि सुन्दर/रत्नचन्द्र गणि	मू वृ (प
11	, 851	अध्यात्मक कल्पद्रुम भाषा	, Bhāsā	—	ग
12	महावीर 2/29	+वृत्ति	Vŗtı	मुनि सुन्दर/रत्नचद गणि	मू वृ (प
13	क नाथ 26/56	अध्यात्म बत्तीसी	Battısı	सुमति	प
14	कालडी 954	अध्यात्म शती	Śa tı	—	ग
15	क नाथ 15/137	अध्यात्म सार माला	, Sārmālā	नमीचद (रामजी का पुत्र)	प
16	, 24/44	अनुकम्पा चौपई	Anukampı Caupaı	ऋषि जयमलजी	,,
17	आसिया 2/243	अनुकम्पा ढाल	Ḍhāl	अज्ञात	,,
18	महावीर 2/18	अन्नाय उच्चगहण कुलक +वृत्ति	Annāy Uchgahankulak+ Vŗtı	— /मानदविजय गणि	मू वृ (प ग)
19	कोलडी 894	अन्यमत समन्वय	Anyamat Samanvaya	—	ग
20	आसिया 2/416	अभव्य कुलक	Abhavya Kulak	—	मू (प)
21	,, 2/151	अर्थ सत्तरी +बाला	Arth Sattarı+Bala	चन्द महत्तरा महासती/	मू बा
22	,, 2/293	अवधि ज्ञान का विस्तार	Avadhı Jñān kā Vıstār	अज्ञात	ग
23	मुनि सुव्रत 2/332	अवधि ज्ञान गुणस्थान चर्चा	Gaņsthān Carcā	—	,
24	कोलडी 1334	अष्टक सूत्र	Astak Sūtrā	हरि भद्र	मू प
25	क नाथ 14/43	,, ,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
नैतिक औपदेशिक पद	मा.	18	30 × 11 × 11 × 40	सपूर्ण (40 + 50 + 82 छंद)	1802, सप्तछदी मतिविजे	2 बत्तीमियां + 1 बावनी
अक्षरानुसारी ,,	,,	2	25 × 11 × 11 × 35	,, 32 गा.	1781	
औपदेशिक	,,	3	21 × 11 × 10 × 35	त्रुटक	19वी	
,,	,,	12	27 × 12 × 11 × 42	पहिले की अपूर्ण 17 की पूर्ण सज्झायें	1704	पन्ने 13 से 14
,,	,,	16*	22 × 16 × 17 × 25	17 सज्झाये है 18वी कम	20वी	
सैद्धान्तिक	म.	2	26 × 11 × 15 × 54	सपूर्ण	16वी	साथ मे पुद्गल परिवर्तन चर्चा
आध्यात्मिक विवेचन	,,	8	27 × 12 × 16 × 80	,, श्लोक 278 (स. 422)	16वी	
,,	,,	7	26 × 11 × 17 × 82	,, ,,	17वी	
,,	,,	9	26 × 11 × 17 × 45	,, ,,	17वी	
,,	,	58	24 × 10 × 15 × 45	,, 16 अधिकार	18वी	प्रशस्ति है
,,	मा.	54	22 × 12 × 14 × 36	,,	1882 × प्रेम विमल	
,,	स	80	29 × 13 × 14 × 39	,, 16 अधिकार (ग्र 2459)	1947 जोधपुर गोपीनाथ	वृति अध्यात्म कल्पलता नाम्नी
,,	मा	3*	25 × 12 × 14 × 44	,, 32 गाथा	20वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 16 × 48	सपूर्ण	1896	
,,	,,	5	26 × 12 × 13 × 60	सपूर्ण 111 पद (ग्र 235)	19वी	1765 की कृति
औपदेशिक दया पर	,,	12*	26 × 11 × 21 × 63	संपूर्ण 303 गाथा	19वी	
,,	,,	46*	25 × 12 × 11 × 34	अपूर्ण	19वी	
आहार शुद्धि पर	प्रा सं	6	26 × 11 × 57 × 58	सपूर्ण 31 गाथा की (ग्र. 296)	16वी	
धार्मिक समाधान	मा	2	26 × 13 × 17 × 45	संपूर्ण	1880	
औपदेशिक सिद्धान्त	प्रा	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
धर्म सैद्धान्तिक	प्रा मा.	61	27 × 11 × 13 × 52	सपूर्ण 93 गाथाका बंध सह	16वी	मूल 70 + 10 निर्जिरा [illegible] + 4 [illegible] = 93 गाथा)
ज्ञान तात्त्विक वर्णन	मा	5	25 × 12 × 9 × 39	अतिपूर्ण	19वी	
ज्ञान सैद्धान्तिक प्रश्नोत्तरी	,,	2	26 × 11 × 17 × 63	सपूर्ण प्रश्नोत्तर	19वी	
धर्म. सिद्धान्त	सं.	4	26 × 10 × 19 × 63	सपूर्ण 32 अष्टक + 2 श्लोक ग्र. 26[illegible]	16वी	
,,	,,	21	17 × 9 × 9 × 24	,, 33 अष्टक	1818	

1	2	3	3 A	4	5
26	महावीर 2/37	अष्टक सूत्र+वृत्ति	Astak Sutrā+Vṛti	हरिभद्र/जिनभद्र	मू वृ (प ग)
27	,, 2/43	अष्टक सूत्र	,,	हरिभद्र	मू प
28	आमिया 2/229	अष्ट गुण सज्झाय	Astagun Sajjhāya	ज्ञान विमल	मू ट
29	कोलडी 835	अष्ट प्राभृत	Asta Prābhṛt	आ कुन्दकुन्द	मू +अर्थ
30	,, 892	अष्टार्थ श्लोक	Astarth Ślok	—	मू +ट
31	के नाथ 6/90	अस्थिर भावना	Asthir Bhāvanā	—	ग
32	सेवामंदिर 3इ 345	अहिंसा धर्म	Ahinsa Dharm	—	पद्य
33	महावीर 2/22	अहिंसा प्रकरण	Prakaran	प्रधान	,
34	, 2/28	, ,	, ,	,,	,,
35	के नाथ 15/127	अहिंसा + रात्रि भोजन विरमण	+ Ratri Bhojan Viraman	(महाभारत शांतिपर्व से)	,,
36	, 15/198	अंग सज्झाय	Ang Sajjhāva	उ यशोविजय	,,
37	,, 15/208-9			,,	,,
38	कालडी 283			,	,,
39	कुंथुनाथ 52/1	आगम आलापक	Āgam Ālāpak	सकचन	मू (प ग)
40	44/6	,		,	,,
41	महावीर 2/277		,		,,
42	के नाथ 15/117	,		,	,,
43	आमिया 2/152	आगम उद्धार गाथा	Āgam Udhār Gāthā	—	प
44	सेवा मंदिर 3 इ 350	आगम चर्चा	, Carcā	—	प
45	मुनि सुव्रत 3 इ 302	आगम छत्तीसी	, Chattisi	श्री सार मुनि	,
46	कुंथुनाथ 9/127	आगम सार	Sār	देवचन्द्रजी	ग
47 51	के नाथ 4/28, 10/66 21/31 21/90 23/23	, 5 प्रतियां	,, 5 Copies	,	,
52	आमिया 2/162	,	,,	,	,,
5	कालडी 1159	,,	,	,,	,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति सिद्धान्त	सं.	76	28 × 13 × 17 × 41	संपूर्ण 32 अष्टक ग्र.3700	19वी × छबीलजी	प्रशस्ति है
,,	,,	12	27 × 13 × 10 × 36	,, 32 अष्टक	1950 शत्रुंजय नगरे	
धार्मिकगुणस्वाध्याय	मा.	3	24 × 12 × 4 × 33	संपूर्ण 15 गाथा	17वी	
तात्विक औपदेशिक	प्रा.सं.	57	30 × 11 × 10 × 37	6 प्राभृत पूर्ण	18वी	(दर्शन बोध,श्रुत भाव चरित मोक्ष)
तात्विक	मा.	3	24 × 13 × 3 × 23	संपूर्ण	19वी	1 दोहे के आठ अर्थ है
वैराग्योपदेश	,,	2	23 × 11 × 13 × 32	,,	19वी	
औपदेशिक	,,	3	26 × 12 × 17 × 54	,, 75 गाथा	20वी अजमेर	
अहिंसा का विवेचन	स.	6	26 × 11 × 6 × 28	,, 59 श्लोक	16वी	
,,	,,	3	28 × 13 × 10 × 38	,, 59 ,,	1961	
औपदेशिक उद्धरण	,,	3	24 × 12 × 9 × 25	,, 26 ,,	19वी	
अगसूत्रोपरस्वाध्याय	मा.	2	26 × 12 × 17 × 40	,, पाच ढाले	1859	पान सूत्रो पर
,,	,,	2	25 × 11 × 17 × 47	,, ,,	19वी	,,
,,	,,	3	26 × 13 × 19 × 60	,, 11 ढाले	19वी	सपूर्ण 11 अगो पर
अहिंसा सबन्धी	प्रा	8	28 × 12 × 11 × 40	प्रतिपूर्ण	17वी	आगम उद्धरण
भक्ति तत्व ,,	,,	167*	15 × 12 × 17 × 24	अपूर्ण	17वी	,,
छेद सूत्र ,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 27	प्रतिपूर्ण	17वी	,,
अनेक वस्तु तात्विक	,,	6	26 × 11 × 15 × 42	,,	19वी	,,
तात्विक	,,	123*	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्ण 71 गाथा	16वी	
,, विचार निर्णय	स	7	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण 25 श्लोक	18वी	
आगम भक्ति + तात्विक	मा.	2	24 × 11 × 13 × 33	सपूर्ण 36 पद	19वी	
शास्त्र साराश	,,	35	28 × 13 × 15 × 64	सपूर्ण ग्रन्थाग 2100	19वी	
,,	,,	58,28, 58,38 46	23से31 × 12से16	,,	19वी	
,,	,,	22	23 × 12 × 18 × 46	,,	20वी	
,,	,,	10	24 × 12 × 10 × 37	अपूर्ण	20वी	

6	7	8	8 A	9	10	11
जैनाचार	स	98	26 × 11 × 13 × 45	चार आचार पूर्ण वीर्याचार अपूर्ण	17वीं	
औपदेशिक सामान्य	मा.	11,10	25 × 11व26 × 12	सपूर्ण प्रथम; द्वितीय अपूर्ण	19वी	(मर्त्यजन्मफलाष्टक)
,	,,	16	27 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण	19वी	,,
जैन आध्यात्मिक	,,	50	28 × 13 × 13 × 33	सपूर्ण गाथा 49 का	1882 पाली	(अध्यात्म गीता अपरनाम)
,	,,	4	26 × 11 × 10 × 35	,, 49 गाथा	19वी	,, ,,
आध्यात्मिक धार्मिक	सं.	गुटका		,, 60+10 श्लोक	1544	
औपदेशिक प्रायश्चित	मा.	3	24 × 11 × 13 × 42	,, ग्रथाग्र 80	19वी	
,, ,,	,,	4	25 × 12 × 12 × 36	,, ,,	19वी ×	
,, ,,	,,	4	26 × 12 × 14 × 28	,, ,,	मुकनचद 1930अजीमगज	
,, ,,	,,	6	22 × 11 × 11 × 22	,, ,,	आ मुदरजी 1967,फलोदी गरोग	
जैन दार्शनिक आध्यात्मिक	स.	198	26 × 12 × 14 × 38	सपूर्ण 4 प्रकाश कथा सह	19वी	प्रशस्ति व बीजक है
ज्ञान क्रियाभ्याम् मोक्ष	मा.	5[1]	27 × 11 × 12 × 36	,, 36 पद	19वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 11 × 33	,, ,,	20वी, जयपुर	
तात्विक	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	,, 23 गाथा	17वी	
औपदेशिक	,,	8	27 × 14 × 13 × 42	,, 185 दोहे/ग्र 215	19वी	रत्न हर्ष सानिध्य मे 1662 की कृति
,,	,,	1	25 × 11 × 24 × 60	,, 27 गाथा	19वी	
दार्शनिक	स.	2	25 × 10 × 14 × 48	,, 1 श्लोक मात्र	19वी	1 श्लोक की अनेक व्याख्या
आध्यात्मिक	,,	गुटका	25 × 20 × 15 × 28	,, 8 8 श्लोक	1794	
सज्झाय सग्रह	मा.	7	27 × 10 × 15 × 55	अपूर्ण	19वी	
तात्विक	,,	1	जन्मपत्री रोल लम्बा	सपूर्ण	19वी	
औपदेशिक आचारादि	स.	2	26 × 11 × 19 × 62	,, 77 गाथा	16वी	अत मे [illegible] 10 श्लो [illegible]
,, ,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 48	,,	19वी	
औपदेशिक	प्रा.मा	24	26 × 11 × 6 × 33	सपूर्ण 287 गा.काम.1612	16वी	
,	,,	23	27 × 11 × 6 × 36	,, 288 गा.	17वी	[illegible] 7 गा. [illegible]
[illegible]	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 23 श्लोक	1544	

1	2	3	3 A	4	5
80	के नाथ 10/95	आनन्द तिलक रास	Ānand Tilak Rās	[illegible]	ग
81	,, 3/9	आप्त मीमांसा	Ātm Mimāṁsā	समन्तभद्र	मु (ग)
82	महावीर 2/404	,, + वृत्ति	,, + Vṛtti	,, /विद्यानंदि	मु
83	के नाथ 15/114	आप्त मीमांसा की वृत्ति	Āptmimaṁsā kī Vṛti	वसुनंदि	ग
84	महावीर 2/134	आभाण शतक	Ābhan Śatak	[illegible]	मु (प)
85	बधुनाथ 20/15	आराधना	Ārādhanā	[illegible]	प
86	मंदिर गुटका 3 [illegible]				,,
87	बधुनाथ 18/35		,,	[illegible]	,,
88	56/9	आराधना व 84 बात	ke 84 Bol	—	[illegible]
89	के नाथ 26/23	आराधना प्रकरण [illegible]	Prakaran [illegible]	—	[illegible]
90	[illegible] 1339	आराधना सार	Sār	[illegible]	[illegible]
91	के नाथ 15/60	आलोचना छत्तीसी	Ālocanā Chattisi	[illegible]	,,
92	26/55	आलोचना विचार व सामायिक [illegible]	Vicār & Sāmāyik [illegible]	—	[illegible]
93	[illegible] 3 द 240	आलोचना विनति	Vinati	[illegible]	प
94	बधुनाथ 44/6 गु	इन्द्रिय जय सज्झाय	Indriya Jay Sajjhāya	—	
95	के नाथ 15/49	इन्द्रिय पराजय शतक	Parājay Śatak	—	मु (प)
96	5/76	,,	,,	—	मु ट (प द)
97	6/66		,,	—	,,
98	,, 15/139			—	
99	[illegible] 2/416	,,	,,	—	मु (प)
100	महावीर 2/16	ईर्यापथिक कुलक	Iriyāpathik Kulak	विजय विमल	मु ट (प द)
101	के नाथ 26/103 गु	ईर्यापथिक कुलक	Iriyāpathik Kulak	—	मु प
102		ईर्यावली कुलक	Iriyāval Kulak	—	,,
103	बधुनाथ 36/1 गु	इष्टोपदेश	Iṣṭopdeś	पूज्य पाद	मु (प)
104	[illegible] 3 द 240	उत्पत्ति बहोत्तरी	Utpati Bahottari	मुनि [illegible]	प

6	7	8	8 A	9	10	11
आध्यात्मिक	मा.	10*	26 × 12 × 15 × 42	संपूर्ण 42 गा	19वी	
जैन सिद्धांत मंडन व मीमांसा	स.	22	25 × 12 × 3 × 27	,, 113 श्लोक	19वी	अपर नाम देवागम स्तोत्र
,, ,,	,,	19	26 × 13 × 11 × 50	,, 115 ,, की	1946 जयपुर देवकृष्ण	
,, ,,	,,	32	25 × 12 × 11 × 30	,, ,, ,, ,,	1904	
जैन सैद्धान्तिक उपदेश	,,	4	25 × 10 × 13 × 35	,, 108 श्लोक	18वी	1699 की कृति
धर्म साधना आचार	मा.	19	24 × 10 × 15 × 40	,, 383 गाथा	16वी	
,,	,,	38	16 × 13 × 13 × 20	,, 360 ,,	1651	
धर्माचार साधु श्रावक	अ मा.	2	26 × 11 × 13 × 52	,, 40 गाथा	17वी	
पाप आलोचना (क्षमापना)	प्रा.मा.	2	25 × 11 × तान्त्रिकाये	प्रतिपूर्ण	17वी	
औपदेशिक	मा.	2	26 × 12 × 11 × 33	संपूर्ण	19वी	
,,	प्रा.	2	26 × 10 × 13 × 50	अपूर्ण	17वी	तपस्याओ के यत्र भी है
प्रायश्चित उपदेश	मा.	2	24 × 10 × 15 × 40	संपूर्ण 36 पद	1744	
औपदेशिक	,,	2	25 × 13 × 13 × 24	,,	19वी	
गर्हा स्तवन	,,	6*	25 × 12 × 14 × 38	,, 32 पद	19वी	साथ मे आत्मनिंदा
औपदेशिक	,,	गुटका	15 × 12 × 17 × 24	,, 54 गाथा	17वी	
,,	प्रा	8	20 × 11 × 11 × 25	,, 101 ,,	17वी	
,,	प्रा मा.	8	26 × 11 × 7 × 40	,, 100 ,,	17वी	
,,	,,	13	25 × 11 × 5 × 30	,, 100 ,,	18वी	
,,	,,	14	24 × 11 × 5 × 30	,, 100 ,,	19वी	
,,	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953 नागौर रामचन्द	
धार्मिक क्रिया उपदेश	प्रा मा.	5*	26 × 13 × 5 × 34	,, 10 गाथा	18वी	
औपदेशिक क्रिया	प्रा.	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 10 गाथा	18वी	
,,	,,	1	25 × 15 × 20 × 56	,, 10-4 8 – 18 गा	18वी	
उपदेश	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 51 श्लोक	1544	
[illegible] उपदेश	मा.	6*	25 × 12 × 14 × 38	,,	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
105	कोलडी 290	उत्पत्ति बहोत्तरी	Utpati Bahottari	मुनि श्रीसार	प
106	कुथुनाथ 15/13	उत्पत्ति (उपदेश) सत्तरी	Utpatti (Updes) Sattari	,,	,,
107	के नाथ 18/87	,, व दस बोल सज्भाय	+ Dasbol Sajjhāva	,,	,,
108	कालडी 276	उत्पत्ति बहोत्तरी	Bahottari	,,	,,
109	के नाथ 13/45	उपदेश कदली	Updeś Kandali	आसड	मू प
110	महावीर 2/2	,, ,, + वृति	+ Vrti	आसड, वानेन्द्र कवि	मू व (प ग)
111	कुथुनाथ 35/5	उपदेश कुलक	Kulak	ग्रह ऋषि	प
112	के नाथ 13/45	उपदश चिंतामणी	Cintāmani	—	मू प
113	, 1/16	, + वति	, , + Vrti	जयशेखर/मरतुङ्ग	मू वृ
114	कोलडी 830	+ अवचूरी	+ Avacuri	जयशेखर/—	मू अ कथा
115	महावीर 2/113	+ वति	+ Vrti	— स्वोपज्ञ	मू वृ
116	कोलडी 955	उपदेश छत्तीसी	Chattisi	जिन हर्ष	प
117	महावीर 2/25	उपदेश तरङ्गिणी	Tarangini	रत्न मदिर द्वारा गुम्फित	प ग
118	, 2/23	उपदेश पत्र	Patra	—	ग
119	, 2/3	उपदश पद	Pad	हरिभद्र/मुनि चन्द्र	मू व (प ग)
120	मुनि सुव्रत 2/254	उपदेश माला	Māla	धर्मदास गणि	मू प
121	, 2/256				मू ट
122	ओसिया 2/152			,	मू प
123	के नाथ 15/14	,,	,		,,
124	,, 9/1	,	,	,,	मू ट
25	कुथुनाथ 52/24	,		,	मू (प)
26	के नाथ 17/47	,	,	,	,,
27	,, 14/2	,	,	,,	,
	कुथुनाथ 3/52	,,	,,	,	,,
9	के नाथ 5/40	,,	, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
विरक्ति उपदेश	मा	2	25 × 11 × 16 × 34	संपूर्ण 69 गाथा	19वी	
,,	,,	3	27 × 11 × 11 × 36	,, 70 ,,	19वीं	पूर्वोक्त गय ही है
औपदेशिक+चार्चिक	,,	3	24 × 10 × 15 × 45	,, 70+20 गाथाये	19वी	
औपदेशिक विरक्ति	,,	4	25 × 13 × 13 × 34	,, 72 छंद	1905	
औपदेशिक/शास्त्र सार	प्रा	24*	30 × 12 × 19 × 86	,, 125 गाथा	16वी	
प्रवचन सार उपदेश	प्रा स	211	27 × 13 × 15 × 45	,, 125 गाथा की 13 विश्राम	19वी	शीतलवार प्र [illegible]
औपदेशिक	मा	2	26 × 10 × 13 × 40	,, 29 गाथा	1686	
,,	प्रा	24*	30 × 12 × 19 × 86	,, चार अधिकार 384 गा	16वी	
,,	प्रा.सं.	139	26 × 11 × 19 × 50	अपूर्ण ग्रंथाग्र 12064	1526	पत्रे 75 [illegible] 213 (अन)
,,	,,	66	31 × 11 × 19 × 54	संपूर्ण कथा सह ग्र 4105	17वी जीर्ण दुर्ग	
,,	,,	303	28 × 13 × 15 × 44	सपूर्ण चार अधिकार गा 458 की	19वी	
,,	मा	3	25 × 11 × 17 × 42	,, 36 सवैये	1828	
धर्म दान पूजा गाथा उपदेश	प्रा.स.	82	25 × 12 × 14 × 45	,, 5 तरङ्ग ग्र 3539	1960, विक्रमपुर कृष्णाकरण	
व्याख्यान परिपाटी	मा.	4	23 × 11 × 10 × 19	प्रतिपूर्ण	1917 × अमृत विजय	
औपदेशिक	प्रा.सं	312	27 × 12 × 14 × 56	सपूर्ण, मूल गा. 1040 ग्र 14000	19वी	
,,	प्रा.	22	26 × 11 × 13 × 39	संपूर्ण 543 गा.	16वी	
,,	प्रा मा.	41	26 × 11 × 8 × 32	,, 544 ,,	16वी	
,,	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, ,, ,,	16वी	
,,	,,	25	25 × 10 × 11 × 38	,, 543 ,,	16वीं	
,,	प्रा मा	52	26 × 11 × 6 × 30	,, 540 • प्रक्षिप्त गाथा	16वी	प्रतिम [illegible]
,,	प्रा	36	25 × 12 × 13 × 37	,, 544 गाथा	1600	
,,	,,	19	26 × 10 × 12 × 42	,, 543 ,,	1649	
,,	,,	21	26 × 11 × 13 × 45	,, 544 ,,	1659	
,,	,,	31	28 × 12 × 11 × 40	,, ,, ,,	[illegible]	
,,	,,	16	25 × 11 × 15 × 36	अपूर्ण(प्र 2 पत्र 50गा.तक)	1669	

1	2	3	3 A	4	5
130	मुनि सुव्रत 2/255	उपदेश माला	Updesmālā	धमदास गणि	मू ट (प ग)
131	के नाथ 15/15	,,		,,	मू (प)
132	,, 23/26	,,	,	,,	,,
133	,, 3/26	,, +विवरण	, +Vivaran	धमदास/सिद्ध साधु	मू +वृ
134	कोलडी 1076	उपदेश माला		धमदास गणि	मू ट
135	,, 1144	,,		,	,,
136	के नाथ 14/121	,,	,	,	मू प
137	, 3/15		,,	,	मू ट
138	ओसिया 2/286				मू ट कथा
139	महावीर 2/111	उपदेश माला + वृति	+Vṛti	,/—	मू ञ (प ग)
140	,, 2/1	,		,/—	,
141	ओसिया 2/409	उपदश माला कथा सह	with kathā	,,/—	मू ट कथा
142	कुंथुनाथ 17/6	उपदेश माला		धमदास गणि	मू ट
143 7	के नाथ 4/12 6/7 15/101 23/45 15/159	, 5 प्रतियां	5 Copies	,,	मू (प)
148	, 13/3			,,	मू अ
149	कुंथुनाथ 15/57	(सज्झाय भाग)	(Sajjhāyabhag)	,,	मू प
150	के नाथ 21/26	, (,,)		,	,
151	, 10/24			,	मू E
152	महावीर 2/112	उपदश माला की वृति	ki Vṛti	—?	ग
153	के नाथ 6/54	उपदश माला की कथायें	ki Kathāyen	—	,,
154	, 26/79	उपदेश माला यन्त्र	Yantra	—	गद्य तालिका
155	,, 11/51	उपदेश रत्न कोश	Updes Ratnakos	पद्म जिनेश्वर सूरि	मू अ
156	ओसिया 2/235	, + बाला	, +Bālā	,	मू बा
157	,, 2/309	उपदेश रत्न कोष		,,	मू ट

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा.मा.	45	26 × 11 × 5 × 42	सपूर्ण 544 गा ग्रंथाग्र मूल 700 टब्बा 1400	1716, विक्रा-वास	
,,	प्रा.	23	26 × 11 × 13 × 36	संपूर्ण 543 गा.	1724	
,,	,,	7	25 × 11 × 11 × 35	103 गा प्रतिपूर्ण	1773	तो भी लिपिक ने "पूर्ण" लिखा है
,,	प्रा सं.	115	26 × 11 × 13 × 40	सपूर्ण 538 गा. ग्रं 3852	18वी	
,,	प्रा.मा.	39	24 × 11 × 7 × 35	लगभग पूर्ण	18वी	प्रथम व अंतिम पन्ना कम
,,	,,	29	25 × 10 × 8 × 52	,,	18वी	अंतिम पन्ना कम
,,	प्रा.	20	25 × 11 × 11 × 38	अपूर्ण गा. 404 तक ही हैं	18वी	
,,	प्रा हि.	57	25 × 11 × 18 × 60	सपूर्ण 544 गा	1819	
,,	,,	53	25 × 11 × 7 × 44	,, 544 गा.	1840, बाहड़मेर कीर्तिगणी	
,,	प्रा स	179	27 × 13 × 14 × 43	,, 544 गा कथा सह	19वी	
,,	,,	116	27 × 13 × 16 × 43	अपूर्ण 439 तक ही	19वी	पूर्वोक्त की नकल
,,	प्रा.मा.	160	26 × 11 × 3 × 36	सपूर्ण 544 की ग्र 6375	19वी	
,,	,,	49	26 × 11 × 6 × 38	लगभग पूर्ण 532 गा तक	19वी	
,,	प्रा	31,25 21,23 11	21से26 × 9से12	सपूर्ण-अंतिम प्रति अपूर्ण 200 गा	19वी	
,,	प्रा.ग.	39	26 × 11 × 17 × 50	अपूर्ण 38 से 544 ग्र 1716	18वी	
,,	प्रा.	2	26 × 12 × 12 × 42	सज्झाय की 33 गा	18वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 13 × 42	,,	19वी	
,,	प्रा.मा.	18	25 × 11 × 7 × 48	अपूर्ण 253 से 544 तक	19वी	
,,	म	6	26 × 13 × 12 ×	बिल्कुल अपूर्ण, प्रारंभिक मात्र	20वी	
,,	,,	40	25 × 11 × 12 × 34	लगभगपूर्ण-पहिलापन्ना कम	1674	
,,	प्रा.	3	29 × 14 × 17 × 50	प्र [illegible] क्रम मे प्रारंभिक पद	19वी	
,,	प्रा.ग.	10	26 × 11 × 4 × 40	सपूर्ण 36 गाथा (12 प्रक्षिप्त)	1698	11 गाथायें प्रक्षिप्त?
,,	प्रा.मा.	5	26 × 11 × 11 × 43	,, 25 गाथा ग	17[illegible]	
,,	,,	2	26 × 11 × 7 × 44	,, 26 गाथा	18वी × [illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
158	पाटोदी 828	उपदेश रत्न कोष	Updeś Ratnakos	पद्मजिनेश्वर सूरि	मू (प)
159	बधीचन्द 15/74	" +बाला	+Bālā	"	मू बा
160	गोधियान 2/304	उपदेश रत्न कोष		,	मू ट
161	,, 2/416	,		,	मू (प)
162	सम्भवनाथ 2/430			"	,
163	महावीर 2/5	उपदेश रत्नाकर +वृत्ति	Updes Ratnakar+Vṛti	मुनि सुन्दर (सोम सुन्दर का शिष्य)	मू वृ
164	सम्भवनाथ 3 इ 349	उपदेश रसाल बत्तीसी	Rasal Battisi	पाठक रत्नपति	पद्य
165	कुन्थुनाथ 44/6	उपदेश रहस्य	Rahasya	पार्श्वचन्द	,
166	सम्भवनाथ गुटका 3 नि	उपदेश सार रत्न कोष	Sār Ratnakosa	समरचन्द (पार्श्वचन्द का शिष्य)	,,
167	नमिनाथ 10/133	उपसर्ग विचार	Upsarg Vicār	—	प
168	पाटोदी 428	उष्ठाउपदेश	Usthāuopdes	—	ग
169	429			—	,,
170	कुन्थुनाथ 15/54	उष्णनासोपदेश श्लोक	Slok	—	प
171	बधीचन्द 15,10	ऋषि मण्डल	Rsimandal	धर्म घोष	मू प
172	10 4	,			,
173	21/38			,	मू अ
174	, 2_/66		,	,	मू प
175	, 23/25			,	,
176	पाटोदी 858			,	,
177	कुन्थुनाथ 3/54			,	,,
178 से 180	महावीर 2,119 20 21	, + वृत्ति 3 प्रतियें	+Vrti 3 copies	धर्म घोष/हर्ष नन्दन	मू वृ (प ग)
181	बधीचन्द 24/47	ऋषि मण्डल		धर्म घोष	मू प
182	महावीर 2/122	ऋषि मण्डल की अवचूरी	ki Avacūri	—	ग
183	, 4/म 35	ऋषि मण्डल की वृत्ति	ki Vṛti	—	,,
184	नमिनाथ 7/49	"	, "	पद्म मन्दिर गणि	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा.	2	31 × 11 × 8 × 40	सपूर्ण 26 गाथा	19वी	
,,	प्रा मा.	4	25 × 11 × 11 × 42	,, 44 गाथा	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 7 × 44	,, 26 गाथा	19वी	
,,	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	सपूर्ण	1953	
,,	,,	2	25 × 11 × 6 × 33	अपूर्ण 11 से 26 अंत तक	17वी	
,,	प्रा.सं.	186	27 × 12 × 15 × 47	संपूर्ण ग्रंथाग्र 7657	20वी बालुकड-पुर	स्वोपज्ञ वृति
,,	स	2	27 × 14 × 9 × 30	,,	19वी	
,,	मा.	गुटका	15 × 12 × 17 × 24	,, 39 गा.	17वी	
,,	,,	12 पत्रे	16 × 13 × 8 × 13	,, 61 गा.	1716	
,, + सैद्धा-न्तिक	प्रा.	27*	27 × 11 × 13 × 38	,, 70 गा	16वी	
मृत्यु उठायगा उपदेश	मा.	2	26 × 10 × 13 × 48	संपूर्ण	19वी	
,,	,	6	23 × 13 × 13 × 26	,,	19वी	
,,	प्रा.स.	1	25 × 11 × 11 × 38	,, 10 श्लोक	19वी	
भक्ति औपदेशिक तन्त्र प्रसग	प्रा.	12	26 × 11 × 11 × 38	,, 220 गाथा	1595	
,,	,,	8	27 × 12 × 15 × 62	,, 208 गाथा/ग्रं.450	16वी	
,,	प्रा स	12	26 × 11 × 11 × 35	सपूर्ण	1608	जीर्ण-प्राय अपठनीय
,,	प्रा.	12	26 × 11 × 11 × 45	,, 229 गा.	17वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 13 × 41	,, 208 गा	18वी	
,,	,,	16	21 × 11 × 7 × 42	,, 220 गा.	18वी	
,,	,,	8	27 × 12 × 12 × 54	,, 221 गा.	19वी	
,,	प्रा सं.	108,118 110	25से29 × 12से14	,, टबा सहित 4750	19वी	
,,	प्रा.	8	26 × 11 × 11 × 37	अपूर्ण [illegible] 10 गाथा का क्रम	19वी	इसमें 163 गाथा [illegible]
,,	स.	7	27 × 11 × 17 × 60	अपूर्ण 32 से 163 (अंत) तक	16वी	
,,	,,	233	27 × 11 × 15 × 55	,, आदि पत्र रहित	17वी	
,,	,,	224	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण 224 गा. [illegible]	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
185	ओसिया 2/228	औपदेशिक गाथायें	Aupdeśik Gāthāyen	सकलन	मू ट
186	के नाथ 13/16	कर्पूर प्रकरण (कथा सह)	KarpūrPrakaranwithKatha	हरि/सोमचद	प ग
187	महावीर 2/20	,, (,,)	,	, —	,,
188	कोलडी 131	कपूर प्रकरण	—	,, —	प
189	के नाथ 21/45	कम विपाक (प्राचीन) + वृति	Karmvipāk (Pracin)+Vṛti	गग, परमानद	मू त (प ग)
190	कुथुनाथ 14/7	कम ग्रथ 1-4 (प्राचीन) + सूक्ष्म विचार सार	Karmgranth 1-4 (Pracin)+ Śuksim Vicār sār	गग × × जिनवल्लभ 2	मू प
191	के नाथ 3/20	कम ग्रथ चौथा/(विचार सार आगमिक वस्तु) + वृति	Karmgranth 4th (Vicār sār Āgamik Vastū + Vṛti	जिनवल्लभ/	म वृ
192	52/8	कम ग्रथ 1 स 6 नवीन	Karmgrant 1-6 (Navin)	देवेन्द्र (1 स 5) + चन्द्रर्षि (6)	मू प
193	के नाथ 1/8	, ,+वृति	ki Vṛti	देवेन्द्र (1 5) चन्द्रर्षि/6 मलयगिरी	म वृ
194	महावीर 2/65	+		, , /	,,
195	क नाथ 5/100	कम ग्रथ 1 स 6 नवीन	(Navin)	देवेन्द्र (1-5) चन्द्रर्षि (6)	मू प
196	कालडी 117	,,		,	मू ट (प ग)
197	ओसिया 2/173 76	, ,,		,,	मू + अ
198	के नाथ 23/37	, ,,	,	,,	मू (प)
199	3/1	कम ग्रथ 1 स 6 + बा	+ Bālā	देवेन्द्र + चन्द्रर्षि/मतिचद	मू बा
200	कोलडी 116	कम ग्रथ 1 स 6 नवीन	(Navin)	देवेन्द्र (1-5) + चन्द्रर्षि (6)	मू प
201-2	क नाथ 5/99 21/25	,, ,, 2 प्रति	2 copies	,	*
203	,, 3/13	कम ग्रथ 1 स 6 नवीन	Karmgranth 1 6 (Navin)	देवेन्द्र (5) चन्द्रर्षि (छठा)	मू ट
204	, 23/36	कम ग्रथ 1 स 5 ,	1 5 ,	देवेन्द्र/—	मू ट बा
205	,, 3/11	,, ,, ,,	,	, /—	मू अ
206	कोलडी 1189	,, ,, ,,	,,	देवेन्द्र	मू प
207	क नाथ 21/9	, ,, ,,	, ,, ,	,,	मू ट
208	,, 21/18	,, ,,	, ,	,,	,

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन धार्मिक श्लोक	प्रा म मा	12	26 × 11 × 6 × 34	भिन्न 2 पन्ने	18/19वी	
औपदेशिक दृष्टांत	सं.	39	27 × 12 × 15 × 55	संपूर्ण 157 कथानक	1569	
,,	,,	16	26 × 11 × 15 × 55	अपूर्ण 69 काव्य-कथाये	18वी	
औपदेशिक	,,	3	26 × 11 × 17 × 54	सपूर्ण 52 श्लोक	18वी	
कर्म सैद्धान्तिक साहित्य	प्रा.स	20	27 × 11 × 15 × 43	, 168 गाथा की ग्र 922	1580	प्राचीन कर्म ग्रन्थ 1
,,	प्रा.	9	27 × 11 × 22 × 66	,, (168 + 56 + 24 + 86 + 15 गा	19वी	,, ,, 1-4 +
,,	प्रा.म	18	26 × 11 × 17 × 46	संपूर्ण 86 गाथा ग्र 850	17वी	अंतिम पन्ना कम
,,	प्रा	18	26 × 12 × 13 × 38	,, (61 + 34 + 24 + 86 + 100 + 93 गाथा)	1592	(विपाक[1], स्तव[2], बध[3] स्वामित्व[4] षड्शीति[5], शतक[6], सप्तति)
,,	प्रा म.	172	26 × 11 × 17 × 50	संपूर्ण (अंतिम पन्ना कम)	16वी	
,,	,,	199	26 × 11 × 16 × 66	,, ग्रथा. 10137 (1 से 5 के) ,, 3880 छठे व	1621	
,,	प्रा	12	26 × 11 × 13 × 44	सपूर्ण 396 गा.	1756	
,,	प्रा मा.	64	25 × 12 × 4 × 42	,, ,,	1818	
,,	प्रा सं.	46	25 × 11 × 11 × 37	,, यंत्रतालिका सह	1820 विक्रमपुर वसतसुदर	अवचूरि देवगुप्त शिष्य की है ?
,,	प्रा	29	26 × 12 × 11 × 33	सपूर्ण	1825	
,,	प्रा मा	318	25 × 13 × 15 × 37	,, 396 गाथा का	1858	
,,	प्रा.	22	26 × 13 × 12 × 40	,, ,,	1896	
,,	,,	45,17	28 × 11व26 × 11	,, ,,	19वी	
,,	प्रा मा	79	29 × 12 × 4 × 36	सपूर्ण	19वी	
,,	.	50	11 × 26 × 5 × 41	,,	19वी	
,,	प्रा म	20	26 × 11 × 10 × 53	,,	1481	प्रथम पन्ना कम है 20 गाथा
,,	प्रा	27	29 × 15 × 11 × 27	चार पूरे पांचवां 73 गा	19वी	
,,	प्रा मा	31	24 × 12 × 9 × 31	सपूर्ण	19वी	
,,	[illegible]	4[illegible]	28 × 14 × [illegible] × 21	,,	19वी	[illegible]

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन धार्मिक श्लोक	प्रा सं मा	12	26 × 11 × 6 × 34	भिन्न 2 पन्ने	18/19वी	
औपदेशिक दृष्टांत	स.	39	27 × 12 × 15 × 55	संपूर्ण 157 कथानक	1569	
,,	,,	16	26 × 11 × 15 × 55	अपूर्ण 69 काव्य-कथायें	18वी	
औपदेशिक	,,	3	26 × 11 × 17 × 54	सपूर्ण 52 श्लोक	18वी	
कर्म सैद्धान्तिक साहित्य	प्रा स.	20	27 × 11 × 15 × 43	,, 168 गाथा की ग्र 922	1580	प्राचीन कर्म ग्रन्थ 1
,,	प्रा	9	27 × 11 × 22 × 66	,, (168+56+24+86+15 गा	19वी	,, ,, 1-4+
,,	प्रा स	18	26 × 11 × 17 × 46	सपूर्ण 86 गाथा ग्रं 850	17वी	अंतिम पन्ना कम
,,	प्रा	18	26 × 12 × 13 × 38	,, (61+34+24+86+100+93 गाथा)	1592	1 2 3 (विपाक, स्तव, बंध 4 स्वामित्व षड्शीति, 5 6 शतक, सप्तति)
,,	प्रा स.	172	26 × 11 × 17 × 50	सपूर्ण (अंतिम पन्ना कम)	16वी	
,,	,,	199	26 × 11 × 16 × 66	,, ग्रथा. 10137 (1 से 5 के) ,, 3880 छठे व	1621	
,,	प्रा	12	26 × 11 × 13 × 44	सपूर्ण 396 गा	1756	
,,	प्रा मा.	64	25 × 12 × 4 × 42	,, ,,	1818	
,,	प्रा स.	46	25 × 11 × 11 × 37	,, यत्रतालिका सह	1820 विक्रमपुर वखतसुदर	अवचूरि देवगुप्त शिष्य की है ?
,,	प्रा	29	26 × 12 × 11 × 33	सपूर्ण	1825	
,,	प्रा.मा	318	25 × 13 × 15 × 37	,, 396 गाथा का	1858	
,,	प्रा	22	26 × 13 × 12 × 40	,, ,,	1896	
,,	,,	45,17	28 × 11व26 × 11	,, ,,	19वीं	
,,	प्रा मा.	79	29 × 12 × 4 × 36	सपूर्ण	19वीं	
,,	.	50	11 × 26 × 5 × 41	,,	19वीं	
,,	प्रा स	20	26 × 11 × 10 × 53	,,	1481	प्रथम पन्ना कम है 20 गाथा
,,	प्रा	27	29 × 15 × 11 × 27	चार पूर्ण पाना मे 73 गाथा	19वीं	
,,	प्रा मा.	31	24 × 12 × 9 × 31	सपूर्ण	19वीं	
,,		17	25 × 14 × 7 × 21	,,	19वीं	[illegible]

1	2	3	3 A	4	5
209	के नाथ 3/2	कर्मग्रन्थ 1 से 4+बा	Karmgrantha 1-4+Bālā	देवेन्द्र/—	मू वा
210	आसिया 2/139-244	,, ,, +बा	,, ,, + ,,	देवेन्द्र/मतिचंद्र	,
211-2	के नाथ 29/98 5/14	कर्मग्रन्थ 1 से 4 नवीन दो प्रति	,, , (Navina) 2 Copies	देवेन्द्र	मू प
213	,, 15/16	कर्मग्रन्थ 1 से 3 नवीन	,, 1-3 (Navina)	,	,,
214	,, 3/10	,, ,, +वृत्ति	, 1-3 Vrtti	देवेन्द्र/चन्द्रसूरि	मू +वृ
215	कोलडी 114	कर्मग्रन्थ 1 से 3 नवीन	,, 1 3 (Navina)	देवेन्द्र	मू ट
216	के नाथ 18/20	,, ,,	,, ,,		मू अ
217	,, 21/10	कर्मग्रन्थ 1 से 2 नवीन	,, 1-2	,	मू ट
218	आसिया 2/242	, ,,	,, 1-2 ,,		मू प
219	के नाथ 23/30	कर्मग्रन्थ 1 नवीन	, 1 ,,	,,	मू अ
220	, 11/88	,, 1 ,,	,, 1 ,,	,	मू प
221	21/14	, 1 ,,	,, 1 ,	,	मू ट
222	कोलडी 115	,, 1 +बाला	, 1+Bālā	देवेन्द्र/श्रीसार मुनि	मू बा
223	के नाथ 21/99	, 1 नवीन	, 1 (Navina)	देवेन्द्र	मू प
224	,, 21/63	, 1 ,,	, 1 ,	,,	मू ट
225	20 33	कर्मग्रन्थ 2 से 6 नवीन	,, 2 6	देवेन्द्र (5तक) चर्दार्ष (छठा)	,
226	, 17/49	, 2 से 5 ,,	,, 2 5	देवेन्द्र	मू प
227	आसिया 2/149	,, 2 व 3 ,,	2 3 ,	,	,,
228	2/174	कर्मग्रन्थ 2 नवीन+बा	, 2 , +Bālā	, /—	मू बा
229	के नाथ 23/12	कर्मग्रन्थ 2 नवीन	, 2 ,		मू ट
230	आसिया 2/246	कर्मग्रन्थ 3 व 4 नवीन	,, 3 4 ,	देवेन्द्र	,
231	के नाथ 3/6	कर्मग्रन्थ 3 नवीन	3 ,	,,	मू अ
232	,, 15/184	,, 3 ,	3 ,	,,	मू प
233	23/20	कर्मग्रन्थ 4 से 6 नवीन	, 4 6 ,	देवेन्द्र (4 5) चर्दार्ष (6)	मू ट
234	3/8	कर्मग्रन्थ 4 नवीन+बा	, 4 ,,+Bālā	देवेन्द्र/मतिचंद	मू बा

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्मसैद्धातिकसाहित्य	प्रा.मा.	13	25×11×17×58	अपूर्ण पहिला व चौथा दोनो	17वी	7 से 19 वीत के पन्ने
,	,,	106	25×12×15×38	सपूर्ण	18वी	
,,	प्रा	28,11	33×17व26×11	,,	19वी	
,,	,	9*	25×10×13×35	,,	1736	साथ मे सत्येधनत्तरी 91 गा. ग्रथाग्र 1882
,,	प्रा स.	89	26×11×13×45	अपूर्ण प्रथम के 48 से अत तक	18वी	
,,	प्रा.मा.	28	25×12×3×36	सपूर्ण 119 गाथा का	1873	
,,	प्रा स.	15	26×11×20×66	सपूर्ण	19वी	
,,	प्रा.मा.	20	26×13×3×33	सपूर्ण 94 गाथा	1853	
,,	प्रा.	11	25×12×9×34	,, 87 ,,	19वी	
,,	प्रा.म.	19	26×11×15×44	सपूर्ण 60 गाथा की	1421	
,,	प्रा.	3	26×11×11×37	,, 60 गाथा	17वी	
,,	प्रा.मा.	11	25×12×5×32	,, 62 ,,	1825	
,,	,,	36	25×11×18×48	,, 60 ,,	1834	
,,	प्र .	5	25×13×11×35	,, 62 ,,	19वी	
,,	प्रा.मा.	16	25×11×3×35	अपूर्ण 52 गाथा तक	19वी	
,,	,,	42	25×11×18×47	सपूर्ण	17वी	
,,	प्रा.	11	26×11×13×42	,, 259 गाथा	19वी	
,,	,,	5	28×13×11×34	, 60 ,,	19वी	
,,	प्रा मा.	18	26×12×17×58	,, 35 ,,	19वी	
,,	,,	5	26×11×5×51	,, 35 ,,	19वी	
,,	प्रा स	11	26×13×9×31	,, 108 ,,	17वी	
,,	,	[illegible]	26×11×4×27	,, 24 ,	18वी	
,,	प्रा	2	25×11×11×31	, 24 ,,	19वी	
,	प्रा.मा	60	26×12×3×35	,, [illegible]	19वी	
,,	,	31	25×11×16×[illegible]	,, 56 गाथा	[illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
235	मुनिसुव्रत 2/263	कर्मग्रन्थ 4 नवीन	Karmgrantha 4 (Navina)	[illegible]	मू [illegible]
236	[illegible] 23/34	4 ,,	„ 4	„	„
237	1/33	कर्मग्रन्थ चौथा (नवीन) [illegible]	„ VI (N)	[illegible]/—	मू [illegible]
238	ग्रामिया 2/175	कर्मग्रन्थ पाचवां ( ) [illegible]	„ V (N)	/—	
239	[illegible] 17/54	„ „ नवीन	„ V (N)	[illegible]	[illegible]
240	महावीर 2/135	कर्मग्रन्थ छट्ठा सप्तति + वृत्ति	„ VI Saptati	[illegible]	मू [illegible]
241	[illegible] 55/17	कर्मग्रन्थ छट्ठा + बाला	„ VI Bālā	[illegible]	[illegible]
242	21 5	„	VI	/ „	
243	मुनिसुव्रत 2/335	कर्मग्रन्थ 1-6 का [illegible]	I & VI Avacuri	[illegible]	[illegible]
244	[illegible] 1226	कर्मग्रन्थ 4 का व्याख्यान	„ IV Vyākhyāna	—	„
245	महावीर 2/82	कर्मग्रन्थ प्रथम (नवीन) का यन्त्र	I (N) Sūca yantra	[illegible]	[illegible]
246	ग्रामिया 2/147		„		„
247	महावीर 2/81		„		„
248	2/83	कर्मग्रन्थ द्वितीय (नवीन) [illegible]	„ II (N)		„
249	2/84		„		
250	ग्रामिया 2/145				„
251	2/146	तृतीय (नवीन) [illegible]	III (N) „		„
252	2/144	चतुर्थ	„ IV (N) „	„	„
253	महावीर 2/85	4 व 5 (नवीन) [illegible]	„ IV & V (N)	„	
254	ग्रामिया 2/148	5 (नवीन) „	V (N)		„
255	महावीर 2/86	„	„	„	
256	ग्रामिया 2/412	कर्म उदय प्रकृति	Karma Udaya Prakṛti	—	[illegible]
257	महावीर 2/103	स्वामी यन्त्र	„ Svāmi Yantra	[illegible]	[illegible]
258	2/87	कर्म [illegible] प्रकृति आदि यन्त्र	Karma Oghādi Yantra	—	„

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्म सैद्धान्तिक साहित्य	प्रा.	7	25 × 11 × 12 × 33	सपूर्ण 86 गाथा	18वी	
,,	,,	5	26 × 11 × 13 × 41	,, ,,	18वी	
,,	प्रा मा	25	25 × 11 × 17 × 48	अपूर्ण गाथा 70 तक ही	19वी	
,,	,,	29	26 × 11 × 18 × 56	सपूर्ण 100 गाथा का	1727	
,,	,,	18	25 × 12 × 4 × 34	सपूर्ण 100 गाथा का ग्रथाग्र 350	19वी	
,,	प्रा म	47	27 × 11 × 15 × 60	अपूर्ण, पूरी 89 गाथा की ग्र 3880	1624	त्रुटक
,,	प्रा मा	21	26 × 11 × 19 × 64	सपूर्ण 93 गा ग्र. 1500	17वी × ऋद्धि शाखा	
,,	.	39	30 × 14 × 13 × 36	लगभग पूर्ण अतिम पन्ना कम	19वी	गत प्रति की ही नकल
,	ग.	3	26 × 11 × 23 × 76	त्रुटक सिर्फ 3 पन्ने हैं 24, 29 व अंतम	18वी	
,,	,,	16	26 × 11 × 18 × 56	सपूर्ण 86 गाथा का	18वी	
, बोलनुमा	मा	23	25 × 12 × — — -	सपूर्ण	1890, उच्छावर, सेवाराम	(1875 की कृतिया है)
,, ,,	,,	21	25 × 13 × ———	,,	1907, अजमेर, रिपलाल	
,, ,,	,,	21	26 × 12 × ——- -	,,	20वी	
,, ,,	,,	6	26 × 13 × — - —	,,	19वी × पोकर-दत्त	
,, ,,	,,	9	22 × 13 × - ——	,,	1932	
,, ,,	,,	8	27 × 12 × — - —	अपूर्ण आदि अत रहित	20वी	
,, ,	,,	9	26 × 12 × ——— -	सपूर्ण	20वी	
,, ,	.	13	25 × 12 × ———	अपूर्ण प्रारभ के 2 पन्ने कम	20वी	
,,	,,	73	2 × 13 × - —— -	सपूर्ण	1890, अजमेर, रिपलाल	
.		45	28 × 14 × —— ——	,,	1902	
,,	.	39	27 × 13 × 10 × 28	,, ग्रथाग्र 1005	1932	
,,	.	14	26 × 13 × 15 × 43	त्रुटक	19वी	
.		11	25 × 12 × —- -	अपूर्ण	20वी	
.		9	26 × 12 × - - -	,,	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
259	नया मन्दिर 2/353	कर्मा कर्मादि प्रकरण+वा	Karmā karmādi Prakaraṇa	गजसार	मू +वा
260	कोलडी 1238	कर्मबंध हेतु रचना	Karma bandha Hetu racanā	—	मू (प)
261	के नाथ 3/22	कर्म प्रकृति	Karma Prakṛti	—	मू ट
262	29/31	„ +वृत्ति	„ +Vṛtti	—	मू व (प ग)
263	„ 29/32	„ की टीका	Tikā	मयलगिरि	ग
264	सवा मंदिर 2/353	कर्म का बंध व जीव भेद विचार+वा	Karma bandha & Jiva bheda vicara	अज्ञात	मू वा (प ग)
265	के नाथ 16/12	कर्मों की आठ मूल प्रकृति	Karmon kı Āṭha Mūla Prakṛtı	—	ग
266	मुनिसुव्रत 2/204	„ 158 उत्तर प्रकृति	„ 158 Uttara Prakṛti	—	„
267	कालडी 113	„ „ „	„ „ „	—	„
268 9	ओसिया 2/177 78	„ „ „ 2 प्रति	„ „	—	„
270	के नाथ 19/92	„ „ प्रकृति विचार	„ „ Prakṛti Vicāra	—	„
271	14/111	कर्मछत्तीसी	Karma Chattısı	समयसुन्दर	प
272	14/107	„	„	„	„
273	26/103 गु	कर्मबत्तीसी	Karma Battısı	—	„
274	29/45	कवित्तबावनी	Kavıtta Bāvanı	लक्ष्मीवल्लभ गणि	
275	महावीर 2/130	कस्तूरीप्रकरण	Kastūrı Prakarana	हेमविजय	मू (प)
276	रघुनाथ 36/1 क्र 47	कामाक्षापंचाशिका	Kāmākṣā Pancāśikā	—	प
277	ओसिया 2/189	कायस्थितिविचार+बा	Kāyasthıtı Vicāra+Bālā	—	मू बा
278	महावीर 2/52	„ स्तोत्र	Stotra	कुलमंडन	मू म (प ग)
279	ओसिया 2/214	कालसत्तरी	Kāla Sattarı	धर्मघोषसूरि के शिष्य	मू पद्य
280	महावीर 2/60	„	„	„ „	
281	के नाथ 18/35	„	„	„	मू +ट (प ग)
282	महावीर 2/405	केवलसत्तावनी	Kevala Sa tāvanı	ब्रह्मरूप सवगी	प
283	सवा मंदिर गुटका 3 ति	केशीद्विपंचाशिका	Kesı Dvı Pancaśikā	पार्श्वचंद	

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्म सैद्धान्तिक साहित्य	प्रा मा.	7*	26 × 11 × 17 × 60	सपूर्ण 29 गाथा	17वीं	
,,	प्रा.	13*	26 × 11 × 15 × 42	,, 34 ,,	19वीं	
,,	प्रा मा.	71	25 × 11 × 4 × 30	,, 476 ,,	1838	
,	प्रा स.	3	26 × 13 × 16 × 62	अपूर्ण केवल छठी गाथा तक	19वीं	
,,	स.	122	27 × 11 × 17 × 66	सपूर्ण ग्र. 14000	16वीं	
,	प्रा मा.	7*	26 × 11 × 17 × 60	अपूर्ण 29 गाथा	17वीं	
,,	मा	1	35 × 11 × 18 × 65	सपूर्ण	19वीं	
,,	,,	11	25 × 11 × 11 × 33	,,	17वीं × साध्वी लाला	
,,	,,	8	23 × 11 × 12 × 24	,,	19वीं	
,,	,,	6,5	25 × 12व22 × 11	,,	19वीं	
,,	,,	11*	26 × 11 × 13 × 44	,,	19वीं	
औपदेशिक	,,	3*	26 × 11 × 23 × 66	सपूर्ण 36 गाथा	19वीं सदी	
,,	,,	3	26 × 12 × 14 × 29	,, ,,	19वीं	
सैद्धान्तिक	,,	1	25 × 11 × 20 × 56	,, 32 गाथा	18वीं	
औपदेशिक साहित्य	,,	5	25 × 11 × 14 × 50	,, 61 कवित्त + 1 देवीगीत	19वीं	
,,	स	23	26 × 14 × 12 × 24	,, 182 श्लोक	20वीं	
,,	प्रा	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 86 गाथा	1544	
[illegible] व प्रकृति	प्रा मा.	7	27 × 11 × 9 × 35	,, 24 ,,	16वीं सदी	
[illegible]	प्रा म.	5	26 × 11 × 18 × 54	,, 24 ,,	17वीं पाटन [illegible]	
[illegible]	प्रा	7	26 × 11 × 9 × 31	,, 73 ,	16वीं	
[illegible]	,,	3	26 × 11 × 13 × 48	,, 74 ,,	17वीं	
,,	प्रा मा	4	26 × 11 × 8 × 47	,, 74 ,,	19वीं	
औपदेशिक [illegible]	मा.	21*	25 × 13 × 13 × 35	, 55 सवैया	1870	
दार्शनिक साहित्य	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	,, 75 गाथा	17वीं	

1	2	3	3 A	4	5
284	क नाथ 23/35	केशी प्रदेशी प्रश्नोत्तर सार	Kesı Pradesī Praśnottara-sara	—	ग
285	सेवामदिर 3इ 345	क्षमाछत्तीसी	Ksamā Chattısı	समयसुन्दर	प
286	कोलडी 898	,,	,, ,,	,	,,
287 8	क नाथ 15/83, 23/95	,, 2 प्रति	,, 2 copies	,,	,,
289	महावीर 2/53	क्षुल्लक भव विचार स्तवन	Ksullaka Bhava Vıcāra Stavana	—	मू प्र (प ग)
290	कुंथुनाथ 52/27	गणधरवाद	Gaṇadhara Vāda	गुणरत्न सूरि	ग
291	, 10/133	गणहरावली	Ganaharāvalı	—	प
292	के नाथ 29/25	गायत्रीमंत्र (जैन परक) व्याख्या	Gāyantrı Mantra Vyākhya (Jaın)	अज्ञात	ग
293	कालडी 1173	गुणपरिवाडी+बा	Guṇa Parıvādı+Bālā	—	मू बा
294	महावीर 2/128	गुणमाला	Guna Mālā	रामविजय(जिनवल्लभ का शिष्य)	ग
295	2/97	गुणस्थान अल्पबहुत्व बोल	Guṇasthāna Alpabahuttva Bola	—	,,
296	क नाथ 18/3	, क्रमारोह+वृत्ति	, Karmāroha+Vṛttı	रत्नशेखर (हेमतिलक का शिष्य)	मू वृ (प ग)
297	महावीर 2/78	,, ,, ,,	, ,,	,, स्वोपज्ञ	, ,,
298	, 2/40	,, ,, ,,	, ,,	,, ,	, ,,
299	के नाथ 6/98	,, ,,	,, Karmāroha	,	मू (प)
300	26/103 गु	, चौपई	, Caupaı	साधु कीर्त्ति	प
301	19 44	,, जीवभेदवर्णन	, Jıvabheda Varnana	—	ग
302	कालडी 1333	,, भग	,, Bhaṅga	—	,,
303	महावीर 2/66	,, +लेश्याद्वार	, +Lesyādvāra	—	,,
304	कोलडी 112	, वर्णन	, Varṇana	—	,,
305	कुंथुनाथ 29/5	,, विचार	Vıcāra	—	,,
306	महावीर 2/79	,, ,,	, ,	—	,,
307	कोलडी 1343	, ,,	, ,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
दार्शनिक तात्विक	मा.	27*	30 × 14 × 13 × 39	सपूर्ण	19वी	
औपदेशिक	मा.	3	20 × 11 × 12 × 30	संपूर्ण 36 गाथा	1847वालजी	
,,	,,	2	26 × 11 × 15 × 42	,, ,,	19वी	
,,	,,	2,2	25 × 11व26 × 10	,, ,,	19वी	
आयुकर्म सम्बन्धी	प्रा.स.	3	26 × 11 × 13 × 46	सपूर्ण 25 गाथा	16वी	
कल्पसूत्रेअन्तर्वाच्य	सं.	3	26 × 11 × 17 × 50	संपूर्ण	19वी	
तात्विक/जीवन	प्रा	27*	27 × 11 × 13 × 38	,, 25 गाथा	16वी	
मातृकापद समन्वय	सं	8	27 × 15 × 15 × 34	,,	20वी	साथ मे सामायिक व्याख्यान भी है
सथारा सबन्धी	प्रा मा.	4	25 × 11 × 13 × 52	अपूर्ण 42 गाथा	17वी	(गुण की जगह पुण भी पढा जा सकता है)
पंचपरमेष्ठी गुणादि	सं.	54	26 × 12 × 17 × 44	सपूर्ण	1851 व्यारानगर + सुवर्णगढ	प्रशस्ति है। 1817 जैसलमेर की रच ।
सैद्धान्तिक-सख्या विचार	मा	6	26 × 11 × 16 × 45	,,	19वी	
प्रात्मस्तर विचार	सं.	16	26 × 12 × 12 × 66	,, 136 श्लोक की	1703	वृत्तिस्वोपज्ञ
,	,,	32	26 × 12 × 15 × 40	,, 137 ,, ,,	1799	
,,	,,	37	27 × 13 × 14 × 41	,, 136 ,, ,,	19वी	
,,	,,	3	27 × 11 × 19 × 43	,, 126 ,, ,,	19वी	
,,	मा.	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 46 गाथा	18वी	
,,	,,	25*	24 × 12 × 17 × 32	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	4	25 × 11 × 28 × 60	,,	19वी	
,,	,,	25	25 × 11 × 9 × 37	,,	20वी	
,,	,,	6	27 × 11 × 18 × 60	सपूर्ण 14 गुणस्थानों का	20वी	
.	स	7	27 × 12 × 23 × 78	अपूर्ण	17वी	
,,	मा.	2	26 × 12 × 12 × 29	सपूर्ण	18वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 14 × 45	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
308	क नाथ 6/5	गुणस्थान विचार	Gunasthāna Vicara	समुद्रमणि	ग
309	सवामदिर 2/433	" "	" "	—	"
310	, गुटका 3 ति	गुणस्थान स्तवन	Gunasthāna Stavana	समरचद (पार्श्वचद का शिष्य)	प
311	कुथुनाथ 54/7	" "	"	" "	"
312	सवामदिर 2/362	" "	" "	वाचक पदमराज	मू ट
313	क नाथ 15/193	" "	"	धरमसी	प
314	महावीर 3 ई 10	"	"	"	"
315	, 2/46	गुरुगुणषट्त्रिंशिका + वृत्ति	Guru Gunasat Trimsikā	रत्नशेखर	मू वृ (प ग)
316	2/47	गुरुतत्वनिश्चय + वृत्ति	Gurutatva Niścaya	उ यशोविजय	मू वृ
317	2/126	गौतमकुलक + वृत्ति	Gautama Kulaka	गौतमऋषि/ज्ञानतिलक	मू वृ (प ग)
318	क नाथ 26/103	गौतमकुलक	Gautama Kulaka	गौतमऋषि	मू (प)
319	" 5/25	"		"	मू ट (प ग)
320	मुनिसुव्रत 2/325			"	" "
321	कानडी 824		"	"	" "
322	कुथुनाथ 20/22			"	" "
323	कानडी 825	"		"	" "
324	क नाथ 10/67	"	"	"	" "
325	मुनिसुव्रत 2/326	"		"	" "
326	कानडी 1086	"	"	"	" "
327	आमिया 2 416	"	"	"	मू (प,)
328	क नाथ 10/87	गौतमपृच्छा	Gautama Prcchā	—	मू (प)
329	कानडी 1329		"	—	मू ट (प ग)
330	क नाथ 21/61	+ वा		—/ (नदिरत्न-का शिष्य)	मू वा
331	3/27	" + वृत्ति	"	—/मतिवर्द्धन	मू व
332	3/29	" + वा	"	—/—	मू वा

6	7	8	8 A	9	10	11
आत्मन्तर विचार	मा.	21	26 × 11 × 15 × 45	सपूर्ण ग्रथाग्र 800	19वीं	
,,	,,	3	24 × 11 × 12 × 50	,,	19वीं	
14 गुणस्थाय गर्भित	मा.	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	संपूर्ण 53 गाथा	1650	
,,	,,	18	26 × 11 × 5 × 40	,,	19वीं	
,,	,,	3	26 × 11 × 6 × 48	सपूर्ण 21 पद	19वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 14 × 44	,, 34 गाथा	19वीं	1729 की कृति
,,	,,	3	25 × 12 × 13 × 31	,, ,,	20वीं	
गुरु की योग्यतादि	प्रा.सं.	35	27 × 12 × 14 × 39	,, 40 श्लोक की	20वीं	
,,	,,	146	26 × 11 × 17 × 50	,, 903 श्लोक (चार उल्लास)	1949	वृत्ति स्वोपज्ञ
औपदेशिक	प्रा.स.	30	26 × 11 × 16 × 47	सपूर्ण 69 गाथायें	18वीं × रामचन्द्र	
,,	प्रा.	2	25 × 11 × 15 × 38	,, 20 गाथा	18वीं	दो नकलें
,,	प्रा मा.	4	26 × 12 × 4 × 40	,, ,,	1831	
,,	,,	3	25 × 12 × 5 × 34	,, ,,	1842 मेड़ता ईश्वरसागर	
,,	,,	2	30 × 11 × 7 × 42	,, ,,	1846 × भक्तिसागर	
,,	,,	2	26 × 11 × 10 × 42	,, ,,	19वीं	
,,	,,	2	30 × 10 × 5 × 45	,, ,,	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 7 × 40	,, ,,	19वीं	
,,	,,	3	23 × 11 × 5 × 29	,, ,,	19वीं	
,,	,,	7	25 × 11 × 1 × 36	अपूर्ण 11 गाथा तक	19वीं	
,,	प्रा	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
[illegible] 48 प्रश्नोत्तरी	प्रा.	9	26 × 12 × 11 × 32	संपूर्ण 64 गाथायें	16वीं	भगवान महावीर के उत्तर
,,	प्रा मा	7	25 × 10 × 5 × 35	,, ,,	17वीं	
,,	प्रा मा.	3	25 × 11 × 9 × 30	,, ,,	17वीं	
,,	प्रा म.	62	24 × 10 × 13 × 28	,, 64 गाथा की व 1682	1524	
,,	प्रा मा	25	26 × 11 × 16 × 52	,, 64 गाथा की	15वीं	

1	2	3	3 A	4	5
333	कालडी 146	गौतमपृच्छा+वृत्ति	Gautma Prccha+Vrtti	/मतिवद्ध न	मू वृ
334	महावीर 2/127	„ + „	„ + „	/मतिवद्ध न	„
335	कोलडी 831	„ कथासह	„ with kathā	—	मू +कथा
336	महावीर 2/14	„ वृत्तिसह	„ with Vrtti	/मतिवद्ध न	मू वृ
337	के नाथ 14/139	„ +बा	„ +Bālā	—	मू बा
338	„ 13/12	„		—	मू ट
339	„ 5/68	„	„	—	मू
340	कुथुनाथ 25/2	„ +बा	„ +Bālā	—	मू बा
341	ओसिया 2/165	„ +वृत्ति	„ +Vrtti	—	मू वृ
342	कोलडी 823	„ +कथा	„ +Kathā	—	मू +व्या + कथा
343	के नाथ 15/172	„	„	—	मू ट
344	कोलडी 1085	„ +कथा	„ +Kathā	—	मू ×कथा
345	1087	„ की वृत्ति	ki Vrtti	—	ग
346	के नाथ 15/168	„ का पद्यानुवाद	„ Padyānuvada	—	प
347	कानडी 239	„ चौपई	„ Caupai	लावण्यसमय	„
348	के नाथ 19/73	„ पद्यानुवाद	„ Padyānuvāda	—	„
349	मुनिसुव्रत 2/251	„ का बालावबोध	„ Bālāvabodha	—	ग
350	ओसिया 2/164	„ „	„ „	जिनसूर तपागच्छ	„
351	महावीर 2/406	गौतमीय महाकाव्य+वृत्ति	Gautamiya Mahā Kāvya +Vrtti	रूपचंद/क्षमाकल्याण	मू व
352	कोलडी 953	ज्ञानक्रियावाद	Jñānakriyāvāda	—	गद्य
353	के नाथ 21/58	ज्ञानदेव धर्मगुरु श्रुतबोध	Jñāna Deva Dharma Guru Śruta Bodha	सिद्धात्मज	पद्य
354	मुनिसुव्रत 2/321	ज्ञानद्वार से जीवप्ररूपणा	Jñānadvāra Jivaprarupaṇā	—	ग तालिका
355	के नाथ 26/56	ज्ञानपच्चीसी	Jñāna Paccisi	बनारसीदास	प
356	महावीर 2/407	ज्ञानसार अष्टक+वृत्ति	Jñānasāra Astaka+Vrtti	यशोविजय/देवचंद	मू वृ (प ग)
357	„ 2/12	„ अष्टक	„	„ /जीतविजय	मू ट

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्विक 48 प्रश्नोत्तरी	प्रा.स.	33	26 × 13 × 17 × 46	सपूर्ण 64 गाथा की	1834	
,,	,,	51	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	1868 नागपुर	
,,	प्रा मा.	110	31 × 12 × 15 × 42	,, 72 कथायें	1876 कालइना वृद्धिसागर	कथायें उपदेशमाला परकी
,,	प्रा.सं.	24	26 × 13 × 19 × 57	,, 65 कथायें	1880 भागनग चैनजीत	
,,	प्रा मा	38	26 × 12 × 14 × 50	,, 62 पद	1880	
,,	,,	5	26 × 11 × 6 × 42	,, 64 पद	19वीं	
,,	प्रा.	2	26 × 11 × 17 × 40	,, ,,	19वीं	
,,	प्रा मा	12	26 × 11 × 17 × 70	त्रुटक	19वीं	
,,	प्रा.स	34	26 × 12 × 19 × 49	सपूर्ण 64 गाथा की	1902	
,,	,,	39	32 × 12 × 13 × 50	, ,, ,,	1902 प्रासोप प्रतापविजे	
,,	प्रा.मा.	9	26 × 11 × 18 × 56	अपूर्ण 29 से 57 प्रश्न तक	18वीं	
,,	,,	25	25 × 12 × 11 × 32	,, 37 गाथा तक	19वीं	
,,	स.	3	25 × 11 × 12 × 38	केवल 48वा प्रश्न	19वीं	
,,	मा.	2	26 × 11 × 20 × 54	सपूर्ण 104 गाथा चौपाई छन्द	19वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 9 × 40	,, 115 गाथा	1763	
,,	,,	11*	25 × 11 × 13 × 40	,, 46 गाथा	19वीं	
,,	,,	72	25 × 11 × 11 × 37	, ग्रथाग्र 2500	1676 [illegible] तेजकुशल	कथासह
,,	,,	49	27 × 13 × 13 × 35	,, 64 गाथा का ग्र 1500	1784 राजनगर	
महावीर गणधरवाद	संस्कृत	92	27 × 13 × 14 × 52	,, 11 सर्ग	19वीं	
ज्ञान व क्रिया का समन्वय	,,	2	26 × 12 × 16 × 48	,,	19वीं	
सर्व धर्म समन्वय	,,	8	26 × 12 × 16 × 48	,, 6 अध्याय – 231 श्लोक	19वीं	
सैद्धान्तिक बोल	मा	2	26 × 12 × —	अपूर्ण	19वीं	
[illegible]	,	[illegible]	25 × 12 × 14 × 41	सपूर्ण 25 गाथा	19वीं	[illegible]
[illegible]	स	12	26 × 12 × 13 × 51	[illegible] 12 [illegible]	19वीं	[illegible]
[illegible]	[illegible]	60	26 × 13 × 3 × 23	सपूर्ण 32 [illegible] 1500	1927	

1	2	3	3 A	4	5
358	ओसिया	ज्ञानसार बहोत्तरी	Jñānasāra Bohottarı	ज्ञानसार	प
359	क नाथ 4/24	ज्ञानार्णव	Jnānārṇava	शुभचन्द्र	मू प
360	कुंथुनाथ36/1गुट क्रम 40	ज्ञानांकुश	Jnānāṅkūśa	—	पद्य
361	क नाथ 18/34	चरित्र-छत्तीसी	Carıtra chattisı	—	,,
362	कालडी गुटका 4/12	चरित्र मनोरथमाला	Carıtra Manorathamālā	—	मू पद्य
363	महावीर 2/388	,, ,,	,, ,,	धनरत्नमुनि	,,
364	कालडी 853	चेतनकर्म-चरित्र	Cetanakarma Carıtra	जगतीदास	पद्य
365	सवामंदिर 2/353	चौवीस दण्डक (विचारषट्-त्रिंशिका)	Cauvisa Daṇḍaka	गजसार/—	मू बा
366	ओसिया 2/192	,	,,	,,	मू ट
367	महावीर 2/110	,	,,	,,	,,
368	क नाथ 5/82	, + बा	,, + Bālā	,, /—	मू बा
369	ओसिया 2/179	,,		गजसार	मू ट
370	सवामंदिर 2/419	चौवीस दण्डक+वृत्ति	+ Vṛtti	,, /—	मू वृ (प ग)
371-3	, 2/345 47-48	, 3 प्रतियां	, 3 Copies	,,	मू ट ,,
374	कालडी 822	,,	,,	,,	,,
375	सवामंदिर 2/349	,,	,,	,,	,,
376	क नाथ 21/7	,,	,,	,,	,,
377 8	कालडी 83 82	2 प्रतियां	,, 2 Copies	,,	मू पद्य
379-80	क नाथ 19/63, 20/48	,, 2 प्रतियां	, 2 Copies	,,	,,
381-3	कुंथुनाथ 15/8 13/58,15/17	,, 3 प्रतियां	, 3 Copies	,,	,,
384	मुनिसुव्रत 2/333	,, —	,, —	,,	,,
385	सवामन्दिर 2/351	,, 2 प्रतियां	, 2 Copies	,,	मू ट (प ग)
386	महावीर 2/73	,,	,,	,,	,,
387	ओसिया 2/193	,,	,,	,,	,

6	7	8	8 A	9	10	11
आध्यात्मिक काव्य	मा.	3	24 × 12 × 24 × 42	(28 पद मात्र) अपूर्ण	19वीं	
जैनयोग विषयक	स.	108	27 × 11 × 9 × 37	अपूर्ण योगीप्रशंसा सूत्र5 से मोक्ष तक	17वीं	प्रथम 23पत्र नम है
औपदेशिक	,,	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 41 श्लोक	1544	
,,	मा.	5*	27 × 11 × 16 × 36	,, 36 गाथा	20वीं	
तात्विक-औपदेशिक	प्रा.	गुटका	15 × 7 × 10 × 23	,, 30 गाथा	1499	
,, ,	,,	5	23 × 10 × 8 × 26	,, 30 गाथा	19वीं	
तात्विक रूपक	हिन्दी	12	33 × 14 × 15 × 36	,, 298 छन्द	19वीं	1736 की कृति
जैन तात्विक	प्रा.मा.	7*	26 × 11 × 17 × 60	38 गाथाये	17वीं	
,,	,,	6	26 × 10 × 5 × 34	सपूर्ण 39 गाथा	1780 × रजित सागर	जीर्ण
,,	,,	7	24 × 11 × 5 × 29	,, 46 गाथा का	1887सूरत	
,,	,,	20	25 × 11 × 16 × 33	,, , ,,	1791	
,,	प्रा.मा.	11	24 × 11 × 3 × 36	सपूर्ण 43 गाथा	1800जालोर	
,,	प्रा.म.	6	25 × 11 × 15 × 50	,, 38 गाथा	18वीं	
,,	प्रा.मा.	9,5,7	26 × 11 × भिन्न 2	,, 44,38,41 गाथा	18वीं	
,,	,,	9	30 × 11 × 3 × 36	,, 40 गाथा	1821 × पद्म विजय	
,,	,,	7	26 × 12 × 4 × 38	,, 46 गाथा	1823 × आनंद विजय	
,,	,,	5	27 × 12 × 5 × 42	,, 39 गाथा	1832 –	
,,	प्रा.	4,5	25 × 11 × 7/9 30	,, 38,41 गाथा	1862,19वीं	
,,	,,	9,3	26 × 12व24 × 13	,, 38,40 गाथा	19/20वीं	
,,	,,	2,2 4	23से26 × 10से13	,, 38,39,39 गा	19/20वीं	
,,	,	2	25 × 11 × 11 × 32	,, 43 गा.	19वीं [illegible]पुर, [illegible]	
,,	प्रा.मा.	13	25 × 14 × 4 × 24	,, 46 गा	1898	
,,	,,	15	26 × 11 × 5 × 37	,, 43 गा.	19वीं	
,,	,,	9	25 × 11 × 3 × 34	,, 40 गा.	19वीं [illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
388-91	के नाथ 19/99, 20/15,15/123 6/95	चौवीस दण्डक 4 प्रति	Cauvisa Dandaka 4 copies	गजसार	मू ट (प ग)
392	कोलडी 86	,,	,,	,,	,,
393	महावीर 2/74	,,	,,	,,	मू म (प ग)
394	कोलडी 87	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /स्वोपज्ञ	मू वृ (प ग)
395	के नाथ 14/119	,, +व्याख्या	,, +Vyākhyā	,, /—	,, ,,
396	,, 5/39	,, +बा	,, +Bālā	,, /—	मू बा
397	सवामदिर 2/352	,, +बा	,, +Bālā	,, /—	,,
398	कोलडी 84	,, +बा	,, +Bālā	,,	,,
399	के नाथ 11/85	,, +बा	,, +Bālā	,,	,,
400	कोलडी 85	चौबीस दण्डक का बालावबोध	,, Bālāvabodha	—	ग
401	कुथुनाथ 3/51	,,	,,	—	,,
402	के नाथ 21/6	,,	,, ,,	—	,,
403	सेवामदिर 2/350	,,	,, ,,	—	,,
404	ग्रोसिया 2/191	,,	,, ,,	—	,,
405	कोलडी 89	चौबीस दण्डक टब्बा	,, Tabbā	—	ग तालिका
406 8	महावीर 2/70-95-96	,, बोल 3प्रति	,, Bola 3 copies	—	,,
409-10	ग्रोसिया 2/190, 415 17	,, ,, 3 प्रति	,, ,, 3 copies	—	गद्य
411 3	के नाथ 18/27 5/11 15/179	,, ,, 3 प्रति	,, ,, 3 copies	—	,
414	ग्रोसिया 2/195	,, यत्र	,, Yantra	(हेम)	ग तालिका
415	कोलडी 88	,, विचार	,, Vicara	—	ग
416	कुथुनाथ 57/7	,, वीर स्तवन	Vira Stavana	पार्श्वचन्द/राजसूरि	मू ट (प ग)
417	कोलडी 309	,, स्तवन	,, Stavana	पार्श्वचन्द	पद्य

जैन तात्विक औपदेशिक व दार्शनिक :—

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन तात्विक	मं.मा.	6,11, 5,4	25से26 × 10से13	पहिली 3 पूर्ण, चौथी अपूर्ण 24 गाथा	19/20वीं	
,,	,,	11	25 × 11 × 4 × 32	संपूर्ण 40 गाथा	19वीं	
,,	प्रा स.	5	25 × 11 × 18 × 42	,, 38 गाथा	1874 बीकानेर	अंत में 9 श्लोक छाया: पुरुष-लक्षण
,,	,,	7	25 × 10 × 15 × 58	,, 39 ,,	1879	
,,	,,	10	26 × 11 × 11 × 37	,, 38 ,,	19वीं	संगहणी-व्याख्यान जैसा
,,	प्रा मा	15	25 × 12 × 14 × 50	,, 46 ,,	1880	
,,	,,	13	27 × 13 × 17 × 39	संपूर्ण	1895 × पुण्य-विलास	अंत में सम्यक्त्व 67 बोल + अल्पबहुत्व स्तवन
,,	,,	13	24 × 11 × 11 × 40	, 41 गाथा का	1890	
,,	,,	13	26 × 10 × 20 × 54	अपूर्ण (किंचित्)	20वीं	
,,	मा	13	24 × 10 × 17 × 52	संपूर्ण	1792	
,,	,,	16	27 × 12 × 12 × 32	,,	1796	
,,	,,	79	26 × 11 × 11 × 36	,,	18वीं	
,,	,,	17	26 × 11 × 13 × 46	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	8	25 × 12 × 12 × 31	संपूर्ण	20वीं	
,,	,,	13	26 × 11 × —	,,	17वीं	
,,	,,	30,6,6	25से27 × 12 + —	,,	19वीं × (1 का लक्ष्मीविजै)	भिन्न भिन्न ग्रंथों में
,,	,,	15,20, 20	21से26 × 11से12	,,	19/20वीं भिन्न भिन्न जगह	,,
,,	,,	16,84, 12,	24से29 × 10से15	,,	19वीं	,,
,,	,,	7	27 × 12 × —	,,	19वीं	
20 [illegible]	,,	13	26 × 11 × 17 × 35	,,	1882	
20 [illegible]	,,	17	25 × 11 × 4 × 41	संपूर्ण 91 गा. ग्रंथाग्र 595 ([illegible] 1654 4301)	1692, [illegible]	
[illegible]	,,	2	27 × 11 × 15 × 42	संपूर्ण 23 गाथा	1765	

1	2	3	3 A	4	5
419	क नाथ 11/114	चौबीस दण्डक स्तवन	Cauvisa Dandaka Stavana	धर्मसी वाचक विजयहर्ष शिष्य	पद्य
420	महावीर 2/72	,, ,,	,,	धर्मसिंह	,,
421	क नाथ 15/125	,, ,,		,,	,,
422-3	कानडी गुटका 2/7,7/7	, ,, 2 प्रतियां	, 2 copies	,,	,,
424	आमिया 2/194	,, ,,	,	मानसागर (रत्नराज का शिष्य	,,
425	कानडी गुटका 2/6	,, ,,		,, ,,	,,
426	मुनिसुव्रत 3/311	,, ,,	,,	मुनिमेघ	,,
427	महावीर 3/30	, ,,	,	जयदत्तसूरि का शिष्य तारागच्छ	,,
428	कुंथुनाथ 19/10	, ,		—	मू ट (प ग)
429	क नाथ 18/74	छह महाव्रत सज्झाय व अतिचार विचार	Chah Mahāvrata Sajjhāya Aticāra & Vicāra	कान्तिविजय	प ग
430	कुंथुनाथ 5/108	जम्बूस्वामी पृच्छारास	Jambūsvāmi Prchā Rāsa	वीरमुनि	प
431	क नाथ 26/47	जिनबारस (गाफिलगीत)	Jinabārasa (Gāfilagina)	जिनचन्द	,,
432	कुंथुनाथ 36/1 क्रम 12	जिनवरदर्शन स्तव	Jinavara-darsana Stava	पद्मनंदि	पद्य
433	क नाथ 1/15	जीवाजीव विचार—वृत्ति	Jivājiva Vicāra	शान्तिसूरि/मितनन्दन	मू वृ (प ग)
434	6/105	,	,	शान्तिसूरि	मू प
435	14/10	,	,	,,	,,
436	मुनिसुव्रत 2/330	,,		,,	,,
437	आमिया 2/209	,,	,,	,,	मू ट
438	क नाथ 6/38	,	,,	,,	मू प
439	जयमंदिर 2/357	,,	,,	,	मू ट
440	मुनिसुव्रत 2/336	,,	,		मू प
441	कानडी 66	, +वृत्ति	,, +Vrtti	, /देवराचार्य	मू वृ (प ग)
442-3	68 69	, 2 प्रतियां	2 copies	,,	मू प
444	आमिया 2/207	, —	,, —	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक भक्ति रूप में	मा.	1	26 × 11 × 17 × 58	सपूर्ण 34 गाथा	1792	
,,	,,	4	24 × 11 × 9 × 32	,, 34 ,,	1880,मुंबई, अमरसिंदूर	
,,	,,	3	23 × 13 × 11 × 37	,, 34 ,,	1897	
,,	,,	गुटका	15 × 12व22 × 16	,, 34 ,,	1903	
,,	,,	7	24 × 10 × 11 × 32	,, 2 गीत (26+ 33 गाथा	19वीं	
,,	,,	गुटका	15 × 12 × 11 × 20	,, 27 गाथा	1903	
,,	,,	3	22 × 7 × 9 × 38	,,	19वीं	
,,	स.	3	27 × 13 × 12 × 50	,, 91 श्लोक	1961	
,,	अ मा.	7	26 × 12 × 4 × 42	अपूर्ण 37 गाथा तक	19वीं	
आचार व दण्ड-विधान	मा.	4	26 × 13 × 15 × 32	सपूर्ण 6 सज्झायें+गद्य	1909	
तात्विक	,,	गुटका	16 × 23 × 11 × 20	,, 13 ढालें	1797	1728 की कृति
औपदेशिक	,,	2	25 × 12 × 17 × 48	,, 43 गाथा	19वीं	
दार्शनिक	प्रा.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 33 स्तव	1544	
जैन तात्विक	प्रा.न.	12	27 × 12 × 21 × 64	,, 51 गाथा की	1613	
,,	प्रा.	3	25 × 11 × 11 × 38	,, 51 गाथा	1666	
,,	,,	2	26 × 11 × 11 × 42	,, ,,	17वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 17 × 41	,, ,,	1752 × नरेन्द्र	
,,	प्रा मा	8	26 × 11 × 4 × 32	,, ,,	1758	
,,	प्रा.	5	25 × 11 × 9 × 28	,, ,,	1764	
,,	प्रा.मा	5	25 × 11 × 6 × 36	,, 52 गाथा	19वीं	
,,	प्रा.	2	26 × 11 × 13 × 45	,, 51 गाथा	18वीं [illegible]	
,,	प्रा.म.	4	25 × 11 × 6 × 50	,, 52 गाथा की	1800	
,,	प्रा.	4,53	27 × 11 × 10 × 30	,, 51 गाथा	19वीं	
,,	,,	3	26 × 12 × 12 × 42	,, 5[illegible] ,,	1870 [illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
479 80	के नाथ 13/8 21/94	तत्वार्थसू 2 प्रतिया	Tattvārtha Sūtra 2 copies	उमास्वाति	मूल
481	„ 9/18	, +वृत्ति	„ , +Vṛtti	, /—	मू वृ
482	ग्रासिया 2/241	, +	„ +Vṛtti	„ /सिद्धसेन	„
483	, 2/416	तपकुलक	Tapa Kulaka	—	मू प
484	, 2/161	तरहकाठिया	Teraha Kāthiya	रामचद	ग
485	महावीर 2/383	तवीसपदवी-यत्र	Tevisapadavi Yantra	—	ग तालिका
486	, 2/384	, -वर्णन	, Varnana	—	गद्य
487	क नाथ 5/8	-विचार	Vicāra	—	„
488	कुथुनाथ 10/149	-सज्झाय	Sajjhāya	केशव	पद्य
499	10/192	दया-स्वाध्याय	Dayā Svādhyāya	लावण्यसमय	„
490	क नाथ 5/11	दर्पदलन	Darppadalana	सदासागर क्षेमेन्द्र कृति	प
491	कुथुनाथ 29/4	दर्शनमार्ग+वृत्ति	Darsana Marga+Vṛtti	कुदकुदचार्य/—	मू वृ
492	क नाथ 11/68	दर्श (सम्यक्त्व) शुद्धि	Darśana Suddhi	चन्द्रप्रभ	मू प
493	महावीर 2/26	, „+वृत्ति	„ +Vṛtti	„ /विमलगणि देवभद्र	मू वृ (प ग)
494	क नाथ 13/14	, , + „	, +Vṛtti	„ / „	„ „
495	महावीर 2/390	,+ ,	, +Vṛtti	„ / „	„ „
496	क नाथ 22/46	दर्शन(सम्यक्त्व) सत्तरी	Darśana Sattari	हरिभद्र	मू प
497	, 15/76	, ,		„	„
498	कुथुनाथ 9/15	दर्शनसत्तरी+वृत्ति	+Vṛtti	„ /संघतिलक	मू वृ (प ग)
499	क नाथ 8/7	„ +बा	, +Bā ā	— /रत्नचद्र(शांतिचन्द्र तपागच्छ का शिष्य	मू बा („)
500	कुथुनाथ 2/34	दश-श्रावक व बध वर्णन	Daśa Śrāvaka+Bandha Varnana	—	ग
501	ग्रासिया 2/413	दस-पात्रिस	Dasa Pāntrisa	—	„
502	महावीर 2/13	दानप्रदीप	Dānapradipa	चरित्ररत्न(सोमसुन्दर का शिष्य	प

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्विक	सं.	21,6	26 × 12 × 4/13 × 41	सपूर्ण 10 अध्ययन	19वीं	दूसरी प्रति मे उमास्वाति पट्टावली
,,	,,	396	24 × 12 × 15 × 30	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	471	27 × 13 × 14 × 50	त्रुटक	1969	बीच मे कई पत्रें कम है
औपदेशिक	प्रा.	13	26 × 13 × 16 × 30	सपूर्ण	1953	
अध्यात्म प्रभुवर्णन	मा.	2	25 × 12 × 11 × 35	,,	1910	
चक्रवर्ती रत्न व महापदवी	,,	2	27 × 13 × —	,, दो नकलें	20वीं	
,,	,,	3	27 × 12 × 14 × 43	,,	20वीं	
,,	,,	16	25 × 12 × 12 × 33	,,	1872	
,,	,,	1	25 × 11 × 14 × 42	,, 21 गाथा	19वीं	
औपदेशिक	,,	1	26 × 11 × 10 × 40	,, 14 ,,	19वीं	
,,	म.	8	16 × 11 × 22 × 63	,, 7 विचार ग्र. 65	18वीं	
दार्शनिक	प्रा.म.	34	27 × 11 × 17 × 38	5 समय पूरे छठा अधूरा 74 तक	16वीं	
,,	प्रा.	6	27 × 11 × 15 × 65	सपूर्ण 4 तत्व (265 गाथा)	16वीं	
,,	प्रा म.	70	26 × 12 × 16 × 61	1 2 3 4 सपूर्ण(देव, मार्ग, साधु जीव) ग्र. 4250	18वीं	
,,	,,	63	27 × 13 × 19 × 54	,, (,,) ग्र 4000	1907	
,,	,,	103	27 × 12 × 14 × 41	,, (,,) ग्र.3800	1958	विगतवार प्रशस्ति है
,,	प्रा.	4	26 × 12 × 11 × 37	सपूर्ण 70 गाथाएं	16वीं	
,,	,,	4	26 × 11 × 11 × 47	,, ,,	19वीं	
,,	प्रा म.	56	27 × 5 × 13 × 48	,,	19वीं	
,,	प्रा मा.	66	26 × 12 × 14 × 37	अपूर्ण 29 गाथा तक	19वीं	[illegible]
[illegible] ऐतिहासिक	मा.	2	25 × 11 × 35 × 24	सपूर्ण	18वीं	[illegible]
10–10 के 35 बोल [illegible]	,,	6	22 × 12 × 14 × 24	अपूर्ण	1970 [illegible]	
[illegible]	सं.	268	27 × 12 × 12 × 37	सपूर्ण 12 प्रकाश ग्र.6675	195[illegible] [illegible]	[illegible]

1	2	3	3 A	4	5
503	महावीर 2/4	दानप्रदीप	Dānapradīpa	चरित्रसार(मानसुन्दर का शिष्य)	प
504	क नाथ 26/103 गुटका	दानमाहात्म्य	Dāna Māhātmya	—	,,
505	धामिया 2/152	दानविधि	Dānavidhi	—	,,
506	क नाथ 15/130	दानशील गीत	Dānaśīla Gīta	गुणविनय	,,
507	धामिया 2/234	दानशील तप भाव कुलक	Dānaśīla Tapa Bhāva Kulaka	धनाक मुनि	मू ट (व प)
508	,, 2/226	,, ,,	,,	,,	,, ,,
509	रघुनाथ 37/1	,,	,, ,,	,,	,,
510	महावीर 2/124	दानशील तप भाव कुल + वृत्ति	Dānaśīla Tapa Bhāva Kula+Vṛtti	देवेन्द्र/देवविजय	मू ट (व प)
511	2/123-25	,,	,,	,, ,,	,, ,,
512	धामिया 2/211	दानशील तप भावकुल	Dānaśīla Tapa Bhāva Kula	[illegible]	मू ट (व प)
513	रानडी 826	,,	,, ,,	,,	मू प
514	धामिया 2/137	,, ,,	,,	,,	मू ट (व प)
515	मुनिसुव्रत 3ई 244	दानशील तप भावना कुलक	Dānaśīla Tapa Bhāvanā Kulaka	धानदास (गुणकीर्ति का शिष्य)	प.
516	,, 3ई 304	,, संवाद	Dānaśīla Tapa Bhāvanā Saṃvāda	समयसुन्दर	,,
517	क नाथ 14/61	,,	,, ,,	,,	,,
518	19/60	,,	,, ,,	,,	,,
519	5/94	,, ,,	,, ,,	,,	,,
520	मुनिसुव्रत 2/270	,, ,,	,, ,,	,,	,,
521-3	क नाथ 15/42 18/18 24/72	,, ,, 3 प्रति	,, ,, 3 copies	,,	,,
524	मन्नामंदिर 3ई 344	,, ,,	,, ,,	,,	,,
525	रघुनाथ 4/104	,, ,,	,, ,,	,,	,,
526	धामिया 3ई 211	,, ,,	,, ,,	,,	,,
527	मुनिसुव्रत 3ई 308	,,	,, ,,	,,	,,
528	क नाथ 18/78	दिशाणवाईना बोल	Diśāṇavāīnā Bola	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	स.	206	27 × 12 × 14 × 41	सपूर्ण 12 प्रकाश	1962 नागौर	
,, उद्धरण	प्रा स.	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 18 गाथा/श्लोक	18वीं	
औपदेशिक	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 25 गाथा	16वीं	
,,	मा.	3	26 × 10 × 12 × 42	,, 50 गाथा लगभग	19वीं	
,,	प्रा.मा	4	26 × 11 × 7 × 47	,, 49 गाथा	17वीं	
,,	,,	4	26 × 12 × 7 × 47	,, ,,	18वीं	
,,	,,	5	25 × 12 × 4 × 30	,, 50 गाथा	1813	(अपर नाम पंचाशिका भी)
,,	प्रा.स.	241	26 × 11 × 13 × 31	,, 40 गा.(20/20) कथासह	17वीं	द्वितीय व तृतीय वक्षकार की
,,	,,	90+47	26 × 11 × 15 × 39	, 40 गाथा की ,,	19वीं × हर्षचंद	प्रथम व चतुर्थ वक्षकारकी/प्रशस्ति है
,,	प्रा.मा.	4	26 × 11 × 7 × 52	,, 81 ,, (20 × 4 + 1)	18वीं	
,,	प्रा.	2	31 × 11 × 15 × 52	,, ,, ,,	19वीं	
,,	प्रा.मा.	3	43 × 11 × 9 × 76	,, ,, ,,	1927 बीकानेर देवगुप्त	
,,	मा.	6	26 × 11 × 15 × 50	,, 4 कुलक(22+4)	19वीं × रत्नहर्ष	
,,	,,	6	24 × 11 × 15 × 50	,, 135 प्रवाय	1668	
,,	,,	7	24 × 11 × 11 × 32	,,	1671	
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 42	,, 107 गाथा	1712	
,,	,,	4	24 × 11 × 15 × 38	,, 135 प्रवाय	1834	
,,	,,	4	23 × 11 × 13 × 40	,,	1843	
,,	,,	9,3,4	20 से 25 × 10 से 12	,, 4 ढालें	19वीं	
,,	,,	7	14 × 11 × 13 × 26	,, ,,	1854 × [illegible] कीर्ति	
,,	,,	4	25 × 12 × 14 × 45	,,	19वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 39	,, 104 गाथा	19वीं	
,,	,,	3	24 × 11 × 11 × 45	,, 135 प्रवाय	20वीं	
[illegible]	,,	2	26 × 12 × 17 × 35	,,	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
529	कानडी 885	देव गुरु धर्म	Deva Guru Dharma	—	प
530	क.नाथ गुटका 6	दोहा बहोत्तरी	Dohā Bahottarī	जिनरंग	प
531	महावीर 2/39	द्रव्य सप्ततिका (सत्तरी)—वृत्ति	Dravya Saptatikā (Sattarī)+Vṛtti	मानविजय स्वोपज्ञ	मू वृ
532	क.नाथ 16/8	द्रव्य संग्रह वृत्तिसह	Dravya Saṅgraha With Vṛtti	नेमिचन्द्रसूरि/—	" (व व)
533	कानडी 1229	" + बा	+Bālā	" /—	मू बा (व व)
534	महावीर 2/49	"			मू ट (व व)
535	मानिया 2/222		"	"	"
536	क.नाथ 3/30	" बाला	+Bālā	नेमिचन्द्र/रामचन्द्र	मू बा
537	कानडी 833			—	
538	" 832	—भाषांतर	+Bhāṣāntara	नेमिचन्द्रसूरि	मू भ
539	1095	(लघु) द्रव्य-संग्रह	(Laghu) Dravya saṅgraha	"	मू ट (व व)
540	कथुनाथ 36/1क्रम 4	द्वात्रिंशत भावना	Dvātriṁśa Bhāvanā	—	पद्य
541	मानिया 2/227	धर्म ध्यान बोल + बा	Dharma-dhyāna bola +Bālā	(सावनाथ)	मू बा
542	क.नाथ 23/58	धर्म ध्यान बोल		—	ग
543	कानडी 977	धर्म-परीक्षा	Dharma Parīkṣā	अमितगति	प
544	महावीर 2/15			जिनमंडन (सोमसुंदर का शिष्य)	
545	कानडी 967	धर्मफल+बाला	Dharma-phala+Bālā	—	मू बा
546	मानिया 4 म 88	धर्म-बावनी	Dharma Bāvanī	धर्मसी मुनि	प
547	क.नाथ 29/51	"			
548	" 3/7	धर्मरत्न करंडक	Dharma Ratna Karaṇḍaka	वर्द्धमानसूरि	मू वृ (व व)
549	महावीर 2/114	"		"	"
550	2/115	धर्मरत्न प्रकरण	" Prakaraṇa	शांतिसूरि	"
551	2/6	"		शांतिसूरि, देवेन्द्रसूरि	"
552	कथुनाथ 23/4	धर्मरत्न प्रकरण की वृत्ति	" Kī Vṛtti	—	ग
253	क.नाथ 15/237	धर्मामृत उक्त. सागार धर्म टीका	Dharmāmṛte Uktaḥ Sāgāra Dharma Ṭīkā	पं. आशाधर	"

6	7	8	8 A	9	10	11
3 तत्वों का विवेचन	मा.	3	23 × 12 × 15 × 48	अपूर्ण	20वीं	
तात्विक औपदेशिक	,,	4	22 × 15 × 14 × 26	संपूर्ण 67 दोहे	1738	
जैन तात्विक	प्रा.सं.	23	27 × 13 × 16 × 49	,, 71 गाथाएं	1954	विद्याविजय द्वारा संशोधित
,,	,,	61	25 × 13 × 13 × 54	,, ग्रं. 2700	1672	
,,	प्रा.मा.	16	26 × 11 × 10 × 42	,, 62 गाथा का	1726	
,,	,,	7	26 × 11 × 5 × 35	,, 61 गाथा का तीन अधिकार	18वीं	
,,	,,	9	26 × 11 × 4 × 41	,, 59 ,, ,,	18वीं × क्षेमसूर्ति	
,,	,,	34	23 × 10 × 13 × 43	,, 3 अधिकार	1877	
,,	,,	15	28 × 10 × 13 × 32	,, ,,	19वी जैसलमेर उम्मेदविजै	
,,	प्रा.स.	7	31 × 11 × 5 × 36	,, 59 गाथा	19वीं	
,,	प्रा मा.	12*	26 × 11 × 6 × 44	,, 25 ,,	19वीं	
औपदेशिक	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 33 श्लोक	1544	
जैन ध्यान योग	प्रा.मा.	5	26 × 12 × 13 × 38	प्रतिपूर्ण	18वीं	
,,	मा.	6	27 × 12 × 13 × 38	संपूर्ण	19वीं	
जैन सैद्धांतिक	स.	40	30 × 13 × 15 × 56	,, 20 परिच्छेद	16वीं	
औपदेशिक कथासंग्रह	प्रा.सं.	63	25 × 12 × 12 × 36	,, 8 ,,	1899उदयपुर उदयचंद	
सामान्य श्लोक	सं मा	3	26 × 11 × 13 × 44	प्रतिपूर्ण	20वीं	
औपदेशिक पद	मा.	30*	15 × 10 × 12 × 20	संपूर्ण	18वीं	
,,	,,	3	25 × 10 × 20 × 50	अपूर्ण 11 से 57 (प्रत) तक	19वीं	
औपदेशिक	सं.	158	26 × 11 × 17 × 52	, ग्रं 8700	18वीं	
,,	,,	237	27 × 13 × 15 × 41	संपूर्ण ग्रंथाग्र 10000 लगभग	19वीं	मूल ग्रंथाग्र 335 की स्वोपज्ञ ? लघु प्रति है।
,, कथासंग्रह	प्रा स	34	26 × 12 × 15 × 51	अपूर्ण(17वें प.तक)78 गाथा 68[illegible] कथा तक	1643 × [illegible]	
,, ,,	प्रा स.	163	28 × 13 × 15 × 60	संपूर्ण 145 गाथा की, ग्रं. 9682	1954,नागौर [illegible]	[illegible] प्रति है [illegible] द्वारा संशोधित
,, ,,	स	8	27 × 11 × 17 × 75	त्रुटक [illegible] (12 पत्रका [illegible])	17वीं	
श्रावकाचार	[illegible]	189	27 × 12 × 11 × 31	अपूर्ण चौथे अध्याय से	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
579	के नाथ 14/105	नवतत्व	Navatattva	—	मू (प)
580	कुंथुनाथ 15/9	,,	,,	—	,,
581	के नाथ 11/16	,,	,,	/जयशेखर	मू ट (प ग)
582	,, 11/58	,,	,,	—	,,
583	मुनिसुव्रत 2/259	,,	,,	—	मू (प)
584	सवामदिर 2/339	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	—	मू वृ (प ग)
585	ग्रोसिया 2/199	,, + ,,	,, + ,,	/रत्नसूरि	,,
586	सवामदिर 2/373	नवतत्व	,,	—	मू ट (प ग)
587	कोलडी 67	,, +वत्ति	, +Vṛtti	—	मू वृ (प ग)
588	सवामदिर 2/423	नवतत्व	,,	—	मू ट (प ग)
589	कोलडी 77	, +बाला	, +Bālā	—	मू बा (प ग)
590	के नाथ 20/18	नवतत्व		—	मू ट (प ग)
591	ग्रोसिया 2/202	,,	,,	—	,,
592	कोलडी 79	,,		—	,,
593 7	के नाथ 6/87 14/40 15/34,15/235,14/54	नवतत्व 5 प्रतिया	, 5 copies	—	मू (प)
598 600	ग्रोसिया 2/200 196 97	, 3 प्रतिया	3 copies	—	,,
601 3	कोलडी 75, 76, 915	3 ,	, 3 copies	—	,,
604	महावीर 2/107	,	,	—	,,
605	कुंथुनाथ 15/19	,,		—	,,
606	देवेन्द्र 2/344	नवतत्व	Navatattva	—	,
607	2/341	,		—	मू ट (प ग)
608 10	कोलडी 821, 1118,11849	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
611 12	के नाथ 21/35, 10/89	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक	प्रा	3	23 × 12 × 11 × 37	सपूर्ण 44 गाथा	1748	
"	"	2	26 × 10 × 14 × 40	" 52 "	1753	
"	प्रा.मा.	13	25 × 11 × 3 × 37	" 49 "	1756	
"	"	6	25 × 11 × 5 × 34	" 47 "	1760	
"	प्रा.	5	24 × 11 × 12 × 33	" 48 "	1785	
"	प्रा स.	11	25 × 12 × 17 × 50	" 32 "	18वी	
"	"	8	26 × 12 × 17 × 43	" 28 "	18वी	
"	प्रा.मा.	11	26 × 12 × 5 × 26	" 55 "	18वी	
"	प्रा सं	5	29 × 11 × 5 × 50	" 27 "	1800	
"	प्रा.मा.	6	26 × 11 × 6 × 36	" लगभग	1811	
"	"	10	25 × 12 × 4 × 40	" 50 गाथा	1817	
"	"	10	24 × 12 × 13 × 36	" 55 "	1819	
"		12	25 × 10 × 3 × 30	" 48 "	1823,गवना नगर विनयसुदर	
"	"	11	25 × 11 × 3 × 34	" 48 "	1832	
"	प्रा	2 3,2 3,4	21से27 × 10से13	प्रथम चार पूर्ण, अंतिम अपूर्ण	19/20वी	
"	"	2,10,9	22से26 × 11से12	संपूर्ण 48,48,50 गाथा	19वी	
"	"	3,7,3	25 × 10से11 × भिन्न2	" 53,52,48, "	19/20वी	
"	"	6	23 × 12 × 9 × 19	" 50 गाथा	1901	
"	"	5	24 × 10 × 8 × 34	" "	1955	
जैन तात्त्विक	"	3	25 × 12 × 12 × 40	" 51 "	19वी	
"	प्रा मा.	3	25 × 11 × 3 × 32	" 57 "	1856 [illegible]	प्रतिम पत्र कम
"	"	10,5,6	21से25 × 11 × भिन्न2	" 49,49,41 गाथा	19वी	
"	"	7,19	26 × 11 व 27 × 12	" 49,78 गाथा	19वी	दूसरी प्रति का प्रतिम पत्र कम

1	2	3	3 A	4	5
613-14	घासिया 2/201, 198	नवतत्त्व 2 प्रतियें	Navatattva 2 copise	—	मू ट (प ग)
615	महावीर 2/108	,,	,	मणिरत्नसूरि ?	,,
616	क नाथ 23/10	,, +वत्ति	,, +Vrtti	—	मू वृ (प ग)
617	,, 11/25	+,,	, +		,,
618	,, 11/21	,, +,,	, + ,		,,
619	,, 5/43	, +,,	+		,,
620	कुंथुनाथ 32/3	,, +,,	+ ,		,,
621	के नाथ 20/17	, +बाला	+Bālā		मू ब (प ग)
622	कोलडी 78	+,,	, +		,,
623	कुंथुनाथ 2/18	+,,	+ ,		,,
624	घोसिया 2/204	नवतत्त्व की वृत्ति	+Vrtti	अज्ञात	T
625	के नाथ 18/92	, ,,	,	—	,,
626	कालडी 73	नवतत्त्व का बालावबोध	*Navatattva Bālāvabodha*	पदमचंद	,,
627	महावीर 2/71	,, ,,	, ,	सौभाग्यचंद	,,
628	सभामंदिर 2/343	,, ,,	,	—	,,
629	कालडी 1110	, ,		—	,,
630	क नाथ 13/13	,, ,,	,, ,	—	,,
631-32	कालडी 80 81	नवतत्त्व का टब्बा 2 प्रतियां	Navatattva kā Tabbā 2 copies	—	,,
633	क नाथ 5/133	नवतत्त्व के बोल	Navatattva ke Bola	—	,,
634	कालडी 1131	,, ,		—	,,
635	महावीर 2/98	,, ,	,	—	ग तालिका
636-37	कोलडी गु 10/4 2/6	नवतत्त्व स्तवन 2 प्रतियां	Navatattva Stavana 2 copies	ज्ञानसार (रत्नराज का शिष्य	प ,
638	घासियां 2/300	,	,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन तात्विक	प्रा.मा.	9,4	25 × 11/12 × भिन्न2	पहिली पूर्ण 48 द्वितीय अपूर्ण 42	19वीं(विक्रमपुर आनदनुदर)	
,,	,,	10	27 × 12 × 4 × 32	सपूर्ण 53 गाथा	1902खेरनगर	अंतिम गाथा भी मणिरत्न ने बनाई है
,,	प्रा.स.	20	27 × 12 × 14 × 39	,,	1877	
,,	,,	7	25 × 12 × 4 × 35	,, 44गा. ग्रंथाग्र 959	1855	
,,	,,	6	25 × 11 × 17 × 52	,, 22 गा ,, 386	19वीं	प्रथम पन्ना कम
,,	,,	25	26 × 12 × 11 × 33	,, 40 गाथा	19वीं	
,,	,,	15	26 × 12 × 13 × 50	,, 31 ,	19वीं	
,,	प्रा मा.	33	26 × 12 × 16 × 44	,, 95 ,,	1862	
,,	,,	10	25 × 10 × 4 × 25	,, 50 ,,	19वीं	
,,	,,	4	27 × 12 × 17 × 48	,, 44 ,,	19वीं	
,,	म.	13	26 × 12 × 14 × 54	,, 45 ,,	19वीं	
,,	,,	4	23 × 20 × 21 × 38	अपूर्ण	19वीं	
,,	मा	65	26 × 13 × 17 × 55	सपूर्ण	1881	
,,	,,	62	29 × 12 × 12 × 58	,, 2900 + 250ग्रंथाग्र	1961जयनेर, देवकृष्ण	
,,	,,	26	21 × 12 × 12 × 29	,,	1937नागपुर	
,,	,,	2	25 × 10 × 21 × 80	त्रुटक	19वीं	
,,	,,	8	26 × 11 × 15 × 47	सपूर्ण 44, गाथा	20वीं	
,,	,,	6,8	20 × 13व18 × 10	सपूर्ण	19वीं	
,,	,,	14	26 × 11 × 15 × 40	,,	1850	भिन्न2 लेखक द्वारा लिखे
,,	,,	6	25 × 11 × 16 × 36	सपूर्ण	19वीं	उत्तर प्रकृति 276 भेद से
,,	,	13	21 × 11 × —	सपूर्ण	20वीं	
,,	,,	गुटका	15 × 12 × 9/11 × 14/20	,, 33 गाथा	19वीं,1907	
,,	,,	3	24 × 10 × 11 × 29	,, 29 ,,	20वीं	

1	2	3	3 A	4	5
639	कोलडी 90	नवतत्त्व+चोवीस दडक +वाला	Navatattva—Cauvisadandaka+Bālā	× /गजसार	मू वा
640	„ 65	नवतत्त्व +चोवीस दडक	„	×/ „	मू ट (प ग)
641	के नाथ 6/51	„ „	,	×/ „	मू प
642	कुथुनाथ 20/16	„ „	,	×/ „ ,	„
643	के नाथ 18/22	„ + , स्तवन	, +Stavana	/ज्ञानसार	प
644	मुनिमुव्रत 2/262	नवतत्त्व चोवीसदडक जीवविचार	Na tattva+Cauvisa Dandaka—Jivavicāra	गजसार × शातिसूरि	मू (प)
645	, 2/322	„	,	,	,
646	कोलडी 63		,	,	„
647	सेवामदिर 2/342	,		„	मू ट (प ग)
648	कोलडी 70	,		„	„
649	सवामदिर 2/346	„		„	„
650	कालडी 64	„	,	„	मू (प)
651	के नाथ 21/43		„	„	„
652	कालडी 62	, का वाला	, Bālāvabodha	—	ग
653	क नाथ 11/33	नवतत्त्व +जीवविचार	Navatattva+Jivavicrāa	× /शातिसूरि	मू ट (प ग)
654	पासिया 2/205	,+वा	, +Bālā	× , / मतिचद	मू वा (प ग)
655	„ 2/248	न तत्त्व+जीव विचार	„	× शातिसूरि	मू ट (प ग)
656	मुनिसुव्रत 2/327	,			,
657	सवामदिर 2/355	,		,	„
658 60	कुथुनाथ 20/14 14/15 29/8	3 प्रतिया	„ 3 copies	,	मू (प)
661	कोलडी 1119		,	„	„
662	सवामदिर 2/422	,	,	„	मू ट (प ग)
663	क नाथ 10/20+16/15	नवपदप्रकरण + वृत्ति	Navapada Prakaraṇa	देवगुप्तसूरि	मू वृ (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन तात्त्विक	प्रा.मा.	46	23 × 11 × 11 × 45	सपूर्ण 52,39 गाथा	1883	
,,	,,	7	27 × 12 × 7 × 52	,, 48,46 ,,	19वीं	
,,	प्रा.	17	26 × 12 × 4 × 35	सपूर्ण	19वीं	
,,	,,	3	26 × 11 × 16 × 54	,, 49,38	19वीं	
,,	मा.	3	26 × 12 × 17 × 51	,, दो (29+25 गा.)	1880	
,,	प्रा.	14*	23 × 11 × 11 × 32	संपूर्ण 277 गाथा	18वीं	साथ में अन्य सूत्र भी हैं
,,	,	11	26 × 11 × 13 × 37	,,	1845 सोजत	
,,	,,	7	26 × 12 × 12 × 37	,, (49,40,51 गा)	1867	
,,	प्रा मा	14	25 × 11 × 8 × 26	,, 141 गाथा	1876 जैसलमेर भीखा	
,,	,,	16	26 × 11 × 6 × 40	,,	1884	
,,	,,	16	26 × 12 × 5 × 39	,, 140 गाथा	1994, गजिया पुण्यविलास	
,,	प्रा.	7	23 × 11 × 13 × 35	,,	19वीं	
,,	,,	42	21 × 11 × 7 × 15	,,	19वीं	
,,	मा	7	27 × 11 × 13 × 40	,,	1880	
,,	प्रा.मा.	11	25 × 10 × 5 × 34	,, 102 गाथा	17वीं	
,,	,,	21	25 × 10 × 17 × 52	,, 100 ,,	1763 जैसलमेर [illegible]	
,,	,,	17	15 × 22 × 6 × 16	,, 96 ,,	1766	
,,	,,	6	26 × 11 × 8 × 47	,, 97 ,,	18वीं	
,,	,,	9	26 × 12 × 4 × 32	,, 98 ,,	1825, [illegible]	
,,	प्रा.	4,11,4	25से26 × 10से11	संपूर्ण 100 गा. [illegible]	19वीं	[illegible]
,,	,	6	25 × 11 × 14 × 40	संपूर्ण 96 गाथा	19वीं	
,,	प्रा.मा.	11	25 × 11 × 8 × 35	[illegible]	19वीं	
,,	[illegible]	[illegible]	26 × 11 × 15 × 54	[illegible] 106	17वीं	[illegible]

1	2	3	3 A	4	5
664	कुथुनाथ 36/1 क्रम 35	निर्वाण काण्ड	Nırvāna Kānḍa	—	मू (प)
665	महावीर 2/93	पच्चीस क्रिया	Paccısa Krıyā	—	ग तालिका
666	के नाथ 18/73	पद्मावती आराधना	Padmāvatı Āradhanā	समयसुदर	प
667	,, 15/43	(पद्मावती) आलोचना सज्झाय	( ) Ālocanā Sajjhāya	,,	,,
668	कोलडी 289	पद्मावती आलोचना		,,	,,
669	कुथुनाथ 13/38	, आलोचना जीव राशि सज्झाय	, , Jıvarāśı ,,	,,	,
670	के नाथ 23/51	परमात्माप्रकाश + वृत्ति	Parmātmā prakāsa	योगी इन्द्रदेव/ ?	मू वृ
671	, 29/28	परमात्माप्रकाश ढाल भाषा बध	,, Dhāla Bhāṣā	धममदिर	प
672	ओसिया 3ई 263	परमानद स्तोत्र	Parmānanda Stotra	—	मू ट (प ग)
673	कोलडी गुटका 9/9	पचइन्द्रिय सधि	Panca Indrıya Sandhı	धमरत्न(कल्याण-धीर का शिष्य	प
674	कुथुनाथ 36/2	पचभावना	pañca Bhāvanā	देवचदजी	,,
675	के नाथ 6/119	पचमहाव्रत सज्झाय	Panca Mahāvrata Sajjhāya	सुमतिहस	,,
576	ओसिया 2/152	पचलिंगी प्रकरण	Pancalıṅgı Prakarana	जिनेश्वसूरि	मू (प)
671	महावीर 2/104	पचवस्तुक + वृत्ति	Pañca vastuka+Vṛttı	हरिभद्र (स्वोपज्ञ)	मू वृ (प ग)
678	कुथुनाथ 8/112	पचविंशति	Panca Vmśatı	पद्मनन्दि	मू (प)
679	महावीर 2/64	पचसग्रह + वृत्ति	Panca Sangraha+Vṛttı	चदर्षि/मलयगिरी	मू वृ (प ग)
680	के नाथ 22/45	पचसूत्र	Panca Sūtra	हरिभद्र ? (स्वोपज्ञ)	मू (प)
681-82	महावीर 2/41 48	, +वृत्ति 2 प्रतिया	, +Vṛttı 2 copies	, ?	मू वृ
683	, 3 आ 32	पचाचार विचार ढाल	Pancācāra vıcāra Dhāla	पार्श्वविमल	प
684	के नाथ 9/6	पचाशक +वृत्ति	Pancāśaka—Vṛttı	हरिभद्र/अभयदेव	मू वृ (प ग)
685	15/6	पचाशक		हरिभद्र	मू (प)
686	महावीर 2/38-105	पचाशक +वृत्ति	—Vṛttı	हरिभद्र/अभयदेव	मू वृ (प ग)
687	के नाथ 13/35	पचास्तिकाय-भाषा	Pancāstıkāya Bhāsā	टी प हीरानद	पद्य
688	सभामदिर 2/424	पाच कार श्रावककर्त्तव्य	Pancadakāra Śrāvaka Kartavya	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक	प्रा	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सम्पूर्ण 27 गाथा	1544	
तात्त्विक तालिका	मा.	2	25 × 12 × —	प्रतिपूर्ण 25 क्रिया	20वीं	
मारणान्तिक प्रतिचार आलोचना	,,	4	27 × 13 × 8 × 24	संपूर्ण 41 गाथा	18वीं	
,,	,,	2	25 × 13 × 13 × 35	,, 32 ,,	19वीं	
,,	,,	2	17 × 21 × 15 × 44	,, 42 ,,	19वीं	
,,	,,	6	26 × 12 × 5 × 32	,, 33 ,,	1949	
तात्त्विक	प्रा स.	291	27 × 12 × 9 × 27	सम्पूर्ण 2 अधिकार,345 श्लोक	1767	
मूल का पद्य सारांश	मा	32	25 × 11 × 13 × 46	सम्पूर्ण 2 खंड-32 ढाल ग 1125	1819	
आत्मविषयक	सं.मा	3	25 × 11 × 5 × 37	सम्पूर्ण 25 श्लोक	19वीं	
धौपदेशिक	मा	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	,, 108 गाथा	17वीं	
,,	,,	,,	25 × 20 × 15 × 28	,, 67 ढालें	1794	
आचार विषयक	,,	2	26 × 11 × 15 × 36	,, 5 सज्झायें	1788	
जैन साधु आचार	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 102 गाथा	16वीं	
जैनदार्शनिक	प्रा स.	191	28 × 13 × 15 × 40	सम्पूर्ण 1714 गा मूलग्र 7275	19वीं	मुनि शिव-[illegible]
भक्ति, तत्त्व, उपदेश	स	47	29 × 14 × 13 × 48	,, 25+1 प्रस्ताव 1743	17वीं	
,, ,, ,,	प्रा स	323	31 × 12 × 14 × 54	,, ग्रन्थाग्र-18 850	16वीं, 1956 पाटण,प्रभा-[illegible]	232 पत्रे 195[illegible] [illegible]
आचार ,,	प्रा	6	27 × 14 × 12 × 51	,, [illegible]	19वीं	
,, ,,	प्रा स.	39,39	27 × 11 × 10 × 42	,, ग्रन्थाग्र [illegible]0	20वीं	
साधु आचार	मा.	5	27 × 21 × 12 × 38	सम्पूर्ण 46 पद	[illegible]	
जैन सैद्धान्तिक विचार	प्रा स	1[illegible]	2[illegible] × 11 × 19 × 43	[illegible]	17वीं	
,,	प्रा	2[illegible]	26 × 11 × 15 × 40	[illegible] ग्रन्थाग्र 1100	1[illegible]वीं	
,,	प्रा स	2[illegible]	2[illegible] × 13 × 14 × [illegible]	[illegible] ग्रन्थाग्र 4750	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	2[illegible] × 12 × 1[illegible] × 42	[illegible]	17[illegible]	[illegible]
[illegible]	मा	[illegible]	2[illegible] × 19 × 1[illegible] × 3[illegible]	[illegible]	1[illegible]वीं	

1	2	3	3 A	4	5
689	क नाय 14/126	पाच सौ त्रेसठ जीवभेद	500 Tresastha Jiva Bheda	—	ग
690	कालडी 827	पुण्यकुलक	Punya kulaka	—	मू ट (पग)
691	आमिया 2/416	,,	,	—	मू (प)
692-3	क नाय 14/111 26/103गु	पुण्यछत्तीसी 2 प्रतिया	Punya Chattisi 2 copies	समयसुन्दर	प
694	, 26/103गु	पुण्य-पाप कुलक	Punya Pāpa Kulaka	—	मू (प)
695	आमिया 2/416	,,		—	,,
696	,, 2/159	पुण्यप्रकरण	Punya Prakarana	अज्ञात	ग
697	क नाय 10/40	पुण्यप्रकाश-स्तवन	Punya Prakāsa Stavana	विनयविजय	प
698	,, 29/13	पुण्यफल-कुलक	Punyaphala Kulaka	जिनकीर्ति	मू (प)
699	कुनाय 44/ω	पुद्गल परावर्त्ती विचार	Pudgalaparavartti vicāra	हर्षकीर्ति	पद्य
700	क नाय 19/49	पुद्गल षट्त्रिंशिका निगोद विचार +वृत्ति	, Sattrimsika+Nigoda Vicāra+Vrtti	अभयदेव/रत्नसूरि	मू व
701	कुथुनाय 52/23	पुष्पमाला	Puspamālā	म हेमचन्द्र(अभयदेव शिष्य)	मू (प)
702	के नाथ 13/40		,	,	,,
703	,, 14/4	+वृत्ति	+Vrtti	म हेमचंद/—	मू वृ (पग)
704	,, 6/72	पुष्पमाला	,,	,,	मू (प)
705	,, 4/25	,	,	,,	,,
706	, 3/19	+वृत्ति	+Vrtti	, साधु सोमगणि (जिनभद्र का शिष्य)	मू वृ (पग)
707	, 11/48	पुष्पमाला	,,	म हेमचंद्र	मू (प)
708	,, 9/7	,, +बाला	,, +Bālā	, /—	मू बा (पग)
709	, 15/9	पुष्पमाला	,	म हेमचंद्र	मू (प)
710	मुनिसुव्रत 2/294	पुष्पमाला की अवचूरि	Puspamāla Ki Avacuri	अज्ञात	ग
711	, 2/295	पुष्पमाला की वृत्ति	+Vrtti	साधु सोमगणि	,,
712	कुंथुनाथ 10/133	पढिया	Pedhiyā	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
सैद्धांतिक तात्विक	मा.	3	26 × 11 × 17 × 51	अपूर्ण	1836	
औपदेशिक	प्रा.मा.	2	31 × 12 × 6 × 45	„ 19 गाथा	19वीं	
„	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	„	1953	
„	मा.	3,1	26 × 11व25 × 12	„ 36 गाथा	18वीं	
„	प्रा.	1	25 × 12 × 20 × 56	„ 16 गाथा	18वीं	
„	„	13*	26 × 13 × 16 × 30	„	1953	
दार्शनिक, उपदेश	मा.	2	25 × 11 × 14 × 42	„	20वीं	
„ „	„	6	26 × 13 × 13 × 30	„ 95 गाथा	19वीं	
उपदेश	प्रा.	1	25 × 11 × 11 × 36	„ 16 „	17वीं	
तात्त्विक	प्र	गुटका	15 × 12 × 17 × 24	„ 62 „	17वीं	
„	प्रा.म.	7	26 × 11 × 25 × 55	संपूर्ण 36 + 36 गाथा ग्रन्थाग्र 600	18वीं	भगवतीसूत्र 11/10
औपदेशिक	प्रा.	18	26 × 11 × 12 × 40	„ 496 गाथा	1993	
„	„	23	26 × 12 × 19 × 64	„ 505 „	16वीं	
„	प्रा म.	34	26 × 11 × 18 × 64	„ 500 गा (तीन अधिकार)	17वीं	
„	प्रा.	9	26 × 11 × 19 × 60	„ 505 गाथा	17वीं	
„	„	15	25 × 11 × 11 × 39	अपूर्ण 314 गाथा	17वीं	
„	प्रा.म	147	26 × 11 × 13 × 48	अपूर्ण 503 गा. 20 अधिकार	18वीं	
„	प्रा.	13	26 × 11 × 15 × 48	„ 505 गाथा [illegible] 35 गा. कम	18वीं	
„	प्रा.मा.	141	29 × 11 × 13 × 43	अपूर्ण 364 गाथा [illegible]	19वीं	
„	प्रा.	18	25 × 11 × 15 × 35	अपूर्ण 505 गाथा	19वीं	
„	प्र	6	27 × 11 × 17 × [illegible]	„ 503 गाथा की	16वीं	
„	„	10[illegible]	26 × 11 × 14 × 54	[illegible] अपूर्ण [illegible] 5 [illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	प्रा.	27*	27 × 11 × 13 × 35	अपूर्ण 1[illegible]	16वीं	

1	2	3	3 A	4	5
713	कंनाथ 18/21	पैंतीस बोल का थोकडा	Paintisa Bolakā Thokaḍā	—	गद्य तालिका
714	महावीर 2/32	पौषधकुलकादि	Pausadha Kulakādi	—	मू ट
715	कुंथुनाथ 37/2	पोषध प्रत्याख्यानफल	Pausadha Pratyākhyāna Phala	—	मू ट (प ग)
716	,, 42/18	प्रतिबोध गाथा	Pratibodha Gāthā	—	मू (प)
717	कालडी 882	प्रत्याख्यान-कुलक	Pratyakhyāna Kulaka	देवेन्द्रसूरि	,,
718	कुंथुनाथ 10/181	प्रत्याख्यान चतुस्सप्ततिका	Pratyākhyāna Catu-ssaptatikā	धनजी (पार्श्वचंद का शिष्य)	प
719	केनाथ 6/109	प्रवचनसार + वृत्ति	Pravacana Sāra + Vṛtti	कुन्दकुन्दाचार्य	मू वृ
720	,, 23/50	प्रवचनसार की वृत्ति		—	ग
721	,, 9/4	प्रवचन सारोद्धार	Pravacana Sāroddhāra	नेमिचंद्रसूरि	मू (प)
722	23/44	,,	,,	,,	,,
723	मुनिसुव्रत 2/250	,,	,,	,,	,,
724	कंनाथ 14/136	,,		,,	मू ट (प ग)
725	कुंथुनाथ 53/2			,,	,,
726	ओसिया 2/296	,,		,,	,,
727	कंनाथ 15/18	,,	,,	,,	मू (प)
728	,, 10/5	,, + वृत्ति		नेमिचंद्र/—	मू वृ (प ग)
729	13/42	प्रवचन सारोद्धार विषम पदार्थ अवबोध	Visama Padārtha Avabodha	उदयप्रभसूरि	ग
730	15/157	प्रव्रज्याकुलक	Pravrajyā Kulaka	—	मू (प)
731	कालडी 387	,,		—	,,
732	महावीर 2/17	प्रव्रज्याविधानकुलक	Vidhāna Kulaka	—	,,
733	कंनाथ 6/122	,, ,,	,,	—	,,
734	कोलडी गु 10/5	प्रास्ताविक श्लोक संग्रह	Prāstāvika Śloka Sangraha	संकलन	प
735	कुंथुनाथ 10/158	,,		,,	प
736	महावीर 2/392 3	,, दो प्रतियां	,, 2 Copies	,,	प

6	7	8	8 A	9	10	11
सैद्धान्तिक संख्या परक सार	प्रा	6	25 × 12 × 9 × 27	संपूर्ण	19वीं	
औपदेशिकादि	प्रा मा	36	25 × 11 × 9 × 43	त्रुटक	18वीं	सामान्य प्रकरण
,,	,,	4	25 × 12 × 4 × 30	संपूर्ण 12 + 7 = 19 गा	19वीं	
सम्यक्त्वादि	प्रा.	1	27 × 10 × 13 × 40	अपूर्ण 26 गा ही	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 18 × 50	7 + 15 = 22 गाथा	1573 ?	(चत्तारि अट्ठ दसदो स्तवन साथ में)
प्रत्याख्यान स्वरूपादि	प्रा	5	25 × 11 × 14 × 45	संपूर्ण 74 गाथा	17वीं	
औपदेशिक सिद्धान्त	प्रा.मा.	12	25 × 11 × 15 × 44	अपूर्ण; 27वीं गाथा तक ही	19वीं	
,,	स.	165	26 × 12 × 11 × 37	संपूर्ण 311 गाथा की	1546	
शास्त्र-सारांश	प्रा.	82	26 × 11 × 11 × 45	,, 1616 गा (ग्र.2050)	1555	
,,	,,	69	26 × 11 × 13 × 44	,, 1542 गा.	16वीं	
,,	,,	78	26 × 11 × 12 × 41	,, 1614 गा.	1640	
,,	प्रा मा	124	26 × 11 × 7 × 38	,, 1580 गा. (ग्र.5000)	1693	
,,	,	128	27 × 11 × 6 × 44	,, 1613 गा (ग्रं 8000)	1710	
,,	,,	133	26 × 12 × 6 × 36	,, 1631 गा (ग्र 6500)	18वीं	
,,	प्रा.	84	25 × 10 × 11 × 35	,, 1618 गा (ग्र 2100)	19वीं	
,,	प्रा म.	466	27 × 12 × 16 × 30	अपूर्ण, 271 गा तक	19वीं	13 से 47 बीच के पत्र
[illegible]	स	43	26 × 11 × 19 × 68	संपूर्ण ग्र. 3203	1515	
औपदेशिक	प्रा	10	29 × 11 × 17 × 50	,,	17वीं	
,,	,,	13	24 × 12 × 12 × 42	,,	19वीं	
[illegible]	,,	2	24 × 10 × 13 × 42	,, 34 गाथा	1758 [illegible]	
,,	,,	6	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	19वीं	[illegible]
औपदेशिक सूक्तादि	मा.	गुटका	19 × 13 × 13 × 23	अपूर्ण	[illegible]	
,,	[illegible]	1	[illegible] × 11 × 14 × 32	,, 13 श्लोक	[illegible]	
,,	[illegible]	[illegible]	26 × [illegible] × 13 × 40	[illegible] 116 श्लोक	20वीं	

1	2	3	3 A	4	5
738 9	के नाथ 14/51, 6/59	प्रस्ताविक श्लोक सग्रह दो प्रति	Prastāvika Śloka Saṅgraha	सकलन	प
740	,, 11/35	,, ,, अथ सह	,,	,,	प ग
741	कोलडी गु 4/12	प्रश्नोत्तर-रत्नमाला	Prasnottara Ratnamālā	विमलसूरि	प
742	सेवामदिर 2/365	,,	,,	,,	पद्य
743	कुथुनाथ 18/8	,	,,	,,	मू ट (प ग)
744	क नाथ 6/68	,, - वृत्ति	,,	विमलसूरि/देवेन्द्र	मू + वृ (प ग)
745	,, 20/4	प्रश्नोत्तर रत्नमाला		विमलसूरि	मू + ट (प ग)
746	कुथुनाथ 10/130	,,	,		मू (प)
747	के नाथ 15/155	,		,,	मू ट (प ग)
748	कोलडी 802	प्रश्नोत्तर रत्नमाला का विवरण	kā Vivaraṇa	, /न्द्र सूरि	ग कथासह
749	के नाथ 19/47	बनारसी विलास	Banarasi Vilāsa	बनारसीदास	प ग
750	, 23/64			,,	,
751	, 18/52	बारहभावना	Bāraha Bhāvanā	अज्ञात	मू (प)
752	सेवामदिर गुटका 8द			जयसाम गणि	प
753	क नाथ 14/100	,		,,	,,
754	महावीर 2/288			,,	,,
755	मुनिसुव्रत 2/273		,	,,	,,
756 /	क नाथ 15/61 19/73	,, दो प्रतिया	,,	,,	,,
758	कानडी 1235	,,	,	—	,
759	के नाथ 15/28	बारहभावना-गीत	, Gita	पदमराज	,,
760	श्रेयांस 2/243	बारहव्रत चौपई	Bāraha Vrata Caupai	अज्ञात	,,
761	के नाथ 23/55	बारहव्रत सज्झाय	Bāraha Vrata Sajjhāya	लक्ष्मीवल्लभसार	,
762	17/3	,,	,,	उद्योतसागर गणि	,,
763	9/33		,,	वाचक दयासागर	,,
764	कोलडी गुटका 2/6	बालचद बत्तीसी	Bālacanda Battisi	बालचद	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
सैद्धान्तिक विवेचन	भा.	18	26 × 12 × 13 × 52	अपूर्ण (पहिला पत्रा कम है)	17वीं	
औपदेशिक	,,	गुटका	20 × 16 × 14 × 26	,, 58 पद	19वीं	
,, साधु आचार	,,	7	25 × 13 × 15 × 45	,, 22 ढालें	1927	
औपदेशिक ,,	,,	3	25 × 12 × 13 × 50	,, 22+15 छंद	19वीं	
तात्त्विक	,,	4	27 × 11 × —	,,	19वीं	62 द्वारों से जीव विभक्तिया
,,	,,	4,9,2,4	26से28 × 11से13	,,	19/20वीं	,,
,,	,,	1	नया रोल 31 से. चौड़ा	,,	1958	,,
,,	,,	15	28 × 13 × —	,, भिन्न 2	16/20वीं	
,,	,,	7	26 × 12 × 14 × 42	,, 112 गाथा	19वीं	
औपदेशिक	,,	2	25 × 11 × 14 × 33	,, 17 गाथा	19वीं	
,,	,,	1	43 × 15 × 24 × 40	,,	1931	
,,	,,	4	25 × 11 × 11 × 33	,, 64 गाथा	1759 राजनगर, मेरुचंद	
गुरु उपदेश	,,	3	25 × 11 × 15 × 38	,, 60 ,,	19वीं	
तात्त्विक तत्त्वार्थ सार	,,	6,15	26+13 × 17/51 × 43	अपूर्ण	19/20वीं	विषय वस्तु भिन्न 2 प्रकार की
,,	,,	17,11	25 × 12 × 12 × 26/40	पहिली पूर्ण, द्वितीय अपूर्ण	19/20वीं	,,
,,	,,	6,5,19,23	22से26 × 11से17	अपूर्ण	19/20वीं	,,
,,	,,	68	28 × 13 × —	,,	16 से 19वीं	
,,	,,	6	25 × 11 × —	,,	18वीं	
,,	,,	3	27 × 13 × —	,,	19वीं	
औपदेशिक	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	अपूर्ण 39+29 गा	17वीं	
,,	,,	3	2[illegible] × 13 × 15 × 32	अपूर्ण 10 ढालें	18वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 11 × [illegible]2	,, 19 गा	19वीं	
,,	,,	3,4	24 × 11/26 × 11	,, 10 [illegible]	19वीं	
,,	,,	[illegible]	26 × 11 × 15 × 45	,, 97 गा	1823	
,,	,,	3-[illegible],4,[illegible]	23से28 × 11से14	,, ,, 31 गाथा	19वीं	[illegible]

1	2	3	3 A	4	5
801	कुथुनाथ 36/1 क्र 22	ब्रह्मचर्य-रक्षावृत्ति	Brahmacarya Raksā Vrtti	पद्मनंदि	प
802	महावीर 2/405	ब्रह्मबावनी	Brahma Bāvani	मुनि हुपचद (ब्रह्म)	,,
803	मद्यामदिर 2/421	,,		,	,,
804-5	कोलडी 965,1223	भले का अर्थ 2 प्रतिया	Bhale kā Artha	—	ग
806	केनाथ 5/89	भवभावना	Bhavabhāvanā	म हेमचद्र	मू (प)
807	, 17/48			,,	,,
808 9	, 141, 6/24	, 2 प्रतिया		,,	,,
810	कुथनाथ 52/20			,,	,,
811	कनाथ 1/9B	भवभावना की कथायें	ki Kathāyen	,	मू म कथा
812	मुनिसुव्रत 2/315	भववैराग्य शतक	Bhavavairāgya Sataka	अज्ञात	मू (प)
813	2/316			,,	मू ट (प ग)
814	कुथुनाथ 52/5	,	,	,	मू (प)
815	कनाथ 5/101		,	,,	मू ट (प ग)
816	10/14		,	,,	,
817	कोलडी 816	,	,	,	,,
818	ओसिया 2/217	,	,	,,	,,
819 20	केनाथ 521, 16/27	,, 2 प्रतिया	,	,,	,,
821	कुथुनाथ 47/5	,,	,,	,,	,,
822-23	कानडी 686 817	,, 2 प्रतिया		,,	,,
824	महावीर 2/381	+वृत्ति	,,	अज्ञात/गुणविनय	मू वृ (प ग)
825	ओसिया 2/416	भव्याभव्य कुलक	Bhavyābhavya kulaka	—	मू (प)
826	2/416	भावकुलक	Bhāva kulaka	—	,,
827	कनाथ 11/70	भावत्रिभगी	Bhava tribhangi	अज्ञात =/	मू ट (प ग)
828	मुनिसुव्रत 3 इ 323	भावनाकुलक	Bhāvanā kulaka	—	,
829	ओसिया 3 इ 204	भावना बासठियो	Bhāvanā Bāsathiyo	—	यन्त्र तालिका

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक सुभाषित	स.	19,8	18 × 8व26 × 11	अपूर्ण(द्वितीय में 196श्लोक)	18/19वीं	
,,	,,	10	25 × 10 × 20 × 46	अपूर्ण	19वीं	पद्य का अर्थ संस्कृत गद्य में
तात्त्विक	,,	गुटका 4	15 × 7 × 10 × 23	अपूर्ण	1499	
औपदेशिकादि प्रश्नोत्तर	,	2	26 × 11 × 19 × 62	संपूर्ण 29 श्लोक	16वीं	अन्त में साधु वय स्तवन संस्कृत 10 श्लोक
,,	स.भा.	3	27 × 11 × 6 × 42	,, ,,	16वीं	
,,	स.	31	25 × 11 × 18 × 56	,,	1702	जीर्ण
,,	सं.भा.	3	26 × 11 × 15 × 40	,, 29 श्लोक	19वीं	
,,	स	1	25 × 12 × 15 × 40	,, 27 ,,	19वीं	
,,	स भा.	2	26 × 11 × 7 × 40	,, 29 ,,	19वीं	
,,	स.	121	28 × 11 × 17 × 68	,, 64 प्रश्न 83 उत्तर ग्र. 7560	1492	वृत्ति कल्पलतिका नाम्नी/प्रशस्ति है
विविध	हि	63	25 × 12 × 15 × 53	संपूर्ण	1826	कवि की 31 अन्य लघु रचनायें
,,	,,	11	25 × 11 × 16 × 41	अपूर्ण	19वीं	,,
वैराग्य-चिंतन	प्रा.	3	27 × 12 × 17 × 59	,,	19वीं	
,,	गा	10	11 × 9 × 11 × 16	संपूर्ण 72 गा.	1676	
,,	,,	3	26 × 11 × 14 × 44	,, 74 गा.	1698	
,,	,,	8*	23 × 11 × 12 × 31	,, 72 गा	18वीं	[illegible]
,,	,,	4	26 × 11 × 12 × 26	,, 67 गा.	18वीं	
,,	,,	4,11*	25 × 11 × 12/13 × 38	,, 72/73 गा.	19/20वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 13 × 50	अपूर्ण 11वीं [illegible]	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 41	संपूर्ण 12 गाथा	19वीं	
[illegible]	,,	46*	25 × 12 × 11 × 34	,, 12 गाथा	19वीं	[illegible]
,,	,,	8*	26 × 10 × 13 × 31	,, 32 गा.	19वीं	
,,	,,	37	31 × 16 × 11 × 37	[illegible]	19वीं	
,,	,,	5	26 × 12 × 15 × 45	संपूर्ण 153 गा	19वीं	
[illegible]	,,	गुटका	15 × 12 × 11 × 20	,, 29 [illegible]	1903	

1	2	3	3 A	4	5
765	कोलडी 1116	बालाविबोध वार्ता	Bālāvibodha Vārtā	—	ग
766	कुथुनाथ 39/4	बावनी	Bāvanı	दयासागर	प
767	क नाथ 20/23	बावीस-परिषह ढाल	Bāvisa Parisaha Dhala	रायचद	,
768	कालडी 911	" +बारह भावना	, +Barahabbāvanā	—	"
769	, 110	बासठमागणा यत्र	Bā atha Mārganā Yantra	—	गद्य तालिका
770 73	महावीर 2/88, 90 स 92	, 4 प्रतिया	"	भिन्न भिन्न	
774	2 432		,	—	"
775	, 2/403	आदि पत्र		—	"
776	" 2/89	बासठमागणा यत्र रचना स्तवन	Bāsatha Mārganā Yantra Racanā Stavana	नानगार (राजगणि का शिष्य)	पद्य
777	क नाथ 18/84	बुढ़ापे की सज्झाय	Budhape kı Sajjhāya	—	"
778	कुथुनाथ 52/10	,	"	—	
779	ग्रोसिया 2/306	बुद्धरास	Buddha Rāsa	ग्रज्ञात	,
780	कालडी 247	बुद्धिरास	Buddhı Rāsa	—	,
781 2	ग्रोसिया 2/215 85	बोलविचार दो प्रतिया	Bola Vıcāra	भिन्न भिन्न	ग
783 4	क नाथ 26/78 15/120	, दो प्रतिया			"
785 8	कालडी 449 111 1239 946	चार प्रतिया		,	"
789	सवामदिर 2/378	बोल-सग्रह	Bola Sangraha	गवनन	ग तालिका
790	मुनिसुव्रत 2/336		,		"
791	कालडी 451	"	,	,	,
792	सेवामदिर गुटका 3-ति	ब्रह्मचर्यकुलक व शीलदीपक	Brahmacaryakulaka+Śıla dıpaka	पार्श्वचद	प
793	, 3 इ 345	ब्रह्मचर्य नव वाड	Brahmacarya Navavāda	उदयरत्न	,
494	के नाथ 6/42	,	"	पुण्यसागर	,
795 6	29/47 14 128	, 2 प्रतिया	,	धमहस कवि	"
797	कालडी 288	"		जिनहर्ष	,
798-800	क नाथ 18/95 9/21 14/87	" 3 प्रतिया	"	"	,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 22 श्लोक	1544	
,, + अध्यात्म	भा.	21*	25 × 13 × 13 × 35	,, 52 सवैये	1876	
,, ,,	,,	4	26 × 13 × 12 × 32	त्रुटक	19वीं	
,, सामान्य	,,	6,4	25 × 12व24 × 11	संपूर्ण	19वीं	
बारहभावना (वैराग्य)	प्रा.	14	26 × 11 × 15 × 52	,, 53 गा; ग्रं. 664	17वीं	प्रत में जिनवल्लभका प्राकृत स्तवन 12 गा.
,, ,,	,,	24	27 × 11 × 11 × 40	,, 528 गा.	17वीं	
,, ,,	,,	28,23	26 × 11व27 × 11	,, 531/32 गा.	19वीं	
,, ,,	,,	16	27 × 11 × 15 × 45	,, 531 गा.	19वीं	
जीवन चरित्र व कथानक	प्रा.स.	28	26 × 11 × 15 × 58	,, 65 कथायें	13/14वीं	
औपदेशिक (वैराग्य)	प्रा.	5	25 × 11 × 11 × 39	संपूर्ण 104 गाथा	16वीं	
,,	प्रा.भा.	6	26 × 11 × 9 × 43	,, ,, ,,	17वीं	
,	प्रा.	4	26 × 12 × 13 × 40	,, 101 (लगभग)	17वीं	
,,	प्रा.भा.	17	25 × 11 × 4 × 31	,, 104 ,,	1705	
,,	,,	14	27 × 12 × 5 × 30	,, 105 ,,	1840	
,,	,,	12	31 × 12 × 6 × 32	,, 104	1848	
,,	,,	8	24 × 11 × 7 × 52	,, 104	19वीं	
,,	,,	13,6	26 × 11 × 5/4 × 30	प्रथम संपूर्ण 104, द्वितीय 33 ही	19वीं	
,,	,,	9	26 × 11 × 6 × 34	संपूर्ण बीच में 2 पत्रे कम	19वीं	
,,	,,	8,29	26 × 10व27 × 11	संपूर्ण 104 गाथा	20वीं	
,,	प्रा.स.	19	26 × 13 × 19 × 48	,, 104 गी ग्र. 995	1944	
सैद्धान्तिक तात्त्विक	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	संपूर्ण	1953	
औपदेशिक ,,	,,	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
[illegible]	प्रा.भा.	13	27 × 13 × 7 × 25	[illegible] 105 [illegible]	17वीं	
औपदेशिक	,	1	25 × 11 × 11 × 46	संपूर्ण 22 गाथा	19वीं	
[illegible]	भा.	4	26 × 12 —	संपूर्ण	20वीं	

1	2	3	3 A	4	5
830-32	कोलडी 843-44 1344	भावनाविलास 3 प्रतिया	Bhāvanā Vilāsa	राजकवि	प
833	कुथुनाथ 43/13	भावनासधि	Bhāvanā Sandhi	जयदव मुणि	मू प
834	महावीर 2/54	भावप्रकरण	Bhāva Prakarana	विजयविमल (आनद-विमल का शिष्य)	मू अ (प ग)
835	ओसिया 2/212	,,		,	मू ट (प ग)
836	,, 2,237	,,	,	,,	,,
837	कोलडी 1080	भावसग्रह	Bhāva Sangraha	अज्ञात	मू (प)
838	कुथुनाथ 45/4	भ्रमरबत्तीसी	Bhramara battisi	कमलदास मुनि	प
839	ओसिया 3 इ 171	मणिच द्र-स्वाध्याय	Manicandra Svādhyāya	मणिचद्र	,
840	के नाथ 15/132	महादण्डक	Mahādandaka	—	ग
841	महावीर 2/75	महादण्डक अल्प बहुत्व स्तवन	Mahādandaka Alpabahutva Stavana	अभयदेव	मू अ (प ग)
842	मुनिसुव्रत 2/276			,	,, (प)
843	ओसिया 2/243	,,	,	—	प
844	2/307	माईशास्त्र	Māi Śāstra	सवलन	,,
845	क नाथ 26/103 गु	मानपच्चीसी	Māna Paccisi	—	,
846	कालडी 450	मार्गणाद्वार	Mārgaṇādvāra	—	ग तालिका
847	के नाथ 29/46	मोती कपासिया सवाद	Moti Kapāsiyā Samvāda	मुनि श्रीसार	प
848	सवामन्दिर 2/366	यति-आराधना	Yati Ārādhanā	समयसुदर	ग
849	महावीर 2/31	,		,	,
850	कुथुनाथ 36/1 क्र 2 27	यति भावना + सम्यक्त्व अष्टक	Yati Bhāvanā+Samyaktva Astaka	—	पद्य
851	क नाथ 29/52	युगल उत्पत्ति विचार स्तवन	Yugala Utpatti Vicāra Stavana	देव द्रसागर	,
852	26/103 गु	याग आठ दृष्टि सज्झाय	Yoga Ātha Drsti Sajjhāya	उ यशोविजय	,,
853	ओसिया 2,153	,		,,	,
854	महावीर 2/45	यागदृष्टि समुच्चय	Yoga Drsti Samuccaya	हरिभद्र/यशोविजय ?	मू टृ (प ग)
855	2/9	यागशास्त्र+वृत्ति	Yoga Śāstra+Vrtti	हेमचद्राचाय (स्वोपन)	,, ,,
856	, 2/116	,,	,,	,, ,,	,

6	7	8	8 A	9	10	11
बारहभावना (वैराग्य)	मा.	4,4,3*	26से29 × 11 × भिन्न	संपूर्ण 52 छंद	20वीं	
भावना औपदेशिक	प्रा.	1	26 × 11 × 15 × 75	अपूर्ण 34 से 62 (अंत) गा.	19वीं	
आत्म भाव विश्लेषण	प्रा.स.	4	25 × 11 × 18 × 50	सपूर्ण 30 गा	1742 कटारिया, रामदास	
,,	प्रा.मा	5	23 × 12 × 5 × 37	,, ,,	1826 × शुभ-मुनि	
,,	,,	6	24 × 11 × 4 × 33	,, ,,	19वीं	
,,	स.	20	25 × 10 × 11 × 40	अपूर्ण 507 श्लोक तक	19वीं	
औपदेशिक	मा.	गुटका	17 × 14 × 11 × 18	सपूर्ण 47 गा.	1828	
भक्ति स्वाध्याय	,,	7	27 × 11 × 14 × 36	,, 21 ढालें	1861	
तात्त्विक	,,	34	26 × 11 × 13 × 45	अपूर्ण	19वीं	भिन्न भिन्न 30 द्वारो से जीव-विभक्ति
,,	प्रा स.	7*	25 × 11 × 17 × 46	सपूर्ण 20 गाथा	18वीं	
,,	,,	5	26 × 12 × 19 × 43	,, 20 गा अवचूरि 98 गा	19वीं, पाटण,	
,,	मा	19*	25 × 12 × 12 × 35	,,	19वीं	
धार्मिक श्लोक सग्रह	स मा.	6	25 × 11 × 13 × 38	प्रतिपूर्ण 148 श्लोक	17वीं	
अहंकार पर	मा.	1	25 × 11 × 15 × 38	सपूर्ण 25 गा.	18वीं	
तात्त्विक बोल	,,	5	30 × 12 × —	संपूर्ण	18वीं	भिन्न भिन्न 161 द्वारो से जीव-विभक्ति
औपदेशिक	,,	4	23 × 11 × 14 × 44	,,	18वीं	
पावविनय साधु आचार	,,	15	24 × 11 × 11 × 35	,, ग्रं. 360	19वीं	
,,	,,	17	25 × 14 × 12 × 32	,, ग्र. 351	1933	
औपदेशिक दार्शनिक	म.	गुटका	23 × 20 × 21 × 35	,, (8+9 श्लोक) 2 प्रकरण	1544	
[illegible]	मा	5	26 × 11 × 11 × 33	,, 4 ढालें	19वीं	
[illegible]	,,	3	25 × 12 × 20 × 56	अपूर्ण आठ ढालें	19वीं	
,,	,	19*	25 × 12 × 12 × 35	34 गा. पूर्ण	20वीं	
,,	प्र.	35	23 × 12 × 14 × 46	अपूर्ण 225 [illegible] 117;	19वीं	
[illegible]	,	402	27 × 11 × 15 × 43	अपूर्ण 12 [illegible]	1465 [illegible] प्रशस्ति,	
,,	,,	262	26 × 12 × 14 × 55	,,	1960 [illegible]	[illegible]

1	2	3	3 A	4	5
857	के नाथ 29/100	योगशास्त्र	Yoga Śāstra	हेमचंद्राचाय	मू (प)
858	,, 10'56	,,	,,	,,	,,
859	,, 22/63	,,	,,	,,	,
860	कोलडी 1184C	,,	,,	,,	,,
861	के नाथ 4/23	,,+बाला	,+Bālā	हेमचंद्राचाय/सोमसुदर	मू बा (प ग)
862	,, 14/44	योगशास्त्र	,	हेमचंद्राचार्य	मू (प)
863	,, 14/5	,,	,	,,	,
864	सवामदिर 2/369	, +बाला	,+Bālā	,,/मेरुसुदर	मू बा (प ग)
865	मुनिसुव्रत 2/334	योगशास्त्र	,	हेमचंद्राचाय	मू (प)
866 7	के नाथ 15/33-62	,, 2 प्रतिया	, 2 copies	,,	,,
868 69	कुंथुनाथ 15/12 43/3	, 2 प्रतिया	, 2 copies	,,	,,
870	महावीर 2/8	योगशास्त्र की अवचूरि	Yogasāstra kı Avacūrı	—	ग
871	के नाथ 14/6	योगशास्त्र की वृत्ति	, ,, Vrttı	हेमचंद्राचाय स्वोपज्ञ	,,
872	,, 5/44	योगसार	Yogasāra	अज्ञात	मू (प)
873	, 2/23	रत्नकोश ?	Ratnakośa	—	ग तालिका
874	26/85 गुटका	रत्नत्रय विधि	Ratnatraya vıdhı	—	प
875	महावीर 2/80	रत्न-सचय	Ratna Sañcaya	सकलन	मू ट (प ग)
876	कुंथुनाथ 20/12	रत्नाकर-पच्चीसी	Ratnākara Paccısı	रत्नाकर	प
877	के नाथ गु 26/91	रात्रि भोजन चोपई (अतिम	Ratrı Bhojana Caupaı (Antım)	—	,
878	26/43	रात्रि भोजन सज्झाय	Ratrı Bhojana Sajjhāya	हसमुनि	,,
879	सवामदिर 2/431	रुचितरुचिदडक स्तुति + वृत्ति	Rucıtarucıdandaka Stutiḥ +Vrttı	जिनेश्वरसूरि/पद्मराज	मू वृ (प ग)
	महावीर 6 मा 34	लघु अर्हन्नीतिशास्त्र	Laghu Arhannıtı śāstra	हेमचंद्राचाय	मू (प)
1-2	के नाथ 21/69 21/36	लघुदण्डक 2 प्रतिया	Laghudandaka 2 Copies	—	ग
883	पाटिया 2/142	लघुदण्डक	,	—	,,
884	महावीर 2/405	लघु ब्रह्मबावनी	Laghu Brahma Bāvanı	ब्रह्मरूप सवगी	प

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन योग (गृहस्थ भी)	सं.	54	34 × 16 × 8 × 70	सपूर्ण 12 प्रकाश	19वी	
,, ,,	,,	10	27 × 10 × 16 × 50	अपूर्ण 4 प्रकाश तक	1459	
,, ,,	,,	23	26 × 10 × 8 × 46	,,	16वी	
,, ,,	,,	3	25 × 12 × 11 × 32	अपूर्ण प्रथम प्रकाश 56 श्लो.	1694	
,, ,,	सं.भा.	91	26 × 11 × 13 × 42	अपूर्ण दूसरे 41 से अंत तक	17वी	
,, ,,	सं.	13	27 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण चार प्रकाश	17वी	
,, ,,	,,	36	24 × 11 × 9 × 32	,, पाच से 12 (अंत) प्रकाश	1845	
,, ,,	स भा.	5	27 × 13 × 19 × 66	केवल पाचवा प्रकाश	19वी	
,, ,,	सं.	2	24 × 11 × 11 × 39	,, पहिले 55 श्लोक मात्र	19वी	
,, ,,	,,	4,3	24 × 11 × 11/12 × 30	,, पहिला प्रकाश मात्र	19वी	
,, ,,	,,	5,4	27 × 11व26 × 11	बिल्कुल अपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	15	27 × 11 × 22 × 73	चार प्रकाश तक 462 श्लोक	1499	
,, ,,	,,	196	26 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण द्वितीय प्रकाश तक	19वी	
,, ,,	प्रा.	10	23 × 11 × 10 × 23	सपूर्ण 108 गाथा.	19वीं	
तात्त्विक योग	स.	11	25 × 11 × 13 × 32	सपूर्ण	1652	भिन्न भिन्न 100 द्वारों से औपदेशिक 10 पत्रों सहित है
तात्त्विक भक्ति	,,	32	12 × 11 × 9 × 13	अपूर्ण	19वीं	
धार्मिक श्लोक संग्रह	प्रा.भा	49	26 × 12 × 6 × 36	प्रतिपूर्ण 545 गा.	1825, भाग्यचंद, धनरूप	
औपदेशिक	स.	3	25 × 11 × 9 × 30	सपूर्ण 25 श्लोक	19वीं	
,,	भा.	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	अपूर्ण	18वीं	
,,	,,	2	25 × 12 × 12 × 41	सपूर्ण 29 गाथा	19वीं	
[illegible]	स	2	25 × 10 × 21 × 53	,, [illegible]	1644	
[illegible]	,,	81	26 × 12 × 9 × 30	,,	[illegible]	
[illegible]	भा.	11,13	26 × 12व21 × 12	सपूर्ण	19, 20वीं	
[illegible]	,,	12	26 × 12 × 16 × 33	[illegible] 21 [illegible]	20वीं	
[illegible]	,,	21*	25 × 11 × 13 × 35	[illegible]	1576	

1	2	3	3 A	4	5
885	महावीर 2/61	लोकतत्त्वनिर्णय	Lokatattva Nirnaya	हरिभद्र	प
886	" 2/36	लोकप्रकाश	Lokaprakāsa	विनयविजय	"
887	के नाथ 23/31	वनस्पति सप्ततिका	Vanaspati Saptatikā	मुनिचंद्रसूरि	मू (प)
888	" 1/19	"	"	/—	मू म (प ग)
889	कुंथुनाथ 33/10	वन्दन पूजा बोल	Vandana Pujā Bolā	—	ग तालिका
890	, 10/133	वरचरिया	Varacariyā	—	मू (प)
891	महावीर 2/10	वर्द्धमान देशना	Vardhamāna Deśanā	शुभवर्द्धन	पद्य
892	ओसिया 2/150	"	"	राजकीर्ति (रत्नलाभ का शिष्य	गद्य
893 4	कोलड़ी 1109 1158	" 2 प्रतियां	, 2 copies	—	"
895	कुंथुनाथ 33/3	विचार-चौसठी	Vicāra Causaṭhi	नन्दसूरि	प
896	नवामंदिर 3 इ 345		,	"	"
897	मुनिसुव्रत 2/260	विचार-ठाणावली	Vicāra Thāṇāvali	—	ग तालिका
898	महावीर 2/55	विचार पंचाशिका	Vicāra Pañcāśikā	विजयविमल (स्वोपज्ञ)	मू म (प ग)
899	कोलड़ी 1238	"	"	" "	"
900	के नाथ 10/36	,		"	मू ट (प ग)
901	14/103	विचार पंचाशिका अवचूरी	Avacuri	,	ग
902	कोलड़ी 1238	विचार प्रकरण	Vicāra Prakarana	महेश्वरसूरि	प
903	, 805	विचार रत्नसार	Vicara Ratnasāra	—	ग
904	ओसिया 2/160	विचार वार्त्ता	Vicāra Vārttā	—	"
905	के नाथ 13/45	विचार सत्तरी	Vicāra Sattari	देवेन्द्रमुनि	मूल (प)
906	5/71	, +अवचूरी	, +Avacūri	/महेन्द्रप्रभसूरि	मू अ (प ग)
907	कोलड़ी 1095	विचार सत्तरी	"	—	मू ट (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
लोकस्वरूप मान्यतायें	स.	8	26 × 12 × 10 × 43	अपूर्ण 141 श्लोक	20वीं	
तात्त्विक व भूगोल	,,	423	30 × 15 × 17 × 44	सपूर्ण ग्र. 17621	1953 मुंबई	नक्शों सहित
वनस्पति जीवविज्ञान	प्रा.	4	26 × 11 × 11 × 35	सपूर्ण 76 गा.	15वीं	
,,	प्रा स	5	26 × 11 × 9 × 35	,, 77 गा.	15वीं	
चैत्यवंदनादि संबंधी	मा.	4	24 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
जैन सैद्धान्तिक	प्रा.	27*	27 × 11 × 13 × 38	सपूर्ण 537 गा.	16वीं	
औपदेशिक	,,	157	26 × 11 × 13 × 46	,, 10 उल्लास ग्रं 5535	17वीं	प्रशस्ति है
,, कथा सह	स.	74	27 × 11 × 18 × 55	,, ,, ग्र 5000	19वीं	
,,	,,	35,40	26 × 11व25 × 11	अपूर्ण	19वीं	
श्रावकाचार	मा.	3	26 × 11 × 15 × 54	सपूर्ण 63 गा (ग्रंथाग्र 93)	19वीं	
,,	,	4	26 × 12 × 11 × 40	,, 64 गा.	1947	
तात्त्विक 4 से 8 संख्या के बोल	,,	20	22 × 16 × —	,, ग्रं. 900	1611	
,, औपदेशिक	प्रा.स.	6	26 × 12 × 18 × 52	,, 51 गाथा	18वीं	
,, ,,	,,	13*	26 × 11 × 15 × 42	,, ,,	19वीं	
,, ,,	प्रा मा	6	28 × 13 × 5 × 41	,, ,,	19वीं	
,, ,,	म.	6	25 × 13 × 14 × 50	,, ,,	19वीं	
,, ,,	प्रा.	13*	26 × 11 × 15 × 42	सपूर्ण 87 गा	19वीं	
,, [illegible]	मा.	45	31 × 12 × 17 × 45	सपूर्ण	1853 [illegible]	
,, [illegible]	,,	12	29 × 11 × 15 × 71	,,	16वीं	
,, [illegible]	प्रा	24*	30 × 12 × 19 × 56	सपूर्ण 70 गाथा	16वीं	
,, ,,	प्रा स	12	26 × 11 × 11 × 39	,, ,, [illegible]	1623	
,, ,,	प्रा.मा.	12*	26 × 11 × 6 × 41	,, 70 गाथा	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
908	मुनिसुव्रत 2/274	विचार-संग्रह	Vicara Saṅgraha	संकलन	प ग
909	कोलडी 74	"	"	"	ग
910	" 1330	"	"	"	प ग
911	" 808	"	"	"	"
912	" 946	"	"	"	मू ट
913	" 810	"	"	"	गद्य
914	" 1238	"	"	"	प ग
915	कुंथुनाथ 10/163	"	"	"	"
916	महावीर 2/63	विचार सार	Vicāra Sāra	देवचंद	मू ट
917	श्रोमिया 2/171	"	"	"	"
918	महावीर 2/50	विचारसार रत्नाकर	Vicārasāra Ratnakara	संकलन	प ग
919	कु नाथ 5/4	विचार-सारोद्धार (सिद्धांत)	Vicāra+Sāroddhāra (Siddhānta)	गजकुशल द्वारा उद्धरित	ग तालिका
920	" गुटका 1	विचार-स्तवन	Vicāra Stavana	ज्ञानदनिधान	प
921	" 22/55	विचारामृतसार-संग्रह	Vicārāmṛta Sāra Saṅgraha	कुलमण्डनसूरि	ग
922	29/20	विनय-पच्चीसी	Vinaya Paccisi	—	प
923	" 13/45	विवेक मंजरी	Vivekamanjari	आसड	मू (प)
924	कुंथुनाथ 55/4	विवेक विलास+बाला	Viveka Vilāsa (Bālā)	जिनदत्तसूरि/—	मू बा (प ग)
925	के नाथ 22/58	विवेक-विलास		जिनदत्तसूरि	मू (प)
926	14/137	"	"	"	"
927	" 1/12	" +बाला	" +Bālā	/सोमचंद	मू बा (प ग)
928	कोलडी 1094	विवेक विलास	"	कुशलाजी	प
929	महावीर 2/11	विंशति स्थानक विचारामृत संग्रह	Vimśati Sthānakavicā ā mṛta Saṅgraha	जिनहर्षगणि	ग प
930	" 2/42	विशेष-संग्रह	Viśeṣa Sangraha	समयसुंदर	ग
931	कुंथुनाथ 36/1 क्र 1	वृद्ध आराधनासार	Vṛddha Ārādhanāsāra	देवसेन	मू (प)
932	कोलडी 1344	वेदपंचाशिका	Veda Pancaśikā	बनारसीदास	प

6	7	8	8 A	9	10	11
विविध धार्मिक विषय	प्रा.स	23	26 × 11 × 21 × 60	प्रतिपूर्ण	16वीं	
,,	मा	111	26 × 11 × 10 × 25	,,	1766	
,,	प्रा.सं मा	4	26 × 10 × 20 × 54	,,	19वीं	
,,	,	9	31 × 11 × 20 × 60	,,	19वीं	
,,	प्रा.मा	15	26 × 11 × 6 × 48	,,	19वीं	अंतिम 2 पन्ने शास्त्र उद्धरण
,,	,,	6	31 × 11 × 19 × 44	,,	19वीं	शास्त्रों के उद्धरण
,,	प्रा.स.मा	56*	26 × 11 × 15 × 42	त्रुटक	19वीं	
,,	मा	13	27 × 12 × 16 × 50	सपूर्ण	19वीं	
जैन दर्शन साराश व कर्मसिद्धान्त	प्रा मा	78	25 × 12 × 3 × 28	सपूर्ण 304 गा.	18वीं	
,, ,,	,,	56	28 × 13 × 4 × 32	,, 207 गा.	1892 राधनपुर वल्लभविजय	
विविध धार्मिक विषय	प्रा सं.	150	26 × 11 × 15 × 50	प्रतिपूर्ण	17वीं	
,, बोल	मा.	83	27 × 12 × 14 × 42	सपूर्ण	1733	
जीव आयु विचार	,,	8*	22 × 19 × 22 × 32	,, 46 गा	1814	
औपदेशिकादि	स.	59	26 × 11 × 17 × 51	,, 25 अध्याय	1671	
औपदेशिक	मा.	1	24 × 10 × 16 × 48	,, 25 गा	19वीं	
,, सिद्धान्त	प्रा.	24*	30 × 12 × 19 × 86	,, 144 गा.	16वीं	
लौकिक धर्म	सं.मा.	117	25 × 11 × 14 × 34	,, 12 उल्लास ग्र.4321	1698 [illegible], [illegible]	
,,	स.	40	30 × 11 × 16 × 44	सपूर्ण 12 उल्लास	17वीं	
,,	,,	42	26 × 11 × 15 × 33	,, ,,	1745	
,,	स.मा.	13	26 × 11 × 15 × 51	सपूर्ण प्रथम उल्लास तक	19वीं	
औपदेशिक [illegible]	मा	4	25 × 12 × 16 × 32	सपूर्ण 52 [illegible]	19वीं	
विधि विचार कथा [illegible]	सं	117	2[illegible] × 13 × 13 × 31	सपूर्ण ग्र 2[illegible]00	1933 [illegible]	1502 की प्रति, [illegible]
[illegible]	प्रा.स.	30	26 × 13 × 13 × 31	,, 140 विचार	1873 [illegible]	[illegible]
औपदेशिक और [illegible]	प्रा.	[illegible]	23 × 20 × 21 × 3[illegible]	अपूर्ण (7 से 115 गा [illegible]	1[illegible]	
[illegible]	प्रा.	3*	26 × 11 × 23 × 55	सपूर्ण 22 गा.	20वीं	

1	2	3	3 A	4	5
933	कोलडी 956	वराग्य-बावनी	Vairāgya bāvani	लालचद	प
934	कुथुनाथ 36/2	वराग्य मणिमाला	Vairāgya Maṇimālā	विद्यानद	,,
935	के नाथ गु 28	व्यवहार निश्चय क्रियाकवित्त सग्रह	Vyavahāra Niscaya Kriyā kavitta Sangraha	—	,,
936	कोलडी 806	व्याख्यान-चर्चा	Vyākhānya Carcā	—	ग,
937	कुथुनाथ 36/1 क्र 16	व्रतसार-सग्रह	Vratasāra Sangraha	प्रभाचन्द्र	प
938	महावीर 2/291	शास्त्रवार्त्ता समुच्चय	Śāstravārttā Samuccaya	हरिभद्र/यशोविजय	मू वृ
939	के नाथ 26/92	शिष्यबत्तीसी	Śisya Battisi	जयचद	प
940	ग्रोसिया 2/416	शीलकुलक	Śila Kulaka	—	मू (प)
941	के नाथ 24/44	शीलकेकडे	Śila Kekaḍe	ऋषि जयमल	प
942	सवामदिर 2/429	,	,	,,	,,
943	कुथुनाथ 54/1	शीलगीत	Śila Gita	—	,,
944	सवामदिर गु 3 ति	शीलबत्तीसी	Śila battisi	—	,
945	के नाथ गुटका 1	,,	,,	राजसमुद्र	,,
946	,, 14/90	शीलरास (नेम राजुल)	Śila Rāsa (Nema Rājula)	विजयदेवसूरि	,,
947	, 14/42	,		,,	,,
948-49	कोलडी 244 270	2 प्रतिया	2 copies	,,	,
950-2	के नाथ 6/77 14 89 16/14	,, 3 प्रतिया	,, 3	,,	,,
953	सवामदिर 4 ग्र 192	,,		,,	,,
954	कोलडी गु 2/5	शीलरास	Śila Rāsa	धर्मसिंह मुनि	,
955-57	महावीर 385 से 87	शीलागरथ	Śilanga Ratha	सकलित	ग तालिका
958	कुथुनाथ 12/216	शीलोपदेशमाला बाला	Silopadeśamālā+Bālā	जयकीर्त्ति/मेरुसुदर	मू वा (प ग)
959	, 18/6	शीलोपदेशमाला	,	जयकीर्त्ति (जयसिंहसूरि शिष्य)	मू (प)
960	क नाथ 3/28	, +वृत्ति	, +Vṛtti	,/—	मू वृ
961	13/28	शीलोपदेशमाला	,,	जयकीर्त्ति	मू ट (प ग)
962	, 4/17	,, +बाला	, +Bālā	,/—	मू वा (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	मा.	2	25 × 11 × 15 × 42	सपूर्ण 52 पद	19वीं	
,,	सं.	गुटका	25 × 20 × 15 × 28	,, 33 श्लोक	1794	
,,	मा.	14	17 × 13 × 13 × 13	प्रतिपूर्ण	19वीं	
धार्मिक उपदेश	,,	34	31 × 11 × 15 × 56	संपूर्ण	1876 × वनेचंद	
औपदेशिक (तप)	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 33 श्लोक	1544	
नित्याय व अन्य	,,	347	27 × 13 × 15 × 46	,, 700 श्लोक की	20वीं	
वैयावर्ती-गुण	मा.	गुटका	20 × 16 × 22 × 18	,, 33 गाथा	1767	
औपदेशिक (ब्रह्मचर्य)	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
ब्रह्मचर्य-उपदेश	मा.	12*	26 × 11 × 21 × 63	,, 16 पद	19वीं	
,,	,,	4	25 × 11 × 13 × 30	,, ,,	19वीं	
,,	,,	3	26 × 11 × 7 × 30	,, 31 गा.	19वीं	
,,	,,	9	16 × 13 × 14 × 17	,, 34 गा.	17वीं	
,,	,,	2	22 × 19 × 22 × 32	,, 32 गा.	1814	
,,	,,	9	26 × 11 × 11 × 42	,, 70 गा.	1611	
,,	,,	4	26 × 11 × 17 × 55	,,	1795	
,,	,,	9,11	27 × 11व24 × 21	संपूर्ण 76/69 गा.	19वीं	
,,	,,	7,6,5	26 × 10से12 × भिन्न	,, 76,77,68 गा	19वीं	
,,	,,	5	25 × 11 × 13 × 48	अपूर्ण गा. 24 से 80	19वीं	
,, [illegible]	,,	गुटका	15 × 11 × 11 × 22	संपूर्ण 64 गा.	1823 × [illegible]	
[illegible]	प्रा.	2,2,11	26 × 11व12—	प्रतिपूर्ण ([illegible])	19वीं	[illegible]
औपदेशिक कथा सह	प्रा.मा	147	26 × 11 × 15 × 50	संपूर्ण 115 गा. [illegible]	16वीं	
औपदेशिक	प्रा.	5	26 × 11 × 13 × 42	संपूर्ण 115 गा.	1605	
,,	प्रा.म	199	26 × 11 × 13 × 45	संपूर्ण व 6655 [illegible]	1659	[illegible]
,,	प्रा.मा	18	26 × 11 × 5 × 25	,, 114 गा	18वीं	
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 47	,, 117 गा.	18वीं	

1	2	3	3 A	4	5
963	केनाथ 4/16	शीलोपदेशमाला	Śilopadesa Mālā	जयकीर्त्ति	मू (प)
964 965a/b	,, 6/18,19/ 125-29	,, 3 प्रतियां	, 3 copies	,,	,,
966	कुंथुनाथ 53/5	,	,	,,	,,
967	,, 29/1	,, +बाला	,, +Bālā	,,	मू बा (प ग)
968	मुनिसुव्रत 2/269	श्राद्धदिनकृत्य	Śrāddha Dinakṛtya	देवेन्द्रसूरि	मू (प)
969	केनाथ 17/43	,,	,,	,,	,,
970	कोलडी 803A	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,—/देवेन्द्रसूरि स्वोपज्ञ	मू वृ (प ग)
971-3	केनाथ 6/9 71, 15/23	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,/—	मू (प)
974	, 5/112	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,/—	मू वृ (प ग)
975	, 14/57	श्राद्धदिनकृत्य का बालावबोध	,, kā Bālāva-bodha	,/—?	ग
976	कुंथुनाथ 33/7	श्राद्ध वि (धि ?)	Śrāddha Vi	—	प
977	महावीर 3 श्रा 123	श्राद्धविधिप्रकरण+वृत्ति	Śrāddhavidhi Prakaraṇa +Vṛtti	रत्नशेखर/रत्नशेखर/ स्वोपज्ञ	मू वृ
978	, 3 श्रा 36	,, + ,	,, + ,	,—/ ,, ,,	मू वृ ट
979	3 श्रा 122	,, + ,,	,, + ,	,—/ , ,,	मू वृ
980	केनाथ गु 26/91	श्रावकआराधना	Śrāvaka Ārādhanā	अज्ञात	मू (प)
981	ओसिया 3 श्र 43	,,	,	,,	ग
982	केनाथ 14/3	,	,	महिमासुन्दर	प
983	ओसिया 3 श्र 44	,	,,	अज्ञात	ग
984	केनाथ 21/1	,,	,,	समयसुन्दर	,,
985	कुंथुनाथ 25/3	,,	,,	,,	,,
986-7	कोलडी 378 380	, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
988	, 375	,	,,	—	,,
989	,, 381	,	,,	देवेन्द्रगणि	ग
990	, 377	,,	,,	पाठक राजसोम	,,
991	ओसिया 3 श्र 45	,,	,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा.	6	26 × 11 × 11 × 40	सपूर्ण 116 गा.	18वीं	(कहीं जयवल्लभ भी नाम है)
,,	,,	6,3,9	23से25 × 11 × भिन्न	,, 116/125/116 गा	19वीं	
,,	,,	5	26 × 11 × 12 × 40	,, 116	19वीं	
,,	प्रा.मा	14	26 × 11 × 11 × 44	अपूर्ण गाथा 10 से 116 अंत तक	19वीं	
श्रावकाचार	प्रा.	15	26 × 12 × 11 × 38	सपूर्ण 325 गा. (ग 360)	15वीं	13वा पत्ता कम
,,	,,	24	25 × 10 × 9 × 31	,, 342 गा.	16वीं	
,,	स.	269	28 × 11 × 15 × 54	,, 8 प्रस्ताव ग्र.12820	1676 को बहराई गई	17वीं शताब्दी की ही लगती है
,,	प्रा.	16,12 14	26 × 11 × 13 × 35	,, 344 गा.	19वीं	
,,	प्रा स.	39	28 × 17 × 17 × 36	अपूर्ण 247 गा तक ही	20वीं	
,,	मा	8	30 × 12 × 17 × 55	सपूर्ण	19वीं	
,,	स.	25	26 × 12 × 15 × 56	गुटक	16वीं	
,,	प्रा.स.	198	25 × 11 × 14 × 40	संपूर्ण 6 प्रकाश ग्रं.6761	1658, वामा, लक्ष्मण	प्रशस्ति है/मुनि विधि कौमुदी
,,	प्रा स मा	382	26 × 11 × 7 × 43	,, ,, ,,	1802, नियाणा, विद्याविजय	टब्बाकारऋद्धिविजय
,,	प्रा स.	149	27 × 13 × 13 × 53	,, ,, ग्र.6760	1964 जोधपुर गो[illegible]	
,,	प्रा.	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	,, 50 गाथा	18वीं	
,,	स.	5	26 × 11 × 17 × 53	,,	16वीं	मूल प्राकृतानुसार
,,	,,	6	26 × 11 × 13 × 44	,, ग्र. 166	17वीं	
,,	,,	5	27 × 12 × 14 × 49	सपूर्ण	1846 उदेपुर [illegible]	[illegible]
,,	,,	8	25 × 11 × 11 × 35	,,	19वीं	
,,	,,	9	23 × 11 × 9 × 34	अपूर्ण (पत्र 3 से 11 तक	19वीं	
,,	,,	5,11	27 × 12 × भिन्न 2	सपूर्ण	19वीं	
,,	,,	5	26 × 13 × 13 × 42	,,	1903	
,,	मा.	4	27 × 12 × 16 × 42	,,	[illegible]	
,,	,,	9	24 × 10 × 12 × 35	,,	[illegible]	[illegible]
,,	,,	7	24 × 11 × 15 × 36	,,	1906, [illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
992	कानडी 376	श्रावकआराधना	Śrāvaka Ārādhanā	—	ग
993	कनाग 15/31	श्रावकगुण-चौपई	Śrāvaka Guṇa Caupaı	समयराज उपाध्याय	पद्य
994	कानडी 1347	श्रावक नित्यकर्त्तव्यानि	Śrāvaka Nitya Karttvyānı	—	
995	कुन्थुनाथ 55/20	श्रावक-मनोरथमाला	Śrāvaka Manorathamālā	—	ग
996	नालिया 2/152	श्रावक-वक्तव्यता	Śrāvaka Vaktavyatā	—	मू (प)
997	कनाथ 22/70	श्रावकव्रत	Śrāvaka Vrata	रामानन्द (धनसूरि का शिष्य)	
998	नालिया 3 द 226	श्रावकव्रतभंग प्रकरण	Śrāvaka Vrata Bhanga	देवेन्द्रसूरि	,
999	महावीर 3 प्रा 38	,, की अवचूरि	kı Avacūrı	—	ग
1000	कनाथ 9/28	श्रावकव्रतभंग—22 अभक्ष	—22 Abhaksya	—	मू प्र
1001	कानडी 855	श्रावकाचार	Śrāvakācāra	आशाधर	पद्य
1002	कुन्थुनाथ 54/6	शृंगारवैराग्यमुक्तावली	Śṛngāra Vairāgya Muktāvalı	मानचन्द्र	
1003	कनाथ 19/22	षडावश्यक-चौपई	Ṣaḍāvasyaka Caupaı	दानविजय	मू (प) ट(ग
1004	कानडी 982	षड्दर्शन-समुच्चय	Ṣaḍdarsana Samuccaya	हरिभद्रसूरि	मू प्र —(ग
1005	कुन्थुनाथ 36/1 क्र 28				मू प
1006	महावीर 2/289			,	
1007	कानडी 1221	— टीका	—Tıkā	हरिभद्र गुणरत्नसूरि	मू व (पन
1008	महावीर 2/290	,, ,,	— ,,	हरिभद्र/—	,
1009	2/44	षड्द्रव्य का प्रश्न	Ṣaḍdravya ka Prasna	—	ग
1010	2/35	षोडशक+वृत्ति	Ṣoḍasaka—Vṛttı	हरिभद्र/यशोभद्र	मू व (पन
1011	महावीर 3 द 345	सचित्ताचित्तस्वादिमादि	Sacıttacıtta Svādın ādı	श्रीपति मुनि	प
1012	कुन्थुनाथ 36/1 क्र 38	सज्जनचित्तवल्लभ	Sajjanacıtta vallabha	मल्लिषेण	
1013	महावीर 2/394 5	2 प्रतियां	,, 2 copies	,	
1015	नालिया 2/308	—बाला	—Bālā	मल्लिषेण/	मू बा (पन
1016	कनाथ 9/5	सट्ठिसय (दृष्टान्त)	Satthariısaya	नेमिचन्द्र भण्डारी	मू (प)
1017	11/73	,,	,		

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रावकाचार	प्रा.मा	4	26×10×15×50	सपूर्ण	19वीं	
,,	मा	3	26×11×13×36	,, 46 गाथा	19वीं	
,,	स.	5	25×11×12×35	अपूर्ण 78 श्लोक	19वीं	
,	मा.	3*	26×11×15×52	सपूर्ण 28 गाथा	17वीं	
,,	प्रा.	123*	26×12×11×40	,, 103 गा	16वीं	
,,	,,	3*	26×12×11×35	,, 12 गा.	18वीं	
,,	,,	2*	26×11×19×56	,, 40 गा	1505, पाटन नगर, जयतीर	
,,	स	2	26×11×25×66	,, 40 गाथा की	18वीं	
,,	प्रा.स	10	26×11×16×60	,, 41+7 गा.	16वीं × जिन-निधान	प्रत में 25 गा. वाला सम्यक्त्व स्तवन
गृहस्थ धार्मिककर्त्तव्य	प्र	35	29×11×10×34	सपूर्ण	19वीं	
औपदेशिक	स.	3	27×11×15×70	,, 47 श्लोक	18वीं	
आवश्यक का महत्व आदि	मा	12	26×12×20×40	,, 92 गाथा.	18वीं	1730 की कृति
दार्शनिक	स	4	34×13×10×43	,, 87 श्लोक	1537	
,,	,,	गुटका	23×20×21×38	,, 87 ,,	1541	
,,	,,	3	26×11×13×46	,, 87 ,,	18वीं	
,,	,,	230	26×12×12×32	,, 87 श्लोक की	19वीं	[illegible]
,,	,,	90	29×14×17×46	,, ,,	20वीं	
[illegible] प्रश्नोत्तर	मा	3	27×13×10×28	अपूर्ण	20वीं	
दार्शनिक	स	36	30×14×18×43	सपूर्ण 297 श्लोक की	[illegible]	
[illegible] औपदेशिक	मा	2	26×12×14×34	सपूर्ण 18 गा	[illegible]	
[illegible] औपदेशिक	स.	गुटका	23×20×21×38	,, 25 श्लोक	1544	
,,	,,	32	25×13,12×[illegible]	,,	20वीं	
,,	[illegible]	7	[illegible]	,, 25 [illegible]	[illegible]	
औपदेशिक [illegible]	मा	[illegible]	[illegible]	,, [illegible]	[illegible]	
,,	,,	[illegible]	[illegible]	,, [illegible]	[illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
1018	सवामदिर 2/425	सट्ठरिसय	Saṭṭharisaya	भडारी ग्रनमीचद	मू (प)
1019	ग्रामिया 2/152	,,	,	,	,,
1020	क नाथ 20/41	, +बाला	, +Bālā	भडारा ग्रनमीचद/	मू बा (प ग)
1021 5	, 4/13,6/37 10/59,15/ 25 19/123	सट्ठरिसय (पाच प्रतिया)	,, 5 copies	,,	मू (प)
1026	,, 6/2	सट्ठरिसय+वृत्ति	, +Vṛtti	,,	मू ट (प ग)
1027	, 23/32	,, का वालावबाध	, kā Bālāvabodha	,,	ग
1028	5/77	सद्भाषितावली	Sadbhāsitāvali	सकलकीर्त्ति	प
1029	ग्रामिया 2/240	,,	,	सकलिम	,
1030	बालडी 1101	,,		—	
1031	क नाथ 17/24	समयसार ग्रात्मख्यातिसह	Samayasāra+Ātmakhyāti	कुदकुद/ग्रमृतचद्राचार्य	मू ट (प)
1032	महावीर 2/56	,,	,	कुदकुद/ ,	,,
1033	बालडी 1228	, तात्पर्यवृत्तिसह	Samayasāra+Tātparyavṛtti	,, /जिनसेन	,, (प ग)
1034	के नाथ 15/99	समयसार की ग्रात्मख्याति टीका	,, ki Ātmakhyāti Tikā	ग्रमृतचद्राचार्य	प
1035	बालडी 834	समयसार कलश	Samayasāra Kalasa	,	,
1036	ग्रासिया 2/166	समयसार-नाटक	Samayasāra Nātaka	बनारसीदास	,
1037	कुथुनाथ 3/50	,		,,	,,
1038	बालडी गु 11/12	,,	,,	,,	,,
1039	, 846		,	,	,,
1040	, गु 10/5		,,	,,	,,
1041	845	,,	,	,,	,
1042	के नाथ 14/72	,,	,,	,,	,,
1043	कुथुनाथ 11/201	,,	,	,,	,,
1044	सवामदिर 2/358	,,	,,	,	,,
1045	2/359	समयसार की समालोचना	Samayasara ki Samālocanā	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक तात्त्विक	प्रा.	6	24 × 11 × 11 × 42	अपूर्ण 53 से 160 गाथा ही	16वीं	
,,	,,	123*	26 × 12 × 11 × 40	अपूर्ण 161 गा.	16वीं	
,,	प्रा.भा.	29	25 × 11 × 11 × 38	,, ,, गा. का	19वीं	
,,	प्रा.	27,5, 16,5, 18	25से28 × 10से12	,, 161 गा/157 गा.	19/20वीं	
,,	प्रा.स	45	26 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण 45 गा तक	19वीं	
,,	भा.	20	27 × 11 × 17 × 51	संपूर्ण 160 गा.	17वीं	
औपदेशिक सुभाषित	सं.	22	26 × 11 × 11 × 30	संपूर्ण 388 श्लोक	17वीं	
जैन धार्मिक ,,	,	28	30 × 15 × 12 × 32	,, 495 ,,	18वीं	
,, ,,	,,	5	26 × 11 × 16 × 49	अपूर्ण 123 श्लोक	19वीं	
आध्यात्मिक तात्त्विक	प्रा.स.	77	20 × 11 × 16 × 49	संपूर्ण	1703	
,,	,,	40	26 × 12 × 13 × 35	,, 417 श्लोक	1714	
,,	,,	168	26 × 11 × 13 × 36	,, 443 गाथा	1761 जैसलमेर कान्	संशोधित
,,	सं.	19	25 × 10 × 11 × 34	,, 280 श्लोक	19वीं	
,,	,,	24	32 × 11 × 10 × 33	,, 260 पद	19वीं	
,,	हिन्दी	33	26 × 11 × 19 × 44	संपूर्ण	1713	
,,	,,	22	26 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण गुटका	1758	
,,	,,	गुटका	16 × 15 × 17 × 25	संपूर्ण	1773	प्र 1 में 33 [illegible] आध्यात्मिक
,,	,,	65	31 × 11 × 11 × 36	,,	1815, [illegible] प्रतिलिपि [illegible]	
,,	,,	गुटका	19 × 13 × 13 × 23	,	18[illegible]	
,,	,,	68	32 × 12 × 13 × 36	,,	19वीं	
,,	,,	18	26 × 11 × 9 × 31	अपूर्ण (प[illegible] 2[illegible] पद)	19वीं	
,,	,,	72	22 × 17 × [illegible] 2	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	19	26 × 12 × 26 × 65	,, 727	1919	
,,	भा.	38	31 × 11 × 17 × 46	[illegible]	1[illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
1046	महावीर 2/402	समाधितन्त्र	Samādhı tantra	उ यशोविजय	प
1047-8	ओसिया 2/292, 153	,, दो प्रतिया	,, 2 copıes	,,	,,
1049	कुथुनाथ 14/14	समाधितन्त्र (आत्मबोध आत्म-रक्षिता)	,, (Ātmabodha)	—	,,
1050	कोलडी 1197	,, +बाला	,, +Bālāvabodha	—	मू बा (प ग)
1051	क नाथ 11/94	समाधिशतक+वृत्ति	Samādhı śataka+vṛttı	पूज्यपाद/प प्रभाचद	मू वृ (प ग)
1052	सयामदिर 3 इ 345	सम्यक्त्व-अधिकार	Samyaktva adhıkāra	—	ग
1053	महावीर 2/117	सम्यक्त्वरत्न महोदधि+वृत्ति	Samyaktva Ratna Maho dadhı+Vṛttı	चन्द्रप्रभ/चन्द्रेश्वर तिलकाचाय	मू वृ (प ग)
1054	ओसिया 2/305	सम्यक्त्वविचार+वृत्ति	Samyaktva Vıcāra+Vṛttı	—	मू वृ
1055	क नाथ 11/14	सम्यक्त्वविचार का बाला	,, kā Bālāvabodha	—	ग
1056	ओसिया 3 अ 50	सम्यक्त्व सडसठ बोली सज्भाय	Samyaktva 67 Bolı Sajjhāya	उ यशोविजय	प
1057	महावीर 3 इ 60	,,	,,	,,	,,
1058	क नाथ 19/7	,,	,	,,	,,
1059-62	कालडी 284 से 6 305	,, 4 प्रतिया	,, 4 copıes	,,	,,
1063	कुथुनाथ 3/47	सम्यक्त्वस्तव+बा	Samyaktva stava+Bā'ā	—	मू बा (प ग)
1064	कोलडी 118	सम्यक्त्वस्तव+अ	,, +Avacūrı	—	मू अ (प ग)
1065	महावीर 2/75	सम्यक्त्वस्तव+अ	,, + ,	—	,,
1066	क नाथ गु 26/103	सम्यक्त्वस्तव	Samyaktva stava	—	मू (प)
1067-8	,, 11/74 6/75	,, +बा 2 प्रतिया	,, +Bālā 2copıes	—	मू ब (प ग)
1069	सवामदिर 2/427	सम्यक्त्व स्वरूप	Samyaktva svarupa	—	ग
1070	कोलडी 448	,,	,,	—	,,
1071	के नाथ 10/28	सवज्ञशतक	Sarvajña śataka	धमसागर	मू (प)
1072	मुनिसुव्रत 3 इ 306	सवयाबावनी	Savaıyā bavanı	जसराज	प
1073	कोलडी 98	संग्रहणी+बाला	Saṅgrahanı+Bālā	म हेमचद शिष्य/श्रीचद	मू बा (प ग)
1074	क नाथ 22/62	सग्रहणी	,	श्रीचद	मू (प)
1075	10/58	,,	,	,	.

6	7	8	8 A	9	10	11
आत्मभेद दशानादि	मा.	6	25 × 13 × 12 × 34	सपूर्ण 105 दोहे	1875, सोजत भनीदास	
,,	,,	9*,19*	25 × 11 व 12 × भिन्न	,, 105 दोहे	19/20वी	
योगतात्विक	म.	5	26 × 12 × 13 × 42	,, 104 श्लोक	19वी	
,,	स मा.	50	27 × 13 × 17 × 38	अपूर्ण 49 श्लोक	19वी	
आध्यात्मिक	सं.	29	29 × 13 × 10 × 31	सपूर्ण	19वी	
दार्शनिक	मा	2	25 × 11 × 14 × 50	,,	1904	
,,	प्रा.स	248	27 × 13 × 14 × 36	,, पाच अधिकार ग्रं.8000	19वी, राणपुर, जयसिंह	प्रशस्ति/वृत्तिकार के गुरु शिवप्रभ शास्त्रउद्धरण
,,	,	5	26 × 11 × 10 × 34	,,	18वी	
,,	मा	4	27 × 13 × 16 × 48	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 11 × 50	सपूर्ण 68 गाथा	1753, पाटण अवादत्त	
,,	,,	6	28 × 12 × 11 × 34	,,	19वी × तनजाराम	
,,	,,	7	25 × 10 × 10 × 34	सपूर्ण 68 गा./ग्र 125	19वी	
,,	,,	3,3,5, 26*	26 से 29 × 10 से 12	, 68/70 गा.	19वी	
,,	प्रा.मा	11	22 × 12 × 15 × 48	,, 25 गा.	1730	
,,	प्रा स.	6	26 × 10 × 16 × 42	,, ,,	18वी	पत्र में पुद्गलपरावर्त सार-टूरिया म 11 गा
,,	,,	7*	25 × 11 × 17 × 46	,, 24 गा.	18वी	
,,	प्रा.	1 + 1	25 × 12 × 20 × 56	,, 25 गा	18वी	दो बार लिखा है
,,	प्रा.मा	4,5	26 × 12 व 25 × 11	,, 25 गा. का	19वी	
,,	मा.	3	25 × 10 × 16 × 60	अपूर्ण	17वी	
,,	,,	4	24 × 12 × 12 × 28	सपूर्ण	1882	
,,	प्रा.	8	26 × 11 × 10 × 33	,, 124 गा	19वी	
[illegible]	मा.	3	25 × 10 × [illegible] × 50	,, 56 [illegible]	17[illegible]3	
[illegible]	प्रा मा.	70	27 × 12 × 13 × 40	[illegible]	1[illegible]0	[illegible]
,,	प्रा	16	26 × 11 × 11 × 37	,, 310 गा.	16वी	
,,	,,	14	26 × 11 × 11 × 47	,, 312 गा	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
1076	क नाथ 13/45	सग्रहणी	Saṅgrahanı	श्रीचद्र	मू (प)
1077	मुनिसुव्रत 2/260	,,	,,	,,	मू ट. (प ग)
1078	ओसिया 2/182	,,	,	,,	मू (प)
1079	कुथुनाथ 15/4	,,	,	,,	,,
1080	क नाथ 1/7	, +वत्ति	,, +Vṛtti	श्रीचद्र/देवभद्रसूरि	मू वृ (प ग)
1081	,, 23/40	सग्रहणी	,	श्रीचद्र	मू ट (प ग)
1082	,, 5/53	,,		,,	मू (प)
1083	, 14/7	, +वृत्ति	,, +Vṛtti	श्रीचद्र दवभद्रसूरि	मू वृ (प ग)
1084	,, 11/55	,, +वाला	, +Bālā	,, / ×	मू बा (प ग)
1085	10 18	,, +वाला	+	/ —?	,,
1086	रालडी 1121	, +वाला	,, + ,,	,, / —?	,,
1087	महावीर 2/109	,,		श्रीचद्र	मू (प)
1088	क नाथ 6/27	,,	,	,	,,
1089	23/33	,	,,	,	,,
1090	20/13	,,	,,	,	मू ट (प ग)
1091	ओसिया 2/143		,	,	,,
1092	कोरडी 100	,, +वाला	+Bālā	,	मू बा (प ग)
1093	ओसिया 2/183	,	,		मू (प)
1094	कोरडी 97		,	,,	,,
1095	ओसिया 2/185	,,	,,	,,	,
1096	रालडी 383	,,	,	,,	,,
1097	क नाथ 20/14	,	,	,,	मू ट (प ग)
1098	ओसिया 2/180	,,	,	,,	,,
1099	रालडी 94	,	,	,	मू (प)
1100	कोरडी 96	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
मोहत्वरूप	प्रा.मा	80	28 × 13 × 15 × 52	सपूर्ण 367 गा./ग्रथाग्र 3520 + यंत्रो के 2700	1847, प्रादि-वाणा, जिनविजय	प्रशस्ति है
,,	प्रा.	11	25 × 11 × 12 × 44	त्रुटक	16वीं	
,,	,,	16	24 × 10 × 11 × 40	अपूर्ण	16वीं	
,,	,,	6	26 × 11 × 11 × 40	त्रुटक	1670	
,,	,,	22	26 × 11 × 7 × 24	अपूर्ण (131 से 286 गा.)	17वीं	
,,	प्रा स.	35	25 × 11 × 4 × 48	,, (176 गाथा तक)	17वीं	
,,	प्रा.	8	26 × 12 × 13 × 35	,, (204 से 358 गा.)	1794	
,,	,,	23 13, 16,17, 13,11	25से27 × 11से12	पाच पूर्ण छठी अपूर्ण 97 गा	19/20वीं	पूर्ण प्रतियों की गा 278/323
,,	,,	22	26 × 13 × 13 × 36	सपूर्ण 393 गा.	1938	
,,	,,	12 11 15	23से27 × 11से12	,, 283/378 गा.	19वीं	
,,	,,	16,20,16 16,16	25से27 × 11से13	चार पूर्ण, पाचवी अपूर्ण 222 गा	19/20वीं लिपि 2 जगह	पूर्ण प्रतियों की गा. 317/320
,,	प्रा.मा	51	25 × 11 × 5 × 33	सपूर्ण 313 गा	20वीं	
,,	,,	46,47,8	25से28 × 10से13	प्रथम पूर्ण प्रतिम दो अपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	29	26 × 13 × 11 × 40	सपूर्ण 317 गा.	1887	
,,	प्रा.म	22	26 × 11 × 15 × 43	अपूर्ण गा 206 से 273 तक	19वीं	
,,	प्रा.मा	57,30	25 × 12 × 5/18 × 45	सपूर्ण 393, 370 गा का	19 20वीं	
,,	,,	97,33	26 × 11 × 9/13 × 40	प्रथम सपूर्ण 277, द्वितीय अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	11	25 × 11 × 18 × 50	अपूर्ण 49 गा. [illegible]	19वीं	
,,	म.	22	26 × 11 × 19 × 64	सपूर्ण 276 गा [illegible]	16वीं	[illegible]
,,	मा	8	29 × 11 × —	अपूर्ण [illegible]	17वीं	
[illegible]	,,	3[illegible]	26 × 11 × 23 × 66	सपूर्ण [illegible]	15वीं	
,,	प्रा.	[illegible]	23 × 20 × 21 × 3[illegible]	[illegible]	15[illegible]	
,,	प्रा.मा	2	26 × 11 × 11 × 41	अपूर्ण [illegible]	1[illegible]	
,,	प्रा.स.	1[illegible]	2[illegible] × 11 × 15 × 4[illegible]	[illegible]	1[illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
1101	ग्रासिया 2/184	सग्रहणी+बाला	Sangrahani+Bālā	श्रीचन्द्र/प्रतापविजय (जिनविजय का)	मू बा (प ग)
1102	सवामदिर 2/426	,,	,	श्रीचन्द्र	मू (प)
1103	कोलडी 69/5	,,	,,	,,	,,
1104	क नाथ 14/60	,,	,	,,	,,
1105	, 20/10	,	,,	,,	,
1106	14/141	, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,/ – ?	मू व (प ग)
1107	कुथुनाथ 42/2	,		श्रीचन्द्र	मू प
1108 13	क नाथ 17/66 23/24 6/16 21/82 6-23 15 202	6 प्रतिया	, 6 copies	,,	,,
1114	कुथुनाथ 4/88	,,		,,	,,
1115 17	ग्रासिया 2/181 87 86	,, 3 प्रतिया	, 3 copies	,,	,,
1118 22	कालडी 95 1 3 2 1120	, 5 प्रतिया	5 copies	,,	,,
1123	मुनिसुव्रत 2/319	,		,,	मू ट (प ग)
1124 26	क नाथ 6-30,20 8 13-52	3 प्रतिया	3 copies	,,	,,
1127	कुथुनाथ 4/87		,	,	,,
1128	क नाथ 15/21	, + वृत्ति	, +Vṛtti	, /?	मू वृ (प ग)
1129 30	कालडी 101 99	, +बा 2 प्रतिया	, +Bālā 2copies	/?	मू बा (प ग)
1131 2	क नाथ 10/1- 10/70	+बा 2 प्रतिया	, +Bālā 2copies	/?	,,
1133	1/32	,, +बा	, +Bālā	/शिवनिधान	,,
1134	महावीर 2/77	सग्रहणी की अवचूरि	,, ki Avacūri	—	ग
1135	कालडी 102	सग्रहणी क टब्बे (नोटस)	ke tabbe	—	ग तालिका
1136	क नाथ 14/111	सतोषछत्तीसी	Santosa chattisi	समयसुदर	प
1137	कुथुनाथ 36/1 क 8 A	सबोध-पचाशिका	Sambodha Pancāśika	—	मू (प)
1138	क नाथ 16/20	सबोधसत्तरी	Sambodha sattari	जयशेखर	मू ट (प ग)
1139	, 10/54	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	जयशेखर/अमरकीर्ति	मू वृ (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा	9	25 × 11 × 10 × 32	सम्पूर्ण 78 गा.	16वीं	ग्रंत में 83 गा. 'उपदेशमाला' की
,,	,,	3	25 × 11 × 6 × 31	,, 73 गा.	16वीं	
,,	प्रा.मा	8	26 × 11 × 10 × 37	,, 71 गा.	1667	
,,	,,	8	25 × 11 × 9 × 32	,, 116 गा.	17वीं, चाडा, केशरविजय	
,,	प्रा.	13	26 × 11 × 13 × 39	,, 72 गा	17वीं	
,,	,,	3	31 × 11 × 13 × 43	,, 75 गा	1753 × मुविधिसागर	
,,	प्रा मा	32	26 × 12 × 2 × 43	,, 124 गा.	1775	
,,	प्रा.स.	3	25 × 11 × 9 × 56	,, 72 गा.	1779	
,,	प्रा मा	24	26 × 10 × 4 × 26	,, 126 गा.	1822	
,,	,,	6	30 × 11 × 7 × 40	,, 72 गा	1837 कोसाणा मनोहरविजे	
,,	,,	7	26 × 12 × 7 × 43	,, 75 गा.	1894 नए पोषधशाला	
,,	प्रा स	14	26 × 11 × 16 × 41	,, 76 गा. की	19वीं	[illegible] रत्नशेखर को कर्ता मानते हैं
,,	प्रा मा	9	26 × 11 × 15 × 65	,, 72 गा. की	19वीं	
,,	,,	9	25 × 10 × 5 × 38	,, 76 गा.	19वीं	
,,	प्रा.	6,6,5	23 से 27 व 10 से 12	,, 72,89,85 गा.	19वीं	
,,	प्रा म	17	26 × 11 × 4 × 38	,, 76 गा की	19वीं	
,,	प्रा	4	24 × 11 × 13 × 25	,, 74 गा.	19वीं	
,,	प्रा मा	7	26 × 12 × 5 × 40	,, 72 गा	19वीं	
,,	प्रा.	6	23 × 12 × 14 × 38	,, 124 गा.	1956	
शिथिलाचारी-साधु [illegible]	मा.	4	25 × 11 × 11 × 36	,, 40 गा.	19वीं	
,,	,,	2	26 × 11 × 17 × 54	सम्पूर्ण ढाल 3	20वीं	([illegible])
औपदेशिक	,,	27	26 × 11 × 12 × 32	सम्पूर्ण	19वीं	
[illegible] 47 बोल	,,	1	25 × 11 × —	सम्पूर्ण	19वीं	
[illegible]	,,	1	26 × 11 × 15 × 44	,,	19वीं	([illegible])
[illegible]	,,	1	27 × 12 × 16 × 22	,, 22 गा	17वीं	

1	2	3	3 A	4	5
1167	कोलडी 101	सारबावनी	Sāra Bāvanı	श्रीसार	प
1168	केनाथ 22/59	सार्द्ध शतक+वृत्ति	Sārddha Śataka	जिनवल्लभ/	मू वृ
1169	कोलडी 856	सिद्धचतुर्दशी	Sıddha Caturdaśı	—	प
1170	ओसिया 3 इ 226	सिद्धपंचाशिका	Sıddha Pancāśikā	देवेन्द्रसूरि	मू (प)
1171	महावीर 2/58	,, सावचूरि	,, Sārcūrı	देवेन्द्रसूरि (स्वोपज्ञ)	मू अ (प ग)
1172	केनाथ 10/2	,,	,,	देवेन्द्रसूरि	मू ट (प ग)
1173	महावीर 2/62	,,	,,		मू (प)
1174	,, 59	,, +बाला	+Bālā	देवेन्द्रसूरि/—	मू बा (ग प)
1175	केनाथ 19/20	सिद्धान्त-प्रतिबोध	Sıddhānta Pratıbodha	मरुदास	ग
1176	कोलडी 809	,, बोल	,, Bola	—	,,
1177	ओसिया 2/313	,, सार	,, Sara	मनलाल	मू ट (प ग)
1178	,, 2/213	,, ,,	,,	,,	प ग
1179	कोलडी 807	,, सारोद्धार	Sāroddhāra	मग्नमुही	ग
1180	ओसिया 2/218	,, ,,	,,		,,
1181	महावीर 2/51	सिद्धान्तोद्धार हुंडि	Sıddhāntoddhāra Hundı	सकमल	,,
1182	केनाथ 11/43	सिंदूरप्रकर (सूक्तमुक्तावली) +वृत्ति	Sındūra Prakara+Vṛttı	सोमप्रभ/—	मू वृ (प ग)
1183	कुंथुनाथ 14/13	सिंदूरप्रकर	,,	सोमप्रभ	मू (प)
1184	केनाथ 23/1	,,	,,	,,	,,
1185	6/91	,,		,,	,,
1186	21/15	,, वृत्ति	+Vṛttı	,, /हर्षकीर्ति	मू वृ (प ग)
1187	15/118	,,		,,	मू (प)
1188	कुंथुनाथ 43/6	,, +वृत्ति	+Vṛttı	,, /हर्षकीर्ति	मू वृ (प ग)
1189	केनाथ 5/70	,, +बा	,, +Bālā	,,	मू बा (प ग)
1190	,, 6/26	,, +बा	,, +Bālā	,, /राजशील	,,
1191	ओसिया 2/219	,,	,,	,,	मू (प)

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	मा.	6	28 × 11 × 13 × 50	संपूर्ण 56 पद	1839	
कठिन प्रश्नों का शास्त्रीय निराकरण	प्रा.सं.	112	25 × 11 × 15 × 45	,, 152 गाथायें	1467	
तात्त्विक	मा.	2	32 × 12 × 15 × 40	,, 13 छंद	19वीं	
दार्शनिक	प्रा.	2*	26 × 11 × 19 × 56	,, 50 गा.	1505	
,,	प्रा.सं.	6	26 × 11 × 17 × 55	,, ,, की	16वीं	
,,	प्रा.मा.	17	27 × 12 × 3 × 32	,, 50 गा.	19वीं	
,,	प्रा.	4	26 × 11 × 13 × 40	,, 50 ,,	19वीं	
,,	प्रा.मा	12	27 × 12 × 15 × 39	,, ,,	19वीं	
तात्त्विक बोल संग्रह	मा.	43	22 × 10 × 13 × 29	प्रतिपूर्ण	1877	
आगम उद्धरण (मंडनार्थ)	,,	17	30 × 11 × 21 × 46	,,	19वीं	
,, (,,)	प्रा मा.	48	27 × 12 × 3 × 25	,,	18वीं	
,, (,,)	प्रा	13	26 × 12 × 16 × 42	,,	1803	
शास्त्र सारांश	मा.	43	30 × 11 × 17 × 48	,,	1803, जूणपुर मनरूप	
,,	,,	34	28 × 13 × 15 × 42	,,	1911	
आगम उद्धरण	प्रा.मा.	49	26 × 12 × 15 × 40	संपूर्ण	17वीं	
औपदेशिक सुभाषित	सं.	13	26 × 11 × 5 × 56	संपूर्ण 99 श्लोक की व 215	1665	
,,	,,	5	26 × 11 × 16 × 54	संपूर्ण 99 श्लोक	1692	
,,	,,	18	24 × 11 × 10 × 29	,, 104 ,,	1691	
,,	,,	9	25 × 11 × 11 × 42	,, 98 ,,	17वीं	
,,	,,	27	26 × 11 × 15 × 45	,, 100 श्लोक	1701	
,,	,,	10	26 × 11 × 9 × 40	,, 97 श्लोक	1706	16 [illegible]
,,	,,	19	26 × 12 × 13 × 40	[illegible]	1731	
,,	[illegible]	27	[illegible] × 11 × 13 × 30	संपूर्ण 97 श्लोक	[illegible]	
,,	,,	[illegible]	[illegible] × 11 × 17 × 56	,, 99 ,,	[illegible]	
,,	[illegible]	[illegible]	[illegible] × 10 × 13 × 40	,, 100 ,,	[illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
1192	कालडी 1236	सिंदूरप्रकर	Sindūra Prakara	सोमप्रभ	मू ट (प ग)
1193	के नाथ 22/64	"	"	"	"
1194	मुनिसुव्रत 2/265	,	"	"	मू (प)
1195	कं नाथ 21/53	" +वृत्ति	, +Vṛtti	"/हृषकीर्त्ति	मू वृ (प ग)
1196	, 21/54	"	"	"	मू (प)
1197	महावीर 2/21	" +बा	, +Bāla	"	मू बा (प ग)
1198	कोलडी 125	" +बा	, +Bāla	"/रत्नशील	"
1199	कं नाथ 23/5	,	"	"	मू (प)
1200	कोलडी 127	,	"	"	मू ट (प ग)
1201 8	कं नाथ 10/30 21/22,21/46, 22/58,23/18 24 22 27 51 6/120	" 8 प्रतियां	, 8 copies	"	मू (प)
1209 10	महावीर 2 133 131	" 2 प्रतियां	" 2 copies	"	"
1211 14	ग्रोसिया 2/154 5-6,220	" 4 प्रतियां	, 4 copies	,	"
1215 17	कुंथुनाथ 4/93, 37/4 41/4	" 3 प्रतियां	" 3 copies	"	"
1218 23	कालडी 119 से 23 1186	" 6 प्रतियां	6 copies	"	"
1224	मेघामंदिर 2/372	,	,	"	मू ट
1225	ग्रोसिया 2 ग्र 411	,	,	"	"
1226	कुंथुनाथ 33/2	"		"	"
1227 29	के नाथ 14-18 21 2,20 10	" 3 प्रतियां	, 3 copies	"	"
1230	कं नाथ 13/44	" +वृत्ति	" +Vṛtti	"/हृषकीर्त्ति	मू वृ (प ग)
1231-32	कोलडी 124 1349	, +वृत्ति 2 प्रतियां	" +Vṛtti 2 copies	" "	"

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक सुभाषित	स.भा.	18	24 × 11 × 6 × 46	सम्पूर्ण 98 श्लोक	1778	
,,	,,	11	27 × 12 × 8 × 42	,, 99 ,,	18वीं	
,,	स.	7	27 × 11 × 13 × 40	,, 97 ,,	18वीं	
,,	,,	21	26 × 11 × 14 × 42	,, 100 श्लोक	1811	
,,	,,	8	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	1813	
,,	स.भा.	125	26 × 12 × 10 × 39	,, 102 श्लोक कथासह	1840 राजनगर	
,,	,,	53	27 × 11 × 16 × 44	,, 100 ,,	1847	
,,	स.	7	26 × 11 × 13 × 47	,, 100 ,,	1847	
,,	स भा	22	26 × 11 × 5 × 32	,, 100 ,,	1850	
,,	सं.	16 16, 9,9,10 20,8 13	22 से 28 × 9 से 13	सात पूर्ण आठवीं, अपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	9,7	27 × 11 व 14 × भिन्न	सम्पूर्ण 99, 100	19वीं	
,,	,,	6,8,9, 6	25 × 12 व 26 × 11	,, 100 से 103	19वीं	
,,	,,	26,9,10	25 से 27 × 11 से 14	,, 100 श्लोक	19/20वीं	
,,	,,	17,11, 11,12 8,2	23 से 27 × 10 से 13	पांच सम्पूर्ण, अन्तिम अपूर्ण	19वीं	
,,	सं भा.	15	24 × 13 × 6 × 42	सम्पूर्ण 97 श्लोक	1877, [illegible]	
,,	,,	22	26 × 13 × 4 × 40	,, 101 ,,	1956, [illegible]	
,,	,,	12	25 × 13 × 10 × 45	,, 100 ,,	1941	
,,	,,	11,17, 21	25 × 11 × भिन्न 2	प्रथम 2 सम्पूर्ण अंतिम अपूर्ण	19वीं	
,,	[illegible]	7	27 × 12 × 15 × [illegible]	[illegible]	19वीं	
,,	,,	[illegible]	26 × 11 × 15 11 × [illegible]	[illegible]	[illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
1233	कोलडी 126	सिंदूरप्रकर+अवचूरि	Sindura Prakara+Avacūri	सोमप्रभ —	मू प्र (प ग)
1234	„ 135	„ +पद्यानुवाद	„ +	„ /बनारसीदास	मू पद्यअनुवाद(
1235	आमिया 2/221	सिंदूरप्रकर भाषांतर	Sindūra Prakara Bhāṣā	बनारसीदास	पद्य
1236	कुंथुनाथ 11/201	„	„	„	„
1237	सवामंदिर 2/428	„		„	„
1238	क नाथ 19/95	सिंधुचतुर्दशी आदि	Sindbuchaturda'ı etc	धपाल	„
1239	मुनिसुव्रत 2/272	सुकृतमुक्तावली	Sukṛtamuktāvalī	उदयन	मू ट (प ग)
1240-42	महावीर 2/397-8 401	सूक्तावली 3 प्रतियां	Sūktāvalı 3 copies	„	पद्य
1243	क नाथ 17/22	सुख दुःख पद्यसंग्रह	Sukha Duhka Padyasangraha		प
1244	आमिया 2/302	सुपद्धतिलता	Supaddhatı Latā	वाग्हिरनदि (समयसुंदर का शिष्य)	ग
1245	महावीर 2/400	सुभाषितकोश	Subhāsita Kosa	मकरन	प
1246	कुंथुनाथ 20/23	सुभाषित रत्नसार	Subhāsita Ratnasāra	सकलनरत्ता मयचंद मुनि	„
1247	मुनिसुव्रत 3 द 303	सुभाषित श्लोकसंग्रह	Subhāṣita Śloka Saṅgraha	मकरन	मू ट
1248-49	क नाथ 6/12 19/72	„ 2 प्रतियां	2 copies	„	पद्य
1250-51	कालडी 134 1148	सुभाषित-संग्रह 2 प्रतियां	Subhāsita Sangraha	„	पद्य-गद्य
1252	सवामंदिर गुटका 68	सुमति-बत्तीसी	Sumatı Battısı	रामगणि	प
1253	मुनिसुव्रत 2/317	सूक्तमाला	Sūktamala	केशरविमल	„
1254	कोलडी 136	„		„	„
1255	क नाथ 5/33	„	„	„	„
1256	महावीर 2/399	„		„	„
1257	सवामन्दिर 2/367	„		„	„
1258	आमिया 2/239	„	„	„	„
1259	क नाथ 11/93	„	„	„	„
1260	कालडी 137-8 1190A	„ 3 प्रतियां	„ 3 copies	„	„

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक सुभाषित	स.	13	30 × 11 × 14 × 45	लगभग पूर्ण अंतिम पत्र कम	19वी	
,,	स हि	17	24 × 9 × 14 × 60	सपूर्ण 100 श्लोक का	19वी	
,,	हि	8	24 × 11 × 15 × 48	,, 101 छंद	1861	
,,	,,	गुटका	22 × 17—	,, 100	19वी	
,,	,,	6	23 × 13 × 11 × 39	त्रुटक	19वी	
ध्यान योग विषयक	मा.	10*	26 × 12 × 15 × 42	सपूर्ण 14 गा.	19वी	साथ मे ग्रन्थ स्तवनादि भी है
धार्मिक सुभाषित	प्रा.स मा	9	23 × 12 × 5 × 38	सपूर्ण 63 श्लोक	19वी नागोर	
,,	प्रा स	13,3, 15	26 × 12 × 13 × 36	प्रतिपूर्ण 161,53,243 श्लोक	20वी	
औपदेशिक सुभाषित	मा.	9	31 × 15 × 12 × 40	सपूर्ण 187 दोहे	19वी	
सिद्धान्त उपदेश दृष्टान्त	स	181	25 × 11 × 12 × 41	,, ग्रं 6001	20वी	प्रशस्ति है
जैन सुभाषित	प्रा स	65	26 × 11 × 17 × 58	,, 2806 श्लोक	16वी	
औपदेशिक	,,	73	25 × 11 × 18 × 66	,, 2170 श्लोक	1767	81 श्लोक ज्यादा है
,, (जैन)	स मा.	6	24 × 10 × 7 × 34	,, 68 श्लोक	19वी	
,,	प्रा स.मा	13,9	26 × 11x25 × 12	प्रथम अपूर्ण, द्वितीय पूर्ण	19वी	
,,	,,	4,6	27 × 10x25 × 11	,, ,,	19वी	
12 भावना उपदेश	मा.	4	14 × 11 × 12 × 20	सपूर्ण 36 पद	1841	
[illegible]	,,	8	25 × 11 × 16 × 40	,, 187 गा [illegible] पुरुषार्थ	1805	1754 की कृति
,,	,,	9	23 × 10 × 15 × 48	संपूर्ण	1812	
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 38	,,	1832	
,,	,,	8	25 × 12 × 15 × 46	,, 177 गा.	19वी	
,,	,,	9	25 × 12 × 16 × 40	,, 196 गा.	1860	
,,	,,	13	27 × 14 × 15 × 43	,,	20वी	
,,	,,	10	25 × 11 × 15 × 30	,,	[illegible]	
,,	,,	[illegible],13,1[illegible]	25 × 21 [illegible] 11 × 13	[illegible]	[illegible]	

6	7	8	8 A	9	10	11
चार पुरुषार्थ उपदेश	मा.	19,9	25 × 11 × 11/14 × 30/45	दोनों प्रतियें अपूर्ण	19वीं	
तात्त्विक	प्रा.	1	27 × 11 × 13 × 48	सम्पूर्ण 26 गा.	17वीं	
दार्शनिक	मा	5	16 × 14 × 11 × 18	,, 3 ढालें	19वीं	
औपदेशिक	,,	9*	25 × 11 × 15 × 31	,, 105 दोहे	19वीं	यशोविजयजी द्वारा सम्पादित
तात्त्विक	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 26 श्लोक	1544	
औपदेशिक सज्झायें	मा.	5	26 × 11 × 15 × 47	,, 8 सज्झायें + कलश	18वीं	
आलोचन करणों पद	,,	2	14 × 11 × 13 × 20	,, 3 गीत	1841	
औपदेशिक	सं.	15,9	29 × 14 व 27 × 12	,, 35 उपक्रम	19वीं	
तात्त्विक औपदेशिकादि	प्रा स.मा.	कुल 11 पत्र	24 से 30 × 10 से 15	पूर्ण/अपूर्ण	17/20वीं	1-1 पत्रों के 8 ग्रंथ व 1 ग्रंथ 3 पत्रों का
,,	,,	,,241,,	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वीं	बस्ता 80
,,	,,	,,135	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वीं	
,,	,,	,,200	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वीं	
,,	,,	,337	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वीं	
,,	,,	,,653	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वीं	
,,	,,	,,232	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वीं	

1	2	3	3 A	4	5
1	के नाथ 22/21	अपशब्द-खण्डन	Apa Śabda Khandana	मानसवन	ग
2	, 16/46	आध्यात्मिक मतपरीक्षा	Ādhyātmika Mata Parıksā	उ यशोविजय	,,
3	,, 16/46	जिनस्तोत्राणि	Jına Stotrāṇı	,,	प
4	महावीर 6 आ 8	देवधम परीक्षा	Deva Dharma Parıksā	,,	ग
5	के नाथ 15/116	द्रव्यपदाथ (किरणावल्या)	Dravya Padārtha (Kıranā valyām)	उदयन आचाय	,,
6	महावीर 6 आ 10	द्रव्यानुयोग तकणा	Dravyānuyoga Tarkaṇā	भोजसागर	,,
7	,, 6 आ 21	नयचक्र	Nayacakra	देवसेन	,,
8	के नाथ 4/27	,	,	—	,,
9	सेवामदिर 3 इ 345	नयनिक्षेप वीरस्तवन	Nayanıksepa Vıra Stavana	रामविजय	प
10	महावीर 6 आ 13	नयप्रदीप	Nayapradıpa	विजयसिंह शिष्य	ग प
11	के नाथ 11/110	,,	,	—	ग
12	, 16/46	नयरहस्य	Naya Rahasya	उ यशोविजय	,,
13	सेवामदिर 6 आ 32	नयस्वरूप	Naya Svarūpa	—	,,
14	के नाथ 16/46	नयोपदेश	Nayopadeśa	उ यशोविजय	,,
15	, 26/104	निमित्त उपादान कारण	Nımıtta Upādāna Karana	—	,,
16	, 26/68	न्याय ग्रन्थ (?)	Nyāya Grantha (?)	—	,,
17	, 29/27	,, की वृत्ति (?)	,, kı Vṛttı (?)	—	,
18	महावीर 6 आ 6	न्यायप्रवेश	Nyāya Praveśa	हरिभद्र	मू गद्य म
19	के नाथ 10/95	न्यायसार सटीक	Nyāyasāra+Tıkā	जिनसमुद्र/श्रीमद् रत्नपुरि भट्टारक ?	मू +टी (ग)
20	महावीर 6 आ 15	न्यायसार की टीका	,, kı Tıkā	/जयसिंहसूरि	ग
21	के नाथ 29/8	,,	, ,	/ ,,	,
22	महावीर 6 आ 12	न्यायार्थ मजूषा	Nyāyārtha Manjūsā	हंमहसगणि स्वोपज्ञ	वृ ग
23	6 आ 19	,,	,	,,	,,
24	के नाथ 5/56	परसमय-विचार	Parasamaya Vıcāra	—	ग
25	,, 14/93	पचनयविचार-स्तवन	Pañca Naya Vıcāra	कीर्त्तिविजयवाचक शिष्य	प

6	7	8	8 A	9	10	11
न्याय ग्रंथ	सं.	2	26 × 11 × 17 × 57	संपूर्ण	19वीं	
खंडन युक्ति	,,	46*	26 × 13 × 16 × 44	,,	19वीं	
न्याय शैली भक्तिगीत	,,	46*	26 × 13 × 16 × 44	,, 4 स्तोत्र	19वीं	
खंडन मंडन स्वपर समय	,,	9	27 × 13 × 15 × 53	संपूर्ण	19वीं	
न्याय ग्रन्थ	,,	48	26 × 11 × 13 × 43	,, ग्रंथाग्र 2000	19वीं	किरणावली में से; पन्ने 10 व 11 क्रम मूल ग्रंथ की टीका/प्रशस्ति है
,,	,,	72	26 × 12 × 14 × 42	,, 15 अध्याय	18वीं	
,,	,,	20	21 × 11 × 7 × 20	,,	19वीं	
,,	,,	22	29 × 14 × 11 × 28	,,	19वीं	
जैन-न्यायानुसार	भा.	2	27 × 12 × 16 × 56	,, 33 गाथा	19वीं	
,,	सं.	12	25 × 12 × 14 × 42	संपूर्ण	18वीं	
,,	,,	34	30 × 15 × 7 × 23	,,	19वीं	
,,	,,	46*	26 × 13 × 16 × 44	,,	19वीं	
,,	भा.	4	25 × 11 × 18 × 57	,,	18वीं	
,,	सं.	46*	26 × 13 × 16 × 41	,,	19वीं	
,,	भा.	4	26 × 11 × 13 × 37	,,	19वीं	
न्याय पत्र	सं.	6	26 × 11 × 13 × 42	संपूर्ण (पन्ने 4 से 9) [illegible]	19वीं	[illegible]
[illegible]	,,	6	26 × 11 × 15 × 64	,, (पन्ने 10 से 15) [illegible]	17वीं	
[illegible]	,,	26	29 × 13 × 10 × 39	संपूर्ण	18वीं	
[illegible]	,,	7	27 × 11 × 17 × 60	,,	19वीं	
,,	,,	50	23 × 12 × 16 × 63	,,	15वीं	[illegible]
,,	,,	1	24 × 10 × 17 × 72	[illegible]	16वीं	[illegible]
[illegible]	,,	43	26 × 12 × 13 × [illegible]	[illegible] 1460	17वीं	[illegible]
,,	,,	15	26 × 11 × 17 × 61	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	,,	4	26 × 11 × 17 × [illegible]	[illegible] 200	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	2	[illegible]	[illegible]	[illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
26	के नाथ 16/46	पातञ्जलयोग दर्शन टीका	Pātanjala yoga Tīkā	उ यशोविजय	ग
27	" 2/18	प्रमाणनयतत्वालोकालंकार	Pramāṇanaya Tatvālokālankāra	देवाचार्य	मू प
28	" 14/39	प्रमाणनयतत्वलोकालंकार सटीक	Pramāṇanaya Tatvālokālaṅkara	वादिदेवसूरि/रत्नप्रभाचार्य	मू + वृ
29	" 11/3	"	"	" "	"
30	महावीर 6 अ 23	"	"	" "	"
31	ओसिया 6 अ 31	"	"	" "	"
32	महावीर 6 अ 16	"	"	" "	"
33	के नाथ 26/99	प्रमाणशास्त्र (?)	Pramāṇa Śastra	—	ग
34	" 21/27	प्रमाणसुन्दर	" Sundara	पद्मसुंदर (पद्ममेरु का शिष्य)	"
35	" 7/48	वर्द्धमान इन्दु	Vardhamana Indu	बलभद्र	"
36	महावीर 6 अ 5	विप्रवक्त्रमुद्गर	Vipravaktra Mudgara	—	ग प
37	" 6 अ 1 2	सन्मति तर्क सवृत्ति	Sanmati Tarka+Tīkā	सिद्धसेन/प्रद्युम्नदेव (प्रद्युम्नसूरि शिष्य)	मू + वृ (प ग)
38	" 6 अ 12	सप्तनय विवरण रास बाला स	Saptanaya Vivaraṇa Rāsa +Bā ā	मानविजय	मू + बा (प ग)
39	" 16/46	सप्तभंगी नयप्रदीप	Saptabhangi Naya Pradipa	उ यशोविजय	ग
40	के नाथ 16/45	स्याद्वादमंजरी	Syādvāda mañjari	हेमचन्द्राचार्य	मू प
41	महावीर 6 अ 9	" सटीक	" +Tika	"	मू + वृ
42	" 6 अ 3	स्याद्वाद पुष्पकलिका	Puspakalika	वाचक संयम	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
स्याद्वादमतानुसार	ग.	46*	26 × 13 × 16 × 44	संपूर्ण	19वीं	
न्याय ग्रन्थ	"	7	30 × 14 × 16 × 53	" 8 परिच्छेद	19वीं	
जैन न्याय	"	72	26 × 11 × 19 × 59	लगभग संपूर्ण (किञ्चित् कम) आठवां परिच्छेद	16वीं	रत्नाकरावतारिका नाम्नी लघु टीका
"	"	167	28 × 17 × 16 × 41	संपूर्ण 8 परिच्छेद ग्र.5000	19वीं	"
"	"	88	30 × 14 × 15 × 61	" "	1943 × अमरदत्त	"
"	"	152	27 × 11 × 13 × 42	" "	1967 जोधपुर वीरचंद	"
"	"	34	24 × 12 × 24 × 72	अपूर्ण 6ठे परिच्छेद तक	17वीं	"
न्याय शास्त्र	"	10	26 × 11 × 13 × 44	गुटका	17वीं	नहीं नाम का पता नहीं
"	"	18	25 × 11 × 15 × 50	संपूर्ण ग. 825	1725 × शांतिविजय	पहिला पत्र कम
"	"	65	26 × 11 × 15 × 60	" ग्रंथाग्र 3436	1666	
आगम निर्णय	"	4	30 × 14 × 15 × 46	संपूर्ण	18वीं	
जैन न्याय ग्रन्थ	"	578	28 × 13 × 16 × 48	" ग्र 25000	1964	
"	मा	15	27 × 12 × 11 × 42	" 90 पद	18वीं × कर्मचन्द्र सागर	
"	ग.	46*	26 × 13 × 16 × 64	संपूर्ण	19वीं	
"	"	5	21 × 11 × 11 × 32	" 24 श्लोक	19वीं	
"	"	101	27 × 13 × 12 × 41	" 32 श्लोकों की	17वीं	
"	"	16	30 × 14 × 9 × 40	" 272 श्लोक	1946	

1	2	3	3 A	4	5
1	महावीर 3 अा 126	अक्षयतृतीया कथादि	Aksaya Trtiya Kathā etc	—	ग
2	" 3 अा 2	अक्षयतृतीया व्याख्यान	Aksaya Trtiyā Vyākhyāna	—/क्षमाकल्याण	मू टृ
3	सवामदिर 3 अा 173	"		—	ग
4	प्रासिया 3 अा 168	,	,	—	"
5	केनाथ 18/59	,	,	—/क्षमाकल्याण	"
6 7	कोलडी 180,945	" 2 प्रतिया	" 2 copies	"	"
8	" 945	,		—	"
9	प्रोसिया 3 अा 137	"	,	—	"
10	कुंथुनाथ 32/4		"	—	"
11 2	महावीर 3 अा 114 3 इ 29	अक्षयनिधितपविधि 2 प्रतिया	Aksaya Nidhi Tapa Vidhi 2 copies	पदमविजय	प ग
13	3 इ 167	अधिवासना-विधि	Adhivāsanā Vidhi	जल्लभसूरि	प
14	कुंथुनाथ 45/6	अष्टोत्तरीस्नात्र व प्रतिष्ठा विधि	Astottari Snātra & Pratistha Vidhi	—	ग
15 7	कोलडी 403 4-6	, 3 प्रतिया	" 3 copies	—	प
18	केनाथ 6/89	असज्झायविचार	Asajjhāya Vicāra	—	ग
19	, 11/108	आचारदिनकर	Ācāradinkara	वद्ध मानसूरि	प
20	कोलडी 766	"		,	"
21	महावीर 3 अा 23	,		,	,
22 3	3 अा 100 102	आलोचना 2 प्रतिया	Ālocanā 2 copies	—	ग
24	3 अा 103	आलोचना तप	Tapa	—	,
25	केनाथ 19/127	आलोचना दान	Dāna	मुनिरत्नाचार्य	प ग
26	महावीर 3 अा 101	आलोचना विचार	Vicāra	—	ग
27	कोलडी 373	,		—	"
28 9	, 374 372	, 2 प्रतिया	2 copips	—	"
30 1	महावीर 3 अा 97 98	" 2 प्रतिया	, ,	—	"
32	कुंथुनाथ 24/4	आलोचना विधि	Vidhi	—	"

6	7	8	8 A	9	10	11
[illegible]	म.	25	25 × 12 × 14 × 35	संपूर्ण चार गाथा	1875	
[illegible]-व्याख्यान	प्रा म.	2	25 × 12 × 17 × 48	,,	19वी	
,,	म	30	26 × 11 × 15 × 45	,,	1859	
,,	,,	4	25 × 11 × 20 × 41	,,	19वी	साथ मे चौथी पूनम व्याख्यान जीवराज
[illegible]	,,	2	27 × 11 × 16 × 36	,,	19वी	
,,	,,	3,3	25 × 10/12 × 11 × 44	,,	19वी	
,,	मा.	3	26 × 11 × 17 × 35	,,	19वी	
,,	,,	4	24 × 11 × 15 × 38	,,	1940 बीकानेर [illegible]	
,,	म	4	24 × 12 × 12 × 28	,,	1944	
[illegible] विधि	मा	5,6	28 × 13 × 16/13 × 41	,, [illegible] 188 ([illegible])	20वी	
[illegible]	म.	3	20 × 10 × 11 × 35	संपूर्ण 38 श्लोक	18वी	
[illegible] विधि	मा.	1	[illegible] 19 [illegible]	संपूर्ण [illegible]	1946	
[illegible]	,,	2,2 3	25 से 29 × 12 से 13	संपूर्ण	19वी	
[illegible]	,	3	26 × 11 × 11 × 39	,,	19वी	
[illegible]	म	281	30 × 12 × 15 × 47	,, 14000 ग्र.	1894	
,,	,,	123	26 × 13 × 11 × 37	संपूर्ण-प्रतिष्ठा विधि [illegible]	19वी	
,,	,,	3[illegible]9	25 × 13 × 15 × 38	संपूर्ण 41 [illegible] ग्र. 14065	20वी	[illegible]
[illegible]	मा.	2,3	21 × 11 × 27 × 12	संपूर्ण	20वी ([illegible])	
[illegible]	,,	[illegible]	24 × 12 × 12 × 33	[illegible]	20वी [illegible]	
[illegible]	[illegible]	8	26 × 10 × 15 × 44	संपूर्ण 40 [illegible]	19वी	
[illegible]	[illegible]	6	28 × 10 × 16 × 46	,, [illegible]	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
33	क नाथ 23/16	आलोचना विधि	Ālocanā Vidhi	क्षमाकल्याण	ग
34	, 23/7	,,	,,	—	,
35	कोलडी 371	,,	,,	—	,,
36 8	महावीर 3 आ 96 99 166	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
39	कुथुनाथ 16/13	,,	,,	—	,,
40	,, 55/20	आवश्यक-पचाशिका	Āvaśyaka Pañcāśikā	—	प
41	ओसिया 2/152	आवश्यक विधि	Āvasyaka Vidhi	जिनवल्लभ	मू (प)
42	महावीर 3 आ 117	इन्द्रियजय आदि तप	Indriyajaya Ādi Tapa	—	ग
43	,, 7 अ 79	उत्कालिककालिकदीप	Utkālikakālika Tipa	—	,,
44	के नाथ 23/70	उपकरणानि	Upakaraṇāni	—	मू ट
45	मिवामदिर 3 आ 172	उपधान आदि विधिया	Upadhāna Ādi Vidhiyān	—	प ग
46	महावीर 3 आ 82	,,	,	—	ग
47	कोलडी 399	,,	,	—	,,
48 9	महावीर 3 आ 59, 91	,, 2 प्रतिया	, 2 copies	—	,,
50	,, 3 आ 94	उपधान आलोचनाविधि	Upadhāna Ālocanā Vidhi	—	,,
51	,, 3 आ 86	उपधान क्रिया	Kriyā	—	,,
52	,, 3 आ 85	उपधान नित्य कर्त्तव्य व तपाविधि आदि	, Nitya Kartavya etc	समयसुदर	गद्य
53	कालडी 400	उपधान-विधि	,, Vidhi	—	ग
54 6	महावीर 3 आ 89 84 83	,, 3 प्रतिया	3 copies	—	,
57	3 आ 92	उपधान सम्बधी प्रावधान	, Sambandhi Pravadhāna	—	,,
58 9	के नाथ 11/115 23/94	उपधान स्तवन 2 प्रतिया	Upadhāna Stavana 2 copies	समयसुदर	प
60	, 26/40	,,	,,	कीतिविजय	,,
61	ओसिया 3 द 190	,,	,,	,,	,
62	महावीर 3 ई 27	,	,,	विनयविजय	,,
63	कोलडी 204	कार्त्तिक पूर्णिमा व्याख्यान	Kārtikapūrnimā Vyākhyāna	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रतिचार दंड विधान	मा.	11	25 × 13 × 13 × 37	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	3	27 × 13 × 15 × 41	,, ग्रंथाग्र 94	19वीं	
,,	,,	5	26 × 13 × 10 × 38	संपूर्ण सूतकविचारसह	19वीं	
श्रावक अतिचारदंड विधि	,,	4,4,2	25 से 27 × 12 से 13	तीनों प्रतियां पूर्ण	20वीं अजमेर, अजीमगंज में	
,, ,,	,,	2	24 × 13 × 17 × 44	संपूर्ण	1945	
नित्य कर्मविधिविधान	,,	3*	26 × 11 × 15 × 52	,, 50 गाथा	17वीं	
,,	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 40 गाथा	16वीं	
तप विधियां	मा.	4	27 × 12 × 13 × 48	संपूर्ण	19वीं	
स्वाध्याय कालनियम	,	2	26 × 10 × —	,,	18वीं	
साधुपरिग्रह मर्यादादि	प्रा मा	2	26 × 12 × 5 × 29	,,	19वीं	
धार्मिक क्रिया विधियां	प्रा.सं.मा	34	27 × 13 × 13 × 38	प्रतिपूर्ण	18वीं	
,,	मा	12	24 × 13 × 21 × 38	,,	1829, वासा भीमसागर	
,,	,,	8	27 × 11 × 15 × 62	,,	1872	
,,	,,	23,22	27 × 12 × 12 × 39	,,	20वीं	
उपधान [illegible]	,,	4	25 × 11 × 18 × 49	लगभग पूर्ण (पहिला पत्र कम)	1802 राजपुर	
,, [illegible]	,,	8	25 × 12 × 14 × 36	,,	20वीं × नरेन्द्रसागर	
,, ,,	सं+मा	3	26 × 11 × 20 × 48	संपूर्ण	18वीं	
,, क्रिया विधि	मा.	3	27 × 10 × 19 × 65	,,	19वीं	
,, ,,	,,	2,6,7	23 से 28 × 11 से 13	,, विस्तार सहित	19/20वीं	
[illegible]	,,	2	26 × 12 × 12 × 41	प्रतिपूर्ण	20वीं	
[illegible]	,	1,2	24 × 11 × 17/13 × 38	पूर्ण 17/18 गा.	19वीं	
,,	,,	2	25 × 12 × 13 × 47	,, 26 गा.	19वीं	
,,	,,	2	[illegible] × 11 × 12 × [illegible]	संपूर्ण 27 गा.	19वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 30	,, 26 गा.	20वीं	
[illegible]	,,	5	24 × 13 × 12 × 30	,,	[illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
64 8	महावीर 3 म्रा 55 से 57, 74, 61	कालग्रहणादि योग विधि 5 प्रतिया	Kālagrahanādı Yogavıdhı 5 copies	—	प
69	महावीर 3 म्रा 25	खरतर समाचारी व तिथिपइन्नो	Kharatara Samācārı & Tıthı Paınno	अभयदेवसूरि	गद्य
70	सवामदिर 3 म्रा 142	गच्छ-समाचारी	Gaccha samācārı	—	पद्य
71	के नाथ 23/82	गणेशचतुर्थीकथा	Gaņeśa Caturthı Kathā	कल्याणवद्ध न	ग
72	महावीर 3 म्रा 17	गुणन की टीप	Gunane kı-Tıpa	—	यन्त्र तालिका
73	के नाथ 21/24	चतुपर्वी-कथानकम्	Catuparvı Kathānakam	—	ग
74	सवामदिर 3 म्रा 174	चातुर्मासिक-व्याख्यान	Caturmāsıka Vyākhyāna	—	मू व्याख्या
75	ग्रामिरा 3 म्रा 152	,	,	समयसुंदर	ग
76	,, 3 म्रा 151	,,	,,	,,	,,
77	कोलडी 185	,,	,,	—	,
78	,, 367	,	,,	—	,,
79	,, 181	,,	,	पाठक धममदिर	,,
80	सवामदिर 3 म्रा 173	,,	,,	—	,,
81-2	के नाथ 5/36 24/53	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies		,,
83 6	कुथुनाथ 10/170 32/1, 29/15 42/42	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies		,,
87	कोलडी 187	,,	,		,,
88	महावीर 3 म्रा 3	,,	,,		मू +व्याख्या
89 92	ग्रोसिया 3 म्रा 27 3 म्रा 150, 149 148	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies		ग
93 4	के नाथ 21/4-76	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies		,,
95 101	कोलडी 182-3-4 6, 1090-1 1126	,, 7 प्रतिया	,, 7 copies		,,

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु धार्मिक व प्रतिम क्रिया	मा.	2,2,4, 7,6	25 से 28 × 12 से 13	सम्पूर्ण	20वीं	
दैनिक चर्या के विधि विधान	प्रा.सं.	36	28 × 13 × 15 × 47	,, ग्र. 1500	1967, नागौर, नरोत्तम	
साधु जीवनचर्या नियम	प्र.	2	31 × 10 × 30 × 17	,, 70 गाथा	17वीं	
पर्व कथा	मा.	5	25 × 11 × 15 × 47	संपूर्ण	1912	
धार्मिक क्रिया पाठपद	प्रा स.मा	18	27 × 12 × —	,, ग्र. 785	19वीं	
पर्व कथा	ग.	10	26 × 11 × 17 × 51	सम्पूर्ण	19वीं	(मास में 4 या 6 पर्व चर्चा भी है)
पर्व व्याख्यान पद्धति	प्रा स + मा.	19	25 × 12 × 14 × 42	,,	18वीं	
,,	स.	7	25 × 10 × 13 × 37	,, ग्रंथाग्र 210	1748, बीकानेर महिमासुंदर	
,,	,,	7	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	1848, सिंहाम-सर, लक्ष्मीसुंदर	
,,	मा.	11	26 × 10 × 15 × 44	सम्पूर्ण	1797	
,,	,,	17	25 × 11 × 13 × 32	,,	1804	
,,	,,	8	25 × 11 × 19 × 60	,, ग्र. 528	1825	
,,	प्रा.स.	30*	26 × 11 × 15 × 45	,,	1859 × मति-कुशल	कुछ प्राकृत गाथा साथ में 5 प्रश्नपत्र संख्या यात
,,	स.	11,10	25 × 11 × 11/14 × 32	,, दृष्टांत सहित	19वीं	
,,	,,	12,9, 7,4	25 से 26 × 11 से 13	प्रथम 2 पूर्ण अंतिम 2 अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	5	26 × 10 × 16 × 52	सम्पूर्ण	19वीं	
,,	,,	7	25 × 12 × 15 × 40	,,	20वीं	
,,	मा.	9,22, 13 9	25 से 26 × 10 से 12	,,	19,20वीं	अष्टक सूत्र के अनुसार
,,	,,	18,16	26 × 11 व 26 × 12	प्रथम पूर्ण [illegible] अपूर्ण	19,20वीं	
,,	,,	10 11, 10 11, [illegible] 10, 10	21 से 27 × 10 से 13	[illegible]	19,20वीं	

1	2	3	3 A	4	5
102	आसिया 3 अ 28	चातुर्मासिक सवत्सरी प्रतिक्रमण विधि	Caturmāsıka Samvatsarı Pratıkramana Vıdhı	—	गद्य
103	के नाथ 26/75	चत्यवन्दन विधि	Caıtyavandana Vıdhı	—	"
104	योलडी 416	चत्र पूर्णिमा देववदन विधि	Caıtrapūrnımā Devavandana Vıdhı	—	ग
105	" 9 ६ 5	चत्र पूर्णिमा व्याख्यान	Caıtrapūrnıma Vyākhyāna	सदाचार (वत्ती)	"
106-7	महावीर 3 आ 1, 126	" 2 प्रतिया	" 2 copıes		"
108	कालडी 179	"	"		"
109	ओसिया 3 आ 147	"	,		"
110	के नाथ 19/27	चौदहनियम स्वरूप	Caudaha nıyama Svarūpa		"
111	मुनिसुव्रत 3 आ 162	छप्पन दिशाकुमारी जन्म महोत्सव	Chappana Dıśākumarı Janma Mahıtsava	—	मू (ग)
112	" 3 अ 134	छप्पन दिशाकुमारी जन्म महोत्सव	Chappana Dıśākumarı Janma Mahotsava	—	मू ट (ग)
113	कोलडी 1351	जलगालण विधि रास	Jalagālana Vıdhı Rāsa	ज्ञानभूषण	प
114	के नाथ 16/37	जिनबिंब प्रवशादि विधि	Jınabımba pravesādıvdhı	—	ग
115 8	कोलडी 424 स 27	" 4 प्रतिया	" 4 copıes	—	"
119-20	, 422-3	तप विधियां 2 प्रतिया	Tapa Vıdhıyān 2 copıes	—	"
121	महावीर 3 आ 107	तिलक तपस्या स्तवन	Tılaka Tapasyā Stavana	—	प
122	, 3 आ 105	तहत्तर तप विधियां	Tehattara Tapa Vıdhıyān	—	ग
123	सवामदिर 2/371	दसकल्पार्थ	Dasakalpārthā	—	"
124	कुथुनाथ 13	दिक्पाल ग्रह पूजा	Dıkpāla Grahapūja	—	ग (मत्र)
125	क नाथ 19/91	दीक्षादि विधान	Dıksadı Vıdhāna	—	ग
126 7	कालडी 958-9	दीक्षा विधि 2 प्रतिया	Dıksā Vıdhı 2 copıes	विधिप्रपानुसार	,
128	कुथुनाथ 35/9	"		"	"
129 30	कोलडी 401 888	, 2 प्रतिया	" 2 copıes	—	"
131	कुथुनाथ 12/202	"	,	—	"
132 4	महावीर 3 आ 51 2,128	" 3 प्रतिया	, 3 copıes	—	"
135	" 3 आ 54	(वडी) दीक्षा विधि	(Baıd) Dıksā Vıdhı	शिवनिधानगणि	"

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रारम्भिक क्रिया विधि	प्रा.मा.	5	26 × 12 × 10 × 32	संपूर्ण	19वीं	
,,	,,	2	26 × 13 × 10 × 23	,,	19वीं	
पर्व क्रिया	मा.	3	25 × 11 × 14 × 40.	,,	19वीं	
पर्व व्याख्यान व्रत कथा	सं.	2	24 × 12 × 14 × 48	,,	19वीं	
,,	,,	25* × 11*	25 × 12 × 14 × 45/34	,,	19/20वीं	साथ में अन्य पर्वों के व्याख्यान
,,	मा.	4	25 × 10 × 13 × 50	,,	19वीं	
,,	,,	7	25 × 11 × 15 × 40	,,	19वीं	
श्रावक दिनचर्या व्रत	,,	5	26 × 13 × 13 × 39	,,	1877	
जिन जन्माभिषेक परंपरा	प्रा.	8	27 × 12 × 14 × 48	,,	1771 मेड़ता वीरमजी	
,, ,,	प्रा.मा.	6	26 × 11 × 7 × 36	,,	16वीं × चतुरजी	
पानी छानने बाबत	मा.	1	26 × 11 × 17 × 46	,, 33 गाथा	19वीं	
प्रतिष्ठा पूर्व क्रिया विधि	,,	4	26 × 11 × 14 × 59	संपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	3,4,8, 11	25 से 27 × 11 से 12	,,	19वीं	
विविध तपस्याओं की	,,	11,7	25 × 12 × 10/12 × 40	,,	20वीं	
विधिपरक पद	,,	2	25 × 11 × 11 × 33	प्रतिपूर्ण	19वीं	
विविध तपस्याओं की	,,	5	27 × 12 × 15 × 42	,,	18वीं	
साधु आचार समाचारी	,,	7	25 × 12 × 14 × 38	,,	20वीं × दान-विजय	
प्रतिष्ठा पूर्व विधि	मा.	3	26 × 13 × 13 × 28	संपूर्ण	19वीं	
दीक्षा विधान	प्रा.मा.	9	26 × 11 × 13 × 40	,,	19वीं	
दीक्षा देने री क्रिया	मा.	2,2	27 × 13 × [illegible] 2	,,	19वीं	
,,	,,	4	23 × 11 × 10 × 2[illegible]	,,	1951	
,,	मा.	4,2	22 × 12 × 24 × 11	,,	19वीं	
,,	,,	1	115 × 17 × 122 × 3[illegible]	,,	1944	
,,	,,	3,3,4	20 से 21 × 12 से 13	,,	20वीं	
[illegible] विधि	,,	5	26 × 11 × 23 × 69	,,	17वीं	साथ में [illegible] विधि भी

1	2	3	3 A	4	5
167-9	महावीर 3 आ 116 8 9	नवपद खमासणा 3 प्रतिया	Navapada Khamāsanā 3 copies	—	गद्य मत्र
170	कोलडी 413	नवपद जाप	Navapada Jāpa	—	ग
171	के नाथ 21/57	नवपद सिद्धचक्र प्रतिष्ठा पूजा विधि	Navapada Siddhacakra Pratisthā etc	—	,
172	महावीर 3 आ 93	नन्दी उपधान विधि	Nandı Upadhāna Vıdhı	—	,,
173	,, 3 आ 81	,,		—	,
174	,, 3 आ 49	नंदी दीक्षा विधि	Nandı Dıkṣa Vıdhı	—	,,
175	,, 3 आ 176	नित्य पूजन विधि	Nıtyapūjana Vıdhı	—	,,
176	,, 3 आ 48	निर्वाणकलिका(प्रतिष्ठापद्धति)	Nırvāṇa Kalıkā	सिंहतिलकसूरि	,,
177	के नाथ 18/88	निविता बालबोध	Nıvitān Bālabodha	—	,,
178	कोलडी 196	पडिलेहणा कुलक	Padılehaṇā Kulaka	विजयविमल (आनंद-विमल शिष्य)	मू ट (प ग)
179	सेवामदिर 3 इ 345	,	,	,,	,,
180	महावीर 2/16	,,	,	,,	,,
181	ओसिया 2/170	,	,,	,,	,,
182	कोलडी 188	पर्युषण अष्टाह्निका व्याख्यान	Paryusaṇa Aṣṭāhnıkā Vyākhyāna	—	ग
183	के नाथ 20/42	,,	,,	क्षमाकल्याण	,
184 6	, 8/27 23, 18/54	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
187	कोलडी 191	,,	,	—	मू ट (प ग)
188 90	, 189,1036 157	, 3 प्रतिया	, 3 copies	—	ग
191-2	,, 190-98	, 2 प्रतिया	,, 2 copies	क्षमाकल्याण	,,
193	कुंथुनाथ 33/7	,,	,	/धनेश्वरसूरि	मू ट (प ग)
194	,, 13/47	,,	,,	क्षमाकल्याण	ग
195 6	महावीर 3 आ 125 8	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
197	, 3 आ 6	,,	,	—	मू ट (प ग)
198	, 3 आ 5	,,	,	—	मू ट (ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
...भक्ति क्रिया पाठ पद	सं.	4,13,7	20 से 26 × 11 से 12	प्रतिपूर्ण	19/20वीं	
सिद्धचक्र ओली आराधना विधि	मा.	4	28 × 10 × 14 × 50	संपूर्ण	19वीं	
धार्मिक क्रिया की विधियां	,,	28	25 × 11 × 11 × 35	,,	1875	
,, ,,	,,	5	24 × 11 × 18 × 44	,,	18वीं	
,, ,,	,,	10	27 × 11 × 15 × 52	,,	1940, पाली, अमरदत्त	
श्रुत अध्ययन विधि पाठ	प्रा	2	27 × 13 × 15 × 37	अपूर्ण (त्रुटक पाठ मात्र)	20वीं	
प्रभु पूजादि दैनिक कर्तव्य	मा.	18	27 × 14 × 7 × 23	संपूर्ण	20वीं	
प्रतिष्ठा पद्धति	सं	41*	25 × 11 × 14 × 50	,, ग्रं. 200	1962	जिन वर्ण राशि आदि
विकृति भक्ष्याभक्ष्य विचार	मा.	6	24 × 11 × 10 × 34	संपूर्ण	19वीं	
प्रतिलेखन विधि	प्रा मा	8	26 × 10 × 5 × 44	,, 34 गा.	1808	
,,	,,	4	25 × 15 × 5 × 30	,, 28 गा.	1862, लुणावा, अर्जुन	
,,	,,	5	26 × 13 × 5 × 34	,, 28 गा.	19वीं	
,,	,,	4	26 × 11 × 5 × 37	,, 27 गा.	19वीं राधिकानगर	
पर्युषण पर्व प्रथम 2 दिन का	सं.	10	25 × 12 × 16 × 48	संपूर्ण	18वीं	
,, ,,	,,	21	25 × 13 × 12 × 39	,,	1900	
,, ,,	,,	14,33,9	24 से 28 × 12 से 13	प्रथम दो पूर्ण तीसरी अपूर्ण	19वीं	
,, ,,	सं.मा.	41	25 × 11 × 6 × 38	संपूर्ण	19वीं	
,, ,,	सं	6,2,6	25 से 26 × 11 से 13	प्रथम पूर्ण, द्वितीय व तीसरी अपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	12,8	25 × 12 × 13,20 × 49	संपूर्ण	19वीं	
,, ,,	सं.मा	30	29 × 11 × 5 × 52	,,	1911	
,, ,,	सं.	15	25 × 13 × 12 × 34	,,	1944	
,, ,,	,,	24,10	27 × 13 × 23 × 22	,,	19/20वीं	
,, ,,	[illegible]	35	26 × 12 × 6 × 40	,, 183 श्लोक	1943 [illegible]	
,, ,,	,,	35	[illegible] × 12 × [illegible]	,, 143 [illegible]	[illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
199-200	आमिया 3 अ 134, 133	पयुषण अष्टाह्निका व्याख्यान 2 प्रतिया	Paryusaṇa Astāhnıka Vyākhyāna 2 copies	मतिमदिर	ग
201-2	,, 3 अ 135 158	,, 2 प्रतिया	,, ,, ,,	,,	,,
203 4	कुथुनाथ 16/6 10/169	,, 2 प्रतिया	,, ,, ,,	—	,
205 6	कोलडी 1150 78	,, 2 प्रतिया	,, ,, ,,	—	,,
207 8	के नाथ 21/75 15/206	,, 2 प्रतिया	, , ,	—	,,
209	ओसिया 3 अ 169	पयुषणाकल्पादि सूचना	Paryusanākalpādı Sūcanā	—	,,
210 2	महावीर 3 अ 124 4 7	पर्युषणाचितामणि 3 प्रतिया	Paryusaṇa Cıntāmanı 3 copies	अमृतकुशल	,,
213	के नाथ 11/61	पचमी उद्यापन विधि	Pañcamı Udyāpana Vıdhı	ज्ञानविमल	ग प
214	कुथुनाथ 15/2	,, कथा	, Katha	दीपमुनि	प
215	के नाथ 6/88	, तप स्तवन	,, Tapastavana	जिनविजय	,,
216	कुथुनाथ 37/12	,, देववदन विधि व स्तव	,, Devavandana Vıdhı	—	ग प
217	के नाथ 10/12	स्तवन	, Stavana	गुणविजय	प
218	कोलडी 417	पुडरीक आराधन विधि	Pundarıka Ārādhana Vıdhı	—	ग
219	मुनिसुव्रत 3 अ 165	पूजा विधि	Pūjā Vıdhı	—	,,
220	नयामदिर 3 अ 345	, स्तवन	, Stavana	गुणविमल	,,
221 2	महावीर 3 अ 111 2	पैतालीस आगम का गुणना 2 प्रतिया	45 Āgama Gunanā	—	ग तालिका
223	कोलडी 945	पौष दशमी कथा	Pausa Daśamı Kathā	जिनेन्द्रसागर	प
224	के नाथ 21/87	,,		—	,,
225	महावीर 3 अ 19	,,	,	—	,,
226	नयामदिर 3 अ 173	,, व्याख्यान	, Vyākhyāna	—	ग
227 9	महावीर 3 अ 126, 20 1	,, 3 प्रतिया	,, , 3copies		,
230 1	कोलडी 173 172	,, 2 प्रतिया	,2copies		,,
232	नयामदिर 3 अ 178	,,	,	(हेमचन्द्रानुसारे)	,,
233	मुनिसुव्रत 3 अ 171	पौषध प्रतिक्रमणादि विधि	Pausadha Pratıkramaṇādı Vıdhı	—	प ग
234	कोलडी 395	,,	,, ,,	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
र्युपणप्रथम2दिनका	मा.	26,15	26 × 12 × 9/15 × 34	सपूर्ण	1907-16	
,,	,,	95	26 × 12 × 14 × 44	अपूर्ण	20वी	
,,	,,	12,42	26 × 12 व 28 × 12	सपूर्ण	20वी	
,,	,,	3,19	25 × 11 व 26 × 12	अपूर्ण	20वी	
,,	,,	17,17	26 × 14 व 25 × 11	पहिली पूर्ण, दूसरी अपूर्ण	20वी	
नाधुपर्वआचार विधि	,,	7	25 × 11 × 16 × 34	अपूर्ण	20वी	
पर्व विधि विधान	स.	16,17 18	27 से 29 × 12 से 13	सपूर्ण	19/20वी	
तिथि पर्व भक्ति विधि	सं.मा.	3	25 × 12 × 16 × 47	,,	1875	
,, कथा	मा.	8	26 × 11 × 15 × 45	,, 11 ढालें	1907	
,,	,,	6	25 × 11 × 10 × 29	,, 6 ,	19वी	
,, विधि	,,	14	25 × 12 × 9 × 36	संपूर्ण	1943	
,, काव्य	,,	4	26 × 13 × 11 × 29	,, 5 ढाले +	19वी	
भक्ति (गणधर) विधि	,,	3	27 × 13 × 12 × 34	,,	19वी	
प्रभु पूजा विधिविधान	,,	5	23 × 11 × 10 × 28	प्रतिपूर्ण	19वी	
,, काव्य	,,	1	26 × 12 × 17 × 46	संपूर्ण 27 गा	19वी	
शस्त्र भक्ति पाठ पद	संस्कृत	9,9	28 × 12 × —	,, 310 मत्र पद	19वी	
पर्व व्याख्यान कथा	सं.	2	25 × 10 × विभिन्न	सपूर्ण 75 श्लोक	19वी	
,,	,,	14*	25 × 12 × 11 × 35	,, 73 ,,	19वी	
,,	,,	4	28 × 13 × 11 × 36	,, 75 ,,	20वी	
,,	,,	30*	26 × 11 × 15 × 45	सपूर्ण	1859	
,,	,,	25,10 11	25 से 29 × 12 से 14	,,	19/20वी	
,,	,,	2,5	28 × 12 व 25 × 12	,,	19/20वी	
,,	,,	6	25 × 11 × 8 × 45	,,	1934	
आवश्यक क्रिया विधि	प्रा स.मा	29	26 × 12 × 15 × 35	प्रतिपूर्ण भिन्न 2 पन्ने	1846	
,,	मा.	3	23 × 12 × 14 × 40	प्रतिपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
235	क नाव 14/46	पौषध प्रतिक्रमणादि विधि	Pausadha Pratikramanādi Vidhi	—	ग
236 7	कानडी 397-8	पौषध विधि 2 प्रतियां	Pausadha Vidhi 2 copies	—	,
238	महावीर 3 अ 39	,,	,	—	,,
239 40	क नाव 14/47 41	2 प्रतियां	2 copies	—	,
241	11/106	पौषध विधि स्तवन	Pausadha Vidhi Stavana	समयसुंदर	प
242	19/93	प्रति आलोचना विधि	Prati Ālocanā Vidhi	—	ग
243-5	कुंथुनाथ 3/13 10 174 15-53	प्रतिक्रमण विधि 3 प्रतियां	Pratikramana Vidhi 3 copies	—	,,
246-7	क नाव 5/69 21/55	, 2 प्रतियां	, 2 copies	—	,
248	कानडी 961	(पंच) प्रतिक्रमण विधि	(Panca) ,,	—	,,
249-50	कुंथुनाथ 10 159 3 79A	2 प्रतियां	, , 2 copies	—	,,
251	महावीर 3 अ 18	प्रतिक्रमण हेतु गर्भ	Pratikramana Hetu Garbha	जयचन्द्रसूरि	,
252	क नाव 10/83	,		,	,,
253	26/58	,	,	क्षमाकल्याण	,,
254	10/68	प्रतिक्रमाक्रम विधि सार्थावगम	Pratikramākrama Vidhi Sārthāvagama	जयचन्द्रगणि	प
255	महावीर 3 अ 43	प्रतिष्ठाकल्प	Pratisthā Kalpa	अज्ञात(संगृहीतसंपादित)	प ग
256	3 अ 46		,	—	ग
257	3 अ 42		,	अज्ञात(संगृहीतसंपादित)	प ग
258	3 अ 45	प्रतिष्ठा कुंडली आदि	Pratisthā Kundali etc	—	ग यंत्र
259	क नाव 17/37	प्रतिष्ठा के टब्बे	Pratisthā ke Tabbe	—	ग
260	23/22	प्रतिष्ठाधिकार	Pratisthādhikāra	—	
261	कोलडी 1240	प्रतिष्ठा विधि	Pratisthā Vidhi	—	,,
262 3	क नाव 21/42 72	2 प्रतियां	2 copies	—	
264-5	महावीर 3 अ 40 41	,, 2 प्रतियां	,,	—	,
266	क नाव 23/91	प्रतिष्ठा सामग्री	Sāmagri	—	,,
267	कुंथुनाथ 4/81	प्रत्याख्यान कोष्ठक	Pratyākhyāna Kosthaka	—	तालिका

6	7	8	8 A	9	10	11
ावश्यक क्रिया विधि	मा.	4	24 × 12 × 13 × 30	प्रतिपूर्ण	20वीं	
,,	,,	3,4	25 × 10 व 26 × 13	,,	19वीं	
,,	,,	4	25 × 12 × 12 × 35	,,	20वीं	
,,	,,	6,2	25 × 12 व 26 × 11	,,	19/20वीं	
,, काव्य	,,	4	25 × 11 × 11 × 31	संपूर्ण 37 गाथायें	19वीं	
प्रायश्चित्त विधि	,,	4	26 × 12 × 15 × 41	सपूर्ण	19वीं	
ावश्यक क्रिया विधि	,	3,3,1	26 से 27 × 11 से 12	,,	20वीं	
,,	,,	2,14	25 × 11 व 26 × 12	,,	20वीं	
,,	,,	2	26 × 12 × 15 × 35	,,	1873	
,,	,,	6,1	26 × 11 व 12 × भिन्न2	,,	20वीं	
ावश्यक विधि विवेचन	सं.	15	26 × 12 × 22 × 46	सपूर्ण ग्रथाग्र 1506	1842,सूरत क्षमाप्रभ	
,,	,,	20	27 × 12 × 15 × 55	,,	19वीं	
,,	मा.	3	25 × 13 × 13 × 48	,,	20वीं	
,,	स.	23	25 × 12 × 11 × 40	,, 150 श्लोक	1934	
ूर्त्ति प्रतिष्ठा विधि	,,	18	28 × 12 × 20 × 43	,,	18वीं	
,,	,,	130	25 × 12 × 11 × 33	,,	1828	
,,	,,	37	27 × 13 × 14 × 32	,,	20वीं	अतमेप्रतिष्ठासामग्री सूची
तीर्थंकरो की राशि आदि ज्योतिष पक्ष	,,	6	27 × 12—	प्रतिपूर्ण	20वीं	
मुद्दे्वार टिप्पणिये	मा.	24	31 × 15—	,,	19वीं	
प्रतिष्ठा विधियां	सं.	92	27 × 13 × 13 × 47	सपूर्ण	1893	
नवीनप्रासाद से ध्वजातक	,,	23	25 × 12 × 15 × 48	,,	1906	
प्रतिष्ठा विधिया	प्रा स.मा	16,24	27 × 12 व 24 × 12	,,	19/20वीं	
,,	मा	42,34	27 × 13 व 25 × 13	,,	19वीं(1पालीमे)	
किरियाणा की सूची	,,	4	20 × 10 × 10 × 33	,,	19वीं	
आगार छायादि विधान	प्रा.	1	24 × 10 × —	,,	17वीं	

1	2	3	3 A	4	5
268	कुंथुनाथ 9/125	प्रत्याख्यान कोष्ठक	Pratyākhyāna Kosthaka	—	तालिका
269	कोलडी 938	प्रत्याख्यान स्तवन	Stavana	रामचन्द्र	प
270 1	कुंथुनाथ 19/107, 26/33	,, 2 प्रतियां	, 2 copies	,	,,
272	कुंथुनाथ 42/17	प्रारम्भना	Prārambhanā	—	मू व्याख्या
273	,, 37/14	बारह व्रत अतिचार	Bāraha Vrata Aticāra	—	गद्य
274	कुंथुनाथ 26/82गु			—	,,
275	,, 19/50	बारह व्रत आलोचना	,, Ālocanā	प्रेमराज	पद्य
276 7	कुंथुनाथ 3 24,5-30	बारह व्रत टीप 2 प्रतियां	, Tipa 2copies	—	ग
278	कोलडी 1198		,	—	,
279	कुंथुनाथ 26/ 3	बारह व्रत लेने की विधि	, Leneki Vidhi	—	,
280	कोलडी 370	बारह व्रत विचार पद्धति	, Vicāra Pad dhati	—	
281	, 369	बारह व्रत विवरण	, Vivarana	उदयसागर	,,
282	महावीर 3 आ 18	बीसस्थानक गुणना	Bisa Sthanaka Gunana	—	ग मंत्र प
283 4	3 आ 106 9	,, तप विधि 2 प्रतियां	Tapavidhi 2 copies	—	ग
285	3 इ 19	तप स्तवन	, Tapastavana	नयविजय	प
286	3 आ 87	ब्रह्मचर्यादि व्रत विधि	Brahmacaryādi Vrata Vidhi	—	ग
287-9	3 आ 126 20 1	मेरुत्रयोदशी कथा 3 प्रतियां	Merutrayodasā Kathā 3 copies	—	
290	कोलडी 175 174	2 प्रतियां	2 copies	क्षमाकल्याण	,,
292	आमिया 3 आ 136	,			,
293	कुंथुनाथ 19/56	,		,,	,,
294	कुंथुनाथ 4/85	,		,,	
295	कुंथुनाथ 15/144	व्याख्यान	, Vyākhyānā	—	,
296 7	कोलडी 176 1125	, 2 प्रतियां		—	,,
298	महावीर 3 आ 175	मोक्ष टिप्पणिका	Moksa Tippanikā	—	
299	कुंथुनाथ 22/38	मौन एकादशी कथा	Mauna Ekādasi Kathā	—	मु (प)

6	7	8	8 A	9	10	11
आगार, छायादि विधान	मा.	1	23 × 14 × —	सपूर्ण	19वी	
तपफल वर्णन विधि काव्य	,,	3	27 × 10 × 10 × 27	,, 33 गा	1890	
,, ,,	,,	7,2	25 × 11 व 26 × 12	,, ,, (तीन ढाले)	19/20वी	
कल्पसूत्र की पीठिका वाचन	प्रा.स.	2	26 × 11 × 12 × 52	अपूर्ण (बीच का 1 पन्ना कम)	17वी	
व्रत भग विचार	प्रा मा	4	25 × 11 × 13 × 34	सपूर्ण	19वी	
,,	मा.	16	16 × 9 × 9 × 20	अपूर्ण	19वी	
अतिचार विचिंतन	,,	13	26 × 13 × 16 × 32	सपूर्ण 151 गाथा	1940	अत मे 3-4 स्फुट स्तवन
व्रत विधान विवरण	,,	35,5	23 × 12 व 25 × 12	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	8	29 × 12 × 14 × 47	अपूर्ण (पहिला व्रत भी अधूरा)	19वी	
प्रतिज्ञापाठादि	प्रा मा.	2	26 × 12 × 18 × 50	सपूर्ण	1829	
श्रावकाचार व्रत विवरण	मा.	100	27 × 13 × 12 × 32	,,	1826	मकसुदाबाद के सुगालचदजी की टीप
,, ,,	,,	78	25 × 13 × 14 × 48	,,	1903	
तप पूजा क्रिया पाठ पद	स.	10	27 × 12 × 17 × 39	,,	19वी	
तप सूत्र व क्रिया	मा.	85,11	26 × 12 व 27 × 12	,,	19वी	
,, काव्य	,,	2	26 × 11 × 15 × 40	,, 25 गा	20वी	
श्रावकाचार क्रिया विधान	,,	9	26 × 13 × 13 × 36	,,	20वी	
पर्व व्रत कथा	स	25*10* 11*	25 से 29 × 12 से 14	,,	19/20वी	
,,	,,	6,5	26 × 12 व 29 × 13	,,	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 14 × 34	,,	1900	
,,	,,	7	25 × 11 × 11 × 40	,, ग्र. 165	19वी	
,,	,,	7	24 × 13 × 12 × 35	,,	1945	
,,	मा	8	25 × 12 × 13 × 42	,,	19वी	अत मे जयवर्मा जयमाल की 1 अनु मात्र पिंगलराय का कथानक भी है
,,	,,	19,6	25 × 13 व 21 × 13	प्रथम सपूर्ण द्वितीय अपूर्ण	20वी	
विभिन्न तप विधिया	,,	11	26 × 12 × 14 × 40	सपूर्ण	17वी	
पर्व व्रत कथा	प्रा	7	26 × 12 × 13 × 47	,, 155 गा.	1802	

1	2	3	3 A	4	5
300	कोलडी 164	मौन एकादशी कथा	Mauna Ekādaśı Kathā	—	मू ट (प ग)
301	„ 167	„	„	—	„
302 3	„ 166,165	„ 2 प्रतिया	„ 2 copies	—	„
304	के नाथ 5/37	„	„	—	„
305	महावीर 3 प्रा 13	„	„	—	मू (प)
306	कुथुनाथ 9/124	मौन एकादशी व्याख्यान	Mauna Ekādaśı Vyakhyāna	सौभाग्यनदसूरि	पद्य
307	मुनिसुव्रत 4 प्र 166	„	„	„	„
308	के नाथ 10/110	„	„	रविसागर	„
309	„ 22/41	„	„	सौभाग्यनदि	„
310	कुथुनाथ 52/6	„	„	„	„
311	प्रासिया 3 प्रा 139	„	„	„	„
312	3 प्रा 154	„	„	रविसागर	„
313	क नाथ 10/33	„	„	दानचद्रगणि	मू ट (प ग)
314	महावीर 3 प्रा 12	„	„	वीरविजय	„
315	कोनडी 168	„		—	प
316	प्रासिया 3 प्रा 153	मौन एकादशी व्रत कथा	Mauna Ekādaśı Vrata Kathā	रूपचदगणि शिष्य	ग
317	महावीर 3 प्रा 14	„	„	वीरसागर	„
318	विद्यामदिर 3 प्रा 173	„	„	—	„
319	महावीर 3 प्रा 126	„	„	—	„
320	कुथुनाथ 16/11	„	„	—	„
321	कोलडी 169	„	„	(प्राकृतानुसार)	„
322	कुथुनाथ 10/153	„	„		„
323	कोलडी 171	„	„		„
324	„ 170	मौन एकादशी कथानक	Mauna Ekādaśı Kathānaka	(प्राकृतानुसार)	„
325	क नाथ 23/46	„	„	(मू सौभाग्यनदि) प्रमत वल्लभ	„

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्रत कथा	प्रा मा.	11	27 × 11 × 14 × 44	सपूर्ण 156 गा.	1828	
,,	,,	11	26 × 11 × 6 × 50	,, ,, ,,	1845	
,,	,,	12,8	25 से 27 × 13 × भिन्न 2	,, ,, ,,	19वी	
,,	,,	17	26 × 12 × 6 × 30	,, ,,	19वी	
,,	प्रा.	6	24 × 12 × 15 × 44	,, ,,	1944	
,,	स.	5	25 × 14 × 14 × 33	,, 118 श्लोक	1576	1576 की कृति
,,	,,	3	25 × 11 × 15 × 49	,, ,,	1733, लूणाकरणसर, दयासागर	
,,	,,	20	26 × 12 × 5 × 37	,, 200 श्लोक	1829	
,,	,,	5	25 × 14 × 14 × 27	,, 116 ,,	19वी	
,,	,,	6	26 × 11 × 12 × 38	,, 118 ,,	19वी	
,,	,,	3	24 × 10 × 14 × 57	,, 113 ,,	19वी	
,,	,,	7	26 × 12 × 19 × 35	,, 201 ,,	19वी	
,,	स.मा	31	27 × 13 × 5 × 27	,, 221 ,,	1858	
,,	,,	18	26 × 11 × 4 × 24	,, 109 ,,	19वी राने, गौतमसागर	1774 की कृति
,,	स	3	26 × 11 × 14 × 52	अपूर्ण 109 श्लोक (अतिम पन्ना नही,	19वी	
,,	,,	8	26 × 12 × 19 × 45	सपूर्ण	1896, जैसलद्रिपुर, शिवचद्र	1884 की कृति
,,	,,	20	27 × 13 × 6 × 30	,, ग्र 202	20वी	
,,	,,	30	26 × 11 × 15 × 45	,,	1859	
,,	,,	25	25 × 12 × 14 × 35	,,	1875	
,,	,,	4	24 × 13 × 12 × 48	,,	1945	
,,	,,	3	26 × 11 × 11 × 50	,,	19वी	
,,	,,	1	26 × 11 × 13 × 40	,,	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 15 × 45	,,	19वी	
,,	मा	5	26 × 11 × 12 × 42	,,	1682	
,,	,,	9	28 × 13 × 15 × 47	सपूर्ण(वीचमेनौवापन्नाकम)	1762	

1	2	3	3 A	4	5
326	के नाथ 23/84	मौन एकादशी कथानक	Mauna Ekādaśı Kathānaka	—	ग
327	,, 19/108	,,	,,	—	,,
328 9	प्रोसिया 3 श्रा 140 1	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
330 1	के नाथ 15/180, 24/19	,, ,,	,, ,,	—	,,
332 3	कुंथुनाथ 35/1, 24/9	,, ,,	,	—	,,
334	के नाथ 23/87	मौन एकादशी क्रिया विधि	,, Kriyāvidhı	रूपविजय	,,
335	कोलडी 948	मौन एकादशी का गुणना	,, kā Gunanā	—	ग मन्त्र
336	महावीर 3 श्रा 15		, ,	—	,,
337	, 3 श्रा 120	,,	,,	—	,,
338 9	कुंथुनाथ 4/102 13/54	, 2 प्रतिया	, 2 copies	—	,,
340	के नाथ 24 65	,	,,	—	,,
341 4	कोलडी 418 949 889 419	, 4 प्रतियां	, , 4 copies	—	,,
345	महावीर 3 श्रा 16	,	,,	—	,,
346 7	के नाथ 18/11 20/30	मौन एकादशी स्तवन 2 प्रतिया	, Stavana	कांतिविजय	प
348	कोलडी 307			,,	,,
349	प्रोसिया 3 इ 190	,	,, ,,	,	,
350	कोलडी 1225	यतिदिनचर्या + वृत्ति	Yatıdınacaryā + Vṛttı	भावदेवसूरि/मतिसागर	मू व (प ग)
351	, 891	,, —	—	भावदेवसूरि	मू ट (प ग)
352	महावीर 3 श्रा 30	, अवचूरि	,, + Avacūrı	,	मू अ (प ग)
353	के नाथ 13/15		,	—	प
354	14/52	,	,	देवसूरि	ग
355	कोलडी 890	यति (दसविध) धर्म सज्झाय	Yatıdharma Sajjhāya	ज्ञानविमल	प
356	,, गु 1/8	यति सज्झाय	Yatı Sajjhāya	—	,,
357 8	महावीर 3 श्रा 70 71	योग खमापणा आदेश 2 प्रतिया	Yoga Khamāsanā Ādeśā 2 copies	—	ग
359	3 श्रा 80	योगदिन आदि	Yogadına etc	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्रत कथा	मा.	4	25 × 11 × 15 × 27	सपूर्ण	1811	
,,	,,	5	25 × 11 × 15 × 42	,,	1844	व्रत मे 'स्तवन' समय-सुदर का
,,	,,	5,7	26 × 11 × 15/11 × 38	,,	1869,19वी	
,,	,,	6,7	26 × 11 × 12 × 42	,,	19वी	
,,	,,	13,6	26 × 13 व 26 × 12	प्रथम संपूर्ण ग्र 200 द्वितीय अपूर्ण	20वी	
,,	,,	8	23 × 14 × 16 × 36	सपूर्ण	1936	
पर्व व्रत पाठ स्मरण	स	2	26 × 11 × —	सपूर्ण 150	1749	
,,	,,	2	25 × 11 × 13 × 39	,,	1779,शाहजहाबाद,मगलसागर	
,,	,,	3	26 × 11 × —	,,	18वी	
,,	,,	2 3	25 × 12 व 24 × 13	,,	19वी	
,,	,,	3	25 × 12 × 15 × 51	,,	19वी	
,,	,,	3,2,2,2	25 से 27 × 10 से 12	,,	19/20वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 12 × 32	,,	1902, अजमेर रिखीलाल	
पर्वव्रतक्रियाकाकाव्य	मा.	5,4	29 × 13 व 25 × 11	सपूर्ण 3 ढाले	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 10 × 30	,, ,,	1879	
,,	,,	3	25 × 11 × 12 × 44	,, ,, (27 गा.)	19वी	
साधु समाचारी विधि	प्रा.स	40	26 × 11 × 15 × 56	सपूर्ण 154 गा.	16वी	कालिकसूरि-वंश ज.
,,	प्रा मा	13	26 × 13 × 7 × 39	,, 151 गा.	1901	
,,	प्रा.स.	68	27 × 12 × 8 × 41	,, 154 गा की	1957,राजनगरे	
,,	म	14	28 × 13 × 15 × 41	,, 420 श्लोक ग्र 500	19वी	
,,	अ.	7	26 × 11 × 20 × 40	,, 389 पद	19वी	
,,	मा.	9	24 × 13 × 13 × 32	,, 10ढालें=154गा	19वी	
,,	,,	9	14 × 11 × 10 × 15	अपूर्ण	19वी	
आवश्यक क्रिया विधि	,,	2,2	28 × 13 × भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	20वी	
स्वाध्यायमुहूर्तवविधि	,,	2	26 × 11 × 20 × 48	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
360	महावीर 3 आ 66	योगदूहन विधि	Yogadūhana Vıdhı	—	ग
361	,, 3 आ 60	योगप्रवेशादि विधि	Yogapraveśādı Vıdhı	—	,,
362	, 3 आ 69	योग मोटी (वडी) विधि	Yoga Motı Vıdhı	—	,,
363	,, 3 आ 76	योग यत्र विधि	Yogayantra Vıdhı	—	ग यत्र
364	, 3 आ 62	,,	,,	—	,,
365	,, 3 आ 77	,,	,,	—	,
366	,, 3 आ 75	योग विधि	Yoga Vıdhı	—	,,
367	,, 3 आ 72	,,	,	—	,,
368	, 3 आ 73	,,		—	ग
369	,, 3 आ 58	,,	,	—	,,
370	, 3 आ 68	,	,	—	ग यत्र
371	, 3 आ 79	,,	,,	—	ग
372	,, 3 आ 64	,,	,	—	,
373	, 3 आ 65	योगानुष्ठान विधि	Yogānusthāna Vıdhı	—	,,
374	,, 3 आ 63		,	—	,,
375	3 आ 34	राइ मथारा भाषादि	Rāısanthārā Bhāsādı	—	,,
376	,, 3 आ 127	रोहिणी (तप) कथा	Rohını (Tapa) Kathā	—	मू ट
377	के नाथ 21/32	, ,,	,, ( )	कनककुशल	प
378	,, 5/95	, महात्म्य	, (Mahātmya) Kathā	—	ग प
379-81	कुंथुनाथ 15 61 20 11 4-83	रोहिणी(चोढालियो)तपस्तवन 3 प्रतिया	Rohını Tapa Stavana 3 copıes	मुनि श्रीसार	प
382 6	कोलडी 314 5-7 928 32	,, तप स्तवन 5 प्रतिया	,, , 5 copıes	,	,,
387 8	के नाथ 15/218 19/112	,, 2 प्रतिया	, , 2 copıes	,	,,
389	, 15/191	रोहिणि (वासुपूज्य) स्तवन	Rohını(Vāsupūjya)Stavana	लक्ष्मीसूरि	,
390	,, 15/38	,	,,	भक्तिलाभ का शिष्य	,,
391	कोलडी 1352	,	,,	दीपविजय	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
स्वाध्याय विधि	मा	15	26 × 11 × 13 × 34	प्रतिपूर्ण	1635 × ठाकरसी	
धार्मिकक्रियाविधिया	,,	16	28 × 12 × 15 × 31	,,	1916,पालिप्त नगरे,	
,,	,,	48	25 × 11 × 12 × 50	,,	19वी	
अगोपाङ्ग अध्ययन विधान	प्रा मा.	5	26 × 11 × 14 × 43	,,	16वी	
,, ,,+तप	मा.	7	25 × 12 × 10 × 37	,,	1890, पाटण, भक्ति विलास	
अध्ययन विधि तालिकाये	,,	3	26 × 11—	,,	19वी	
धार्मिक स्वाध्याय विधि विधान	,,	5	26 × 11—	,,	16वी × कुल-तिलक	
,, ,,	,,	9	26 × 11 × 14 × 55	,,	1658	
,, ,,	,,	7	26 × 11 × 19 × 56	,,	1705 सिद्धपुर कल्याणसागर	
,, ,,	,,	16	26 × 12 × 14 × 37	,,	18वी	
,, ,,	प्रा.	12	25 × 11 × 15 × 47	,,	18वी	
तपआदिविधिविधान	मा.	3	26 × 11 × 16 × 58	,,	18वी	
स्वाध्याय धार्मिक क्रिया विधि	,,	44	27 × 13 × 12 × 42	,,	20वी	
,, ,,	,,	12	26 × 11 × 13 × 49	,,	16वी × इन्द्र-विजय	
,, ,,	,,	29	25 × 11 × 12 × 47	,,	18वी	
पोषध गमन विधि	,,	5	24 × 12 × 12 × 33	,,	1858	
तप व्रत कथा	प्रा +मा	9	25 × 12 × 6 × 28	सपूर्ण	1901, रगोज-नगर, रग सक्त	
,,	स	6	26 × 11 × 14 × 45	,, 202 श्लोक	1657	(अशोकचंद्रनृपकथा)
,,	मा.	5	26 × 12 × 16 × 35	सपूर्ण	1826	
तप व्रत विधि काव्य	,,	2,4,3	25 से 26 × 8 से 12	,, 4 ढाल+कलश =26गाथा,23गा	1862, 19वी	
,, ,,	,,	2,4,4,3, 2	22 से 26 × 11 से 12	,, 26 गा.	19वी	
,, ,,	,,	2,5	24 × 12 व 18 × 12	,, ,,	19वी	
,, ,,	,,	2	25 × 12 × 11 × 32	,,	1883	
,, ,,	,,	2	25 × 11 × 11 × 35	,, 24 गा.	19वी	
,, ,,	,,	4	25 × 12 × 11 × 28	,, छः ढाल	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
392	महावीर 3 अ 108	रोहिण्यादि तप विचार	Rohinyādi Tapa Vicāra	—	ग
393	„ 3 अ 31	विधिपक्ष समाचारी	Vidhipaksa Samacāri	—	,
394	„ 3 अ 35	विधिप्रभा	Vidhiprapā	जिनप्रभ	„
395	कोलडी 1177	विधि सग्रह	Vidhi Sangraha	—	„
396-7	कुथुनाथ 14/41-42	विधि स्फुट लघु ग्रथ दो प्रतिया	Vidhisphuta Lagu Grantha 2 copies	—	„
398	के नाथ 6/34	वृद्ध स्नात्र विधि	Vṛdha Snatra Vidhi	—	„
399	ओसिया 3 इ 229	शाति और अष्टोत्तरी स्नात्र	Śanti & Astottari Snātra	—	„
400	कुथुनाथ 13/217	शाति स्नात्र पूजा विधान	Śānti Snātra Pūjā Vidhāna	—	ग मत्र
401	महावीर 3 अ 44	शाति स्नात्र विधि	„ , Vidhi	—	ग
402	ओसिया 3 अ 156	शुक्ल पचमी माहात्म्य स्तवन	Śuklapancami Mahātmya Stavana	गुणविजय (कुवरविज शिष्य)	प
403	„ 3 अ 37	श्रमणोपासक विश्रामस्थान	Śramaṇopāsaka Visrāma sthāna		ग
404	कुथुनाथ 3/61	श्रावक आलोचना	Śrāvaka Ālocanā		प ग
405	के नाथ 20/51	श्रावक आवश्यक विधि	Śrāvaka Āvaśyaka Vidhi		ग
406-10	„ 6/46, 11/60 17/1 23/14 20/47	श्रावक विधि प्रकाश 5 प्रतिया	Śrāvaka Vidhi Prakāśa 5 copies	क्षमाकल्याण	„
411	ओसिया 2/247	„	„ „	—	„
412	सेवामदिर 3 अ 62	षडावश्यक विधि	Ṣaḍāvaśyaka Vidhi	—	„
413	महावीर 3 अ 78	सज्झाय पढावणादि विधि	Sajjhāya Paḍhāvanādi Vidhi	—	„
414	कुथुनाथ 37/18	सनाथ विधि	Sanātha Vidhi	—	„
415	महावीर 3 अ 88	सम्यक्त्व उच्चारणादि विधि	Samyaktva Uccāraṇādi Vidhi	—	„
416	सवामदिर 3 अ 177	सव तप विधि	Sarva Tapa Vidhi	—	„
417-8	महावीर 3 अ 90 95	सघपति मालारोपण 2 प्रतिया	Sanghapati Mālāropana 2 copies	—	„
419	, 3 अ 26	साधु विधि प्रकाशादि	Sādhu Vidhi Prakaśādi	—	„
420	3 अ 27	„	„	(मूल क्षमाकल्याण) —	„
421	ओसिया 3 अ 130	साधु श्राद्ध आलोचना	Sādhu Śraddha Ālocanā	—	„

6	7	8	8 A	9	10	11
तप व धार्मिक क्रिया विधि	स.	13	27 × 11 × 21 × 70	मपूर्ण	16वी	
साधु दिनचर्या नियम	,,	5	27 × 11 × 22 × 75	,. ग्रं. 395	1525, श्रीपत्त-नगर, जयरत्न	
जैन धार्मिक विधि शास्त्र	प्रा	162	25 × 11 × 11 × 47	,, ग्र. 3574	1962,जोधपुर शेरमल	लिपिक ने ग्रं 4672 लिखे है
धार्मिक विधियां	मा.	66	26 × 12 × 14 × 52	प्रतिपूर्ण	19वी	
अष्टोत्तरी स्नात्र, माडला	,,	1,1	26 × 11 व 24 × 11	,,	19वी	
पूजा धार्मिक क्रिया विधि	,,	9	26 × 11 × 15 × 55	,,	19वी	
,, ,,	,,	16	26 × 13 × 12 × 28	,,	1969,जोधपुर फाउलाल	
,, ,,	मा स	17	26 × 11 × 10 × 40	,,	19वी	
,, ,,	मा.	16	27 × 12 × 10 × 29	,,	20वी	
पर्व विधि माहात्म्य काव्य	,,	5	26 × 11 × 10 × 31	सपूर्ण 5 ढालें	19वी	
श्रावकाचार विधि	,,	2	26 × 11 × 18 × 55	प्रतिपूर्ण	18वी	
अतिचार प्रायश्चित परिमाण	प्रा सं.मा.	4	27 × 11 × 16 × 33	सपूर्ण	17वी	
प्रतिक्रमणकीविधिया	मा.	4	23 × 11 × 17 × 43	,,	1825	
श्रावकावश्यक की ,,	,,	13,7,9 19,11	24 से 30 × 12 से 15	4 = सपूर्ण, अंतिम अपूर्ण	19/20वी	
,, ,,	,,	17	26 × 12 × 13 × 35	सपूर्ण	1927	
आवश्यक क्रिया विधि	,,	4	26 × 12 × 8 × 34	प्रतिपूर्ण	20वी बीकानेर दीपविजय	
धार्मिक ,, ,,	,,	2	26 × 11 × 10 × 39	,,	20वी	
जिन जन्मोत्सव विधि वर्णन	अ.	2	26 × 11 × 14 × 60	,,	19वी	
धार्मिक क्रिया विधि	मा.	4	26 × 11 × 16 × 49	सपूर्ण	19वी	
62 प्रकार के तपो की	,,	3	26 × 11 × 15 × 72	,,	18वी × सावल-दास	
धार्मिकक्रियाउपधान	,,	4,2	26 × 12 व 25 × 11	,,	20वीं	
साधु आवश्यकादि	स	16	28 × 12 × 14 × 46	,,	20वी	
,,	मा.	39	26 × 12 × 10 × 30	,,	1896 नागौर चरित्रसागर	
प्रायश्चित परिमाण विचार	,,	1	42 × 11 × 23 × 68	,,	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
422 3	महावीर 3 ग्रा 28/29	साधु श्रावक विधि प्रकाश 2 प्रतिया	Sādhu Śrāvaka Vidhi Prakāśa 2 copies		ग
424	,, 3 ग्रा 24	साधु समाचारी	Sādhu Samācāri	हरिप्रभसूरि	,
425	के नाथ 21/47	सामायिक के वोल व प्रतिचार	Sāmāyika ke Bola & Aticāra	—	,,
426	,, 6/50	सामायिक ग्रहण विधान	Sāmāyika Grahaṇa Vidhāna	शिवनिधान	,,
427	, 26/29	सामायिक प्रतिक्रमणादि विधि	Sāmāyika Pratikramanādi Vidhi	—	,,
428	,, 5/51	,, (पचाङ्गी) विचार	,, Pañcāngi Vicāra	—	,,
429	,, 16/38	सामायिक विधि	,, Vidhi	—	,,
430	, गुटका 1	सामायिकादि दोष स्तवन	, Doṣa Stavana etc	ग्रानन्दनिधान	प
431-2	कोलडी 411-12	सिद्धचक्र गुणना दो प्रतिया	Siddhacakra Gunanā 2 copies	—	ग मत्र
433	कुथुनाथ 17/8	सिद्धान्त विधि	Siddhanta Vidhi	—	ग
434	के नाथ 22/16	सौभाग्य (ज्ञान) पचमी कथा	Saubhāgya Pañcami Kathā	कनककुशल	प
435	, 11/39	,,	,,	,,	,,
436	महावीर 3 ग्रा 9	,,	,,	,	,,
437	कोलडी 202	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
438	के नाथ 15/161	,,		,	पद्य
439	10/34		,	,,	मू ट (प ग)
440	कुथुनाथ 4/86	,,	,	,,	पद्य
441	कोलडी 201	,	,,	,,	मू ट (प ग)
442	महावीर 3 ग्रा 10	,	,,	,,	पद्य
443	सवामदिर 3 ग्रा 173	सौभाग्य पचमी व्याख्यान	Saubhāgya Pañcami Vyākhyāna	—	ग
444	ग्रोसिया 3 ग्रा 136	,, ,,	,	—	,,
445 6	कोलडी 197 203	, ,, 2 प्रतिया	, 2 copies	—	,,
447	के नाथ 23/74	, कथानक	, Kathanaka	—	,,
448	, 15/17	,, देववदन विधि	, Devavandana Vidhi	—	,,
449 50	कोलडी 407 8	,, , 2 प्रतिया	,, , 2 copies	विजयलक्ष्मी मुनि	प ग

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक धार्मिक विधि	सं मा.	65,31	26 × 13 व 25 × 12	सपूर्ण	20वी	
साधु दैनिकचर्या नियम	सं.	10	29 × 14 × 15 ×	422 पद संपूर्ण	20वी	
विश्लेषण व दृष्टांत	मा.	18	27 × 11 × 14 × 39	सपूर्ण	20वी	
श्रावकावश्यक विधि	,,	11	26 × 11 × 17 × 52	,, 16 विधियां	20वी	
धार्मिक ,, ,,	,,	4	26 × 13 × 14 × 40	अपूर्ण	20वी	
आवश्यक विधि	,,	3	25 × 12 × 11 × 33	संपूर्ण	1891	
,,	,	2	26 × 13 × 12 × 41	,,	20वी	
आवश्यक विधि विधान	,,	5*	22 × 19 × 22 × 32	सपूर्ण 5 स्तवन कुल 120 गा.	1814	
पूजा पाठ जप नाम स्मरण	स.	6,6	27 × 12 × 12/13 × 38	सपूर्ण	19वी	
आगम उद्धरणों से निर्णय	प्रा मा.	21	26 × 10 × 13 × 48	अपूर्ण	16वी	
पर्व व्रत कथा	सं.	7	26 × 12 × 12 × 37	सपूर्ण 152 श्लोक	1655	वरदत्त गुणमजरी कथा
,,	,,	5	25 × 10 × 13 × 32	अपूर्ण 45 से 152 श्लोक	1709	प्रथम द पत्रे कम
,,	,,	6	26 × 11 × 13 × 38	सपूर्ण 148 श्लोक	18वी	
,,	स मा	11	26 × 12 × 7 × 38	,, 144 ,,	1829	
,,	स.	5	25 × 12 × 15 × 40	,, 152 ,,	1838	
,,	स मा	17	27 × 12 × 10 × 35	,, 146 ,,	1858	
,,	सं.	14	25 × 13 × 7 × 30	,, 152 ,,	19वीं	
,,	स.मा	18	25 × 12 × 8 × 44	,, 145 ,,	19वीं	
,,	स.	6	26 × 12 × 14 × 44	,, 152 ,,	1944 जोधपुर देवकृष्ण	
,,	,,	30*	26 × 11 × 15 × 45	सपूर्ण	1859	
,,	,,	2	26 × 12 × 19 × 46	,,	1893	
,,	,,	4,4	24 × 11 व 25 × 10	,,	19वी	
,,	मा.	6	23 × 10 × 11 × 31	,,	19वीं	
पर्व क्रिया चैत्यवदन	,,	8	27 × 12 × 13 × 45	,,	19वी	
,,सज्झाय,,आदि	,,	7,16	26 × 11 व 25 × 12	प्रथम संपूर्ण, दूसरी अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
451	मुनिसुव्रत 3 इ 280	सौभाग्य पचमी स्तवन	Saubhāgya Pañcami Stavana	समयसुदर	प
452	के नाथ 20/46	,,		,,	,,
453	कोलडी 360	,,	,,	मानसागर (जीतसागर शिष्य)	,
454	ग्रोसिया 2/152	स्नात्र ग्रादि विधियाँ	Snātrādi Vidhiyān	—	प ग
455	के नाथ 6/115	स्नात्र महोत्सव विधि	Snātra Mahotsava Vidhi	नयविमल	प
456	कोलडी 962	स्नात्र विधि	Snātra Vidhi	—	मू व्याख्या
457	,, 405	,,		नयविजय	ग प
458 9	के नाथ 15/217 17/53	,, 2 प्रतिया	, 2 copies	—	ग
460	, 23/54	,	,,	—	ग प
461	कोलडी 354	स्नात्र विधि व कलश पूजा	+Kalaśa Pūjā	—	,
462	के नाथ 20/21	होली कथा	Holi Kathā	पतञ्चसूरि	प
463 4	कोलडी 178 453	, 2 प्रतियाँ	2 copies	,,	,
465	के नाथ 6 60	होली पव कथा	Holi Parva Kathā	पुण्यराज	,,
466	कोलडी 945	,,		,	,,
467	कुथुनाथ 20/13	होली रज पव कथा	Holi Rajaparva Kathā	जिनसुदर	,,
468	, 9/18	,,		,,	मू ट (प ग)
469	मुनिसुव्रत 3 ग्रा 164		,,	,,	,,
470 1	कोलडी 201 196	, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,	,,
472	मुनिसुव्रत 3 ग्रा 163	होली रज पव कल्प	, Kalpa	ग्रज्ञात	मू ट (प ग)
473	ग्रोसिया 3 ग्रा 159	,,		,	प
474	महावीर 3 ग्रा 22	,,	,,	,	,
475	कुथुनाथ 52/26	,	,	,	,,
476	के नाथ 21/37	,	,,		मू ट (प ग)
477	कोलडी 177	होली रज पव व्याख्यान	,, Vyākhyāna	क्षमाकल्याण	ग
478	महावीर 3 ग्रा 21	,	, ,	,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व विधि काव्य	मा.	2	20 × 10 × 10 × 28	सपूर्ण 20 गा	18वी	
,,	,,	3	26 × 13 × 12 × 26	,, ,,	19वी	
,,	,,	3	25 × 10 × 9 × 28	,, 3 ढाले	19वी	
विविध क्रियाये	प्रा.सं.मा	123*	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्ण चौथा पर्व (10 पन्ने +23 गा.)	16वी	
भक्ति क्रिया	मा.	5	24 × 10 × 15 × 45	सपूर्ण	1266	
मेरु जन्माभिषेक	स.	2	27 × 11 × 13 × 55	,, 4 श्लोक	19वी	
जिनभक्तिक्रियाविधि	मा.	5	24 × 12 × 13 × 44	सपूर्ण	1833	
,,	,,	3,4	26 × 11 × 13 × 38	,,	19वी	
,,	,,	11	26 × 12 × 13 × 24	,, पूजा	1933	(देवचदजी से अन्य)
,,	,,	9	26 × 13 × 15 × 40	,, ,,	19वी	
पर्व व्रत कथा	सं.	7	26 × 11 × 16 × 42	सपूर्ण 139 श्लोक	1824	
,,	,,	11,5	25 × 11 व 24 × 13	,, 138-9 श्लोक	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 44	,, 34 श्लोक	19वी	
,,	,,	10*	26 × 11 × 14 × 40	,, 33 ,,	19वी	
,,	,,	2	22 × 11 × 14 × 50	,, 51 ,,	19वी	
,,	स मा	5	27 × 13 × 6 × 37	,, 50 ,,	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 6 × 33	,, 51 ,,	19वी	
,,	,,	18*8*	25 × 12 व 26 × 10	,, 51/49 श्लोक	19वी	
,,	,,	4	24 × 11 × 7 × 42	संपूर्ण 69 श्लोक	1828 × ईश्वर	
,,	स.	2	25 × 11 × 14 × 47	,, ,,	1832	
,,	,,	3	28 × 13 × 12 × 44	,, ,,	19वी	
,,	,,	2	25 × 10 × 14 × 36	,, 64 ,,	19वी	
,,	स.मा	9	26 × 14 × 5 × 28	,, 64 ,,	19वी	
,,	सं.	2	24 × 13 × 13 × 44	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	2	26 × 13 × 17 × 45	,,	19वी, ग्रहमदा-वाद	

1	2	3	3 A	4	5
479	सेवामदिर 3 श्रा 173	होली रज पव व्याख्यान	Holı Rajaparva Vyākhyāna	—	ग
480	महावीर 3 श्रा 126	,,	,,	—	ग
481	महावीर 3 श्रा 1	,,	,,	—	,,
482	के नाथ 24/58	होली व्रत कथा	Holı Vrata Kathā	विनयचद	प

भाग/विभाग 3 (श्रा)-जन भक्ति व क्रिया

1	मुनिसुव्रत 3 इ 257	अजित शाति स्तव+वृत्ति	Ajıta Śāntı Stava+Vṛttı	नदीषएा/कमसागर	मू ट (प ग)
2	कुथुनाथ 10/173	अजित शाति स्तव	,	नदीषएा	मू (प)
3	के नाथ 6/123	,	,	,	,,
4	कुथुनाथ 15/6	,,	,	,,	मू ट (प ग)
5	कोलडी 461	,	,	,,	,,
6	सेवामदिर 3 इ 337	,, +बा	, +Bālā	,,/—	मू बा (प ग)
7-10	कुथुनाथ 14 4,1 8 10 37 5 14 12	, 4 प्रतिया	, 4 copies	नदीषेण	मू (प)
11 2	के नाथ 6/127 11/87	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies		,
13	कोलडी 1338	,,	,,	,	,,
14	सवामदिर 3 इ 365	,	,	,,	,,
15	के नाथ 15/68	अजित शाति स्तवन (मगल कमला)	Ajıta Śāntı Stavana	मदनदन	प
16	कोलडी 530	अर्हन् महस्र नाम समुच्चय	Arhan Sahasra Nāma Samuccaya	समतभद्र के शिष्य	,,
17	के नाथ 14/116	,,	,,	,,	,,
18	, 14/134	अल्प बहुत्वादि स्तवन सग्रह	Alpa Bahutvādı Stavana Sangraha	साधुकीर्ति	,,
19	26/85 गु	अष्टक सग्रह	Aṣṭaka Sangraha	सकलन	,,
20	कोलडी 1222	अष्टप्रकारी पूजा	Astaprakārı Pūjā	—	,,
21 4	के नाथ 24/69 14/114, 19/128 9/22	, 4 प्रतिया	, 4 copies	देवचद	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्रत कथा	स.	30*	26 × 11 × 15 × 45	सपूर्ण	1859	
,,	,,	25*	25 × 12 × 14 × 35	,,	1875	
,,	,,	11*	25 × 12 × 14 × 45	,,	1944	
,,	मा	2	25 × 11 × 18 × 45	,,	19वी	

स्तुति स्तोत्र स्तवनादि भक्ति साहित्य :—

भक्ति स्तोत्र	प्रा.स.	25	27 × 12 × 11 × 27	संपूर्ण 40 गा.	16वी	उपकेशगच्छ देव-कुमार का शिष्य
,,	प्रा	3	26 × 11 × 12 × 40	,, 45 ,,	16वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 7 × 35	,, 44 ,,	1696	
,,	प्रा.मा	5	25 × 11 × 8 × 46	,, 42 ,,	1770	
,,	,,	7	26 × 11 × 5 × 40	,, 40 ,,	1851	
,,	,,	17	25 × 11 × 5 × 35	,, 42 ,,	1884, जैसलमेर ज्ञानधर्म	अत मे 5 गाथा उप-सहार और
,,	प्रा.	4,4,7,3	23 से 26 × 10 से 11	तीन संपूर्ण 43/44 गा. अतिम अपूर्ण	19वी	
,,	,,	4,3	24 × 11 × 13 × 30/38	सपूर्ण 39 गा.	19वी	
,,	,,	5	26 × 11 × 10 × 33	,, 40 गा.	19वी	
,,	,,	9	25 × 11 × 11 × 32	संपूर्ण	19वी × सिद्धि-सागर	साथमेसामान्यस्तोत्र 4
,,	अ.	2*	26 × 11 × 14 × 43	,, 31 गा.	18वी	
जिन स्तुति	सं.	4	31 × 13 × 15 × 48	संपूर्ण 10 प्रकाश	19वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 19 × 64	,, ,,	19वी	
भक्ति काव्य	मा.	5	26 × 11 × 13 × 48	,, 3 स्तवन	19वीं	
,, (दिगबर)	स.	111*	12 × 11 × 9 × 13	,, 7 अष्टक (56 श्लोक)	19वी	मगलाष्ट(1),सिद्ध(1) नदीश्वर(4)दसल.(1)
जिन भक्ति (द्रव्य + भाव) काव्य	मा.	4	22 × 11 × 15 × 44	,,	1775	
,, ,,	,,	4,2,12,4	21 से 26 × 9 से 12	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
25	क नाथ 21/39	अष्टप्रकारी पूजा	Astaprakāri Pujā	वीरविजय	प
26	„ 19/98	„	„	देव (विनीतविजय शिष्य)	„
27	कोलडी 355	„	„	दयचंद	„
28	„ 919	„	„	अज्ञात	„
29	कुंथुनाथ 43/1	अष्टप्रकारी पूजा कथानक व विवेचन	„ Kathānaka	—	„
30	मुनिसुव्रत 3 इ 256	अष्टप्रकारी पूजा रास	„ Pūjā Rāsa	उदयरत्न	„
31	ने नाथ 15/148	„	„	„	„
32	कालडी 340	अष्टमी मौन एकादशी स्तवन	Astami Mauna ekādaśi Stavana	कांतिविजय	„
33	गोमिया 3 इ 188	अष्टोत्तरी जिन पूजा स्तवन	Aṣṭottari Jina Pūjā Stavan	नयविमल	„
34	महावीर 3 इ 163	आत्मनिन्दा अष्टक	Ātmanindā Astaka	—	पद्य
35	क नाथ 15/32	आत्मानुशासनादि स्तवन	Ātmānuśāsanādi Stavana	उदयकीर्ति/लावण्यकीर्ति	„
36	कालडी 327	आध्यात्मिक पद बहोत्तरी	Ādhyātmika Pada Bahottari	आनंदघन	प
37	„ गु 7/7	आध्यात्मिक पद संग्रह	„ Sangraha	आनंदघन ज्ञान राजगुर्जरा	„
38	„ 326	आध्यात्मिक स्तवन	„ Stavana	हरखचंद	„
39	क नाथ 14/85	आनंदघन पद	Ānandaghana Pada	आनंदघन	„
40	15/135	इक्कीसप्रकारी पूजा	Ikkisaprakāri Pūjā	ज्ञानचंद	„
41	कोलडी गु 9/9	(साधु वंदना) इसामुनिवंदउ प्रावना	(Sādhu Vandana) Isāmu ni Vandau	धर्मरत्न (कल्याणधीर का शिष्य)	„
42	„ 1332	उज्जैन मंडन पार्श्व स्तवन	Ujjaina Mandana Pārśva Stavana	हुमविमल शिष्य	„
43	महावीर 3 इ 105	उवसग्गहरस्तोत्र + वृत्ति	Uvasaggahara Stotra	भद्रबाहु/पार्श्वदेव	मू वृ (प ग)
44	3 इ 104	„ +	„	„ / —	„
45	3 इ 355	„ विधि सह	„	भद्रबाहु	प ग
46	गोमिया 2/152	उसरणे जिणपुर स्तोत्र ?	Usarne Jinapura Stotra	जिनदत्तसूरि	प
47	क नाथ 26/103	ऋषभ + जिनेन्द्र स्तोत्र	Rsabha + Jinendra Stotra	—	„
48	महावीर 3 इ 355	ऋषभ + वीर स्तुति	Rsabha + Vira Stuti	अज्ञात	„
49	क नाथ 10/71	ऋषभ (पहिलउपणमिय) स्तवन	Rsabha Stavana	विनयविजय	मू (प)

स्तुति स्तोत्र स्तवनादि भक्ति साहित्य :—

6	7	8	8 A	9	10	11
जिन भक्ति (द्रव्य + भाव) काव्य	मा	7	27 × 12 × 13 × 41	सपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	6	27 × 13 × 13 × 28	,,	19वी	
,, ,,	,,	3	29 × 12 × 12 × 40	,,	19वी	
,, ,,	,,	3	23 × 11 × 12 × 42	,,	1914	
पूजामीमासावदृष्टात	प्रा	15	29 × 12 × 17 × 60	अपूर्ण (चौथी से अत तक)	19वी	पन्ने सख्या 9 से 23 अत
दृष्टान्त कथानक	मा.	50	25 × 11 × 18 × 40	सपूर्ण 78 ढालें	18वी जोधपुर	1755 की कृति
,,	,,	90	27 × 11 × 13 × 53	,,	1821	
भक्ति पर्व तिथि	,,	5	26 × 11 × 11 × 40	सपूर्ण	19वी	
भक्ति काव्य	,,	3	25 × 11 × 15 × 50	,, 81 गा	1849 पाटण कुशालचद	
,, स्वाध्याय	स.	4*	28 × 14 × 17 × 47	सपूर्ण 10 श्लोक	19वी	
भक्ति गीत	मा.	3	25 × 11 × 11 × 31	,, 3 स्तवन	19वी	
भक्तिमय पद	,,	10	27 × 12 × 16 × 48	,, 78 पद	19वी	
,,	,,	गुटका	22 × 16 × 20 × 30	प्रतिपूर्ण	19वी	अत मे 34 छदो की रागमाला
,,	,,	7	24 × 10 × 11 × 34	सपूर्ण 22 स्तवन छद	1869	
,,	,,	4	28 × 13 × 15 × 45	अपूर्ण 4 पद मात्र	19वी	
जिन भक्ति काव्य	,,	8	28 × 13 × 11 × 30	सपूर्ण	1926	
साधु भक्ति काव्य	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	,, 69 छद	17वी	
जिन भक्ति गीत	,,	6*	26 × 11 × 17 × 42	,, 84 गा.	19वी	
भक्ति स्तोत्र	प्रा स.	7	27 × 13 × 14 × 41	सपूर्ण ग्रं 230	19वी	
,,	,,	4	26 × 13 × 13 × 42	अपूर्ण पाचवी गाथा तक ही	19वी	
स्तोत्र जाप विधि सह	प्रा मा.	1	25 × 11 × 15 × 50	सपूर्ण 11 गा.	20वी	
भक्ति स्तोत्र	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 13 गा	16वी	
भक्ति काव्य	सं.	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण 2 स्तवन 28 श्लोक	18वी	
,,	स प्रा.	1	21 × 12 × 8 × 24	,, 4-4 श्लोक की दो	20वी	
शत्रुंजय ऋषभ भक्ति	प्रा.	2	28 × 12 × 16 × 58	संपूर्ण 29 गा.	15वी	

1	2	3	3 A	4	5
81 6	महावीर 3 इ 53, 84 8,162,82 81	ऋषि मण्डल स्तोत्र 6 प्रतियां	Rsi Mandala Stotra 6 copies	—	प
87	3 इ 89	,,	,	—	मू ट (प ग
88	कोलडी 1328	,	,	—	,,
89	सवामदिर 3 इ 340	,,	,	—	,,
90	कुथुनाथ गु 36/1 क्र 9	एकीभाव स्तवन	Ekibhāva Stavana	वादिराज	प
91	के नाथ 19/120	कल्याणक-चौवीसी	Kalyanaka Cauvisi	महानंद (सोमचंद शिष्य)	,
92	कोलडी 1337	कल्याणमदिर-स्तोत्र	Kalyāṇa Mandira Stotra	कुमुदचंद्र	,,
93	कुथुनाथ 23/3	,	,	,	मू ट (प ग
94	के नाथ 22/65	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,/गुणरत्न	मू वृ (प ग
95	14/20	,,		कुमुदचंद्र	प
96	कोलडी 478	,	,	,	मू ट (प ग
97	, 481	,	,,	,,	,,
98	के नाथ 21/17	,,	,,	,,	प
99	कुथुनाथ 15/21	,, +वृत्ति	, +Vṛtti	कुमुदचंद्र/—	मू वृ (प ग
100	के नाथ 5/15	,		कुमुदचंद्र	मू ट (प ग
101	सवामदिर 3 इ 336	,	,	,,	,,
102	के नाथ 21/77	,, +बा	, +Bāla	,,	मू बा (प ग
103	सवामदिर 3 इ 33-	,, +बा	+Bāla	, /महिमासुदर	,,
104	3 इ 33		,,	कुमुदचंद्र	मू ट (प ग
105	3 इ 372	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,/हर्षकीर्ति	मू वृ (प ग
106	कोलडी 479	,,	,	, —	मू ट (प ग
107 8	कुथुनाथ 15/7 19/6	,, 2 प्रतियां	2 copies	,	प
109 15	के नाथ 5/28 10 88 11/91 15/197 21/66 21 80 26-32	, 7 प्रतियां	,, 7 copies	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्तिमय प्रार्थना	स.	6,3,2,4 6,17	24 से 28 × 11 से 13	संपूर्ण श्लोक सख्या भिन्न 93	19/20वी	अतिम 2 मे पाठ व साधना विधि भी है
,,	स.मा.	7	25 × 13 × 5 × 33	,, 84 श्लोक	19वी	
,,	,,	14	30 × 13 × 3 × 27	,, 81 ,,	1904	
,,	,,	9	26 × 12 × 4 × 26	,, ,, ,,	1964	
,,	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 26 श्लोक	1544	
तीर्थकर भक्ति	मा.	9	26 × 11 × 14 × 39	,, 24स्तवन+कलश	19वी	
भक्ति स्तोत्र (पार्श्व)	सं.	3	25 × 10 × 11 × 44	संपूर्ण 44 श्लोक	16वी	
,,	स.मा.	7	26 × 11 × 5 × 54	,, ,,	16वी	
,,	सं.	7	26 × 11 × 5 × 37	,, ,,	1663	
,,	,,	4	25 × 11 × 11 × 35	,, ,,	1697	
,,	सं मा.	9	24 × 12 × 6 × 33	,, ,,	1702	
,,	,,	8	25 × 12 × 5 × 34	,, ,,	1718	
,,	सं.	9	24 × 11 × 7 × 21	,, ,,	1727	
,,	,,	10	26 × 10 × 4 × 60	,, ,,	1756	
,,	स मा.	6	26 × 11 × 5 × 46	,, ,,	1766	
,,	,,	8	25 × 11 × 6 × 31	,, ,,	1802	
,,	,,	18	24 × 11 × 12 × 36	,, 44 श्लोक का	1809	
,,	,,	42	26 × 11 × 12 × 25	,, ,,	1816, उदेपुर राजसुदर	
,,	,,	8	26 × 11 × 4 × 36	41 श्लोक तक अतिम पन्ना कम	1818	कथा सह
,,	स	12	26 × 12 × 18 × 64	सपूर्ण	1829, विक्रमपुर	
,,	स.मा.	9	26 × 11 × 4 × 38	,, 44 श्लोक	1846	
,,	स.	5,7	26 × 11/12 × भिन्न 2	पहिली पूर्ण, दूसरी 20 श्लोक	19वी	
,,	,,	5,5,3, 2,4,4	21 से 26 × 11 से 12	सपूर्ण 44 श्लोक	19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
116	के नाथ 23-18	कल्याणमन्दिर स्तोत्र	Kalyāna Mandira Stotra	कुमुदचद्र	मू ट (प ग)
117	कोलडी 1227	,,	,,	,	प
118 9	सेवामंदिर 3 इ 335 32	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,	,,
120	कोलडी 1152	, +व	, +Vṛtti	,,	मू वृ (प ग)
121	ग्रोमिया 3 इ 175	, +वृ	,, +Vṛtti	,, /हृपकीर्ति	,,
122	के नाथ 6/43	,, +वृ	, +Vṛtti	,, —	,,
123	ग्रोमिया 3 इ 183	, +बा	,, +Bālā	,,	मू बा (प ग)
124	महावीर 3 इ 80	,, कल्प	, Kalpa	,, /बनारसीदास	मू ग्रनुवा (प म) ट मत्र ग
125	, 3 इ 78	, ,,	, ,	,, ,,	केवल मत्र
126	क नाथ 18/61	कल्याणमदिर-भाषा	Bhāsā	बनारसीदास	प
127	ग्रोसिया 3 इ 196	,,	,,	,,	,
128	कोलडी 538		,, ,,	,	,,
129	क नाथ 6/58	,	,, ,	,	,,
130	महावीर 3 इ 35९	कुशलसूरि ग्रष्टक	Kuśalaśūri Astaka	रत्नसाम	,
131	क नाथ 18/97	,, ग्रष्टप्रकारी पूजा	,, Astaprakārī Pujā	—	,
132	6/126	, ग्रारती व स्तवन	, Ārati & Stavana	—	,,
133	, 18/66	, गीत	,, Gita	साधुकीर्ति	,,
134	26/103	,, छन्द व ग्रष्टक	, Chanda & Astaka	विजयसिंह	,,
135	,, 23/83	, निशाणी	, Niśāni	उदयरत्न ग्रादि	,,
136	,, 3 इ 345	, मत्र	, Mantra	—	मत्र
137	कालडी 904	सज्झाय स्तवन	Sajjhāya & Stavana	—	प
138	क नाथ 14/102	क्षेत्रपाल छद	Ksetrapāla Chanda	—	,,
139	कानडी 930	क्षेत्रपाल पूजा विधिसह	Pujā Vidhisaha	—	ग मत्र
140	क नाथ 26/85 गु	क्षेत्रपाल ग्रचलमणि विजय भद्र, मरव पूजा	, +4 others Pujā	—	पद्य
141	कोलडी 295	गणधर स्तव	Gaṇadhara Stava	ज्ञानविमल	प

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र (पार्श्व)	सं मा	6	25 × 11 × 6 × 44	सपूर्ण 44 श्लोक	19वी	
,,	स.	7	15 × 10 × 11 × 20	,, ,,	19वी	
,,	,,	4,6	22 × 11 व 24 × 11	,, ,,	19/20वी	
,,	,,	6	26 × 11 × 21 × 66	अपूर्ण 26वे श्लोक तक	18वी	
,,	,,	11	26 × 12 × 18 × 54	सपूर्ण 44 श्लोक	19वी	
,,	,,	20	25 × 11 × 13 × 50	, 44श्लोककीग्र 727	19वी	
,,	स मा	11	25 × 11 × 22 × 52	,, 44 श्लोकोका	1887	प्रारभमेंसिद्धसेनकथा
,,	,,	22	28 × 14 × 6 × 36	सपूर्ण 44 श्लोक	19वी	
,,	,,	34	26 × 13 × 7 × 32	अपूर्ण बाकी जगह खाली है	1928 मेडता हुकमविजय	
पार्श्व जिन भक्ति	मा.	2	26 × 11 × 13 × 61	सपूर्ण 44 श्लोको का पद्यानुवाद	1748	
,,	,,	2	24 × 11 × 14 × 45	,, ,,	1826 विक्रमपुर वखतसुदर	
,,	,,	3	30 × 11 × 11 × 37	,, 40 ,,	19वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 12 × 31	,, 46 ,,	19वी	
दादा गुरु की भक्ति	स.	1	28 × 12 × 12 × 50	सपूर्ण 9 श्लोक	1964 × दुर्लभसुदर	
,,	मा.	6	16 × 12 × 13 × 21	सपूर्ण	1897	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 35	,,	19वी	
,,	,,	5	26 × 13 × 11 × 35	,, दो गीत गा.15 + 42	19वी	
,,	मा.स.	2	25 × 11 × 15 × 38	,, 30 गा. + 8 श्लोक	1784	
,,	मा	6	22 × 13 × 13 × 26	,, साथ मे अन्य दादा स्तवन	19वी	
,,	स.	1	28 × 12 × 14 × 40	,, साथ मे जाप विधि	19वी	
,,	मा.	3	26 × 11 × 11 × 48	,, ,, अन्य स्तवनादि भी	19वी	
सम्यग्दृष्टि देवस्तुति	,,	3	22 × 12 × 11 × 23	,, 18 पद	19वी	
,, भक्ति	,,	2	26 × 12 × 13 × 36	,,	19वी	
,, ,,	स.	13	12 × 11 × 12 × 15	,, पाचो की 5 पूजा अर्घ्य जयमाला सम्मेत	19वी	दिगम्बर आम्नायकी
गणधरों की भक्ति	मा.	4	26 × 13 × 15 × 45	,, 11 गणधरो की स्तुति व चैत्यवदन व स्तवन	19वी	पहिला पन्ना कम

1	2	3	3 A	4	5
142	कोलडी गु 9/9	गुरु गीत	Guru Gita	—	प
143	सेवामदिर गु 20 दे	,, (उम्मेद पच्चीसिका)	,,	किस्तूर सवग	,,
144	,, 3 इ 353	गुरुनाथ दिव्याष्टकम्+वृत्ति	Gurunātha Divyāstaka	जिनपद्मसूरि	मू वृ (प ग)
145	के नाथ 15/5	गुरु पारतन्त्र्य स्मरण व सिग्घर्मावर स्तोत्रादि+वत्ति	Gurupāratantrya &2 other Stotra	जिनदत्तसूरि/जयसागर (प्रथम की)	,, (,,)
146	ग्रोसिया 3 इ 222	गुरु सज्भाय	Guru Sajjbāya	यशाविजय	प
147	मुनिसुव्रत 3 इ 323	गौतम ग्रष्टक	Gautama Astaka	—	,
148	कुथुनाथ 2/31	,		—	,,
149	सेवामदिर 3 इ 350	गौतम स्वामी स्तोत्र	Gautama Svāmi Stotra	—	,,
150	, 3 इ 345	गौतम स्तोत्र (महामत्र)	Gautama Stotra	वज्रस्वामी	,,
151	3 इ 347	, +वृत्ति	,	वज्रस्वामी/--	मू वृ (प ग)
152	कुथुनाथ 44/5	ग्रह गभित 24 जिन स्तुति	Grahagarbhita 24 Jina Stuti	—	प
153	महावीर 3 इ 48	ग्रह शाति+वृहत् शाति	Graha Śānti+B Śānti	भद्रबाहु + —	,
154	ग्रासिया 2/152	घूमावली व ज्ञानवत	Ghūmāvali & Jnānavṛta	—	,,
155	महावीर 3 इ 134	चक्रेश्वरी स्तोत्र	Cakresvari Stotra	—	,,
156	के नाथ 19/40	,, ,, शाति आदि	etc	—	,
157	महावीर 3 इ 133	, यत्रबद्ध स्तोत्र विधिसह	,, Yantrabaddha Stotra etc	—	,,
158	कुथुनाथ 36/1 व 10 11 23	चतुर्विंशति जिनस्तवन	Caturvimśati Jina Stavana	भूपाल	,,
159	कोलडी 515	,	,	जिनप्रभ	,,
160	महावीर 3 ग्रा 48	,, स्तोत्र	Stotra	सागरचन्द्र	,
161	कोलडी 510	,	,, ,	—	,
162	920	,, स्तवन	, Stavana	ग्रानदविजय	
163	343	, , (दा)	, ,	जयचद्र व ग्रानद	,,
164	कुथुनाथ 4/99	,,	, ,	ग्रानदविमल	,,
165	ग्रोसिया 3 इ 262	,, छदवावनी	,, Chanda Bāvani	नयविमल	,,
166	के नाथ 14/15	,, स्तवन	,, Stavana	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	मा.	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	संपूर्ण चार गीत	17वी	
,,	,,	3	26 × 20 × 29 × 28	,, 25 कवित्त + 4 गीत	1926	1926 की कृति/ जीर्ण
दादाकुशल भक्ति काव्य	स.	5	25 × 15 × 18 × 50	,, 9 छद	1955 सुभटपुर	
भक्ति स्तोत्र	प्रा सं.	14*	25 × 10 × 15 × 54	,, तीन स्तोत्र गा. 26,21,14	16वी	
गुरु गुण स्वाध्याय	मा.	5	27 × 12 × 11 × 34	संपूर्ण दो सज्झाय = 80 गाथा	1836	
भक्ति श्लोक	सं.	1	23 × 10 × 12 × 35	,, 9 श्लोक	18वी	
,,	,,	1	27 × 12 × 11 × 25	संपूर्ण	1973	
,,	,,	5+1	10 × 6 × 7 × 16	,, 2 स्तोत्र 11+8 श्लोक	18वी	
,,	,,	1	25 × 12 × 12 × 60	,, 11 श्लोक	19वी	जीर्ण
,, व्याख्या	,,	5	26 × 13 × 12 × 37	,, 12 श्लोक की	1829 जोधपुर चमनमल	
भक्ति	,,	गुटका	12 × 9 × 9 × 18	,, 12 श्लोक	18वी	
,,	,,	7	21 × 9 × 7 × 32	,, 9 श्लोक + शाति-पुरी	19वी	
भक्ति व ज्ञान सबन्धी	प्र	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 14 + 13 गा.	16वी	
सम्यग्दृष्टि देवीस्तुति	स.	4	20 × 10 × 7 × 14	,, 9 पद	20वी × विनयचद्र	
,,	,,	13	21 × 10 × 9 × 30	सपूर्ण	19वी	
,, + मत्र	प्रा स.	12*	27 × 11 × 6 × 26	,, 9+8 श्लोक	1961	
सर्व तीर्थंकर सामान्य भक्ति	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	संपूर्ण 3 स्तवन (25,24 25 श्लोक)	1544	
,, ,,	,,	6	25 × 10 × 8 × 20	सपूर्ण 8 श्लोक + 22 श्लोक	1762	अत मे लघु स्तोत्र है
,, ,,	,,	3*	24 × 11 × 17 × 60	,, 25 ,,	18वीं	
,, ,,	,,	3	26 × 13 × 12 × 24	,, 24+7 श्लोक	1913	अत में लघु जिन-पजर स्तोत्र
,, ,,	मा.	3	23 × 10 × 10 × 24	,, 29 श्लोक गाथा	19वी	
,, ,,	,,	2	27 × 10 × 18 × 58	,, 2 स्तवन 27 व 30 गा	19वी	
,, ,,	,,	5	13 × 11 × 12 × 12	,, 29 गाथा	1956	
,, ,,	,,	3	26 × 11 × 14 × 38	,, ग्रंथाग्र 90	20वी जोधपुर छवील	
,, ,,	,,	5	25 × 11 × 11 × 43	संपूर्ण	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
167	क नाथ 14/97	चतुर्विंशतिजिन-स्तुति	Caturviṁśati Jina Stuti	जिनप्रभसूरि	प
168	कोलडी 484	"	,	—	"
169	" 504	"	,	—	"
170	के नाथ 6/85	चन्द्राउला	Candrāulā	गारव देव	,
171	मुनिसुव्रत 3 इ 323	चरित्र मनोरथमाला	Caritra Manorathamālā	धमराज	"
172 3	क नाथ 24/44-39	चार मगल दो प्रतियां	Cāra Maṅgala 2 copies	न्द्रजयमल	"
174	" 15/126	चार मगल आदि स्तवन	Cāra Maṅgala & other Stavans	गुणविनय	"
175	मुनिसुव्रत 3 इ 323	चत्यपरिपाटी स्तव	Caityaparipāṭi Stava	धमसूरि	"
176	कुथुनाथ 16/16	चत्यवदन	Caityavandana	—	"
177	महावीर 3 इ 7	" सग्रह	Saṅgraha	जिनयविजय	"
178	के नाथ 10/73	चत्यवन्दन+स्तवनादि	+Stavanādi	चतरिमल	"
179	" 15/141	चौमासी देववन्दन	Caumāsī Devavandana	पद्मविजय	,
180	कोलडी 322	चौवीस चत्यवदन	Cauvisa Caityavandana	मानविजय	,
181	कुथुनाथ 43/12	, "	,	—	,
182	, 4/95	, नमस्कार	, Namaskāra	—	"
183	सेवामदिर 3 इ 345	, ,	"	—	"
184 5	के नाथ 17/71, गु 14	, " 2 प्रतियां	, 2 copies	क्षमाकल्याण	"
186	श्रोसियां 3 इ 225	, ,	,	"	"
187 8	के नाथ 19/83 23/57	, पूजा 2 प्रतियां	, Pūjā 2 copies	जिनचद्रसूरि	"
189	कुथुनाथ 17/20	, सवय	, Savaiye	सेम	"
190	श्रोसियां 3 इ 359	, स्तुति मत्र	, Stuti Mantra	—	"
191	महावीर 3 इ 52	" स्तुतियें+अवचूरि	" Stutiyen+Avacuri	मुनिसुदर (सोमसुदर का शिष्य)	मू अ (प ग)
192	3 इ 54	, " + "	, " +	बप्पभट्टसूरि	मू अ (प ग)
193	कोलडी 503	" + वृत्ति	, " +Vṛtti	—	मू वृ (प ग)
194	" 1129	, स्तुतियें+अवचूरि	" Stutiyen+Avacūri	शोभनमुनि	मू अ (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
सर्व तीर्थंकर सामान्य भक्ति	स.	1	26 × 12 × 11 × 35	सपूर्ण 9 श्लोक	19वी	
,, ,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 34	,, 34+9+7श्लोक	19वी	अंत मे 2 ग्रह छद हैं
,, ,,	,,	2	30 × 12 × 13 × 36	सपूर्ण	19वी	साथ मे ग्रह राशि नक्षत्र जिनो के
भक्ति गीत	मा.	5	25 × 11 × 12 × 37	,,	19वी	
,,	,,	1	24 × 11 × 14 × 42	अपूर्ण 27 से 52 अंत तक	1694 आसारा	
,,	,,	12*11	26 × 11 × 26 × 13	सपूर्ण 4 ढाले = 147 गा	19/20वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 46	,,	19वी	
,,	स	1	25 × 12 × 14 × 35	,, 16 श्लोक	19वी × श्रीविजय	
,,	,,	2	20 × 13 × 10 × 24	,, 8 श्लोक	19वी	
,,	मा.	3	27 × 13 × 8 × 18	,, 3 चैत्यवदन	1910 अजमेर नरेन्द्रसागर	
,,	,,	7	27 × 13 × 14 × 55	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	17	27 × 12 × 11 × 38	,, तीर्थ तीर्थकरो के	19वी	स्तवन स्तुति नमस्का
प्रत्येक तीर्थकर भक्ति	,,	5	26 × 11 × 11 × 36	सपूर्ण 24 चैत्यवदन	19वी	
,,	स.	1	26 × 11 × 12 × 38	अपूर्ण 11वे तीर्थंकर तक ही	19वी	
,,	,,	1	25 × 11 × 11 × 45	सपूर्ण 24 नमस्कार 11 श्लोक	1827	
,,	मा.	2	26 × 11 × 10 × 32	अपूर्ण 12वे तीर्थकर तक ही	20वी सदी	
,,	,,	6,16	26 × 11 व 14 × 16	सपूर्ण 24+1 नमस्कार × 6 गा	1859/89	
,,	,,	4	26 × 11 × 14 × 47	,, ,, ,,	1869 × अमृत-सुदर	
,,	,,	11,12	26 × 13 × भिन्न 2	,, 24 पूजाये	19वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 14 × 42	अपूर्ण 21 तीर्थकरो तक 21	19वी	
,,	प्रा.	5	24 × 12 × 11 × 36	सपूर्ण 24 तीर्थंकरो की कुल 27	20वी	
,,	स.	4	26 × 12 × 15 × 52	,, ,, ,, + 28 अन्य	15वी	प्रत्येक तीर्थकर के 2 पद है
,,	,,	3	26 × 11 × 28 × 65	सपूर्ण 24 × 4=96 पद	15वी	
,,	,,	2	31 × 11 × 20 × 50	सपूर्ण 24 तीर्थकरो की 28 श्लो	16वी	
,,	,,	4	26 × 12 × 14 × 60	अपूर्ण 22वे तीर्थंकर तक 89,,	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
195	कोलडी 1188	चौबीस जिन स्तुतियें	Cauvisa Jina Stutiyen	शोभनमुनि	प
196	सवामंदिर 3 इ 342	,,	,,	,,	,,
197	कोलडी 487	,,	,,	,,	,,
198	,, 1113	,,	,,	,,	,,
199-201	,,485 86 88	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,
202	महावीर 3 इ 51	,, +वृत्ति	, +Vṛtti	शोभनमुनि/जयविजय	,,
203	सवामंदिर 3 इ 345	,,	,,	शोभनमुनि	मू ट (प ग)
204	के नाथ 29/22	, स्तुति पंचाशिका	, (Pañcāśikā)	रामविजय (जिनलाभ का शिष्य)	प
205 6	महावीर 3 इ 4 158	, स्तुतियें 2 प्रतियां	,, 2 copies	क्षमाकल्याण	,,
207	,, 3 इ 5	, +वृत्ति	, +Vṛtti	,, (स्वोपज्ञ ?)	,,
208	, 3 इ 49	, —	,, —	—	,,
209	घासिया 3 इ 363	,	,	क्षमाकल्याण	,,
210	के नाथ 18/86		,	पद्मविजय	,,
211	,, 19/99		,,	जिनराजसूरि	,,
212	कोलडी 329	,	,,	यशोविजय	,,
213-4	,, गुटका 2/8, 10/4	,, 2 प्रतियां	2 copies	ज्ञानसार	,,
215	के नाथ 23/56	चौबीस स्तुतियें चैत्यवंदन	,Caityavandana	लावण्यसमय	,,
216	,, 23/89	, चैत्य नमस्कार	, Namaskāra	पद्मविजय	,
217	,, 26/103	चौबीस जिनस्तवन	Cauvisa Jina Stavana	जिनप्रभसूरि	,,
218	कोलडी 1/9 गु	,	,,	जिनराजसूरि (जिनसिंह सूरि शिष्य)	,,
219	मुनिसुव्रत 3 इ 254	,,		,,	,,
220	के नाथ 26/92	,	,,	,,	,,
221	घासिया 3 इ 189	,,	,,	,,	,,
222	मुनिसुव्रत 3 इ 253	,,	,,	,,	,,
223	महावीर 3 इ 20	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रत्येक तीर्थंकर भक्ति	सं.	7	24 × 11 × 13 × 32	संपूर्ण 24 स्तुतिये 96 पद	18वी	
,,	,,	6	25 × 11 × 15 × 38	,, ,,	18वी	
,,	,,	10	25 × 11 × 11 × 34	,, ,,	1840	
,,	,,	15	24 × 11 × 9 × 25	,, ,,	1842	
,,	,,	5,4,5	25 से 27 × 10 से 11	,, ,,	19वी	
,,	,,	59	27 × 12 × 14 × 43	संपूर्ण 96 पद की ग्रं. 2350	1925	वृत्तिकार देवविजय का शिष्य
,,	सं.मा.	7	25 × 12 × 3 × 34	अपूर्ण अंतिम 3 स्तुतिये मात्र	1814	
,,	स.	4	25 × 11 × 13 × 38	सपूर्ण 50+9 = श्लोक कुल	1885	
,,	,,	8,4	27 से 28 × 13 से 14	,, 24 × 3 = 77 श्लोक ग्रं. 148	(1)1950पाली-ताना, (2)20वी	
,,	,,	25	27 × 11 × 12 × 37	,, 77 श्लोक	1957, अमदा-बाद, नरोत्तम	
,,	,,	2	28 × 13 × 15 × 48	अपूर्ण 12 की ही कुल 48 पद्य	20वी	(तीर्थंकर 1 से 11, 13 की है)
,,	,,	7	24 × 13 × 11 × 38	सपूर्ण 24 की 77 श्लोक	20वी	
,,	मा.	3	26 × 11 × 12 × 34	,, 24 की	19वी	
,,	,,	4	26 × 11 × 18 × 45	,, 25 स्तुतियें+2 गीत	19वी	
,,	,,	4	26 × 13 × 13 × 52	अपूर्ण 16वे तीर्थंकर तक	19वी	
,,	,,	गुटका	13 × 11 व 15 × 11	सपूर्ण 24 स्तुतिये	19वी	
,,	,,	6	30 × 14 × 14 × 38	सपूर्ण 24 स्तुतियें, 24 चैत्यवदन	19वी	
,,	,,	11	20 × 11 × 15 × 41	सपूर्ण 24 स्तुतिये, 24 चैत्य., 24 नमस्कार	19वी	
,,	स.	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण 24 पद	18वी	
,,	मा.	35*	12 × 11 × 18 × 22	अपूर्ण	1721	
,,	,,	5	25 × 11 × 17 × 42	सपूर्ण 24 स्तवन+2	1728, पाली, यशोलाल	
,,	,,	गुटका	20 × 16 × 22 × 18	सपूर्ण (24 × 5) = 120 पद्य गाथा कुल	1767	
,,	,,	5	26 × 11 × 15 × 44	संपूर्ण 24 स्तवन	18वी सूर्यपुर, मेरुलाभ	
,,	,,	6	24 × 10 × 13 × 36	,, ,,	18वी	
,,	,,	9	22 × 11 × 11 × 32	,, ,,	1897	

1	2	3	3 A	4	5
224 5	के नाथ 10/31 26/84	चोवीस जिनस्तवन 2 प्रतिया	Cauvisa Jina Stavana 2 copies	जिनराजसूरि	प
226	" 19/122	"	"	आनन्दघन	प
227	" 19/1	" +बा	" +Bālā	आनन्दघन (ज्ञानसार व ज्ञानविमल	मू बा
228	" 6/41	"	"	उदयरत्न	प
229	महावीर 3 इ 33	" +बा	" +Bālā	देवचंद/—	मू बा
230	कुंथुनाथ 36/2	"	"	देवचंद	प
231	के नाथ 19/8	" (अतीत)	" (Atita)	"	"
232	" 19/16	"		ऋषिऋषभ	"
233	" 10/72	"	"	यशाविजय	"
234	" गु 1	"		लक्ष्मीवल्लभ (राजकवि)	"
235	10/62	" (बावनी)	" (Bāvani)	नयविमल	"
236	कोलडी 421	" +स्तुति+चत्य	"	पद्मविजय	"
237	गु 7/7	"	"	पूनराजमुनि	"
238	के नाथ 19/11	"	"	भावविजय	"
239	24/73	"	"	जिनमहेन्द्रसूरि	"
240 1	कोलडी 302,गु 2/6	" 2 प्रतिया	" 2 copies	मोहनविजय (रूप विजय का शिष्य)	"
242	गु 7/7	"	"	रतन मुनि	"
243	मुनिसुव्रत 3 इ 252	"	"	पद्मसागर (मगल सागर का शिष्य)	"
244	कोलडी 1350	"	"	सुमतिविजय	"
245	" 330	"	"	रामविजय (सुमति-विजय का)	"
246	" गु 2/8	"	"	रामविजय +गुण-विलास	"
247	कुंथुनाथ 54/11		"	विनयचंद	"
248	कोलडी गु 7/7	"	"	समयसुंदर	"
249	कोलडी 330	"	"	हरखचंद	"
250 1	" 349 48	चौसठ पूजायें 2 प्रतिया	Causatha Pūjāyen 2 copies	वीरविजय	"

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रत्येक तीर्थंकर भक्ति	मा.	8,26	26 × 12 व 13 × 12	प्रथम मे पहिला और द्वितीय मे पहिले चार स्तवन कम है	19वी	
,,	,,	14	25 × 11 × 11 × 28	संपूर्ण 24 स्तवन	1874	
,,	,,	142	26 × 13 × 11 × 43	,, ,,	1866	
,,	,,	4	24 × 13 × 14 × 31	,, ,,	19वी	
,,	,,	86	26 × 12 × 14 × 54	,, ,, ग्र 4224	1892 मेडता, पुण्यसुदर	
,,	,,	गुटका	25 × 20 × 15 × 28	,, 24 स्तवन	1794	
,,	,,	13	26 × 11 × 11 × 33	अपूर्ण 21 तीर्थंकर तक ही है	1888	
,,	,,	3	26 × 12 × 14 × 34	संपूर्ण 24 स्तवन तीन 2 छद के	19वी	
,,	,,	11	24 × 12 × 11 × 25	,, ,,	1877	
,,	.,	3	22 × 19 × 22 × 32	,, ,,	1814	
,,	,,	4	30 × 14 × 11 × 42	,, 26 पद (2-2 गा)	19वी	
,,	,,	16	25 × 12 × 10 × 40	,, 24-24 स्तवन स्तुति, चैत्य.	,,	
,,	,,	गुटका	22 × 16 × 20 × 30	,, 24 स्तवन	,,	
,,	,,	5	25 × 11 × 16 × 44	,, ,,	,,	
,,	,,	4	25 × 12 × 14 × 38	,, ,, +1 छद	,,	
,,	,,	12,गुटका	27 × 11 व 15 × 12	,, ,,	19/20वी	
,,	,.	गुटका	22 × 16 × 20 × 30	,, ,'	19वी	
,,	,,	10	26 × 12 × 12 × 37	,, ,,	,,	
,,	,,	3	25 × 10 × 17 × 35	अपूर्ण (17 वे तीर्थंकर तक ही है)	,,	
,,	,,	10	26 × 12 × 12 × 36	संपूर्ण 24 स्तवन	1867	
,ा	,,	गुटका	13 × 11 × 16 × 27	,, ,,	19वी	
,,	,,	,,	6 × 6 × 8 × 12	,, ,,	,,	
,,	,,	,,	22 × 16 × 20 × 30	,, ,,	,,	
,,	,,	11	23 × 11 × 7 × 26	अपूर्ण 21 स्तवन	1861	
तीर्थंकर पूजा भक्ति	,,	14,33	28 × 13 × 27 × 11	सपूर्ण 64 पूजायें विधिसह	1894,1887	1874 की कृति

1	2	3	3 A	4	5
252	महावीर 3 इ 355	चौसठ प्रकारी पूजा विधि मंत्रादि	Causaṭha Prakārī Pūjā Vidhi etc	—	प
253	के नाथ 15/124	छिन्नू जिनस्तवन	Chinnū Jina Stavana	जिनचन्द्रसूरि	,,
254	,, 26/103	जगजीवनचन्द्रसूरि-अष्टक	Jagajivanacandra Astaka	पन्नालाल	,,
255	,, 5/75	जयतिहुयण-स्तोत्र	Jayti Huaṇa Stotra	अभयदेव	मू प (
256	,, 22/47	,, +वृत्ति+बा	,, +Vṛtti+Balā	,, /—	मू वृ बा
257	सवा मंदिर 3 इ 374	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /—	मू वृ (प
258	मुनिसुव्रत 3 इ 268	,,	,,	अभयदेव	मू
259-63	के नाथ 14 75 15-162 22-71 15 51 14 64	,, 5 प्रतियां	,, 5 copies	,,	,,
264	कुन्थु 2/27	,,	,,	,,	,,
265	के नाथ 24/74	,, वृत्तिसह	+with Vṛtti	,,	मू वृ (प
266	महावीर 3 इ 1	,,	,,	,,	मू प
267-8	,, 3 इ 2,159	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	मू
269	सवामन्दिर 3 इ 345	जयतिहुयण-भाषा	,, Bhāṣā	क्षमाकल्याण	प
270	3 इ 341	जिनगुणरस	Jina Guṇa Rasa	वणीराम	,,
271	के नाथ 15/204	,,	,,	,,	,,
272	कानडी 341	,,	,,	,,	,,
273	सवामंदिर 3 इ 346	,,		,,	,,
274	महावीर 3 इ 135	जिनदत्त+कुशलसूरि-स्तोत्र	Jinadatta+Kusalasūri Stotra	—	पद्य
275	के नाथ 26/83	जिनपिंजर स्तोत्र	Jina Piñjara Stotra	कमलप्रभाचार्य	पद्य
276	,, 18/94	जिनपूजाप्रसंग	Jina Pūjā Prasaṅga	—	ग
277	कानडी 529	जिन सहस्रनाम	Jina Sahasra Nāma	—	मू प
278	,, 910	,,	,,	—	,,
279	,, 528	जिनसहस्रनाम स्तोत्र	,, Stotra	सिद्धसेन दिवाकर	प
280	महावीर 3 इ 21	जिनस्तवन	Jina Stavana	जयानंद	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर पूजा भक्ति	स.मा.	1	26 × 12 × 15 × 52	सपूर्ण 8 दिनो की	19वी	
,,	मा.	4	26 × 12 × 16 × 29	अपूर्ण 23 गाथा	19वी	पहिला पन्ना कम
गुरु भक्ति मंत्र	सं.	2	25 × 12 × 20 × 56	सपूर्ण 11 + 12 श्लोक	18वी	अत में ऋषि मडल का आमूल मत्र
पार्श्व जिन भक्ति	प्रा स	2	26 × 11 × 12 × 57	,, 30 गा.	16वी	
,,	प्रा.सं मा	4	26 × 11 × 5 × 59	,, ,,	17वी	
,,	प्रा.स.	5	26 × 11 × 17 × 63	,, 30 गा. की ग्र 300	19वी	
,,	प्रा.	2	25 × 10 × 14 × 51	,, 30 गा + 16 श्लोक स्तुति के सस्कृत मे	18वी	
,,	,,	3,4,2,3, 6	24 से 28 × 11 से 15	प्रथम चार पूर्ण अतिम अपूर्ण	19वी	
,,	,,	4	25 × 11 × 9 × 36	संपूर्ण 30 गा	19वी	
,,	प्रा.स.	4	26 × 10 × 21 × 65	,, ,,	19वी	
,,	,,	8	27 × 13 × 13 × 47	,, ,,	1942 पालनपुर नरेन्द्रसागर	
,,	प्रा.	6,3	21 × 12 व 26 × 14	,, ,,	20वी	
,,	मा.	3	25 × 11 × 16 × 32	,, 40 गा.	1876 उदयपुर	
तीर्थंकर भक्ति	,,	7	25 × 11 × 15 × 47	,, 186 गा.	1847 थोभ, माणकउदय	1769 की कृति
,,	,,	6	21 × 15 × 19 × 50	,, ,,	1851	
,,	,,	4	27 × 11 × 21 × 50	,, 191 गा.	19वी	
,,	,,	39	17 × 13 × 11 × 13	,, 193 गा.	1930	
दादा गुरु भक्ति	अ.मा.	2	23 × 11 × 13 × 34	,, 2 पद 9 + 19 गाथा + 4 सवैया	1944 खाचरोद भगवानचद	
तीर्थंकर भक्ति	सं.	8	17 × 12 × 13 × 16	संपूर्ण 24 श्लोक	19वी	
भक्ति विधान अर्चना	मा.	16	21 × 13 × 14 × 25	,,	19वी	
भक्ति स्मरण पद	सं.	2	31 × 11 × 16 × 44	,,	1805	
,,	,,	3	26 × 12 × 11 × 36	,, 41 श्लोक	19वी	
,,	,,	1	31 × 13 × 20 × 62	,,	19वी	
तीर्थंकर भक्ति	,,	4*	17 × 8 × 8 × 22	,, 9 श्लोक	1733	

1	2	3	3 A	4	5
281	सवामदिर 3 इ 350	जिनस्तवन (चन्द्र प्रभु व अन्य)	Jina Stavana	—	पद्य
282	मुनिसुव्रत 3 इ 323	"	"	जिनप्रभ आदि	"
283	सवामदिर 3 इ 345	"	"	—	"
284	कुंथुनाथ 26/9	जिनस्तुतियाँ	Jina Stutiyān	—	"
285	" 17/18	"	"	समरमुनि	"
286	ग्रोसिया 3 इ 194	"	"	वाचक चरित्रनद	"
287	कुंथुनाथ 36/1 क्र 25,24,18 17	जिनस्तोत्र	Jina Stotra	पद्मनंदि	"
288	कोलडी 1224	" सावचूरि	" Sāvcūri	जयानद/मिषमुनि	मू अ (प ग)
289	महावीर 3 इ 41, 355	" व मत्र	"	—	प
290	कुंथुनाथ 2/43	"	"	साधुराजगणि	"
291	कु नाथ 11/23	जुहार भट्टारक	Juhāra Bhaṭṭāraka	—	ग
292	कुंथुनाथ 44/5	जैनमहिम्नस्तोत्र	Jaina Mahimna Stotra	—	प
293	महावीर 3 इ 355	जैनरक्षास्तोत्र	Jaina Rakṣā Stotra	भद्रबाहु	"
294	कोलडी 336	जैनरक्षा+जिनपिंजरस्तोत्र	" +Jina Piñjara	" +कमलप्रभ	"
295	मुनिसुव्रत 3 इ 313	जौजासमणी	Jaujā Samaṇi	हेमविजय	"
296	कु नाथ 15/201	तिजयपहुत्त स्तोत्र	Tijayapahutta Stotra	देवसूरि	मू ट (प ग)
297	महावीर 3 इ 47	" +वृत्ति	"	" +हर्षकीर्ति	मू वृ (प ग)
298	सवामदिर 3 इ 345	"	"	—	मू (प)
299	ग्रोसिया 3 इ 213	" +कल्पविधि	"	—	मू ट (प ग)
300	" 2/152	तीर्थंकरों की बोली	Tirthankaron ki Boli	—	मू (पद्य)
301	"	तीर्थंकरों के कलश	" ke kalaśa	—	" "
302	महावीर 2/24	तीर्थमाला प्रकरण	Tirthamālā Prakaraṇa	चन्द्रमुनि	प
303	कु नाथ 6/12	त्रिजगत शास्वत बिंब स्तवन	Trijagat Śāsvata Bimba Stavana	रत्नसूरि	"
304	महावीर 3 इ 355	त्रिषष्ठीशलाकापुरुष-स्तवन	Trisasthi Śalākā Purusa Stavana	—	"
305	कु नाथ 10/43	दस लक्षणी पूजा	Dasa Laksani Pūjā	—	"

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति	स.	गुटका	10 × 6 × 7 × 16	कुल 4 स्तवन (पूर्ण अपूर्ण) 1 2	18वी	
,,	,,	1	25 × 10 × 15 × 44	कुल 3 स्तवन + 1 स्तुति/ 26 श्लोक	,,	
,,	स.मा.	1	25 × 10 × 11 × 48	कुल 2 स्तवन सपूर्ण 20 श्लोक	19वी	
,,	,,	5	27 × 13 × 8 × 30	प्रतिपूर्ण कुल 7 स्तुतिये	,,	
,,	मा.	1	25 × 11 × 15 × 44	कुल 12 स्तुतिये	,,	
,,	,,	4	27 × 11 × 12 × 53	,, 10 ,,	,,	
,,	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 4 स्तोत्र (कुल 66 श्लोक)	1544	
,,	,,	7	26 × 10 × 1 × 33	सपूर्ण 9 श्लोक	1766	
,,	प्रा.स.	3	25 से 27 × 12 × भिन्न2	,, 4 पद कुल 16 गाथा	18/20वी	
,,	स.	1	26 × 11 × 13 × 45	,, 12 श्लोक	19वी	
भक्ति	प्रा	12*	25 × 11 × 13 × 36	सपूर्ण	18वी	
,,	स.	1	12 × 9 × 9 × 18	अपूर्ण (सपूर्ण के 41 श्लोक)	,,	केवल चार श्लोक है
,,	,,	1	25 × 11 × 13 × 42	पूर्ण 21 श्लोक	19वी त्रिभुवन-कुशल	
,,	,,	11*	30 × 12 × 12 × भिन्न2	सपूर्ण 2 स्तोत्र (18+24 श्लोक	19वी	
महावीर भक्ति गीत	प्राकृत	3	21 × 11 × 7 × 21	सपूर्ण 23 गाथा	1812 मेडता आर्यारामुजी	
भक्ति तीर्थंकर की	प्रा.मा.	1	25 × 11 × 18 × 36	,, 14 गाथा	1658	
,,	प्रा.स.	14*	25 × 12 × 13 × 35	,, ,,	19वी	
,,	प्रा.	1	22 × 10 × 10 × 30	,, ,,	,,	
,,	प्रा.सं मा	8	25 × 11 × 4 × 29	,, ,, + अन्य गद्य	,, सूरत	
तीर्थंकर भक्ति स्तव	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 4+7 गा. (2 तीर्थंकरो की	16वी	
,,	,,	,,	26 × 12 × 11 × 40	,, 72 गा. (5 तीर्थंकरो के)	,,	
तीर्थंकर नमस्कार काव्य	अपभ्रंश	7	25 × 11 × 11 × 31	,, 109 गा.	1722	तीर्थों का भी उल्लेख है
,, भक्ति व वृत्तात	मा.	3	25 × 11 × 13 × 40	,, 45 गाथायें	1759	
भक्ति	,,	1	23 × 11 × 13 × 34	,, 18 ,,	18वी	
भक्ति व औपदेशिक	,,	6	29 × 13 × 8 × 27	सपूर्ण	1903	दिगम्बर आम्नाय

1	2	3	3 A	4	5
306	महावीर 3 इ 23	दादा गुरु की पूजा व स्तवन	Dādāguru kı Pūjā & Stavana	लाभसूरि+ज्ञानसार	प
307	कुंथुनाथ गुटका 36/क्र 52	धरणोरगेन्द्र स्तवन	Dharaṇogendra Stavana	—	"
308	के नाथ 23/75	" +अवचूरि	" +Avacūrı	—	मू अ (प ग)
309	के नाथ 14/127	धर्मजिणंदस्तवन+सज्झाय	Dharma Jınanda Stavana +Sajjhāya	विजयभद्र	प
310	के नाथ 26/64	धुलेवा केशरियानाथ आदि सवया	Dhuleva Keśarıyanatha Ādı Savaıyā	—	"
311	महावीर 3 इ 160	नमस्कार फल-दृष्टान्त	Namaskāra Phala Dṛstānta	—	"
312	महावीर 3 इ 161	माहात्म्य	" Māhātmya	सिद्धसेन	"
313	कुंथुनाथ 37/19	, ,	" "	—	ग
314	के नाथ 22/70	नमस्कारस्तव	, Stava	कीर्तिसूरि	मू (प)
315	संवामदिर 3 इ 34	" +वृत्ति	, ,	" /—	मू वृ (प ग)
316	के नाथ 11/89	नवकार अर्थ (बा)	, Artha (Bālā)	—	मू बा
317	मुनिसुव्रत 3 इ 279	"	, "	अज्ञात	ग
318	घोलडी 905	"	, ,	—	"
319	के नाथ 24/38	नवकारअर्थ व कथा	Navakāra Artha & Kathā	—	"
320	घोलडी 1231	नवकार कथायें	, Kathāyen	—	"
321	मुनिसुव्रत 3 इ 323	नवकार जाप	, Jāpa	—	"
322	के नाथ 4/21	नवकार प्रबन्ध	, Prabandha	विद्यावर्द्धन	प
323	मुनिसुव्रत 3 इ 223	नवकार फल व स्तोत्र	" Phala+Stotra	—	"
324-5	के नाथ 15/156 24/55	नवकार बालावबोध 2 प्रतियां	, Bālāvabodha 2 copies	—	ग
326	मुनिसुव्रत 3/271	नवकार महिमा	" Mahımā	—	"
327	कुंथुनाथ 24/7	नवकार माहात्म्य	" Māhātmya	—	"
328	, 26/6	" "	" "	—	"
329	मुनिसुव्रत 3 इ 297	नवकार रास	" Rāsa	अज्ञात	प
330	घोसियां 3 इ 170	नवकार (पांचपद) सज्झाय	" Sajjhāya	ज्ञानविमल	"
331	घोसियां 3 इ 351	नवकार-स्तवन (रास)	" Stavana (Rāsa)	वाचक कुशललाभ	"

6	7	8	8 A	9	10	11
(जिन कुशलसूरि-पूजा)	मा.	16	25 × 12 × 11 × 27	सपूर्ण	19वी	
भक्ति स्तव	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 39 श्लोक	1544	
,,	,,	6*	16 × 11 × 12 × 41	,,	1626	
भक्ति स्वाध्याय	मा.	3	27 × 13 × 14 × 40	सपूर्ण 3 स्तवन 1 हितोपदेश सज्झाय	19वी	
भक्ति न्यायचर्चा व उपदेश	,,	8	31 × 16 × 14 × 42	सपूर्ण 91 सवैये	19वी	क्रमशः 34,229 26 सवैये,
भक्तिमाहात्म्य	स.	11	26 × 13 × 15 × 40	,, 325 श्लोक	1960	
,,	,,	6	28 × 14 × 17 × 41	,, 217 श्लोक 8 प्रकाश	19वी	
नवकार माहात्म्य	मा.	20	25 × 12 × 15 × 56	अपूर्ण	19वी	
भक्ति ,,	प्रा.	3*	26 × 12 × 11 × 35	सपूर्ण 32 गा.	18वी	
,,	प्रा.स.	2	27 × 12 × 22 × 78	अपूर्ण (18 से अत तक)	19वी	
,,	प्रा.मा.	4	25 × 10 × 13 × 36	सपूर्ण	1785	
,,	मा.	2	25 × 10 × 19 × 46	,,	18वी	
,,	,,	4	26 × 10 × 13 × 55	,,	19वी	
,,	,,	18	22 × 13 × 11 × 23	,,	19वी	
माहात्म्य दृष्टान्त	,,	5	25 × 10 × 17 × 50	,,	1756	
भक्ति स्मरण	,,	1	25 × 11 × 15 × 58	,, 13 अनुच्छेद	1765 जट्टमल्ल	
माहात्म्य वृत्तात	,,	41	26 × 11 × 13 × 38	,,	1683	(पचपरमेष्ठी रास)
भक्ति ,,	प्रा.	2	24 × 10 व 26 × 11	,, दो 23 व 12 गाथा	17/19वी	
भक्ति मत्र विवेचन	मा.	4,3	25 × 10 व 17 × 47	सपूर्ण	19वी	
भक्ति महात्म्य	,,	7	25 × 12 × 17 × 47	,, 6 कथासह	19वी × शिवचदजी	
,, ,,	सं	8	27 × 12 × 12 × 36	अपूर्ण-जिनदास कथा तक	19वी	
,, ,,	,,	10	26 × 12 × 12 × 44	अपूर्ण-हुडिक चोर कथा-तक	19वी	
,, काव्य	मा.	2	24 × 10 × 13 × 31	सपूर्ण 21 छद	18वी	अत मे पार्श्वस्तव (लघु)
भक्ति स्वाध्याय	,,	6	25 × 11 × 11 × 26	,, 8 सज्झाये	20वी	
भक्ति माहात्म्य	,,	93*	25 × 11 × 18 × 43	,, 17 गाथा	19वी	

6	7	8	8 A	9	10	11
ग्रहभक्ति	सं.मा.	3	24 × 11 × 11 × 35	सपूर्ण	20वी उम्मेद-हस	
भक्ति ग्रहो की भी	स.	6*	26 × 11 × 12 × 41	सपूर्ण 10 श्लोक	1626	
,,	,,	5	26 × 12 × 11 × 28	,, ,,	19वी	साथ मे कल्याण मदिर स्तोत्र
,,	,,	1	25 × 12 × 20 × 56	सपूर्ण 3 स्तोत्र (कुल 39 श्लोक	18वी	
,,	प्रा.स.	14*	25 × 12 × 13 × 35	संपूर्ण 11 गाथा की	19वी	
,, ज्योतिप	मा.	गुटका	17 × 14 × 11 × 18	,,	1828	
,, जैन	स.	2	28 × 13 × 12 × 33	,, 9 स्तोत्र	19वी	
स्मरण अक मत्र	मा.	1	42 × 11 × 13 × 47	,, अक तालिकाये	20वी	
भक्ति	,,	3	27 × 12 × 17 × 51	सपूर्ण 9-9 चैत्य. स्त स्तु कुल 27	19वी	
,, काव्य	,,	7	25 × 11 × 11 × 40	सपूर्ण नौ पूजा (12 ढाल)	,,	
,, ,,	,,	13	24 × 11 × 10 × 20	,, (12 ढाल) चार खड	,,	जीर्ण
,, ,,	,,	21	25 × 11 × 10 × 34	सपूर्ण	1872	
,, ,,	,,	3	25 × 13 × 13 × 40	अपूर्ण चौथे खड की 11 वी ढाल	19वी	
,, ,,	,,	3	28 × 12 × 12 × 38	अपूर्ण 46 गा चौथे खड की 11वी ढाल	1870	
,, ,,	,,	8	24 × 12 × 13 × 30	सपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	9	23 × 13 × 6 × 17	,, अतिम पन्ना कम	20वी	
,, ,,	सं.मा.	2	25 × 13 × 13 × 30	,,	19वी	
,, ,,	मा.	2	16 × 12 × 10 × 19	,,	,,	
,, ,,	,,	गुटका	10 × 8 × 7 × 8	,,	20वी	
,, ,,	प्रा स.	18	25 × 11 × 11 × 44	सपूर्ण सप्त स्मरण 2 शाति भक्तामर + कल्याण	18वी	यहाँ शाति की जगह जयति व वीरस्तवन है।
,, ,,	,,	10	30 × 12 × भिन्न 2	अपूर्ण 4 स्मरण 2 शाति भक्तामर + कल्याण	1836	
,, ,,	,,	16,11 19,12, 12,24	23 से 26 × 11 से 22	सपूर्ण-7 स्मरण शाति = 9 + 2 स्तोत्र भक्तामर व कल्याण	19वी	
,, ,,	,,	17,14	26 × 12 व 26 × 14	,,	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
361	कु नाथ 14/120	नवस्मरण+2 स्तोत्र	Nava Smaraṇa+2 Stotra	मकरन्द	पद्य
362	आमिया 3 ट 238	+ „		„	„
363	कु नाथ 21/41	नवाणुप्रकारी पूजा	Navaṇu Prakāri Pūjā	वीरविजय	प
364 5	कासली 351,350	„ „ 2 प्रतियां	„ 2 copies	„	„
366	कुं नाथ 26/85उ	नंदीश्वरद्वीप पूजा मंत्र	Nandisvara Dvipa Pujā Mantra	—	„
367	पातडी 356	„ व पोसणा	„ & Posaṇa	धर्मचन्द	„
368	महावीर 4 अ 27	नंदीश्वर स्तव+वृत्ति	Nadisvara Stava—Vṛtti	पूर्णनाथ	मू वृ
369	कु नाथ 15/56	„ स्तवन	„ Stavana	मेरुसुन्दर	प
370	„ 15/211	नाटक पूजा स्वाध्याय	Nātaka Pujā Sv..dhyaya	—	„
371	सेवामन्दिर 3 ट 352	नित्यनियम पूजा वचनिका	Nityaniyama Pujā Vacanikā	मकरन्द	प ग
372	कुंथुनाथ 36/1 क्रम 21 39	निरंजन स्तोत्र+जिन नामाष्टक	Nirañjana Stotra etc	—	प
373	कु नाथ 14/62	नेमिनाथ-स्तवन	Nemināthа Stavana	गुणविजय	„
374	कुंथुनाथ 33/34	„	„	धर्मचन्द	„
375	कु नाथ 15/207		„	गुणविजय	„
376	„ 18/85		„	आणंदसूरि (हर्षविमल का)	„
377	„ 15/92	„	„	आनन्दकीर्ति	„
378	पद्मामन्दिर 3 ट 348	„	„	श्रावक रूपचन्द	„
379	मुनिसुव्रत 3 ट 244		„	आनन्दसार (वृद्धकीर्ति का)	„
380	महावीर 3 ट 50	„ स्तुति+अवचूरि	„	चतुर्भुज	मू अ (प ग)
381	मुनिसुव्रत 3 ट 300	नेमी राजुल बारहमासा	Nemi Rājula Bārahamāsa	—	प
382	कुं नाथ 24/70	„	„	—	„
383	„ 26/41	„	„	विनयचन्द	„
384	कासली 1265	„	„	वृन्दकवि	„
385	„ 939	„	„	उदयरत्न	„
386	कु नाथ 26/71	नेमी राजुल-संवाद	„ Samvāda	—	प ग

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	प्रा.सं.	19	25 × 11 × 12 × 32	भक्तामर व कल्याण	20वी	
,,	,,	15	24 × 10 × 12 × 37	अपूर्ण स्मरण 4 ही है	20वी	
,,	मा.	7	29 × 13 × 12 × 37	सपूर्ण 11 अभिपेक + अतिम ढाल	19वी	
,,	,,	7,25	27 × 13 व 27 × 12	सपूर्ण 11 अभिपेक 200 गा.	19वी	
,,	स.	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	सपूर्ण 52 श्लोक	19वी	
भक्ति व विवाह वर्णन	मा.	16	26 × 12 × 12 × 35	,,	19वी	
भक्ति व द्वीप वर्णन	प्रा.स.	35	27 × 11 × 15 × 45	,, 25 गाथा	1531 अहमदावाद, धर्मसेन	अत मे श्री सिद्धात 1 पृष्ठ मे
,, ,,	मा.	3	23 × 11 × 12 × 34	,, ,,	19वी	
भक्ति स्वाध्याय	,,	1	26 × 12 × 13 × 50	,,	20वी	
दैनिक पूजा पाठ भक्ति	प्रा स मा.	7	33 × 14 × 10 × 36	अपूर्ण	19वी	
भक्ति	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 2 स्तोत्र 9 + 9 श्लोक के	1544	
तीर्थंकर भक्ति	मा.	2	25 × 11 × 17 × 37	सपूर्ण 81 गाथा	1699	
,,	,,	2 + 2	26 × 12 × 9 × 42	,, 20 गाथा	17वी	दो बार लिखा है
,,	,,	2	25 × 11 × 17 × 50	,, 77 गाथा	1749	अत मे जबू सज्झाय'
,,	,,	2	25 × 11 × 15 × 41	,, 80 गाथा	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 46	,, 23 गा.	19वी	
,,	,,	7	24 × 13 × 9 × 27	,, 68 गाथा	19वी	अत मे 5 गाथा का शाति स्तवन
,,	,,	6*	26 × 11 × 15 × 50	,, 62 गाथा	19वी रत्नहर्ष गणि	
,,	सं.	4	26 × 12 × 13 × 45	,, 9 पद	1927 वालूचर सदासुख	
भक्ति विरह गीत	मा.	2	24 × 10 × 13 × 42	सपूर्ण 28 गा.	1825	
,,	,,	3	24 × 10 × 11 × 27	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	2	24 × 12 × 16 × 49	,, 13 गा.	19वी	
,,	,,	16*	21 × 11 × 10 × 30	,, 13 सवैया	19वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 19 × 70	,, ग्र. 125	19वी	
,,	,,	1	26 × 11 × 13 × 32	अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
387	महावीर 3 इ 36	परमज्योति पच्चीसी	Paramajyoti Paccisi	यशोविजय	प
388	मुनिसुव्रत 3 इ 323	परमेष्ठी रक्षा स्तोत्र	Paramesthi Raksā Stotra	—	,,
389	महावीर 3आ 48	परमेष्ठी विद्याकल्प	,, Vidyā Kalpa	सिंहतिलकसूरि	,,
390	कालडी 352	पंचकल्याणक पूजा	Pañca Kalyānaka Pūjā	वीरविजय	,,
391	कुंथुनाथ 31/8	मंगलस्तव	Pañca Kalyāṇaka Mangala Stava	रूपचंद मुनि	,,
392	कालडी 1183	पंचज्ञानपूजा	Panca Jñana Pūja	रूपविजय	,,
393	आमिया 3 इ 202	संग्रह	Sangraha	सुमति (क्षमाकल्याण शिष्य)	,,
394	आमिया 3 इ 198	पंचदश तिथि स्तुतियें	Pañcadasa Tithi Stutiyen	ज्ञानविमल नयविमल	,,
395	कालडी 321	,,		,, ,,	,,
396	कुंथुनाथ 6/94			,, ,,	,,
397	कुंथुनाथ 20/17	पंचपरमेष्ठी गुण	Pañcaparamesthi Guna	देवचंद	ग
398	मुनिसुव्रत 3 इ 281	,, नमस्कार	,, Namaskāra	वल्लभसूरि	प
399	आमिया 3 इ 261	पूजा	,, Pūjā	सुमति (क्षमाकल्याण शिष्य)	,,
400	कुंथुनाथ 20/44	पंचपरमेष्ठी महानमस्कार स्तव	Pañcaparamesthi Mahā namaskāra Stava	—	,,
401	महावीर 3 इ 40	महास्तव+वृत्ति	Mahāstva	जिनकीर्तिसूरि (स्वोपज्ञ)	मू वृ (प ग)
402	नवामन्दिर 3 इ 350	स्तवन	Stavana	—	मू (प)
403	,,	स्तवन		—	प
404	,, ,,	,, स्तव व स्तोत्र	Stava & Stotra	जिनप्रभसूरि	,,
405	कुंथुनाथ 55/11	स्तोत्र सावचूरि	Stotra with Avacūri	मानतुङ्गसूरि	मू अ (प ग)
406	कालडी 925	पंचमीमहिमा-स्तवन	Pañca Mahimā Stavana	विजयलक्ष्मीसूरि	प
407	कालडी 442	पाक्षिक चैत्यवंदन	Paksika Catyaivandana	—	,,
408	महावीर 3 इ 43	पाक्षिक नमस्कार नमो भाति स्तोत्र	Namaskāra etc	—	,,
409	कालडी 502	पाक्षिकादि जिन चैत्यवंदन	Paksikādi Jin Chaityavandana	—	,,
410	,, 803/3	पाठपूजन-चोपडी	pāthapūjana Copadi	—	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
आत्म स्वरूप भक्ति	स.	2	28 × 12 × 15 × 48	सपूर्ण 50 श्लोक (2 पच्चीसिया)	20वी	
भक्ति	,,	1	25 × 11 × 8 × 32	,, 8 श्लोक	18वी	
भक्ति (मत्रमय)	,,	40*	25 × 11 × 14 × 50	,, 77 श्लोक	1962	
जिन भक्ति काव्य	मा.	7	27 × 11 × 12 × 36	सपूर्ण	1902	
भक्ति तीर्थंकर	,,	गुटका	24 × 22 × 15 × 12	,, 25 गा.	20वी	
श्रुत भक्ति काव्य	,,	9	26 × 13 × 9 × 30	,,	19वी	
,,	,,	5	24 × 11 × 10 × 37	,, 5 पूजाये	1958	
तिथि भक्ति काव्य	,,	5	25 × 11 × 15 × 36	,, कुल 17 स्तुतिये	19वी	
,,	,,	6	25 × 11 × 14 × 38	,, कुल 16 स्तुतिये	,,	
,,	,,	4	25 × 12 × 13 × 44	,, कुल 16 स्तुतिये	,,	
भक्ति आधार	,,	21*	25 × 11 × 10 × 34	संपूर्ण 67,51,70,50भेद	1872	
भक्ति	प्रा.	2	25 × 10 × 13 × 44	,, 25 गाथा	18वी	
,,	मा.	7	24 × 11 × 10 × 32	सपूर्ण	1958	
,,	,,	6	27 × 13 × 11 × 33	,, 2 स्तवन (दूसरा अपूर्ण)	19वी	साथ मे वृ-त शाति
,,	प्रा स.	4	27 × 12 × 22 × 69	सपूर्ण 32 पद	,,	
,,	प्रा,	6	10 × 6 × 7 × 16	,, 34 गा	18वी	
विधान व विवरण	सं	7	10 × 6 × 7 × 16	,, 2 पद (8 श्लोक 5 अनु)	,,	
भक्ति नमस्कार	,.	7	10 × 6 × 7 × 16	सपूर्ण 2 स्तोत्र (33 × 5 श्लोक)	,,	
भक्ति	प्रा.सं.	1	25 × 10 × 15 × 53	संपूर्ण 34 गाथा	15वी	
तिथि माहात्म्य भक्ति	मा.	3	25 × 12 × 7 × 30	,, 5 ढाले	19वी	
भक्ति	सं.	26*	27 × 13 × 11 × 32	,, 49 श्लोक	,,	
,,	,,	4	27 × 12 × 11 × 40	,, तीन स्तोत्र 49, 11,13 श्लोक	1841	
,,	,,	4	31 × 12 × 13 × 44	सपूर्ण 5 चैत्यवदन कुल 94 श्लोक	1862	
भक्ति क्रिया काण्ड	सं.मा.	10	5 × 8 × 5 × 10	सपूर्ण	1937	

1	2	3	3 A	4	5
411	क नाथ 14/17	पारणक वृद्ध लघु आदि सज्झाय सग्रह	Pāranaka Sajjhāya	—	पद्य
412	कुथुनाथ 2/44	पार्श्वस्तव	Pārśva Stava	जिनप्रभसूरि	,,
413	के नाथ 29/54	,,	,,	—	,,
414	क नाथ 18/44	(सहस्रफरणा) पार्श्वस्तोत्र	Pārśva Stotra	भक्तिलाभ (रतनचद्र-शिष्य)	,,
415	कुथुनाथ 36/1 क्रम 13 15 29 30 32 48,	पार्श्वस्तोत्राणि	Stotrāni	विद्यापति राजसन पद्म नदि, जिनपति	,,
416	क नाथ 19/46	,,	,, ,,	जिनचद्र	,,
417	महावीर 3 इ 21	पार्श्वस्तोत्र	,,	जिनचद्र सूरि	,,
418	सवामदिर 3 इ 345	पार्श्व लघ व वृहत स्तोत्राणि वत्तिसह	,, with Vrtti	परशिक्षित सुदर	मू वृ (प
419	के नाथ 26/103	पार्श्वस्तवनानि	Stavanāni	जिनवल्लभ शिवशकर अज्ञात	प
420	सवामदिर 3 इ 350	,, स्तवनानि स्तोत्राणि	,,	धमसूरि मेरुनदन व अन्य	,,
421	महावीर 3 इ 355	,, स्तोत्र ध्यान व मत्र	Stotra etc	—	,,
422	कुथुनाथ 44/5	,, स्तोत्राणि	Stotrāni	—	,,
423	मुनिसुव्रत 3 इ 307	व मणिभद्र स्तोत्र	Stotra etc	—	,,
424	कालडी 1325	,, स्तोत्राणि	,, Stotrāni	—	,,
425	मुनिसुव्रत 3 इ 323	,, स्तवनानि	,, Stavanāni	—	,,
426	कुथुनाथ 10/138	पार्श्व+पचपष्ठी स्तोत्र	,, Stotra etc	मेरुतुङ्ग+जयतिलक शिष्य ?	,,
427	क नाथ 11/64	पार्श्वस्तव	Stava	मेरुतुङ्ग	,,
428	क नाथ 11/100	,,	,, ,,	—	,,
429	महावीर 3 इ 150	पार्श्व व अन्य स्तोत्राणि	Stotrāni etc	जिनप्रभ आदि	,,
430	सवामदिर 3 इ 379	,, स्तव	,, Stava	—	,,
431 2	ओसिया 3 इ 237 265	स्तवनानि 2 प्रतिया	,, Stavanāni 2 copies	—	,,
433 5	कुथुनाथ 10/144 139 2/23	,, स्तवनानि 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
436	क नाथ 18/64	,, ,,	Stavanāni	—	,,
437 8	महावीर 3 इ 260 25	,, स्तोत्राणि 2 प्रतिया	,, Stotrāni 2 copies	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति क्रिया	प्रा.	5	25 × 11 × 12 × 40	सपूर्ण 6 सज्झाये = कुल 99 गाथा	19वी	
तीर्थंकर भक्ति	,,	1	25 × 11 × 12 × 36	सपूर्ण 10 गा.	16वी	
,,	,,	1	25 × 11 × 17 × 50	,, 36 गा कलशसह	16वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 8 × 32	,, 15 गा.	17वी	
,,	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 6 स्तोत्र कुल 101 श्लोक	1544	
,,	,,	4*	25 × 11 × 13 × 35	सपूर्ण 2 स्तोत्र 7 + 5 श्लोक	1806	
,,	,,	4†	16 × 8 × 8 × 24	सपूर्ण 10 श्लोक + पचा गुलीमत्र	1773 × हित-चन्द्र	
,,	,,	6	24 × 11 × 18 × 72	सपूर्ण	18वी	शब्द 'सकला' पर 1 पूरा स्तोत्र
,,	,,	2	25 × 12 × 20 × 56	संपूर्ण 4 स्तवन कुल 39 श्लोक	18वी	तीसरा फलवर्द्धी व चौथा वरकाणा का
,,	,,	35	10 × 6 × 7 × 16	मपूर्ण 8 स्तवन कुल 116 श्लोक	18वी	अतिम स्तोत्र 3 गा. का प्राकृत मे
मत्रमय भक्ति	,,	1	25 × 11 × 11 × 30	मपूर्ण	18वी	
तीर्थंकर भक्ति	,,	गुटका	12 × 9 × 9 × 18	,, 3 स्तोत्र कुल 63 श्लोक	18वी	
,,	,,	3	21 × 10 × 9 × 42	,, दो, स. 7 श्लोक	1808/10	मणिभद्रचद 21 गा मारु में
,,	प्रा.स.	8	14 × 10 × 10 × 17	सपूर्ण 7 स्तोत्र कुल श्लोक 69	1814	अतिम 2 स्तोत्र प्राकृत मे
,,	स.	2	24 × 10 व 17 × 9	सपूर्ण 11 श्लोक + 7श्लोक	(प्रथम)1818 अहिपुर कर्मठ	
,,	,,	1	24 × 11 × 15 × 44	,, 2 स्तोत्र 11 + 8 श्लोक	1877	
,,	,,	2*	26 × 11 × 13 × 49	,, 14 श्लोक	16वी	
,,	,,	3	25 × 12 × 11 × 20	,, 33 श्लोक	19वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 17 × 50	सपूर्ण 4 स्तोत्र कुल 51 श्लोक	19वी	सूर्य सरस्वती के भी श्लोक है
,,	,,	2	23 × 10 × 14 × 45	अपूर्ण 33 श्लोक तक	18वी	
,,	,,	2,1	24 × 11 × $\frac{14}{13}$ × 35	सपूर्ण 6 स्तवन कुल	19वी	अत मे नदीश्वरस्तवन
,,	,,	1,1,1	21 से 26	,, 10 स्तोत्र	18/19वी	अत मे शारदा स्तोत्र भी है
,,	स.प्रा.	2	25 × 12 × 11 × 30	,, 2 स्तव 13 + 3 श्लोक	19वी	
,,	,,	2,2	20 × 11 व 28 × 15	,, 4 स्तोत्र कुल 94 श्लोक	20वी	अंत मे अट्टे मट्टे मत्र

1	2	3	3 A	4	5
439	मुनिसुव्रत 3 इ 323	पाश्व अष्टोत्तर पद्मावती स्तोत्र	P ırśva Astottara Padmā vatı Stotra	हपसागर	प
440	सवामदिर 3 इ 350	पाश्व अष्टात्तर पद्मावती स्तात्र		—	,,
441	महावीर 3 इ 354	पाश्व मत्र पद्मावती स्तोत्र	Pārśva Mantra Padmāvatı Stotra	—	,,
442	सेवामदिर 3 इ 350	, (करहेटक) स्तवन	, Stavana	मेरुनदन	,,
443	के नाथ 6/57	, (,) स्तोत्राणि	Stotrānı	—	,,
444	सेवामदिर 3 इ 350	(कलिकुड) स्तोत्र	,, Stotra	—	,,
445 6	महावीर 3 इ 152 355	पाश्व (कलिकुड) मत्र स्तोत्र कल्प 2 प्रतिया	Mantra etc (2 copies	—	ग प म ग
447	के नाथ 19/46	पाश्व (गोडी) स्तुति	,, (Gauḍı) Stutı	विद्याविलास	प
448	सवामदिर 3 इ 350	पाश्व (चितामणि) स्तोत्राणि	Pārśva (Cıntāmaṇı) Stotrānı	–	,,
449	महावीर 3 इ 355	, (,) ,	( )	—	,,
450	कोलडी 516	, ( ) मत्रकल्प	Pārśva (Cıntāmanı) Mantrakalpa	धमघोप	प ग
451	महावीर 3 इ 138	, ( ) स्तोत्र	( ) Stotra	—	मू प्र (प ग)
452	मुनिसुव्रत 3 इ 285	, ( ) ,,	( ) ,	—	प
453	सवामदिर 3 इ 345	, ( ) स्तोत्राणि	) Stotranı	—	,,
454	कोलडी 1233	( ) ,,	,) ,,	रत्नाकरसूरि	,,
455	महावीर 3 इ 53	पाश्व (चितामणि) पद्मावती स्तात्र	, (,) Padmāvatı Stotra	—	,,
456	के नाथ 23/59	पाश्व (जीरापल्ली) स्तोत्र सावचूरि	Pārśva Jırāpallı Stotra with Avacūrı	धमनदन उपाध्याय	मू प्र (प ग)
457	,, 29/53	पाश्व (जीरापल्ली) स्तोत्र सावचूरि	( ) ,,	मरुतुङ्ग/अमरकीर्त्ति	,,
458	के नाथ 26/,103गु	पाश्व (जीरापल्ली) चक्रबधमत्र स्तव	,, ( ) Stotra Cakra etc	—	प
459	महावीर 3 इ 355	पाश्व ( ) स्तवन	, (,) Stavana	मेरुतुङ्ग	,
460	के नाथ 29/48	, (,) स्तोत्र	(,) Stotra	मेरुनदन (मुनिमरु)	,,
461	कोलडी 542	पाश्व (,, शखेश्वर) स्तोत्राणि	, (,) Stotrānı	—	,,
462	सवामदिर 3 इ 350	पाश्व (फलवर्द्धी) स्तोत्राणि	Pārśva (Phalavarddhı) Sotrānı	जिनप्रभ	,,
463	के नाथ 6/125	,, (,) स्तोत्र	( ) Stotra	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति+ शासनदेवी भक्ति	स.	1	26 × 11 × 14 × 64	सपूर्ण 3 स्तोत्र (16,9, 9)	18वी हर्ष- सागर	अतिम छंद मा. मे
,,	,,	11	10 × 6 × 7 × 16	प्रथम संपूर्ण (12) द्वितीय अपूर्ण (15)	18वी	
,,	,,	1	27 × 12 × 8 × 28	सपूर्ण	20वीं	
तीर्थंकर तीर्थ भक्ति	,,	2	10 × 6 × 7 × 16	,, 9 श्लोक	18वी	
,,	,,	2	26 × 13 × 12 × 25	,, 3 स्तोत्र	19वी	
,,	,,	7	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण	18वी	
,,	स मा.	2,1	28 × 12 × 8/11 × 35	संपूर्ण मंत्र, विधिसह	20वी	दादागुरु पूजा मंत्र विधि साथ मे
,,	सं	4	25 × 11 × 13 × 35	संपूर्ण 24 श्लोक	1806	
,,	,,	9	10 × 6 × 7 × 16	,, 3 स्तोत्र 11-11 श्लोक के	18वीं	
,,	,,	1	25 × 11 × 17 × 50	सपूर्ण 2 स्तोत्र 1 मगला-ष्टक	1810/10 × रूपचद	प्रशक्ति है।
,,	,,	4	29 × 12 × 14 × 30	,,	1880	
,,	,,	2	25 × 12 × 7 × 35	,, 11 श्लोक	19वी	
,,	,,	2	25 × 10 × 9 × 37	,, 32 श्लोक	,,	
,,	,,	2*	27 × 10 × 21 × 72	,, 6 स्तोत्र	,,	
,,	,,	5	22 × 13 × 9 × 24	,, 2 ,, (11+25 श्लोक)	20वीं	
,,	,,	6*	24 × 12 × 14 × 35	सपूर्ण 2 स्तोत्र 27+11 श्लोक	,,	
,,	स मा.	5	27 × 12 × 18 × 51	सपूर्ण 45 श्लोक	16वी	
,,	सं.	2*	22 × 10 × 15 × 52	,, 3 श्लोक	1886	
,,	सं.	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 24 श्लोक	18वी	
,,	,,	1	22 × 11 × 12 × 34	,, 14 श्लोक	19वी	
तीर्थंकर तीर्थ भक्ति	,	1	25 × 11 × 14 × 44	,,	,,	
,,	,,	2	29 × 13 × 11 × 45	,,	,,	
,,	,,	11	10 × 6 × 7 × 16	,, 1+ श्लोक	18वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 31		19वी	

1	2	3	3 A	4	5
464	महावीर 3 इ 35[illegible]	पार्श्व (शंखेश्वर) यन्त्र स्तव	Pārsva (Śaṅkhesvara) Yantra etc	—	ग
465	मुनिसुव्रत 3 इ 323	( ) स्तोत्र	,, ,, Stotra	—	,,
466	कुंथुनाथ 55/15	(स्तम्भन) स्तवन	Pārsva (Stambhana) Stavana	म.मधुकर (स्तम्भन का शिष्य)	,,
467	अभिनन्दन 3 इ 350	स्तोत्र	,, Stotra	—	,,
468	महावीर 3 इ 133		,, ,,	—	,,
469	क नाथ 10 92	,, स्तवन	Pārsva Stavana	मानविजय	,,
470	कुंथुनाथ 35/6	,,		समयध्वज	
471	35/7	,,		कवृद्धि	,,
472	क नाथ 19/15			यशविजय	,,
473	कानडी 699			मतिरत्न	,,
474	शान्तिनाथ 3 इ 239	(व न्य)	,, etc	वस्तुपाल पुत्र [illegible]	,,
475	कानडी गुटका 11 6		,,	—	,,
476	907	(अन्तरीक्ष) ,,	(Antarikṣa) Stavana	भावविजय	,,
477	,, 324	,,	,, ,,	,,	,,
478	क नाथ 14/98	,,	,,	,,	,,
479	शान्तिनाथ 3 इ 214	,,	,, ,,	,,	,,
480	अभिनन्दन गु 6 [illegible]	,, (गौड़ी) ,,	,, (Gauḍi) ,,	रत्नविजय	,,
481	क नाथ 26/86	,,	,, ,,	,,	,,
482	क नाथ 29/18	,, ,,	,, ,, ,,	नयविजय	,,
483	कानडी 342	,,	,, ,,	वधीरविजय	,,
484	क नाथ 26/70	,, स्तवनादि	,, ,, Stavanādi	—	,,
485	कानडी 297	,, ,, स्तवन	,, ,, Stavana	श्रीतविमल	,,
486	महावीर 3 इ 14	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
487 8	क नाथ 5,118, 26/62	,, ,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, ,, 2 copies	,,	,,
489	शान्तिनाथ 3 इ 230	,, ,, ,,	,, ,, ,,	प्रमोदचन्द्र (क्षमाप्रमोद)	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर तीर्थ भक्ति	स.	1	25 × 11 × 11 × 30	सपूर्ण 2 स्तोत्र	18वी	
"	,,	1	23 × 11 × 8 × 27	,, 5 श्लोक	1863	
,,	,,	1	26 × 11 × 13 × 48	,, 25 श्लोक	17वी	
"	,,	3	10 × 6 × 7 × 16	सपूर्ण	18वी	
"	,,	12*	27 × 11 × 6 × 26	,,	1961	
तीर्थंकर भक्ति	मा.	3	26 × 11 × 14 × 46	सपूर्ण 51 गा.	19वी	
,,	,,	3	26 × 10 × 10 × 36	,, 49 गा	19वी	
"	,,	2	25 × 10 × 15 × 54	,, 32 गा.	19वी	
"	,,	2	26 × 12 × 12 × 44	,, 25 गा.	19वी	
"	,,	3	13 × 10 × 13 × 24	,,	19वी	
"	,,	6	25 × 10 × 10 × 36	अपूर्ण 14 स्तवन/पहले 6 पत्रे कम	1901 सुभट्टपुर सहजसुदर	पत्रे 7 से 12 ही है।
"	,,	गुटका	15 × 9 × 7 × 14	सपूर्ण 46 गाथा + कलश	19वी	
तीर्थ तीर्थंकर भक्ति	,,	3	26 × 11 × 14 × 48	सपूर्ण	1812	
"	,,	4	29 × 12 × 12 × 30	,,	1888	
"	,,	3	25 × 11 × 15 × 54	,,	19वी	
,,	,,	6	24 × 11 × 10 × 25	,, 51 गा.	18वी	विजयदेव व प्रभसूरि दो गुरुभ्राता
"	,,	13	14 × 11 × 12 × 18	सपूर्ण ग्रथाग्र 129,16 ढाले	1841	
"	,,	74*	13 × 12 × 10 × 10	अपूर्ण	1845	
"	,,	2	21 × 34 × 23 × 35	सपूर्ण 16 डाले	1940	
"	,,	3	26 × 11 × 20 × 54	,,	19वी	
"	,,	9	21 × 10 × 9 × 26	अपूर्ण	1840	
"	,,	7	25 × 12 × 10 × 21	संपूर्ण	19वी	
"	,,	3	25 × 11 × 14 × 40	,,	19वी	
"	,,	3,4	25 × 11 × 11 × 48/36		19वी	
,,	,,	4	27 × 14 × 16 × 35	0	1967 फलोदी लाभद	

1					
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]			[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]			[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
504	[illegible]	[illegible]	[illegible]		
[illegible]	[illegible]				
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
[illegible]	[illegible]				
[illegible]	[illegible]				
[illegible]	[illegible] 13	[illegible]	[illegible]		
510	[illegible] 165	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
511	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
512	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
513	[illegible] 121	[illegible]	[illegible]		
514	[illegible] 227	[illegible]	[illegible]	[illegible]	
515	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थ तीर्थंकर भक्ति	मा.	1	26 × 11 × 11 × 40	सपूर्ण	17वी	1686 की कृति
,,	,,	5,3	21 × 12 व 20 × 15	,, 39 गाथा	19/20वी	
,,	,,	3	25 × 12 × 10 × 36	,, 32 गाथा	1865	
,,	,,	2	26 × 12 × 16 × 37	,, 2 पद 26 + 13 गाथा	1880 मेडता दौलतसुदर	दूसरा छद सरस्वती का है
,,	,,	गुटका	22 × 16 × 12 × 32	,, 40 गाथा	1913	
,, + तालिका	,,	44	32 × 16 × 25 × 44	सपूर्ण 4 ढालो का ग्र. 3100	1919 महीद-पुर धर्मसी	
,,	,,	4	24 × 11 × 16 × 47	सपूर्ण 135 छद	20वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 10 × 35	,, 17 गाथा	17वी	
,,	,,	4,3	25 × 10 व 25 × 12	,, 18 पद	19वी	
,,	,,	4	25 × 12 × 10 × 32	सपूर्ण 35 गा.	1964	
,,	,,	3	25 × 11 × 15 × 40	सपूर्ण 2 स्तवन 38 + 33 गा	1737	दूसरा स्तवन पच-तीर्थी का है।
तीर्थंकर गुरु भक्ति	,,	गुटका	20 × 16 × 22 × 18	सपूर्ण 3 (पार्श्व की 112 छद	1767	अन्य निशानी कुशल-सूरि व एकादश का भाषा मे पजाबी का पुट
तीर्थंकर भक्ति	,,	3	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्ण 45 गाथा	19वी	
,,	,,	6	20 × 10 × 9 × 28	,, 56 गाथा	20वी	
,,	,,	3	24 × 11 × 13 × 52	,, 53 गाथा	1918	
,,	,,	2	13 × 10 × 19 × 42	,, 57 गागा	20वी	
,,	,,	गुटका	15 × 10 × 9 × 17	अपूर्ण 48 गाथा	1885	
,,	फारसी	गुटका	20 × 13 × 14 × 27	सपूर्ण 6 छद	19वी	
भक्ति स्वाध्याय	मा.	5	25 × 12 × 14 × 34	,, 7 ढालें	1857 × लब्धि रुचि	
,,	स.	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	सपूर्ण 3 जयमालाये 17 + 8 + 6 श्लो	19वी	दिगम्बर आम्नाय
भक्ति काव्य	मा.	39	25 × 12 × 9 × 39	सपूर्ण 5 पूजाये (स्नात्र, 17 भेदी, 20 स्थान, अष्टप्रकारी पाचज्ञान	20वी	क्रमश देवचद, साधु-कीर्ति, विजयलक्ष्मी, ज्ञानसागर, रूपविजय
श्रुतशास्त्र कीर्त्तन	,,	3	27 × 12 —	सपूर्ण 45 दोहे	,,	
,, काव्य	,,	8	25 × 12 × 12 × 29	,, आठ पूजायें	1922 फलोदी विनयसुन्दर	
,, काव्य	,,	3	25 × 11 × 11 × 44	,, 5 पद	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
516	के नाथ 18/57	प्रत्यगिरा अंबिका स्तोत्र	Pratyangırā Ambıkā Stotra	--	प
517	मुनिसुव्रत 3 इ 247	प्रत्यक बुद्ध सलग्न गीत	Partyeka Buddha Samlagna Gıta	समयसुदर	,
518	के नाथ 29/24	बत्तीस राग गीत	Battısa Rāga Gıta	आनन्द	,
519	कोलडी 906	बभणवाड महावीर स्तवन	Bambhaṇavāda Mahāvıra Stavana	कमलकलश शिष्य	,,
520	सवामदिर 3 इ 377	,		,,	,,
521	के नाथ 18/80	,	,	,,	,
522	कोलडी 358	बारह व्रत की पूजा	Bāraba Vrata kı Pūjā	वीरविजय	,,
523	के नाथ 15/158	बीस विहरमान स्तवन	Bısa Vıharamāna Stavana	जिनराजसूरि	,,
524 6	के नाथ 5-90 13-30 19-73	, 3 प्रतिया	3 copıes	,,	,
527	ओसिया 3 इ 200	,		,,	,,
528	महावीर 3 इ 16	,		जिनहृप	,,
529	ओसिया 3 इ 201	,,	,	विनयचद (नानतिलक शिष्य)	,,
530	कोलडी 298			3 यशाविजय	,,
531-2	क नाथ 23/63गु 13	, 2 प्रतिया	2 copıes	,	,,
533	कुथुनाथ 43/11	,		जिनसागर	,,
534 5	महावीर 3 इ 32 18	,, 2 प्रतिया	2 copıes	देवचद	,,
536	ओसिया 2/153	,, स्तवन	,	,,	,,
537	के नाथ 24/66	,,	,	,	प
538 9	कोलडी 346 47	बीस स्थानक पूजा 2 प्रतिया	Bısa Sthānaka Pūjā 2 copıes	विजयलक्ष्मीसूरि	प
540-1	के नाथ 9/23, 15/140	,, 2 प्रतिया	, 2 copıes	,,	प
542	ओसिया 3 इ 184	बीस स्थानक व सतरभेदी पूजा	, Sattarabhedı Pūjā	जिनहृप साधुकीर्ति	प
543	कोलडी 980	भक्तामर +वृत्ति	Bhaktamara +Vṛttı	मानतुग/अमरप्रभ	मू वृ (प ग)
544	कुथुनाथ 55/18	, +वृत्ति	+Vṛttı	,, विजयप्रभ	मू वृ (प ग)
545	सेवामदिर 3 इ 329	,, +बा	, +Bālā	, —	मू बा (प ग)
546	के नाथ 22/72	,, +वृत्ति	+Vṛttı	, गुणचद्र शिष्य अभयदेव	मू वृ (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
शासनदेवी भक्ति	स	2*	26 × 11 × 18 × 55	सपूर्ण	19वी	
गुणकीर्त्तन वृत्तात	मा	2	25 × 11 × 12 × 32	,, 29 गाथाये	1783 किसनाजी	
जिनभक्ति गीत 32 रागो पर	,,	1	25 × 11 × 23 × 72	,, 32 गीत	19वी	
तीर्थ तीर्थकर भक्ति	,,	3	24 × 11 × 10 × 34	,, 21 गा.	1770	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 44	,, ,	18वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 14 × 42	,, ,,	19वी	
श्रावकव्रत भक्ति काव्य	,,	10	26 × 11 × 11 × 38	संपूर्ण	1902	
महाविदेह तीर्थकर भक्ति	,,	6	26 × 11 × 13 × 34	,, 20 + 2 स्तवन	1688	
,,	,,	8,7,11*	25 × 11 × भिन्न 2	,, 20 स्तवन	19/20वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 13 × 47	,, 21 स्तवन	19वी मुनि-लालचद	
,,	,,	5	24 × 11 × 15 × 54	,, 20 + 1 स्तवन	1753 पाटन, जिनहर्ष	
,,	,,	7	25 × 12 × 15 × 45	,, 20 स्तवन	1754 कार्त्तिक शुक्ल 8	1754 की असल प्रति/प्रशस्ति है
,,	,,	5	27 × 12 × 14 × 45	,, 20 स्तवन ग्र 200	19वी	
,,	,,	5,11	27 × 14 व 14 × 11	,, 20 स्तवन	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 17 × 60	अपूर्ण 12 से 20 = अतिम 9 तीर्थंकर	19वी	
,,	,,	14,17	26 × 12 × 11/9 × 31	सपूर्ण 21/20 स्तवन	1833 पाली, 1887	
,,	,,	19*	25 × 12 × 12 × 35	,, 20 स्तवन	20वी	
,,	,,	3	24 × 11 × 10 × 41	कपूर्ण 3 स्तवन मात्र	20वी	
भक्ति काव्य	,,	10,18	27 × 12 व 24 × 12	सपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	6,12	25 × 11 व 27 × 13	,,	,,	
,,	,	20*	27 × 11 × 15 × 38	,, 2 पूजाये	1940 वीकानेर वासुदेव	
ऋषभदेव भक्तिकाव्य	सं.	3	31 × 12 × 9 × 35	सपूर्ण 44 श्लोक की	1251	प्रति इतनी पुरानी लगती नही हैं
.,	,,	20	25 × 11 × 18 × 52	सपूर्ण केवल अतिम पन्ना नही	16वी	
,,	स.मा.	14	26 × 11 × 15 × 58	सपूर्ण 44 श्लोक का	16वी	
,,	सं.	42	26 × 11 × 13 × 41	सपूर्ण 44 कथासह	16वी	

1	2	3		3 A		4		5
547	प नाथ 21/78	भक्तामर	+अ	Bhaktamara +Avacūri		मानतुग		मू अ (प ग)
548	मुनिसुव्रत 3 इ 249		+बा	,	+Bālā	,,		मू (प)
549	रघुनाथ 55/22	,	+बाला	,	—	,,	मेरुसुदर	मू बा
550	मुनिसुव्रत 3 इ 348	,	—	,	—	,		मू (प)
551	कोनडी 798	,	+बा	,	+Bālā	,,	मेरुसुदर	मू बा
552	कोनडी 466	,	+वृ		+Vṛtti	,	अमरप्रभ	मू वृ
553	प नाथ 24/75	,		,,		,		मू (प)
554	22/60	,	+वृ		+Vṛtti	,,	क्षमाविजय	मू व
555	26/93	,	+बा	,	+Bālā	,,		मू बा
556	कोनडी 480	,	+वृ	,	+Vṛtti	,,	अमरप्रभ	मू व
557	सवामन्दिर 3 इ 32"			,		,		मू ट (प ग)
558	मानिया 3 इ 236	,,	+वृ		+Vṛtti	,,	—	मू वृ
559	प नाथ 6/47	,		,,		,,		मू (प)
560	प नाथ 13/47	,	+अ		+Avacūri	,,	—	मू अ
561	कोनडी 468		+वृ		+Vṛtti	,,	अमरप्रभ	मू वृ
562	, 465			,		,,		मू ट (प ग)
563	सवामदिर 3 इ 328					,,		,,
564	, 3 इ 331	,	+बा		+Bālā		—	मू बा
565	कोनडी 475	,		,		,,		मू ट (प ग)
566	महावीर 3 इ 71	,	+व		+Vṛtti	,	समयसुदर	मू वृ
567	कोनडी 471	,		,		,,		मू ट (प ग)
568	प नाथ 17/42	,,	+बा		+Bālā	,,	—	मू बा
569	मुनिसुव्रत 3 इ 250	,	,,	,	+ ,,	,,	—	,,
570	कोनडी 474	,,		,		,,		मू ट (प ग)
571	,, 473	,,	+बा	,	+Bālā	,,	मेरुसुदर	मू बा

6	7	8	8 A	9	10	11
ऋषभदेव भक्ति काव्य	स	8	26 × 12 × 6 × 30	सपूर्ण 44 श्लोक की	1655	
,,	,,	4	23 × 11 × 11 × 32	,, 44 श्लोक की	1670 राजधर	
,,	स मा[1]	19	25 × 11 × 12 × 42	,, 44 श्लोक+28 कथा	17वी काल्या द्रह, कनकमेर	
,,	स.	9	25 × 12 × 10 × 30	सपूर्ण 44 श्लोक	1718	साथ मे कल्याण मदिर मूल'
,,	सं.मा.	8	26 × 11 × 21 × 58	,, ,, +28 कथा	1720	
,,	स	10	26 × 11 × 15 × 42	,, 44 श्लोक	1744 सिरोही	
,,	,,	3	26 × 11 × 15 × 45	,, ,,	1747	साथ मे 2 स्तवन
,,	,,	18	27 × 12 × 3 × 39	,, ,,	1763	
,,	स.मा	24	20 × 15 × 26 × 19	,,	1793	
,,	सं	10	25 × 11 × 23 × 60	,,	1799	साथ मे 'कल्याण मदिर' सटीक
,,	स मा	11	25 × 11 × 3 × 37	,, 43 श्लोक अतिम पन्ना कम	18वी	
,,	स	9	25 × 11 × 13 × 47	अपूर्ण 14 से 44 तक	18वी	
,,	,,	4	25 × 10 × 11 × 37	सपूर्ण 44 श्लोक	18वी	
,,	,,	5	23 × 11 × 14 × 46	,, ,,	18वी	
,,	,,	7	26 × 11 × 4 × 50	,, ,, की	18वी	
,,	सं.मा.	8	26 × 10 × 5 × 40	,, ,, का	18वी	
,,	,,	14	21 × 12 × 3 × 33	अपूर्ण 21 से 24	1806	
,,	,,	40	25 × 12 × 12 × 28	सपूर्ण 44 श्लोक	1816 जोगनीपुर राजसुदर	
,,	,,	8	26 × 11 × 4 × 46	,, ,,	1822	
,,	स.	17	21 × 11 × 13 × 33	,, ,,	1823 अजीमगज	वृत्तिसुवोधिका-नाम्नी
,,	स मा.	8	25 × 11 × 5 × 36	,, ,,	1833	
,,	,,	29	26 × 11 × 13 × 38	,, 46 श्लोक कथा सह	1835	
,,	,	10	25 × 12 × 18 × 43	,, 44 श्लोक	1836	
,,	,,	8	25 × 11 × 5 × 40	सपूर्ण	1842	
,,	,	15	25 × 11 × 15 × 45	,, 44 श्लोक कथा सह	1867	

1	2	3		3 A		4		5
572	प्रामिया 3 इ 168	भक्तामर	+वृत्ति	Bhaktāmara	+Vṛtti	मानतुङ्ग	—	मू वृ
573	प्रामिया 3 इ 182	,	+बा	,	+Bā ā	,	—	मू बा
574	प्रामिया 3 इ 180		+वृत्ति	,	+Vṛtti	,,	हर्षकीर्त्ति	मू व
575	ब नाय 21/30	,,	+वृत्ति		+Vṛtti	,,	शातिसूरि	,,
576	, 24/71		+वृत्ति		+Vṛtti		—	,,
577	ब नाय 5/17		+वृत्ति		+Vṛtti	,	—	,,
578	ब नाय 18/53		+ अ		+Avacūri	,,	—	मू अ
579	बावडी 467		+वृत्ति	,	+Vṛtti	,,	अमरप्रभ	मू वृ
580	क नाय 14/8	,				,	—	मू ट
581	क नाय 5/29					,,		,,
582	प्रामिया 3 इ 23[illegible]	,	+वृत्ति		+Vṛtti	,		मू वृ
583	महावीर 3 इ 76	,,	,		+Vṛtti	,,	—	,
584	प्रामिया 3 इ 169			,		,,	—	मू ट
585-90	ब नाय 5/78 10/84 17/17 17,27 21 65 23,21	,	6 प्रतिया	,	6 copies	,	—	मू प
591-93	बावडी 470 6 1124		3 प्रतिया		3 copies	,		,
594-99	कुथुनाथ 3 78 4 89,9 116 13 35 32 5, 27 2		6 प्रतिया		6 copies	,,		,,
600 2	महावीर 3 इ 70 73 75	भक्तामर भण्डारित काव्य 3 प्रतिया		Bhaktāmara Bhandārita Kāya 3 copies		,,		,,
603	क नाय 6/10	भक्तामर की वृत्ति		Bhaktāmara kı Vṛtti		—		ग
604	अभिनन्दन 3 इ 330	,,		, ,		कनककुशल		,,
605	बावडी 464	भक्तामर की कथायें		Bhaktāmara kı Kathāyen		—		,
606	कुथुनाथ 11/201	भक्तामर-भाषा		Bhāṣā		हेमराज		प
607	क नाय 26/86गु	भक्ति पद		Bhaktı Pada		विनोदीलाल		,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ऋषभदेवभक्ति काव्य	स.	17	25 × 12 × 12 × 26	सपूर्ण 44 श्लोक	1884कुचामण दौलतसुदर	
,,	स मा.	23	26 × 12 × 23 × 55	,, 44 श्लोक कथासह	1887	
,,	स.	15	24 × 11 × 13 × 49	,, 44 श्लोक	19वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 17 × 54	,, 44 श्लोक	19वी	
,,	,,	9	25 × 12 × 13 × 31	अपूर्ण (24 श्लोक तक)	19वी	
,,	,,	30	25 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण (41 श्लोक तक) कथासह	19वी	पहिले दो पन्ने भी कम है
,,	,,	8	27 × 12 × 15 × 60	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	10	25 × 12 × 17 × 35	सपूर्ण	19वी	
,,	स.मा.	15	26 × 13 × 5 × 26	सपूर्ण 48 श्लोक	19वी	
,,	,,	10	23 × 11 × 4 × 40	,, 44 श्लोक	19वी	
,,	स	6	26 × 12 × 18 × 53	अपूर्ण (10वे श्लो तक ही)	19वी	
,,	,,	43	26 × 12 × 13 × 48	सपूर्ण 44 श्लोक 28 कथासह	20वी	
,,	स मा.	22	27 × 12 × 5 × 43	सपूर्ण 44 श्लोक	20वी	
,,	सं	5,4,3, 9,66	24 से 31 × 11 से 15	प्रथम अपूर्ण शेष पूर्ण	19/20वी	प्रथम मे आवश्यक गाथा व द्वितीय मे कल्याण मदिर है।
,,	,,	9,5,2	24 से 27 × 12 से 13	अतिम प्रति अपूर्ण शेष-पूर्ण	19वी	
,,	,,	4,5,6, 8,3,9	15 से 29 × 11 से 14	सभी संपूर्ण	19/20वी	अतिमप्रतिमे कल्याण मदिर नवतत्व व 24 दडक है
,,	,,	4,4,2	14 × 9 व 27 × 12(2)	4 काव्य, अतिम मे अन्य भी	19/20वी	अतिम चन्द्रसूरि की सही प्रतिलिपि
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 39	सपूर्ण ग्र 400	19वी	
,,	,,	10	26 × 11 × 19 × 47	सपूर्ण ग्र. 758	1714	1652 की कृति
औपदेशिक भक्ति कथायें	मा	13	24 × 12 × 12 × 34	सपूर्ण 28 कथाये	1910	
भक्ति काव्य	हि.	गुटका	22 × 17 × विभिन्न	,, 49 छंद	19वी	
,,	मा.	गुटका	13 × 12 × 10 × 10	,, 27 सवैये	1845	

1	2	3	3 A	4	5
608	के नाथ 11/61	भयहर स्तोत्र	Bhayahara Stotra	मानतुङ्ग	प
609	कुथुनाथ 21/9	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
610	महावीर 3 इ 144	,, +वत्ति	,, +Vṛtti	पाश्वदेव	मू व, (प ग)
611-2	मुनिसुव्रत 3 इ 246 323	मणिभद्रादि स्तोत्र व छद 2 प्रतिया	Manibhadrādi Stotra etc 2 copies	—	पद्य
613 5	कोलडी 536A 517 908	मणिभद्राष्टक वृत्ति व छद 3 प्रतिया	Manibhadrādi Aṣṭaka etc 3 copies	(1 छद शातिसूरि 1 लालकुशल)	प ग
616	महावीर 3 इ 142	मणिभद्र भरुपद	Manibhadra Bherupada	—	प
617	के नाथ 15/59	मनकमुनि सज्झाय व पाश्व-स्तव	Manaka Muni Sajjhāya etc	केशरधीर	,,
618	के नाथ 26/84	महार्थ जयमाला	Mahārtha Jayamālā	—	,,
619	के नाथ 5/41	महावीरचरियस्तोत्र + वत्ति	Mah ivira Cariyam—Vṛtti	जिनवल्लभ/साधु-सोमगणि	मू व (प ग)
620	कोलडी 541	,, +वत्ति	Mahāvira Cariyam—Vṛtti	,, ,,	,,
621	मुनिसुव्रत 4 म 125	, —	—	,,	मू ट (प ग)
622	महावीर 4 अ 27	,, +वत्ति	,, —Vṛtti	,, /—	मू—द(प ग)
623	, ?	, +वृत्ति	—Vṛtti	जिनवल्लभ साधु-सोमगणि	,,
624	के नाथ 15/33	महावीरचरियस्तोत्र	Mahavira Cariyam Stotra	जिनवल्लभ	मू प
625	कुथुनाथ 23/10	महावीर चरिय स्तोत्र+बा	, —Bālā	,, /—	मू बा
626 7	के नाथ 15/93 230	,, 2 प्रतिया	2 copies	,,	मू प
628	,, 29/21	महावीरद्वात्रिंशिका	Mahāvira Dvātrimśikā	सिद्धसेन	प
629	सघामदिर 3 इ 350	महावीरनाम सग्रह	,, Nāma Sangraha	—	,,
630	के नाथ 10/97	महावीरसम सस्कृतस्तव +बा	Mahāvira Sama Samskṛta Stava	जिनवल्लभ	मू बा
631	मुनिसुव्रत 3 इ 284	,,	,,	,,	मू प
632	के नाथ 29/50	,,	,	,,	,,
633	, 11/57	,	,	,,	मू ट (प ग)
634	, 23/75	,,	,,	,,	मू प
635	,, 22/44	,, +वृत्ति	,, —Vṛtti	जिनवल्लभ/जयसागर	मू व

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	प्रा	2*	26 × 11 × 13 × 49	सपूर्ण 25 गाथा	16वी	
,,	प्रा मा.	2	23 × 10 × 6 × 40	,, 23 गाथा	1656	
,,	प्रा.स.	15	25 × 13 × 18 × 40	,, 21 गाथा	20वी	
देवी-देवताओ की स्तुति	स मा.	6,1	23 × 10 व 25 × 11	संपूर्ण 5 स्तोत्र + 21 गाथा का छद	19वी जोधपुर धनसागर व ईश्वर	
मणिभद्रदेव स्तुति	,,	4 2,3,	27 से 31 × 11 से 12	सपूर्ण 3 छद व 1 अष्टक वृत्ति	19/20वी	
,,	मा.	2	20 × 12 × 8 × 16	सपूर्ण 2 पद 11 + 8 गा	20वी	
भक्तिस्वाध्याय	,,	3*	21 × 10 × 11 × 31	सपूर्ण 2 पद	19वी	
भक्ति	स	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	,, 53 श्लोक	19वी	दिगम्बर आम्नाय
भक्तिमय चरित्र कीर्तन	प्रा स.	9	26 × 11 × 16 × 57	,, 44 गाथा	16वी	सोमगणि के गुरु जिनभद्र
,,	,,	11	32 × 11 × 17 × 54	,, 44 गाथा	1700	
,,	प्रा मा.	5	26 × 11 × 5 × 41	,, 44 गाथा	1762 मेदनीपुर हरीदास	
,,	प्रा स,	35*	27 × 11 × 15 × 45	,, 44 गाथा	1531 अमदावाद धर्मसेन	चरित्रपचके
,,	,,	40*	25 × 11 × 14 × 50	,, 44 गाथा	1662	पन्ने 12 (19 से 30 तक)
,,	प्रा.	2	22 × 11 × 14 × 31	,, 44 गाथा	1806	
,,	प्रा मा.	7	27 × 12 × 15 × 70	सपूर्ण अतिम पन्ना कम 3 लकीरो का	19वी	
,,	प्रा.	2,2	26 × 12 व 24 × 10	सपूर्ण 44 गाथा	19वी	
तीर्थंकर भक्ति	सं.	1	25 × 11 × 16 × 43	सपूर्ण 32 श्लोक	19वी	
,,	,,	6	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण 29 श्लोक	18वी	
,,	स मा.	14	26 × 11 × 13 × 42	संपूर्ण 30 श्लोक	15वी	
,,	स	2	25 × 10 × 11 × 45	,, 30 श्लोक	16वी	
,,	,,	2	25 × 10 × 11 × 48	,, 30 श्लोक	16वी	
,,	स मा	5	25 × 11 × 5 × 43	,, 30 श्लोक	16वी	
,,	स.	6	26 × 11 × 12 × 41	अपूर्ण 10 से 30 श्लोक	1626	
,,	,,	9	26 × 11 × 15 × 49	सपूर्ण 30 श्लोक	1697	

1	2	3	3 A	4	5
636	क नाथ 23/47	महावीरसमसंस्कृत स्तव+अव	Mahāvira Sama Samskṛta Avacūri	जिनवल्लभ/ —	मू प्र
637	संभवमंदिर 3 ट 378	"	"	जिनवल्लभ	मू प
638	क नाथ 15/234			"	"
639	क नाथ 15/66	"	"	"	"
640	क नाथ 29/53	महावीरस्तवन +वृत्ति	Mahāvira Stavana+Vṛtti	पार्श्वचन्द्र/अमरकीर्ति (मानकीर्ति का शिष्य)	मू द (प ग)
641	क नाथ 26/103 गु	महावीरस्तवन (2)	" (2)	अभयदेव+जिनवल्लभ	मू प
642	क नाथ 19/46	"	"	अभयदेव	"
643	महावीर 3 ट 44	"	"	"	"
644	कुंथुनाथ 9/119	"		विजयदेव	"
645	क नाथ 15/212			प्रभात	"
646	सभामन्दिर गुटका 3 नि	महावीर (26 द्वार 34 अतिशय) स्तवन	Mahāvira (26 Dvāra 34 Atiśaya) Stavana	पार्श्वचन्द्र	प
647	कालडी 296	" (5 कल्याणक) स्तवन	Mahāvira (5 Kalyāṇaka)	सकलचंद (हीरविजय शिष्य)	"
648	कुंथुनाथ 44/6	महावीरस्तवन	Mahavira Stavana	जिनदास	"
649	क नाथ 5/12		"	लक्ष्मण	"
650	14/118	"	"	प्रमादसूरि	"
651	19/85		"	विजयदेवसूरि	"
652	आसिया 3 ट 192	"	"	लक्ष्मीसूरि	"
653	महावीर 3 ट 31	"	"	रामविजय (विमलविजय शिष्य)	"
654	क नाथ गु 14	"	"	वा विनयविजय	"
655	" 10/63	"	"	वा यशोविजय	"
656	मुनिसुव्रत 3 ट 323	महासंत सती कुल सज्झाय	Mahāsanta Satı Kula Sajjhāya	—	"
657	3 ट 323	मुखवंदनदर्पण +वृत्ति	Mukhavandana Darpaṇa +Vṛtti	—	मू द (प ग)
658	क नाथ 26/21	मुनिमालिका	Munımālıka	चारित्रसिंह	प
659	कालडी 275		"	"	प
660	क नाथ गुटका 1	यादवों की धमाल	Yādavon kı Dhamāla	राजहंस	प

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति	स.	6	26 × 11 × 4 × 43	संपूर्ण 30 श्लोक	1714	
,,	,,	9	24 × 10 × 10 × 44	अपूर्ण	18वी	
,,	,,	2	22 × 11 × 15 × 36	सपूर्ण 30 श्लोक	1806	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 37	,, ,,	19वी	
,,	प्रा स.	2*	22 × 10 × 15 × 52	,, 6 गाथा	1686	
,,	,,	2	25 × 12 × 20 × 56	सपूर्ण (22 गाथा व 39 श्लोक	18वी	(जिनवल्लभ का समसस्कृत)
,,	प्रा.	4*	25 × 11 × 13 × 35	सपूर्ण 22 गाथा	1806	
,,	,,	2	26 × 12 × 13 × 35	,, ,,	19वी	साथ मे लघु शाति
,,	स.	1	27 × 13 × 14 × 42	,, 23 श्लोक	19वी	
,,	प्रा.	1	26 × 12 × 13 × 50	सपूर्ण 21 गा.	20वी	
,,	मा.	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	,, 94+24 गाथा	1650	
,,	,,	4	27 × 11 × 11 × 37	,, 3 ढाले = 66 गा.	17वी	
,,	,,	गुटका	15 × 12 × 17 × 24	,, 38 गा.	17वी	
,,	,,	5	26 × 10 × 13 × 34	,, 98 गा.	1744	
,,	,,	3	27 × 12 × 12 × 42	,, 48 गा.	19वी	
,,	,,	8	28 × 14 × 18 × 42	,, 121 गा.	19वी	
रत्नत्रयमयी भक्ति	,,	3	27 × 12 × 18 × 52	,, 8 ढाले	19वी, पादलिप्त तीर्थ, रत्नचद्र	
तीर्थकर भक्ति	,,	5	26 × 13 × 12 × 26	,, 52 छद	19वी	
,,	;,	10	16 × 14 × 11 × 18	,, 8 ढाले	19वी	
,,	;	4	27 × 13 × 17 × 28	,, 6 ढाले	1917	
साधु भक्ति स्मरण	प्रा	1	26 × 11 × 14 × 33	सपूर्ण 13 गा.	19वी	
भक्ति	सं	1	25 × 11 × 14 × 48	सपूर्ण	19वी	
साधुवदना भक्ति	मा.	5	26 × 13 × 10 × 30	,, 37 गा	19वी	
,,	,,	3	26 × 12 × 13 × 40	,, 34 ,,	19वी	
कृष्णरानीहोलीभक्ति	,,	2	22 × 19 × 22 × 32	सपूर्ण 60 गा.	1814	

1	2	3	3 A	4	5
661	ओसिया 3 इ 351	रत्नप्रभसूरि स्तोत्र	Ratnaprabhasūri Stotra	—	प
662	महावीर 3 इ 157	रत्नसागर ग्रन्थ	Ratnasāgara Grantha	सकलन	प ग
663	कोलडी 540	रत्नाकर पचविंशतिका	Ratnākara Pañcaviṁśatikā	रत्नाकरसूरि	मू ट (प ग)
664	के नाथ 26/61	राजुल-पच्चीसी	Rājula Paccisi	लालचद	प
665	कुथुनाथ 55/26	राणपुर मडन ऋषभ स्तवन	Rānapura Mandana Rsabha Stavana	नयमुद (भावसुदर शिष्य)	,,
666	ओसिया 3 इ 215	रोहिणी स्तुति आदि	Rohini Stuti etc	चन्द्रसूरि	,,
667	के नाथ 11/50	लघु अजितशांति वृत्तिसह	Laghu Ajita Śānti with Vṛtti	जिनवल्लभ/धर्मतिलक	मू + वृ
668	महावीर 3 आ 48	लघु नमस्कार चक्रम	Laghu Namaskāra Cakram	—	पद्य
669	ओसिया 2/152	लघु नवकार फल	Lzghu Navakāra Phala	—	,,
670	कुथुनाथ 4/105	लघु शांति	Laghu Śānti	मानदेव	,,
671	महावीर 3 इ 47	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	मानदेव धम प्रमोदगणि	मू वृ (प ग)
672	के नाथ 15/190	,, +वृत्ति	, +Vṛtti	,, —	,,
673	कुथुनाथ 15/1	,, +बा	,, +Bālā	,, लाभविजय	मू बा (प ग)
674-78	कुथुनाथ 2/8, 15/62 21/10 26 10, 26/11	,, 5 प्रतियां	,, 5 copies	,, —	मू प
679-80	के नाथ 6 93 15/205	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
681	महावीर 3 इ 155	लघु शांति की वृत्ति	,, ki Vṛtti	हर्षकीर्ति	ग
682	कुथुनाथ 44/5	लघु सहस्रनाम-स्तोत्र	Laghu Sahasra Nāma Stotra	भद्रबाहु	प
683	नवामदिर 3 इ 345		=	—	,,
684	कुथुनाथ 36/1	लघु स्वयभू स्तोत्र	Laghu Svayambhū Stotra	देवनदी	,,
685	कोलडी 420	वर्षीतप स्तवन	Varsi Tapa Stavana	रूपऋषि	,,
686	के नाथ 6/128	विज्ञप्ति द्वात्रिंशिका	Vijnapti Dvātrimśikā	रूपचद	,,
687	कुथुनाथ 36/1क्रम 14	विषापहार स्तव समग्र	Visāpahāra Stava Samagra	सुमुखोनसुरि	,,
688	के नाथ 26/25	,, स्तवन	,, Stavana	अचलकीर्ति	,,
689	महावीर 3 इ 39	,, ,,	,,	—	,,

6	7	8	8 A			11
गुरुभक्ति	स.	93*	25 × 11 × 13 × 36			
जैन भक्ति काव्य-संग्रह	प्रा.स.मा.	484	26 × 15 × 20 × 12			
सर्वजिनभक्ति	स मा.	5	38 × 12 × 10 × 32			
भक्तिमय गीत	मा.	6	22 × 12 × 10 × 29			
तीर्थ तीर्थंकर भक्ति	,,	1	26 × 11 × 14 × 35			
जैन भक्ति काव्य	,,	4	24 × 11 × 11 × 32			
भक्ति काव्य	प्रा स.	14	25 × 10 × 15 × 54			
जैन भक्ति मत्र	स.	40*	25 × 11 × 14 × 50		·98	
भक्तिफल	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40		9वी	
भक्ति स्तोत्र	सं.	1	24 × 11 × 11 × 40		18वी	
,,	,,	14*	25 × 12 × 13 × 35		16वी	(सक्षिप्त पाठ)
,,	,,	4	26 × 11 × 13 × 35		1681	
,,	सं मा.	4	25 × 10 × 4 × 32		19वी	
,,	स.	2,2,2,1,1	22 से 26 × 9 से 12		1950	
,,	,,	2,1	25 × 12 व 25 × 11		19/20वी	
,,	,,	3	27 × 14 × 15 × 48		,,	
भक्ति नाम स्मरण	,,	गुटका	12 × 9 × 9 × 18		19वी अजमेर नरेन्द्र	(नमुत्थुण से भिन्न)
,,	,,	1	23 × 10 × 21 × 72	ाम+114 दोहे	19वी	
भक्ति स्तोत्र	,,	गुटका	23 × 20 × 21 × 38		,,	
भक्ति गीत	मा.	3	29 × 11 × 10 × 40	ामस्कार+ 113 दोहे 160	,,	
,,	सं.	2	26 × 10 × 13 × 44		1950अमरदत्त मेवाडा	
				41 गा 2 ढाल	1953	
,,	सं.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38		1814	
भक्ति काव्य	मा	2	25 × 1	[illegible]नाय	19वी	
,,	मा मा	4	26 ×	4+64 [illegible]	[illegible]	

1	2	3	3 A	4	5
690	के नाथ 18/17	वीतराग वदना	Vıtarāga Vandanā	—	प
691	11/84	वीतराग स्तोत्र सावचूरी	Vıtarāga Stotra with Avacūrı	हमचन्द्राचाय/प्रभानद	मू म (पग)
692	मुनिसुव्रत 3 इ 309	,, —	,,	हमचन्द्राचाय	मू (प)
693	ओसिया 2/154	,,	,,	,,	मू (प)
694	के नाथ 21/12	,,	,,	,,	मू (प)
695	,, 10/23	,, +वृत्ति	,, +Vṛttı	,, /—	मू वृ (पग)
696	, 29/42	वीतराग स्तोत्र की अवचूरी	Vıtarāga Stotra kI Avacurı	—	ग
697	ओसिया 3 इ 232	वृहन्नवकार नमस्कार	Vṛhat Navakāra	जिनवल्लभ	प
698	के नाथ 11/101	,,	,,	,,	,,
699	के नाथ 26/103गु	वृहन्नवकार+ नमस्कार माहात्म्य	Vṛhat Navakāra etc	—	,,
700	मुनिसुव्रत 3 इ 273	वृहतशान्ति	Vṛhat Śantı	—	प ग
701	के नाथ 15/24	,	,,	—	,
702 3	, 14/125 23/78	, 2 प्रतियां	,, 2 copıes	—	,,
704	महावीर 3 इ 45	, +वृत्ति	,, +Vṛttı	—, हर्षकीर्ति (चन्द्रकीर्ति का शिष्य)	मू वृ
705 6	कुथुनाथ 2/3 21/8	, 2 प्रतियां	,, 2 copıes	—	प ग
707 8	कोनडी 463,462	वृहत्शान्ति की टीका 2 प्रतियां	,, kı Tikā 2 copies	हर्षकीर्ति	ग
709 10	महावीर 3 इ 139-40	शक्रस्तव 2 प्रतियां	Śakrastava 2 copice	सिद्धसेन	,,
711	कोनडी 414	शत्रुञ्जय खमासणा व दोहे	Śatrunjaya Khamāsaṇā +Dohe	—	प ग
712	के नाथ 23/92	, खमासणा	,	—	,
713	18/90	,, खमासणा+दोहे	,, ,,	पुण्यमहोदय (कल्याण सागर शिष्य	,,
714	सवामदिर 3 इ 345	शत्रुञ्जयनामकहा	Śatrunjaya Nāmakahā	—	,,
715	के नाथ 23/79	शत्रुञ्जय स्तवन	,, Stavana	प्रेमविजय+ शुभवीर	प
716	गुटका-1	,	,,	आनंदनिधान	,,
717	,, 23/86		,	प्रेमविजय	,,
718	महावीर 3 इ 22	,,	,	देवचद	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	मा	3	23 × 11 × 7 × 36	संपूर्ण 11 पद	1900	
,,	सं.	6	26 × 11 × 16 × 40	,, 20 प्रकाश	1505	
,,	,,	3	25 × 10 × 22 × 57	,, ,,	16वी	
,,	,,	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, ,, 187 श्लोक	16वी	
,,	,,	5	26 × 11 × 15 × 43	,, ,,	17वी	
,,	,,	11	25 × 12 × 16 × 42	अपूर्ण 12वे प्रकाश तक	19वी	
,,	,,	9	26 × 11 × 15 × 60	,, ,,	16वी	
भक्ति मंत्र	अपभ्रंश	2	25 × 11 × 11 × 31	सपूर्ण 27 पद	1898	
,,	,,	2	26 × 11 × 11 × 34	,, 13 पद	19वी	
भक्ति मंत्र व फल	स.	3	25 × 12 × 20 × 56	दोनो अपूर्ण (2 प्रकाश 18 श्लोक)	18वी	
भक्ति स्तोत्र	,,	2	25 × 10 × 13 × 46	सपूर्ण	16वी	(सक्षिप्त पाठ)
,,	,,	3	25 × 10 × 11 × 34	,,	1681	
,,	,,	3,6	25 × 12 व 31 × 11	,,	19वी	
,,	,,	5	26 × 12 × 18 × 50	,,	1950	
,,	,,	2,3	25 × 11 व 25 × 12	,,	19/20वी	
,, व्याख्या	,,	7,6	22 × 11 व 24 × 13	,,	,,	
भक्ति मंत्र स्तोत्र	,,	5,8	27 × 14 व 28 × 14	,,	19वी अजमेर नरेन्द्र	(नमुत्थुण से भिन्न)
भक्ति पद पाठ	मा.	11	25 × 12 × 10 × 30	,, 97 नाम + 114 दोहे	19वी	
,,	,,	3	26 × 13 × 15 × 43	सपूर्ण	,,	
,,	,,	9	22 × 12 × 14 × 33	,, 96 नमस्कार + 113 दोहे	,,	
तीर्थ भक्ति नाम	प्रा सं.मा	6	27 × 13 × 12 × 35	सपूर्ण ग्रंथाग्र 160	1950 अमरदत्त मेवाड़ा	
भक्ति गीत सामान्य	मा.	11	23 × 12 × 10 × 23	,, दो स्तवन 41 गा + 12 ढाल	1953	
तीर्थ माहात्म्य गीत	,,	3	22 × 11 × 22 × 32	संपूर्ण 45 छद	1814	
,,	,,	4	24 × 14 × 13 × 24	सपूर्ण + ढढणऋषि सज्झाय	19वी	
तीर्थ गीत व वर्णन	,,	12	25 × 12 × 10 × 31	,, 34 + 64 गाथायें	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
719	मुनिसुव्रत 4 ट 323	शत्रुञ्जय स्तुति	Śatrunjaya Stuti	—	प
720	ब नाथ 26/85	शांतिनाथ अष्टक व जय मालायें	Śāntinātha Astaka etc	—	,,
721	,, 15/95	शांतिनाथ नमिपार्श्व-स्तोत्र	,, & other Stotras	जिनवल्लभ	,,
722	महावीर 3 इ 355	शांतिनाथ-महावीर-स्तुति	,, & Mahāvira Stuti	—	,,
723	सवामदिर 3 इ 350	शांतिनाथ-स्तवन नि	,, Stavanāni	रत्नसूरि व अन्य	,,
724	कुंथुनाथ 36/1 क 41 5	,,	,, ,,	पद्मनंदि व अन्य	,,
725	,, 18/1	शांतिनाथ स्तवन	Śāntinātha Stavana	रुद्रऋषि	,,
726	मुनिसुव्रत 3 ट 272	,,	,,	—	,,
727	आमिया 3 इ 212	,,	,,	यशोविजय	,,
728	बैं नाथ 15/35	,,	,,	कनकसोम	,,
729	,, 15/68	शीतलनाथ स्तवन	Śitalanātha Stavana	सहजकीर्ति	,,
730	कुंथुनाथ 36 1 क्रम 54	श्रुतदेवतास्तुति	Śrutadevatā Stuti	पद्मनंदि	,,
731 2	,, 10/165 13/218	श्लोक संग्रह प्रार्थना क 2 प्रतियां	Śloka Sangraha 2 copies	सकलन	,,
733	महावीर 3 इ 26	षडावश्यक-स्तवन	Ṣadāvasyaka Stavana	नयविजय	,,
734	मुनिसुव्रत 3 इ 269	सकलकुशलवल्ली चैत्यवंदन	Sakalakuśalavallı Caitya-vandana	—	मू ट (प ग)
735	आमिया 3 इ 228	,, +बा	,, +Bālā	—	मू बा (प ग)
736	,, 3 ट 187	सकलार्हत्	Sakalārhat	हेमचंद्र/नयविमल	मू ट (प ग)
737	मुनिसुव्रत 3 ट 319	,, व शांति स्तोत्र आदि	,,	सकलन	पद्य
738 40	कालडी 539 482 3	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	हेमचन्द्राचार्य	प
741	कालडी 444	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /कनककुशल	मू वृ (प ग)
742	महावीर 3 इ 3	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, / ,,	,,
743	सवामदिर 3 इ 345	,, —	,, —	वीरभद्र/हेमचन्द्र	प
744	आमिया 3 इ 176	,,	,,	,, —	,,
745	महावीर 3 ट 57	सज्झाय संग्रह	Sajjhāya Sangraha	क्षमाकल्याण	,,
746	सवामदिर 3 इ 370	सती सज्झाय	Satı Sajjhāya	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थ भक्ति	स	1	25×11×17×52	सपूर्ण 9 श्लोक+2 पद	19वी×तखत सागर	
तीर्थंकर भक्ति	,,	गुटका	12×11×9×13	सपूर्ण 8,9,9, श्लोक	19वी	
,,	प्रा.	5*	26×11×11×40	संपूर्ण 3 स्तोत्र (33+15+15) गा.	17वीं	
,,	सं.	1	27×13×20×29	सपूर्ण 4-4 श्लोक की	19वी	
,,	,,	6	10×6×7×16	अपूर्ण 27 श्लो द्वितीय-पूर्ण 5 श्लोक	18वी	
,,	,,	गुटका	23×20×21×38	सपूर्ण 2 (11+9 श्लोक)	1544	
,,	मा	4	25×11×11×33	सपूर्ण 69 छद	16वी	
,,	,,	2	24×10×13×41	,, 30 गा.	1696वीकनयर	
,,	,,	3	24×11×12×39	,, 6 ढाले	19वी	
,,	,,	2	26×11×13×31	,, 29 गाथा	19वी	
,,	प्रा.	2*	26×11×14×43	,, 15 गाथा	18वी	
ज्ञानदेवी की भक्ति	सं.	गुटका	23×20×21×38	,, 31 श्लोक	1544	
प्रार्थना के श्लोक	प्रा.स.मा	2,3	22×12 व 23×11	प्रतिपूर्ण	19वी	
आवश्यक भक्तिकाव्य	मा.	3	27×13×12×37	संपूर्ण 6 ढाले	1914	
भक्ति स्तोत्र	स मा.	2	22×9×4×40	,, 7 श्लोक	19वी	
,,	,,	2	25×12×12×28	,,	,,	
,,	,,	5	26×12×4×32	,, 28 श्लोक	1763	मूल हेमचन्द्राचार्य का है।
,,	सं.	4	24×10×12×37	कुल 5 स्तोत्र (सामान्य)	1840 नागौर, ईश्वरसागर	
,,	,,	2,3,3	26 से 30×11 से 13	सपूर्ण 36 श्लो. 27 27	19वी	
,,	,,	10	27×13×11×49	,, 26 श्लोक की	1903	
,,	,,	7	28×12×12×54	,, 28 श्लोक ग्र 282	1942 जयपुर देवकृष्ण	व्याख्या 26 श्लोक तक ही
,,	,,	2	21×10×11×21	,, 30 श्लोक	20वी	
,,	,,	2	25×11×11×32	,, 31 श्लोक	,,	
भक्ति स्वाध्याय	मा.	14	25×13×10×24	,, 16 गीत	,,	
सती गुण कीर्त्तन	,,	2	24×11×11×44	,, 29 गा.	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
748-9	क नाथ 14/115 21/79, 6/102	सत्तरभेदी पूजा 3 प्रतियां	Sattarabhedı Pūjā 3 copies	साधुकीर्ति	प
750 1	कोलडी 357,952	,, 2 प्रतियां	, 2 copies	,,	,,
752 3	,, 345,344	,, 2 प्रतियां	, 2 copies	सकलचंद्र	
754	ओसिया 3 इ 184	,,	,,	—	,,
755	कुंथुनाथ 15/10	सत्तरभेद पूजा प्रबंध	Sattarabheda Pūjā Prabandha	समरचंद	,,
756	, 15/59	सत्तरभेदी पूजा विचार स्तवन	Sattarabhedı Pūjā Vıcāra Stavana	पासचंद	,,
757	क नाथ 10/52	सप्तदश प्रकार पूजा	Saptadasa Prakāra Pūjā	—	ग प
758	महावीर 3 इ 37	सप्तस्मरण वृत्तिसह	Saptasmaraṇa with Vṛttı	भिन्न 2 आचार्य	मू वृ
759	के नाथ 5/9	,, +बा	,, +Bālā	,,	मू बा (प ग)
760	ओसिया 2/152	,, व स्तवन	,, & S a an ı	,,	मू प
761	क नाथ 15/124	,	,,	,,	मू
762	कुंथुनाथ 29/13	,	,	,,	,,
763	क नाथ 15/91	,,	,,	,,	,,
764	क नाथ 5/34	,,	,,	,,	,,
765	नवामंदिर 3 इ 338	वृत्तिसह	,, with Vṛttı	,,	मू वृ
766	मुनिसुव्रत 3 इ 251	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
767	कालडी 1111	,		,,	मू
768	454	, वृत्तिसह	,, with Vṛttı	,,	मू वृ
769	नवामंदिर 3 इ 339	, +बा	,, +Balā	,,	मू ट बा
770	ओसिया 3 इ 362	,,	,,	,,	मू ट
771-3	महावीर 3 इ 34 36 35	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	मू
774-8	क नाथ 11/65 20/40 24/57 26/101, 16/11	, 5 प्रतियां	,, 5 copies	,,	,,
779	कालडी 460	,	,	,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	मा	10,10,3	21 से 26 × 9 से 13	दो मे 17 पूजाये, तीसरी मे 6 ही	19वी	
,,	,,	10,2	25 से 11 व 27 से 12	दोनो पूर्ण	,,	
,,	,,	13,21	26 × 12 व 26 × 13	,,	,,	
,,	,,	20*	27 × 11 × 15 × 38	संपूर्ण	1940	
पूजाका व 17 प्रकार का विवेचन	,,	5	26 × 11 × 13 × 49	,, 24 पद्यानुच्छेद	19वी	
भक्ति (पूजा विधान)	,,	2	25 × 11 × 13 × 42	,, 29 गाथा	,,	
भक्ति काव्य व विधि	सं.	2	26 × 12 × 13 × 42	सपूर्ण	,,	दिगम्बर आम्नाय
भक्ति स्तोत्र	प्रा.सं.	34	25 × 9 × 13 × 49	छठे स्मरण की नही बाकी छै है।	16वी	
,,	प्रा मा.	26	26 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण	16वी	
,, आदि	प्रा स.	123*	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्ण	16वी	
,,	प्रा	7	25 × 10 × 12 × 48	,,	16वी	
,,	,,	7	26 × 10 × 13 × 40	त्रुटक	16वी	
,,	,,	7	26 × 11 × 13 × 41	सपूर्ण	1868	
,,	,,	10	25 × 11 × 11 × 34	,,	17वी	
,,	प्रा.स.	32	27 × 12 × 13 × 45	अपूर्ण-1 व 6 नही 2 व 7 अधूरे	17वी	
,,	प्रा मा.	9	23 × 11 × 6 × 38	4 व 5 नही बाकी 5 स्मरण	1753,काणाणा विद्याविशाल	
,,	प्रा.	7	26 × 10 × 13 × 42	छठा अधूरा व सातवा नही	18वी	
,,	प्रा सं.	51	26 × 11 × 11 × 44	पांच स्मरण व तीन अन्य	*18वी	(2 शाति 1 भक्तामर साथ मे)
,,	प्रा मा	26	21 × 12 × 5 × 31	,,	1851 जोधपुर भीमराज	
,,	,,	23	24 × 12 × 5 × 30	सपूर्ण	1880	
,,	प्रा.	17,28. 12	24 से 26 × 12 से 13	,,	19/20वी	
,,	,,	9,10 14,11, 17	25 से 26 × 11 से 13	चार पूरी और अन्तिम अपूर्ण	19वी	
,,	,,	13	27 × 13 × 12 × 44	सपूर्ण	1889	

1	2	3	3 A	4	5
780	ग्रासिया 3 इ 216	सप्तस्मरण-स्तुति ग्रादि	Saptasmarana Stuti etc	भिन्न 2 ग्राचाय	मू प
781	के नाथ 6/65	सप्तस्मरण ग्रावश्यक व ग्रन्य ग्रथ	,,	,,	मू
782	, 21/51	सप्तस्मरण की वृत्तियें	, ki Vṛttiyen	भिन्न 2 वृत्तिकार	ग

(सप्तस्मरणादि

ग्रजितशाति	मूल नदीषेण प्राकृत गाथा 40	वृत्ति —(1) गोविन्दाचाय संस्कृत गद्य ग्रथाग्र 350
लघुशांति (उल्लासिका)	मूल जिनवल्लभ प्राकृत गाथा 15-18	,, (1) धमतिलक , 320
भयहर स्तोत्र	मूल मानतुङ्ग , 21	,, (1) जिनप्रभ ,, 300 ग्रभिप्राव चन्द्रिका
तजयउ (सर्वाधिष्ठायक)	मूल जिनदत्तसूरि , 26	,, (1) जयसागर (वधमान शिष्य) गद्य संस्कृत
गुरुपारतन्त्र्य	, , 21	,, (1) सागरचन्द्र संस्कृत गद्य
विघ्नापहर	,, 14	,, (1) ग्रज्ञात ,, ,,
उवसग्गहर	मूल भद्रबाहु , 5	,, (1) जिनप्रभ ,, , ग्रथाग्र 271
लघुशांति	मूल मानदेव संस्कृत 19	, (1) धमप्रमोदगणि संस्कृत गद्य
वृहतशांति	मूल ग्रज्ञात संस्कृत	(1) हर्षकीर्त्ति ,, ,,

1	2	3	3 A	4	5
783	के नाथ 26/103 गु	सप्तोपधानादि-स्तवन	Saptopadhānādi Stavana	समयसुन्दर	प
784	सवामदिर गुटका 30 ति	सरदहणा स्तवन	Saradahanā Stavana	पाश्वचद	,
785	महावीर 3 इ 77	सरस्वती भक्तामर+वृत्ति	Sarasvati Bhaktamara +Vṛtti	मानतुङ्ग (स्वोपज्ञ)	मू वृ (प ग)
786-91	महावीर 3 इ 131 86,130 132 55 79	सरस्वती-स्तोत्राणि 6 प्रतियां	Sarasvati Stotrāni 6 copies	प्रभाचाय सुमति व ग्रन्य	प
792-4	मुनिसुव्रत 3 इ 286 246 323	, 3 प्रतियां	,, 3 copies	—	,,
795	सवामदिर 3 इ 350	,,		जिनप्रभ व ग्रन्य	,,
796-7	के नाथ 26/103 19/38	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	बप्पभट्टसूरि व ग्रन्य	,,
798-804	कुथुनाथ 35/39 16/17 36/1 20/8 9 44/5 14/60	, 7 प्रतियां	,, 7 copies	—	,,

1	2	3	3 A	4	5
780	ओसिया 3 इ 216	सप्तस्मरण स्तुति ग्रादि	Saptasmarana Stuti etc	भिन्न 2 ग्राचाय	मू प
781	के नाथ 6/65	सप्तस्मरण ग्रावश्यक व ग्रन्य ग्रथ	,,	,,	मू
782	,, 21/51	सप्तस्मरण की वृत्तियें	, ki Vṛttiyen	भिन्न 2 वृत्तिकार	ग

(सप्तस्मरणादि

ग्रजितशाति	मूलनदीषेण प्राकृत गाथा 40	वृत्ति —(1) गोविन्दाचाय सस्कृत गद्य ग्रयाग्र 350
लघुशाति (उल्लासिका)	मूल जिनवल्लभ प्राकृत गाथा 15 18	,, (1) धर्मतिलक ,, 320
भयहर स्तोत्र	मूल मानतुङ्ग ,, 21	,, (1) जिनप्रभ ,, 300 ग्रभिग्र वन्दि
तजयउ (सर्वाधिष्ठायक)	मूल जिनदत्तसूरि , 26	,, (1) जयसागर (वधमान शिष्य) गद्य सस्कृत
गुरुपारतन्त्र्य	, , 21	,, (1) सागरचन्द्र सस्कृत गद्य
विग्धापहर	,, 14	,, (1) ग्रज्ञात ,, ,,
उवसग्गहर	मूल भद्रबाहु , 5	,, (1) जिनप्रभ ,, , ,ग्रयाग्र 271
लघुशाति	मूल मानदेव सस्कृत 19	,, (1) धर्मप्रमोदगणि सस्कृत गद्य
वृहतशाति	मूल ग्रज्ञात सस्कृत	(1) हर्षकीर्ति ,, ,,

783	के नाथ 26/103गु	सप्तोपधानादि स्तवन	Saptopadhānādi Stavana	समयसुन्दर	प
784	सवामदिर गुटका30 ति	सरदहणा स्तवन	Saradahaṇā Stavana	पार्श्वचद	,
785	महावीर 3 इ 77	सरस्वती भक्तामर+वृत्ति	Sarasvati Bhaktamara +Vṛtti	मानतुङ्ग (स्वोपज्ञ)	मू वृ (प ग
786-91	महावीर 3 इ 131 86,130 132 55,79	सरस्वती स्तोत्राणि 6 प्रतिया	Sarasvati Stotrāni 6 copies	प्रभाचाय सुमति व ग्रन्य	प
792 4	मुनिसुव्रत3 इ 286 246 323	, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
795	सवामदिर 3 इ 350	,,	,,	जिनप्रभ व ग्रन्य	,,
796 7	के नाथ 26/103, 19/38	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	बप्पभट्टसूरि व ग्रन्य	,,
798 804	कुथुनाथ 35/39, 16/17 36/1 20/8 9 44/5 14/60	, 7 प्रतिया	,, 7 copies	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र	प्रा.मा.	7	25 × 11 × 11 × 25	अपूर्ण	20वीं	
,, आदि	प्रा.मा सं	96	25 × 11 × 11 × 34	,,	20वीं	(सामान्य संकलन)
, व्याख्या	सं.	31	26 × 11 × 15 × 54	संपूर्ण	1637	

वृत्तियों की विगत)

(2) जिनप्रभाचार्य सस्कृत गद्य ग्रंथाग्र 740 त्रोविदीपिकानाम्नी (3) कर्मसागर संस्कृत गद्य

(2) पार्श्वदेवगणि संस्कृत गद्य

(2) हर्षकीर्त्ति (चन्द्रकीर्ति का शिष्य) संस्कृत गद्य

भक्ति क्रिया सह	मा.	5	25 × 11 × 15 × 38	संपूर्ण 5 स्तवन	18वीं	
भक्ति श्रद्धा (दर्शन)	,,	8	16 × 13 × 13 × 20	,, 49 गा.	1651	
सरस्वती जैन भक्ति	सं.	25	26 × 12 × 12 × 40	,, 44 श्लोक	20वीं	
सरस्वती भक्ति	,,	2 2,2,2, 1,1	20 से 27 × 11 से 13	,, 9 स्तोत्र कुल (80 श्लोक)	19/20वीं	
,,	सं.मा.	2,6* 18*	23 से 24 × 10 से 11	,, 4 स्तोत्र (संस्कृत में 3)	,,	
,,	सं.	40	10 × 6 × 7 × 16	संपूर्ण 11 स्तोत्र (150 श्लोक)	18वीं	
,,	,,	6'4	25 × 11 व 26 × 13	संपूर्ण 9 स्तोत्र (70श्लो.)	18/19वीं	
,,	,,	1,2,1,2 1 (गुटका 2)	भिन्न-भिन्न	,, 16 स्तोत्र (195 श्लोक)	16/19वीं	

1	2	3	3 A	4	5
805 6	कान्ती 522 532	सरस्वती स्तोत्राणि 2 प्रतियां	Sarasvati Stotarāṇi 2 copies	कुशल वर्द्धन व अन्य	प
807	सवामन्दिर 3 ट 345	स्तोत्र	, Stotra	—	,,
808	, 3 ट 345	शतिकरनाम-स्तोत्र	Santikaranāma Stotra	—	
809	कुशुनाथ 3/68	सवेग व दान गीत	Saṃvega & Dāna Gita	—	,,
810	सवामदिर 3 ट 376	ससार दावानल-स्तुति	Samsāra Dāvānala Stuti	—	,,
811	केनाथ 15/80	,, सावचूरी	, with Avacūri	—	मू म (प्र त)
812	मुनिसुव्रत 3 ट 283	,, वृत्तिसह	with Vṛtti	हरिभद्र	मू वृ (प म)
813	केनाथ 13/45	साधुवन्दना	Sādhuvandana	—	प
814	19/9			भावप्रभसूरि	,,
815	सवामन्दिर ट 3 नि	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	पार्श्वचन्द्र	,,
816	केनाथ 20/50	,		,,	,
817 8	मुनिसुव्रत 3 ट 255 364	, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,
819	केनाथ 15/22	,,	,,	कुंवरजी	,,
820 1	ट 1,14 10,	,,	,	पार्श्वचंद	,,
822	मुनिसुव्रत 3 ट 259	,,		,,	,
823	कुशुनाथ 39/4	,	,,	,,	,,
824	कान्ती 274	,	,	समयसुंदर	,,
825 6	केनाथ 6/12 26/80	, 2 प्रतियां	, 2 copies	,,	,,
827	कान्ती गु 9/12	,,	,,	ऋषिजयमलजी	,,
828 9	केनाथ 23/71 24/44	2 प्रतियां	, 2 copies	,,	,,
830 31	14/129, 24/41	(आगमोक्त) साधुवंदना 2 प्रतियां	, 2 copies	मुनिदेव (ज्ञानचंद का शिष्य)	,
832	कुशुनाथ 54/11		,,	, ,,	,
833	केनाथ 26/46	साधुवंदना	,	कुशल (नागौरी गच्छ)	,,
834	, 15/27	,,	,,	जयसोम	,,
835	14/91	,,	,	अज्ञात	,

6	7	8	8 A	9	10	11
सरस्वती भक्ति	स मा.	3,2	30 × 10 × भिन्न 2	सपूर्ण 2 स्तोत्र (सस्कृत मे 1)	19वी	साथ 2 स्तोत्र 64 योगिनी
,,	स.	2*	27 × 10 × 21 × 72	मपूर्ण	19वी	साथ मे 64 योगिनी बीज मत्र
जिनभक्ति	प्रा.	1	24 × 11 × 12 × 33	,, 13 गाथा	1881 × हर्षचन्द्र	अत मे आनदघन का 1 पद
श्रद्धा भक्ति उपदेश	मा.	1	25 × 11 × 17 × 38	,, 25 गा.(16+9)	19वी	—
भक्ति	स.	2	25 × 11 × 10 × 40	सपूर्ण 17+2 श्लोक	18वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 11 × 40	,, 4 श्लोक	19वी	
,,	,,	3	21 × 10 × 11 × 32	,,	19वी	
साधु भक्ति व नाम-स्मरण	प्रा.	24*	30 × 12 × 19 × 86	अपूर्ण 150 गा	16वी	भक्तिभर नमिसुखर
,,	मा.	8	26 × 11 × 12 × 36	सपूर्ण 110+50 गाथा	1622	
,,	,,	गुटका	26 × 13 × 13 × 20	,, 83 गाथा	1651	
,,	,,	4	25 × 11 × 13 × 44	,, 87 गाथा	1660	
,,	,,	6,5	25 × 11 व 26 × 12	,, ,,	17वी	
,,	,,	12	26 × 11 × 14 × 43	सपूर्ण 14 ढालें	1706	
,,	,,	3,5	22 × 19 व 28 × 12	,, 7 ढाले = 87 गा	1814, 1849	
,,	,,	5	26 × 12 × 13 × 50	,, 87	1821 गढवाडा सावलदास	
,,	,,	गुटका	20 × 16 × 14 × 26	,, 87	19वी	
,,	,,	14	27 × 11 × 15 × 65	,, 18 ढाल = 516 गाथा	19वी	ग्रथाग्र 750
,,	,,	23,15	22 × 11 व 26 × 11	प्रथम सपूर्ण 18 ढाल दूसरी 14	19वी	
,,	,,	गुटका	15 × 10 × 9 × 17	सपूर्ण 35 गाथा	1885	
,,	,,	6,12*	26 × 12 व 26 × 11	(1) (2) संपूर्ण 111 गा. 55 गा.	19वी	
,,	,,	7,8	25 × 12 × 15 × 50	,, 161 गा. = 13 ढाल	19वी	
,,	,,	गुटका	6 × 6 × 8 × 12	,, ,,	19वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 17 × 48	,, 35 गा.	19वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 11 × 38	,, 27 गा.	19वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 11 × 33	,, 32 गा.	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
836	कुंथुनाथ 36/1	सारगकाष्ठ सघ जयमाला	Sārangakāṣṭha Sangha Jayamālā	माथुरनदि	प
837	महावीर 3 इ 355	सिद्धचक्र नमस्कार	Siddhacakra Namaskāra	—	,,
838	ओसिया 3 इ 235	,, नवपद पूजा	,, Navapada Pūjā	देवचन्द्र	
839	के नाथ 15/195	, नवपद वर्णन	,, , Varnana	,,	,,
840 1	कोलडी 409, 1346	,, पूजा 2 प्रतियां	, Pūjā 2 copies	—	? मप्र
842	कुंथुनाथ 2/19	, यन्त्रोद्धार गाथा +वृत्ति	Siddhacakra Yantroddhāra Gāthā++Vṛtti	(श्रीपालचरित्रे) विवरण चन्द्रकीर्ति	मू व (प ग)
843	मुनिसुव्रत 3 इ 323	, स्तवन+यन्त्र	,, Stavana+Yantra	—	प
844	ओसिया 3 इ 190	सिद्धदण्डिकका स्तवन	*Siddha Dandikā Stavana*	देवेन्द्रसूरि	,
845	महावीर 3 इ 355	,,	,,	,,	,,
846	ओसिया 3 इ 186	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
847	क नाथ 15/82		,	पद्मविजय	प
848	कोलडी 1147	सिद्धमुक्तिमाला	Siddha Mukti Mālā	—	,,
849	कुंथुनाथ 36/1	सिद्धस्तुति व सिद्धचक्रस्तव	Siddha Stuti & Siddhacakra Stava	पद्मनंदि	,,
850	सवामंदिर 3 इ 345	सिद्धपार्थिवसूत्र व यन्त्र +वृत्ति	Siddha Pārthiva Sūtra etc +Vṛtti	—	मू वृ (प ग)
851	कोलडी 509	सिद्धिलक्ष्मी स्तोत्र	Siddhi Lakṣmi Stotra	—	प
852	क नाथ 29/49	सीमंधर-स्तवन	Simandhara Stavana	उ भक्तिलाभ	,,
853	ओसिया 3 इ 323	, स्वाध्याय	,, Svādhyāya	लावण्यसमय	,,
854	मुनिसुव्रत 3 इ 323	सुगुरु छत्तीसी	Suguru Chattisi	हर्षकुशल	,
855	महावीर 3 इ 355	सूरिमंत्र स्तवन	Sūrimantra Stavana	भावसूरि	,,
856	कोलडी 204	सोमवार-स्तवन	Somavāra Stavana	वा विनयविजय	,,
857	सवामंदिर 3 गु ति	स्तवन (सामान्य)	Stavana (general)	पार्श्वचन्द	,,
758 60	कुंथुनाथ 56/1 3 5	स्तवन सज्झाय 3 प्रतियां	, Sajjhāya 3 copies	,,	,,
861	ओसिया 3 इ 208	स्तवन-संग्रह	Sangraha	शोभमुनि	,,
862	क नाथ 18/70	,	,,	पा हर्षसुंदर (कनकविजय शिष्य)	,,
863	ओसिया 3 इ 231		,,	गयवरमुनि	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति	प्रा.	गुटका	23×20×21×38	संपूर्ण 2 स्तोत्र (9-9 गाथा	1544	
,,	सं.	1	27×12×14×38	संपूर्ण 3 स्तोत्र (5,9,6 श्लोक)	18वी लालचद	
भक्ति काव्य	मा.	16	20×9×9×22	संपूर्ण नवमी पूजा तक (अतिम पन्ना कम)	19वी	
,,	,,	2	26×12×14×35	सपूर्ण 11 गा.	,,	अत मे श्रीहर्ष की श्रावककरणी सज्झाय 22 गा. की
,,	स.	11,6	26×12×17/15×40	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	,,	
भक्ति यत्र-मत्र	प्रा स	4	26×11×10×36	संपूर्ण	20वी	
,,	प्रा.	2	25×10×18×32	,, 6 गाथा + 4 स्तुतिया	18वी	
सिद्ध भक्ति व विभक्ति	,,	2	26×11×14×40	,, 13 गा.	17वी	
,, ,,	,,	1	,,	,, 13 गाथा	,,	साथ मे यन्त्र
,, ,,	प्रा.मा.	3	25×11×4×31	,, 13 गाथा	1846लालचद	
,, ,,	मा.	2	24×12×17×42	,, 7 ढाले	19वी	
,,	,,	4	24×12×10×36	अपूर्ण 21 से 98 गाथा	19वी	प्रथम पन्ना कम
,,	स.	गुटका	23×20×21×38	सपूर्ण 30+11 श्लोक	1544	
,,	प्रा स.	2	27×12×13×40	अपूर्ण साथ मे यत्र	19वी	जीर्ण
,,	स.	12*	28×11×11×39	सपूर्ण स्तोत्र	19वी	
तीर्थंकर की भक्ति	मा.	2	24×11×11×33	,, 18 गा.	19वी	
तीर्थंकरभक्ति स्वाध्याय	,,	3	26×11×13×34	,, 49 गा.	17वी	
गुरुभक्ति	,,	1	25×11×14×44	,, 36 गा.	18वी	
भक्ति मत्र	प्रा.	1	24×11×13×52	,, 20 गा.	19वी	
मुक्ति आराधना भक्ति	मा	5	27×13×14×35	,, 9 ढाले	19वी	
तीर्थंकर भक्ति	,,	9	16×13×13×20	,, 11 ढाल = 68गा	1650	
जिन व गुरु भक्ति व 8 मद सज्झाय	,,	2,1,1	22 से 25×11 से 13	, 3 पद (21,25, 19 गा.)	18/19वी	
तीर्थंकर भक्ति गीत	,,	6	25×12×12×31	,, 13 स्तवन	19वी वीकानेर विरदीचद	
,,	,,	4	23×13×16×32	,, 7 स्तवन	1940	(इसी वर्ष निर्मित सघ मे)
,,	,,	25	17×12×11×21	,, 24 स्तवन	1972	

1	2	3	3 A	4	5
864	नवामदिर 3 इ 345	स्तवन स्तुति पत्र	*Stavana Stuti Patra*	सकलन	प
865	कुयुनाय 4/97	स्तुतियें	Stutiyen	—	,
866	कानडी 918	,,	,	—	मू ट (प ग)
867	क नाय 6/109	स्तोत्र-सग्रह	Stotra Sangraha	सकलन	मू प
868	के नाय 19/26	स्तोत-स्तुति आदि सग्रह	Stotra Stuti etc	—	प ग
869-71	कोलडी 1327 353 359	स्नात्र पूजा अष्टप्रकारी 3 प्रतिया	Snātra Pūjā Astaprakāri 3 copies	देवचद	प
872-75	क नाय 16 31 18 24 23 73 26'88	,, 4 प्रतिया	, 4 copies	,,	,,
876	कुयुनाय 28/5	स्नात्र व नवपद पूजा	Snātra & Navapada Pūjā	,,	,
877	कुयुनाथ 28/6	स्नात्र सत्तरभेदी नवपद व अष्टप्रकारी	Snātra Sattarabhedi etc	देवचद, राजसूरि यशोविजय	,,
878	आमिया 3 इ 234	,, अष्टप्रकारी	,	,, कीर्त्तिविजय	,,
879	देवद्र 3 इ 344	स्नात्र व अष्टप्रकारी पूजा	Snātra+Astaprakāri Pūjā	देवचद	,,
880	ओसिया 3 आ 132	,	,	,,	,,
881	क नाय 15/143	स्नात्र पूजा	Snātra Pūjā	अज्ञात	,
882	कोलडी 402	,, विधिसह	, with Vidhi	—	ग प
883	मुनिसुव्रत 3 इ 310	स्नात्र पूजा आदि विधिसह	, etc	अज्ञात	ग प
884	कालडी 936	स्नात्र पूजा विधिसह	, with Vidhi	—	प ग
885	,, 783	स्वयम्भू-स्तोत्र (वृत्तिसह)	Svayambhū Stotra (with Vṛtti)	समतभद्र/प्रभाचद्र	मू वृ (प ग)
886	क नाय 26/103	हरिशास्त्राथ + नेमीस्तोत्र	Hariśastārtha+Nemi-Stotra	—	पद्य
887	के नाय 19/66	हनुमान स्तोत्र + मगलाष्टक	Hanumāna Stotra+Mangalāstaka Storta	—	,,
888-947	क नाय 5/96 6/32 81 101 11/59 14-42 92 108-112-142 15/77 82 87 18/13 13 43 68 69 71, 89 92 93 86 23/3 19/14 66 69 71 81	स्फुट स्तवन स्तुति स्तोत्र सज्झाय के पत्रे (60 प्रतिया)	Stray Pages of Stavana Stuti Stotra etc 60 copies	भिन्न भिन्न	,,

Cont. on Page 274

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति गीत	प्रा.स.	4	25 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण पत्र 4 से 7 अस	18वी	
,,	स.	1	24 × 9 × 13 × 40	संपूर्ण 8 श्लोक	16वी	सगीतमय
व्यगात्मक भक्ति पर	मा.	3	25 × 11 × 3 × 28	सपूर्ण	19वी	—
जैन भक्ति काव्य	प्रा.स	6	25 × 12 × 12 × 35	अपूर्ण	19वी	—
,,	,,	47	26 × 12 × 13 × 42	अपूर्ण त्रुटक सामान्य	20वी	अतिसामान्य
पूजा भक्ति काव्य	मा.	32,9,11	12 से 25 व 8 से 13	सपूर्ण+स्तवन भी	19/20वी	
,,	,,	5,4,6, 23	26 से 24 व 10 से 14	,,	19वी	अतिम मे नवपद-पूजा यशोविजय की
,,	,,	57	10 × 8 × 6 × 10	,,	20वी	
,,	,,	110	9 × 8 × 7 × 11	,,	1945	
,,	,,	17	24 × 11 × 12 × 35	,, तीन पूजाये	19वी	
,,	,,	10	24 × 11 × 9 × 37	,, 2 पूजाये	19वी	
,,	,,	11	26 × 12 × 12 × 47	,, ,,	19वी	
भक्ति क्रिया विधिसह	प्रा अ.मा	10	26 × 12 × 7 × 35	,,	1836	
,,	मा.	9	26 × 11 × 9 × 32	,,	1842	
,,	प्रा.मा.	3	26 × 10 × 16 × 48	,,	1844	
,,	मा.	3	26 × 12 × 16 × 40	,,	19वी	(देवचदजी से अन्य)
तीर्थंकर भक्ति	सं.	27	27 × 13 × 15 × 54	अपूर्ण (द्वितीय परिच्छेद) ग्र 150	1869	
भक्ति स्तोत्र	सं.	1	25 × 12 × 20 × 56	सपूर्ण ग्रथाग्र 50	18वी	
,,	स.	111*	22 × 12 × 14 × 26	,,	,,	
भक्ति गीतादि	प्रा.सं मा	1395	24 से 30 × 10 से 15	पूर्ण अपूर्ण	17/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
	104,126,21/ 85 23/90 93 24/63 76-78 81 26/26 28 26/30 31 36 39 42 45 48 51 52 83,86 87 90 93,97 28/5 10 19 78				
948 72	गालडी 25प्रतियें + बस्ता 70 काड म	स्फुट स्तवन स्तुति स्तोत्र सज्भाय के पन्ने 25 प्रतिया	Stray Pages of Stavana Stuti Stotra etc 25 copies	भिन्न भिन्न	पद्य
973 1166	कुंथुनाथ "	" 194 प्रतिया	, 194 copies	"	"
1167 79	श्रेयांस 3 इ 172 3 8-97-9 205-6 17-21 41, 2/301 36 60 351	" 13 प्रतिया	, 13 copies	,	"
1180 91	महावीर 3 इ 6 11 13 28 46 55 58 59 115 355 357	" 12 प्रतिया	, 12 copies	"	"
1192 1209	मुनिसुव्रत3 इ 276 87-88 90 से 96, 98 99 301 12, 17 20,23,26	" 18 प्रतिया	" 18 copies	"	,
1210 15	सिवामदिर3 इ 343-45 49 50 69 80	" 6 प्रतिया	" 6 copies	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति गीतादि	प्रा स मा.	822		पूर्ण अपूर्ण	17/20वी	
,,	,,	898		,,	,,	
,,	,,	145		,,	,,	
,,	,,	55		,,	,,	
,,	,,	179		,,	,,	
,,	,,	178		,,	,,	

1	2	3	3 A	4	5
1	कुंथुनाथ 56/6	अमरसत्तरी	Amara Sattarı	पार्श्वचंद (रतनचंद्र का शिष्य)	प
2	कालडी 811	ईर्यापथिक चर्चा	Iryāpathıka Carcā	—	ग
3	केनाथ 23/38	ईर्यापथिक विचार	„ Vıcāra	—	,,
4	महावीर 3 ई 18	उत्सूत्र खण्डन	Utsūtra Khandana	गुणविनय (जयमाम का शिष्य)	„
5	सेवामंदिर 3 ई 41	उदरवगानाछिद्र	Udaravegānā Chıdra	आलमचंद	प
6	कनाथ 18/28	औष्टिकमत उद्घाटन कुल	Austrıka Mata Udyātana Kulam	धर्मसागर (दानसूरि का शिष्य)	मू अ (प ग)
7	महावीर 3 ई 25	कुटमुद्गर ग्रन्थ	Kutamudgara Grantha	माधव	मू वृ (प ग)
8	महावीर 3 ई 6	कुमत्ताहि विष जांगुली मंत्र	Kumattāhı Vısa Jānguli Mantra	रत्नचंद्रगणि	ग
9	महावीर 3 ई 22	कुमतिकंद कुद्दाल	Kumatı Kanda Kuddāla	सौभाग्यविजय	
10	कालडी 963	कुमतिचर्चा	Kumatı Carca	—	„
11	महावीर 3 ई 30	कुमुदचन्द्र	Kumudacandra	—	,,
12	कनाथ 23/42	केवलीस्वरूप	Kevalı Svarūpa	मुक्तिसागर (लब्धिसागर शिष्य)	प
13	कनाथ 5/119	केशीगौतम संधि	Keśı Gautama Sandhı	उत्तराध्ययन वाली कथा	,,
14	कनाथ 6/45	केशीसंधि	Keśı Sandhı	,,	,,
15	महावीर 3 ई 8	खरतरतपा मान्यामान्या विचार	Kharatara Tapā Mānyā mānya Vıcāra	—	ग
16	कनाथ 11/88	गणधर सार्द्ध शतक (वृत्ति-सह	Ganadhara Sārddha Sataka (with Vṛttı)	जिनदत्तसूरि/सवराज गणि	मू व
17	आमेिया 2/152	,,		जिनदत्तसूरि	प
18	महावीर 3 ई 39	,, वृत्ति	,, Vrttı	जिनदत्त/सुमतिगणि	मू वृ
19	कनाथ 17/60	,,	,,	जिनदत्तसूरि	प
20	कनाथ 15/84		„	,,	„
21	महावीर 3 ई 3	गुरुतत्त्व प्रदीप दीपिका	Gurutattvā Pradıpa Dıpıkā	धर्मसागर (स्वोपज्ञ)	मू+दी
22	कनाथ 14/130	(गुरुतत्त्वप्रदीप) उत्सूत्रकंद कुद्दाल	Gurutattava Utsūtrakanda Kuddāla	धर्मसागर	ग
23	महावीर 3 ई 10	चार्चिक ग्रन्थ	Cārcıka Grantha	—	,,
24	महावीर 3 ई 9	चौथ संवत्सरी चर्चा	Cautha Samvatsarı Carcā	इन्दार से	गद्य
25	महावीर 3 ई 22	जिन पूजा चर्चा	Jına Pūjā Carcā	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
मूर्ति पूजा मण्डन	मा	4	27 × 11 × 14 × 35	सपूर्ण 74 गा.	19वी	
सामायिक लेने की विधि	,,	7	33 × 13 × 12 × 38	,,	1897 जोधपुर गुलावविजय	
,,	,,	6	27 × 13 × 14 × 36	,,	20वी	
धर्मसागरीय उत्सूत्रोद्घटनकुलक का खडन	स.	37	28 × 12 × 14 × 45	,, ग्र. 1250	1968	1661 की कृति
स्वाध्याय पर	मा	2	26 × 11 × 19 × 82	,, 63 गाथा	1882	अत मे चदनबाला सज्झाय
खरतरतपागच्छाक्षेप	प्रा सं.	3	26 × 11 × 11 × 40	,, 18	17वी	
शरीर इद्रिय विपयक चर्चा	स.	6	26 × 11 × 14 × 38	,, 620 श्लोक	19वी विपधरपुर गगाविष्णु	
सांप्रदायिक खडन मडन	,,	12	27 × 13 × 15 × 47	,, ग्रथाग्र 518	1967 नागौर नरोत्तम	
,,	मा.	41	27 × 12 × 11 × 30	सपूर्ण	20वी	
प्रतिमा पूजनादि पर	,,	2	25 × 11 × 15 × 78	,,	19वी	
साप्रदायिक खडन मडन	सं.	16	30 × 16 × 14 × 37	,,	1906	
साप्रदायिक चर्चा निराकरण	मा.	9	25 × 12 × 6 × 35	,, 68 गा.	17वी	
पार्श्व महावीर समन्वय	प्रा.	3	25 × 11 × 13 × 32	संपूर्ण	19वी	उत्तराध्ययन से भिन्न श्लोक
,,	,,	4	26 × 11 × 11 × 34	सपूर्ण 73 गा.	19वी	,, ,,
सांप्रदायिक मान्यताये	मा	8	27 × 12 × 14 × 52	,, 30 प्रश्न +	20वी सदाशकर जोशी	
कठिन प्रश्नो का शास्त्रीय समाधान	प्रा सं	25	27 × 11 × 17 × 55	,, ग्र 2000 पहिला पन्ना कम	1518	सुमतिगणिकृत विवरणानुसार
,, ,,	प्रा.	123*	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्ण 150 गा.	16वी	
,, ,,	प्रा स.	238	26 × 11 × 15 × 53	,, ग्र 12105	1661 जैसलमेर मणिकसूरि	1295 की कृति प्रशस्ति है
,, ,,	प्रा.	6	26 × 11 × 13 × 39	,, 150 गा.	17वी	
,, ,,	,,	7	26 × 10 × 13 × 36	,, ,,	,,	
खडन मडन दार्शनिक	स	13	26 × 11 × 21 × 59	अपूर्ण 16 श्लोक	18वी	प्रथम दो पन्ने कम
,,	,,	(?)	26 × 12 × 13 × 46	सपूर्ण 8 विश्राम ग्रं. 345	1651	
,,	,,	12	27 × 12 × 15 × 44	सपूर्ण	1967 नागौर नरोत्तम	
,,	हि.	2	26 × 12 × 18 × 49	,,	20वी	
मूर्त्तिपूजा-चर्चा	मा.	19	25 × 11 × 13 × 48	,, 36 अधिकार	1666 दीव	

1	2	3	3 A	4	5
26	के नाथ 26/54	जिनपूजा चर्चा	Jina Pūjā Carcā	—	ग
27	के नाथ 14/22	जिनपूजाश्रित प्रश्नोत्तर	Jina Pūjāśrita Praśnottara	—	,,
28	महावीर 3 ई 24	जिनप्रतिमा अधिकार रास	Jina Pratimā Adhikāra Rāsa	—	प
29	महावीर 3 ई 19	जिनप्रतिमा आश्रित विचार	Jina Pratimā Āśrita Vicāra	—	ग
30	के नाथ 26/35	जिनप्रतिमा रास	,, Rāsa	जिनहर्ष	प
31	के नाथ 19/44	,,	,, ,,	,,	,,
32	कोलडी 287	जिनप्रतिमा हुंडी स्तवन (रास)	Jina Pratimā Hundi Stavana	,,	,,
33	कोलडी 366	ढुंढक-रास	Dhunḍhaka Rāsa	उत्तमविजय	,,
34 35	महावीर 3 इ 11 12	तपोटमत कुट्टनशतक 2 प्रतियां	Tapota Mata Kuttana Śataka 2 copies	जिनप्रभसूरि	पद्य
36	महावीर 3 ई 13	तपोट लघु विचार सार	Tapota Laghuvicāra Sāra	—	ग
37	के नाथ 23/39	तिथि उपधान विधि आदि चर्चा	Tithi Upadhāna Vidhi Carcā	—	,,
38	के नाथ 18/81	दानस्वामी वात्सल्य चर्चा	Dāna Svāmivātsalya Carcā	रायचंद	,,
39	कोलडी 999	द्विजवचन चपेटा	Dvija Vacana Capetā	हेमचन्द्रसूरि	,,
40	के नाथ 21/62	धममंजूषा	Dharma Manjūsā	मेघविजय (तप)	,,
41	महावीर 3 ई 7	पर्युषणा दश शतक+वृत्ति	Paryusana Daśa Sataka +Vrtti	धर्मसागर (स्वो)	मू वृ (प ग)
42	महावीर 3 ई 40	,, निर्णय	,, Nirnaya	मतिसागर	ग
43	महावीर 3 ई 2	विचार ग्रंथ	,, Vicāra Grantha	रूपचन्द्र	,,
44	के नाथ 14/23	पूजाधिकारे सूत्र उद्धरण	Pūjadhikāre Sūtra Uddharana	सकलन	प ग
45	ओसिया 3 आ 161	प्रतिमादि स्थापना	Pratimādi Sthāpanā	सकलन	,
46	कोलडी 1354	प्रतिमापूजा पत्र	Pratimā Pūjā Patra	—	ग
47	महावीर 3 ई 5	प्रतिमा शतक+वृत्ति	, Śataka +Vrtti	उ यशोविजय (स्वो,)	मू वृ (प ग)
48 9	के नाथ 13/43, 5/59	प्रतिमा सिद्धि स्तवन+बा 2 प्रतियां	,, Siddhi Stavana +Bāla 2 copies	मानमुनि (शांतिविजय शिष्य)	मू बा (प ग)
50	के नाथ 19/84	प्रतिमा स्थापना स्तवन	,, Sthāpanā Stavana	उ यशोविजय	प
51	के नाथ 23/65	प्रश्न ग्रंथ	Praśna Grantha	पार्श्वचन्दसूरि	ग
52	महावीर 3 इ 32	प्रश्नचिंतामणि	,, Cintāmani	वीरविजय (शुभ विजय शिष्य)	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पूर्त्ति पूजा चर्चा	मा.	2	23 × 11 × 18 × 52	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	7	25 × 11 × 13 × 37	,,	1856	
,,	,,	6	28 × 12 × 8 × 25	अपूर्ण 60 गा तक	19वी	
,,	,,	15	28 × 12 × 15 × 48	सपूर्ण	18वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 19 × 57	,, 67 गा.+2 सज्भाय	1828	
,,	,,	25*	24 × 12 × 17 × 32	,, ,,	20वी	
,,	,,	4	26 × 11 × 12 × 36	,, 66 गा.	1834	
साप्रदायिक खडन मडन	,,	5	25 × 11 × 15 × 45	,,	19वी	
,,	स.	3,3	28 × 13 × 12 × 50	संपूर्ण 120 श्लोक	20वी	
साप्रदायिक चर्चा	,,	12	27 × 12 × 13 × 42	,,	1968 × रामचन्द्र	
,,	मा.	38	25 × 11 × 17 × 51	,,	17वी	
,,	,,	5	26 × 11 × 14 × 42	,, 49 बोल	1848	
,,	स.	6	28 × 14 × 14 × 40	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	41	26 × 12 × 15 × 42	,, प्रश्नोत्तरी	1770	
,,	,,	46	27 × 12 × 12 × 46	,, 110 श्लोक	20वी	
,,	हि	276	29 × 14 × 15 × 46	अपूर्ण	20वी	
,,	स.	7	27 × 13 × 15 × 49	सपूर्ण 258 ग्रं.	1967 नागौर नरोत्तम	1486 की कृत्ति
मूर्ति पूजा सवधी	प्रा.स मा	19	24 × 10 × 14 × 39	,, 36 अधिकार	1711	
,, उद्धरण	मा	16	24 × 11 × 14 × 40	अपूर्ण (प्रथम 3 पन्ने कम)	20वी	
,, सवंधी	,,	6	25 × 12 × भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	20वी	
,, खंडन मडन	स.	166	27 × 13 × 14 × 38	सपूर्ण 101 श्लोक की	20वी	
,, ,,	मा.	11,14	26 × 13 × 18/22 × 43	,, 21 गा.	19वी	
,, ,,	,,	8	28 × 12 × 12 × 40	,, 7 ढाले	1904	
साप्रदायिक चर्चा	,,	6	26 × 11 × 15 × 42	,, 91 प्रश्न	17वी	
विवादास्पद निर्णय	स.	63	28 × 13 × 14 × 38	,, 202 प्रश्नोत्तर	1869 राजनगर नित्यविजै	

1	2	3	3 A	4	5
53	क नाथ 23/15	प्रश्नोत्तर	Praśnottara	पार्श्वचंदसूरि	ग
54	क नाथ 5/58	„	„	—	„
55	क नाथ 19/39	„	„	—	„
56	ओसिया 3 ई 27	„	„	—	„
57	के नाथ 10/56	„ बोल विचार	„ Bola Vicāra	—	„
58	कोलडी 804	„ रत्नाकर	„ Ratnākara	शुभविजय (हीरविजय शिष्य)	„
59	महावीर 3 ई 35	„ सार्द्ध शतक	„ Sārddha Śataka	क्षमाकल्याण	„
60	क नाथ 21/97	„ „	„ „ „	„	„
61	महावीर 3 ई 36	प्रश्नोत्तर सार्द्ध शतक भाषा (उत्तरार्द्ध)	„ „ Bhāṣa	„ (स्वोपज्ञ)	„
62	क नाथ 23/49	„ „ भाषा	„ „ „	„ „	„
63	कोलडी 1157	„ सार्द्ध शतक	„ „ Śataka	„	„
64	कोलडी 1115	„ „ भाषा	„ „ Bhāṣa	„ (स्वोपज्ञ)	„
65	क नाथ 21/56	„ „ „	„ „	„	„
66	क नाथ 19/28	„ „ बीजक	„ „ Bijaka	—	„
67	क नाथ 10/106	प्रश्नोत्तरावली	Praśnottarāvalī	—	„
68	ओसिया 3 ई 28	बौटिक बोटन प्रकरण	Bautika Botana Prakaraṇa	—	मू ट (प ग)
69	कोलडी 304	महावीर जिन विचार-स्तवन	Mahāvira Jina Vicāra Stavana	उ यशोविजय	प ग
70	क नाथ 26/24	महावीर जिन स्तवन	„ Stavana	„	प
71	कोलडी 338	महावीर नय विचार स्तवन	Mahāvira Naya Vicāra Stavana	„	प ग
72	कोलडी 305	महावीर मूर्ति मंडन-स्तवन	Mahāvira Mūrti Maṇḍana Stavana	„	मू ट +प ग
73	मन्दिर 3 इ 345	मुखवस्त्रिका बोल सज्झाय	Mukhavastrikā Bola Sajjhāya	रामविजय	प
74	क नाथ 15/222	„ विचार स्तवन	Mukhavastrika Vicara Stavana	आनंदनिधान	„
75	कु नाथ 2/14	मुहपत्ति-छत्तीसी	Muhapatti Chattisi	पार्श्वचंद	„
76	क नाथ 26/103गु	मूर्ति चर्चा (उद्धरण)	Murtti Carcā	—	„
77	क नाथ 6/107	मूर्ति पूजा चर्चा	Mūrtti Pūjā Carcā	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
साप्रदायिक प्रश्नोत्तरी	मा.	15	25×11×15×46	संपूर्ण 13 प्रश्नो के उत्तर	1707	
,,	,,	43	26×11×15×50	संपूर्ण	19वी	
,,	,,	79	26×12×15×40	,,	,,	
मूर्त्ति पूजा संवंधी प्रश्नोत्तर	हि.	13	25×12×12×41	,,	1955वीकानेर कवलागच्छे	
साप्रदायिक चर्चा	सं.	4	27×12×9×30	अपूर्ण	19वी	
विवाद प्रश्न निराकरण	,,	106	30×11×15×46	सपूर्ण	1725	
,,	,,	80	26×13×14×40	,, 150 प्रश्नोत्तर	1923	बीजकसह
,,	,,	55	26×13×16×52	,, ,,	19वी	
,,	मा.	27	25×12×11×32	प्रश्न 76 से 151 तक	20वी	मूलग्रंथ का स्वोपज्ञ सक्षिप्त अनुवाद
,,	,,	41	22×11×12×29	सपूर्ण 151 प्रश्नोत्तर	,,	
,,	सं.	43	25×13×13×31	अपूर्ण 111 प्रश्नोत्तर	,,	
,,	मा.	14	25×12×13×30	,, 75+7 प्रश्न	,,	
,,	,,	48	23×11×9×27	संपूर्ण 151 प्रश्नोत्तर	1853	
ग्रथ की विषय सूची	,,	5	25×12×21×50	अपूर्ण 72 प्रश्नोत्तर तक	1869	
साप्रदायिक खडन मडन	,,	30	24×14×12×29	,, (प्रथम 4 पन्ने कम)	19वी	
दिगम्बर श्वेताम्बर चर्चा	सं.मा.	3	42×11×7×62	संपूर्ण 50 गा.	1924वीकानेर देवगुप्तसूरि	
मूर्त्ति व अन्य चर्चा	मा.	19	25×12×16×42	,, (किंचित् अर्थ उद्धरण सह	19वी	
प्रभू पूजा की चर्चा	,,	13	26×11×10×30	अपूर्ण	19वी	
जिनपूजा स्थापना	,,	11	27×13×20×60	संपूर्ण 7 ढाले (कुछ व्याख्या सह.)	19वी	न्याय शैली से
जिनपूजा मडन	,,	26*	27×12×5×48	,, 5 ढाले	1884	
खंडन मंडन	,,	2	22×12×9×24	,, 11 गा.	1894	
प्रतिलेखनादि निर्णय	,,	1	23×10×16×34	,, 21 गा.	1756	
खडन मडन	अ.	2	27×12×12×42	,, 35 गा.	17वी	
,,	प्रा.	1	25×12×20×56	,, 18 गाथा	18वी	
,,	मा	13	25×11×11×34	संपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
78	महावीर 3 ई 21	लोकाशाह मत चर्चा	Lonkāśāha Mata Carcā	—	ग
79	महावीर 3 ई 20	„	„	—	„
80	प्रोसिया 2-311	विचारविधि चौपई	Vicāra Vidhi Caupaī	—	प
81	के नाथ 24/84	विचारसार	Vicara Sāra	पार्श्वचन्द	ग
82	„ 23/55	वीर स्तवन	Vicāra Stavana	जिनविजय	प
83	महावीर 3 ई 31	शास्त्र सम्बन्धी बोल	Śāstra Sambandhi Bola	—	ग
84	„ 3 ई 4	श्रावक विधिविनिश्चय	Śrāvaka Vidhi Viniścaya	हर्षभूषण	„
85	„ 3 ई 1	„	„	„	„
86	सेवामंदिर 2/418	श्रुतविचार	Śruta Vicāra	—	„
87	कोलडी 1238	„	„	—	„
88	प्रोसिया 3 प्रा 170	श्लोक पत्र (स्फुट)	Śloka Patra (Sphuṭa)	—	„
89	कोलडी पुट्ठा/69/8	षटदर्शन के भेद प्रभेद	Ṣatdarsana ke Bheda Prabheda	—	गद्यतालिका
90	के नाथ 10/79	षटपर्वीणा घटाघट विचार	Ṣaṭ Parviṇām Ghaṭāghaṭa Vicāra	—	ग
91	कोलडी 1096	ईर्यापथिकी षट्त्रिंशिका + वृत्ति	Iryāpathikī Ṣaḍtriṁśikā +Vṛtti	स्वोपज्ञ	मू वृ (प ग)
92	प्रोसिया 2/157	सम्यक्त्व सार	Samyaktva Sāra	—	ग
93	„ 3 ई 26	सम्यक्त्वसार प्रद्योत	„ „ pradyota	जेठमल	पद्य
94	महावीर 2/129	संघपट्टक सावचूरि	Saṅghapattaka with Avacūri	जिनवल्लभसूरि/कीर्ति गणि	मू अ +(प ग)
95	प्रोसिया 2/224	„ —	„ —	जिनवल्लभसूरि	मू ट (प ग)
96	महावीर 3 ई 34	„ —	„ —	„	„
97	„ 3 ई 33	„ +वृत्ति	„ +Vṛtti	„ /जिनपति	मू वृ (प ग)
98	सेवामंदिर 2/368	„ —	„ —	„	मू प
99	के नाथ 10/80	संदेह दोलावली	Sandeha Dolavali	जिनदत्तसूरि	„
100	प्रोसिया 2-136	„ +वृत्ति	„ +Vṛtti	„ /—	मू वृ (प ग)
101	के नाथ 13/4	„ +वृत्ति	„ +Vṛtti	जिनदत्तसूरि/प्रबोधचंद्र	„
102	„ 18/31	साधुमार्गी चर्चा	Sādhu Mārgi Carcā	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
खं॰न मडन	हि	11	25×13×11×35	संपूर्ण	19वी	
,,	,,	7	25×12×10×26	अपूर्ण	19वी	
जैनधार्मिक विधि विवाद	मा.	2	25×11×16×59	संपूर्ण 65 गाथा	18वी × ऋषभ-विजे	
विवादास्पद प्रश्न समाधान	,,	2	26×11×19×77	,,	17वी	
मूर्त्ति चर्चा	,,	8*	26×10×13×41	,, 98 गा.	19वी	
विवादों पर शास्त्र सन्दर्भ	,,	3	27×13×15×47	,, 36 प्रश्न	19वी	
श्रावक क्रिया संबधी	सं.	27	27×11×17×60	,, चार अधिकार ग्रं. 128	17वी	प्रशस्ति तपागच्छ की
,,	,,	22	31×14×15×52	,, ,,	20वी	बीजक प्रशस्ति तपगच्छ
तात्विक चर्चा	मा.	17	25×10×14×44	त्रुटक	1635	
,,	,,	43	26×11×15×42	अपूर्ण (पत्रे 39 से 81)	19वी	
धार्मिक प्रश्न निरा-करण	,,	4	24×10×14×37	प्रतिपूर्ण (पद्य का अनुवाद)	1843	
जैनमतानुसार षड्दर्शन	सं मा.	2	23×11×—	त्रुटक	19वी	उपभेदो सहित
सांप्रदायिक चर्चा	मा.	4	30×13×17×45	संपूर्ण	19वी	
,,	प्रा.स.	9	26×13×14×42	अपूर्ण 15 गाथा तक	19वी	
मूर्त्तिपूजादि पर चर्चा	मा.	21	25×12×18×43	संपूर्ण	1955बीकानेर व.सुदेव	
साप्रदायिक खंडन मडन	,,	6	25×12×18×48	,, 186 गा.	1808	
साधुयति क्रियोद्धार चर्चा	सं.	13	26×12×13×44	,, 40 श्लोक	1618	
,, ,,	सं.मा.	5	26×11×7×52	,, ,,	1733राधनपुर	
,, ,,	,,	10	27×12×5×31	,, ,,	1874जैसलमेर	
,, ,,	सं.	110	28×13×12×45	,, ,,	1954अमदाबाद छबील	
,, ,,	,,	4	25×22×11×27	,, ,,	20वी उदयपुर रामलाल	
प्रश्न समाधान	प्रा.	5	26×11×13×47	सपूर्ण 151 गा. (प्रथम पन्ना कम	16वी	(अपरनाम प्रश्नो-त्तर.सशयपद
,,	प्रा.सं.	21	43×11×18×73	,, 150 गा.	1923	अंत मे मूल पाठ पूर
,,	,,	23	26×12×19×60	संपूर्ण 150 गा की (ग्र. 1550)	19वी	लघुवृत्ति "विधिरत्न करडिका" नाम्नी
साप्रदायिक प्रश्न समाधान	मा.	9	27×13×18×55	संपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
103	महावीर 3 इ 17	सामायिक ग्रहण-विचार	Sāmāyika Grahaṇavicāra	—	ग
104	महावीर 3 ई 16	,, चर्चा	Carcā	—	,,
105	महावीर 3 ई 14	,, ,,	,, ,,	—	,,
106	महावीर 3 ई 15	,, ,,	,, ,,	—	,,
107	क नाथ 9/35	साम्प्रदायिक ,,	Sāmpradāyika Carca	—	प ग
108	के नाथ 10/25	,, ,,	,, ,,	—	ग
109	सेवामंदिर 3 ई 29	,, खंडन मंडन	Sāmpradāyika Khaṇḍana Maṇḍana	—	,,
110	महावीर 3 ई 9	सीमंधरस्वामी विनति	Simandhara Svāmī Vinati	उ यशोविजय	मू ट (ग प)
111	बोरडी 305	,,	,,	,,	,,
112 3	कालडी 316-39	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	प
114 6	क नाथ 10/39 49 19/86	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
117-8	महावीर 3 इ 38 2 118	सेन प्रश्नोत्तर 2 प्रतियां	Sena Prasnottra	सेनसूरि (संग्राहक शुभविजे)	ग
119	क नाथ 9/38	स्त्रीरजस्वला सूतक विचार	Strī Rajasvalā Sūtaka Vicāra	—	,,
120	कुंथुनाथ 18/9	स्थापना-बावनी	Sthāpanā Bāvanī	पारसचंद	प
121	महावीर 3 ई 37	हीर-प्रश्नोत्तर	Hira Prasnottara	हीरविजय (संग्राहक कीर्तिविजे)	ग

भाग/विभाग 4 (अ)-इतिहास व वृत्तान्त-

1	मुनिसुव्रत 3 इ 323	अइमन्ता अणगार-गीत	Aimanto Aṇagāra Gita	समयसुन्दर	प
2	कालडी 1345	अगडदत्त-चौपई	Agaḍadatta Caupaī	जिनदास	,,
3	के नाथ 11/105	,, रास	,, Rāsa	कुशलधीर	,,
4	के नाथ 6/48	अजापुत्र-चौपई	Ajāputra Caupaī	रूपभद्र	,,
5	सेवामंदिर 4 अ 199	,,	,,	सुमतिप्रभ	,,
6	,, 3 इ 345	अठारह कथा श्लोक	Aṭhāraha Kathā Śloka	लब्धिसूरि	,,
	बोरडी 277	अठारह नातां की सज्झाय	,, Nāton kī Sajjhāya	—	,,
	3 इ 271	,,	,, ,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ायिक लेने की वधि चर्चा	मा.	5	22 × 13 × 10 × 28	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 35	,,	19वी	
,,	,,	2	28 × 13 × 22 × 59	,,	1921 अजार. कीर्त्तिविजै	
,,	,,	2	28 × 12 × 13 × 38	,,	20वी	
ववादो के बारे मे शास्त्र उद्धरण	प्रा मा	7	27 × 11 × 4 × 46	अपूर्ण-59 प्रश्नोत्तर	19वी	
विवादास्पद प्रश्न समाधान	मा.	9	26 × 11 × 17 × 40	अपूर्ण 32 ,,	19वी	
विवादास्पद चर्चा	,,	125	26 × 12 × भिन्न 2	भिन्न 2 पत्रे (9,74,33 9)	19वी	
खडन मंडन शैली/ भक्ति	,,	19	23 × 12 × 5 × 30	सपूर्ण 125 गा कुल ग्र. 420	19वी	
,,	,,	26*	27 × 12 × 5 × 48	,, 126 गा.	1884	
,,	,,	6,13	26 × 11 व 25 × 12	,, 125 गा.	19वी	
,,	,,	8,6,8,	26 से 29 × 12 से 14	सपूर्ण 125 गा. (ढाल 14-12)	19वी	
विवादास्पद प्रश्न निराकरण	स.	92,145	26 × 12 व 24 × 12	संपूर्ण चार उल्लास	19/20वी	
विवादास्पद विवेचन	मा.	7	28 × 12 × 15 × 44	,,	1897	
साप्रदायिक मंडन	,,	2	26 × 11 × 13 × 56	,, 52 पद	19वी	
विवाद निराकरण	स.	52	27 × 13 × 14 × 42	,, चार अधिकार 306 प्रश्न	,, वाराही-नगर	बीजकसह, 1653 की कृत्ति

जीवन चरित्र व कथानक :—

गौतमस्वामी जीवन प्रसग	मा.	1	26 × 11 × 16 × 33	संपूर्ण 21 गा.	1875 मथुरा	
(रात्रि भोजन पर) जीवनी	,,	7	27 × 12 × 15 × 43	अपूर्ण 9 ढाल + 3 गा.	19वी	
जीवन चरित्र	,,	4	25 × 11 × 17 × 44	सपूर्ण 136 गा.	,,	
(सत्य पर) जीवनी	,,	25	26 × 11 × 17 × 40	,, 4 खड	1873	
,, ,,	,,	77	23 × 11 × 11 × 25	,, 487 ढाल ग्र 1500	1895 भागचद यति	
श्लोको मे सारांश	,,	2	26 × 12 × 16 × 34	,, 19 गा. (18 कथाये	19वी	
औपदेशिक कथा	,,	3	28 × 12 × 13 × 28	सपूर्ण 30 गा.	,,	
,,	,,	2	25 × 10 × 12 × 42	,, 35 गा.	,,	

1	2	3	3 A	4	5
9	मुनिसुव्रत 4 घ 126	अनाथीमुनि संधि	Anāthi Muni Sandhi	समयमुनि (बृहद् शिष्य)	प
10	केनाथ 26/91	,, (कुल) संधि	,, (Kulam) ,,	—	,,
11	केनाथ 15/54	,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
12	केनाथ 19/12	अनाथी साधु संधि	,, Sādhu ,,	विमलविनय	,,
13	केनाथ 14/98	,, ऋषि सज्झाय	,, Rṣi Sajjhāya	मधुकर मुनिराम	,,
14	कुंथुनाथ 13/37	,, मुनि ,,	,, Muni ,,	—	,,
15	महावीर 4 घ 18	अभयकुमार-चरित्र	Abhayakumāra Caritra	चन्द्रतिलक (जिनभद्र शिष्य	,,
16	महावीर 4 घ 59	,,	,, ,,	,,	,,
17	केनाथ 14/109	अभयकुमारादि 5 साधु चौपई	Abhayakumārādi 5 Sādhu Caupai	साधुकीर्ति+साधुसुंदर	,,
18	कुंथुनाथ 15/5	अमरकुमार-चरित्र	Amarakumāra Caritra	लक्ष्मीवल्लभ	,,
19	मुनिसुव्रत 4 घ 133	अमरदत्त मित्रानंद कथा	Amaradatta Mitrānanda Kathā	—	ग
20	केनाथ 10/6	अमरसेन जयसेन चौपई	Amarasena Jayasena Caupai	सुमतिहंस	प
21-2	केनाथ 14/49, 5/111	,, रास 2 प्रतियां	,, Rāsa 2 copies	,,	,,
23	मुनिसुव्रत 4 घ 114	अमरसेन वयरसेन चौपई	,,Vayarasena Caupai	पुण्यकीर्ति	,,
24	केनाथ 19/88	,,	,, ,,	पा पुण्य (कलश) कीर्ति	,,
25	कुंथुनाथ 13/219	अरणिक-सज्झाय	Araṇika Sajjhāya	रूपविजय	,,
26	केनाथ 19/67	अर्जुनमाली-चौढालिया	Arjuna Māli Caudhāliyā	अज्ञात	,,
27	केनाथ 19/90	,,	,,	,,	,,
28	केनाथ 24/40	अर्हन्नकमुनि-चौपई	Arhannaka Muni Caupai	वा राजहर्ष	,,
29	केनाथ 19/77	अर्हन्न-चौपई	Arhanna Caupai	उ ललितकीर्ति	,,
30	मुनिसुव्रत 4 घ 173	अवंति सुकमाल चौपई	Avanti Sukamāla Caupai	जिनहर्ष	,,
31	केनाथ 5/79	,,	,,	,,	,,
32	कुंथुनाथ 15/22	,,	,,	,,	,,
33	कोलडी 1154	,,	,,	,,	,,
[illegible] 5	कोलडी 951,266	,,	,, 2 copies	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवन प्रसग	मा	5	25 × 11 × 13 × 40	संपूर्ण	18वी	उत्तराध्ययने/1745 की कृत्ति
,,	अ.	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	,, 63 गाथा	18वी	,,
,,	,,	3	26 × 10 × 15 × 38	,, ,,	19वी	,,
,,	मा	5	26 × 11 × 11 × 37	,, 70 गा.	,,	,,
,,	मा.	3*	25 × 11 × 15 × 54	,, 29 गा.	,,	,,
,,	मा.	1	25 × 12 × 5 × 40	अपूर्ण 4 गा. मात्र	20वी	,,
जीवनी	सं.	250	26 × 13 × 15 × 41	सपूर्ण 12 सर्ग ग्रं. 8964	1954 × गोपीनाथ	
,,	,,	19	27 × 13 × 12 × 36	अपूर्ण (417 श्लोक तक)	20वी	
(अभय, सुव्रत, शिव धन जोनककी जीवनी	मा.	8	27 × 13 × 18 × 54	सपूर्ण 12 ढालें	19वी	अंत मे समवसरण व 28 लब्धिस्तवन
औपदेशिक जीवन प्रसग	मा.	7	26 × 11 × 19 × 54	,, 18 ढालें	,,	
(कषायपर) जीवनी	सं.	8	26 × 12 × 14 × 38	,,	17वी	
औपदेशिक जीवनी	मा.	22	26 × 12 × 12 × 34	अपूर्ण 24वी ढाल अधूरी तक	19वी	
,,	,,	19,10	24 × 10 व 21 × 10	संपूर्ण 24 ढाल	1824/19वी	
(दानपूजा पर) जीवनी	,,	10	26 × 12 × 17 × 44	,, 271 गा.	1862सुभटपुर हरिचद्र	प्रशस्ति है/1666 की कृत्ति
,,	,,	10	26 × 11 × 15 × 44	,, 285 गा.	19वी	
औपदेशिक जीवन प्रसग	,,	1	26 × 11 × 12 × 36	,, 8 गा.	,,	
,,	,,	32*	22 × 11 × 10 × 28	,, 6 ढाले	,,	सेठ सुदर्शन सबध
,,	,,	5	23 × 11 × 11 × 25	,, ,,	,,	,, (पिछली की नकल)
,,	,,	11	25 × 11 × 13 × 41	,,	1781	
,,	,,	7	25 × 11 × 15 × 41	,,	19वी	
,,	,,	4	23 × 12 × 15 × 43	,, 105 छद = 13ढाले	1817 नागपुर	
,,	,,	7	26 × 11 × 11 × 37	,, — ,,	1821	
,,	,,	6	25 × 11 × 12 × 44	,, 102 छद	1823	
,,	,,	3	26 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण (पहिला पन्ना कम)	1833	
,,	,,	4,5	27 × 12 व 23 × 12	संपूर्ण 104 गा.	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
36	मुनिसुव्रत 4 ग्र 112	ग्रजनासुदरी-रास	Anjanā Sundari Rāsa	ग्रज्ञात	प
37	के नाथ 5/110	" चौपई	" Caupai	पुण्यसागर	"
38	कोलडी 249	" "	" "	"	"
39	के नाथ 5/58	" "	" "	"	"
40	मुनिसुव्रत 4 ग्र 113	" "	" "	"	"
41-2	के नाथ 24/31, 10/107	" " 2 प्रतियां	" " 2 copies	"	"
43	के नाथ 11/104	" "	" "	विनयचद	"
44	के नाथ 5/104	" "	" "	मालमुनि	"
45	कुंथुनाथ 43/3	" "	" "	ग्रज्ञात	"
46	के,नाथ 10/29	" "	" "	"	"
47	के नाथ 11/96	" रास	" Rāsa	ग्रज्ञात	"
48	के नाथ 26/20	" "	"	ग्रज्ञात	"
49	महावीर 4 ग्र 8	ग्रबड चरित्र	Ambaḍa Caritra	ग्रमरसुदर	"
50	कोलडी 1081	"	"	"	"
51	महावीर 4 ग्र 15	"	"	"	"
52	कुंथुनाथ 55/16	"	"	विनयसमुद्र (पार्श्वचद शिष्य)	"
53	ग्रोसियां 4 ग्र 188	"	"	क्षमाकल्याण	"
54	कोलडी 148	ग्राठ धमकृत्य कथानक	Atha Dharma Kṛtya Kathānaka	—	ग
55	के नाथ 22/48	ग्राठ साधुदान कथानक	" Sādhudāna "	—	"
56	के नाथ 11/67	" " व ग्राठ प्रवचन माता कथानक	" " +8Pravacana Mātā Kathānak	—	"
57-8	के नाथ 21/22, 15/170	" " 2 प्रतिया	" Sādhudāna Kathānaka 2 copies	—	"
59	मुनिसुव्रत 4 ग्र 146	ग्रानंद श्रावक सधि	Ananda Śrāvaka Sandhi	मुनि श्रीसार (हेमकीर्त्ति शिष्य)	प
60	के नाथ 26/92	"	"	"	"
61	कोलडी 268	"	"	"	"
62	कोलडी 269	"	"	"	"

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	मा.	14	25×11×12×45	संपूर्ण 160 गा.	1728	कुथु 34 के सदृश पाठ
औपदेशिक-जीवन	,,	17	25×11×17×43	,, 3 खण्ड	1735	1689 की कृत्ति
,,	,,	24	26×11×13×40	,, ,,	1763	
,,	,,	23	27×12×15×36	,, ,,	1823	
,,	,,	35	23×10×12×35	,, ,,	1842 मेड़ता शोभासागर	
,,	,,	17,31	25×11 व 27×13	,, ,,	19/20वी	
,,	,,	9	25×11×14×40	,, 11 ढाले	19वी	
,,	,,	7	27×12×15×42	,, ग्र. 200	,,	
,,	,,	18	20×13×15×30	,, 156 गा.	1957 गणेश-चद्र	इसका व अनतर का पाठ एक
,,	,,	6	27×12×19×56	अपूर्ण	20वी	पिछली के सदृश
,,	,,	13	25×11×13×39	सपूर्ण 142 गा. (ग्र.500)	19वी	भिन्न पाठ
,,	,,	8	25×15×14×30	अपूर्ण	,,	भिन्न पाठ
धार्मिक जीवन चरित्र	स	20	26×12×19×40	संपूर्ण 7 आदेश ग्र 1300	1806× विनयकीर्त्ति	
,,	,,	43	25×11×13×38	अपूर्ण (6 आदेश+186 श्लोक)	19वी	
,,	,,	33	27×13×13×36	सपूर्ण 7 आदेश ग्र 1300	1961	
,,	मा.	14	26×11×17×44	,, 493 गा (पन्ना 5 व 6 कम है)	16वी तिंवरी	असल प्रति है सभवत: 1592 की कृत्ति है
,,	,,	49	28×12×13×35	संपूर्ण	20वी	
पूजा,दया,दान,यात्रा जय,तप,ज्ञान व परो.	,,	28	26×11×16×42	,, 8 दृष्टात कथानक	19वी	
वस्ती,शयन,आसन, आहार,पान,भैपज वस्त्र,पात्र दान पर	स.	11	26×11×16×51	,, 8 दृष्टात कथानक	16वी	
8दान, 5समिति, 3 गुप्तिपरप्रसिद्धदृष्टात	,,	25	26×11×12×31	,, ,,	1598	
साधु को 8 प्रकार के दानो पर दृष्टान्त	,,	11,7	26×11 व 25×10	,, 8 दृष्टांत कथाये ग्र 511	19वी	(दूसरी प्रति मे 7 कथाये ही है)
जीवन चरित्र	मा.	12	26×11×14×36	सपूर्ण 250 गा. 15 ढाले	1744 फलोदी	
,,	,,	गुटका	20×16×18×20	,, 240 गा. ,,	1767	
,,	,,	19	26×11×11×34	,, 250 गा. ,,	1764	
,,	,,	12	25×9×15×32	,, 261 गा. ,,	1770	

1	2	3	3 A	4	5
63	के नाथ 14/86	आनंद श्रावक संधि	Ānanda Śravaka Sandhi	मुनि श्रीसार (हेमकीर्ति का शिष्य)	प
64	,, 6/73	,,	,,	,, ,,	,,
65	कोलडी 364	,,	,	,, ,,	,,
66	ओसिया 3 अ 186	,	,	,, ,,	,,
67	के नाथ 26/103गु	आमल्य की क्रीडा	Āmala kı Krıḍā	—	,,
68	मुनिसुव्रत 4 अ 160	आर मनदन कथानक	Ārāma Nandana Kathānaka	अज्ञात	,,
69	कुंथुनाथ 21/4	आरामशोभा-कथा	Ārāma Śobha Kathā	अज्ञात	,,
70	कोलडी 265	आद्रकुमार धम्माल	Ārdrakumāra Dhammāla	कनकसोम	,,
71	कुंथुनाथ 55/12	,	,	,,	,,
72 4	के नाथ 15/69, 70 88	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
75	कुंथुनाथ 55/14	आषाढभूति रास	Āsāḍhabhūtı Rāsa	धर्मसूरि का शिष्य	,,
76	कोलडी 9/9	,	,	,,	,,
77	267	,, चौपई	Caupaı	मानसागर (जीवसागर शिष्य)	,
78	ओसिया 4 अ 87	,, ,	,,	,,	,,
79 80	के नाथ 14/88,99	,, , 2 प्रतियां	, 2 copies	,,	,,
81	, 5/103	,, प्रबन्ध	Prabandha	ज्ञानसागर	,,
82	, 16/30	,, कथा	Kathā	ऋषिरूप	,,
83	मुनिसुव्रत 4/165	धम्माल	Dhammāla	कनकसोम (शुभचन्द्र न शिष्य)	,,
84	कोलडी 937	,, ,	,, ,,	,, ,,	,,
85 6	के नाथ 23/55 15/225	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,, ,,	,,
87 8	कुंथुनाथ 14/5, 20/20	,, , 2 प्रतियां	, ,, 2 copies	,, ,,	,,
89 90	,, 17/10 47/4	,, भास 2 प्रतियां	, Bhāsa ,,	—	,,
91	मुनिसुव्रत 3 इ 243	इक्षुकार-संधि	Iksukāra Sandhı	मुनिक्षेम	,,
92	,, 3 ई 266	,,	,,	,,	,,
93	,, 3 इ 278	,,		ऋषिराज	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	मा.	8	26 × 11 × 13 × 44	संपूर्ण 261 गा. 15 ढाले	1812	
,,	,,	17	25 × 11 × 11 × 31	,, — ,,	19वी	
,,	,,	19	24 × 13 × 9 × 32	,, 240 गा. ,,	19वी	
,,	,,	22	19 × 11 × 11 × 23	,, 15 ढाले	1937 × महात्मा विद्यालाल	
,,	प्रा	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 21 गाथाये	18वी	
(सम्यक्त्व शुद्धि पर) जीवन	स.	13*	26 × 11 × 18 × 52	,, 404 श्लोक	17वी	
(जिनभक्ति पर) जीवनी	,,	9	26 × 11 × 15 × 48	,, 280 श्लोक (ग्रथाग्र भी)	1632	
जीवन-चरित्र	मा.	3	27 × 11 × 12 × 40	मपूर्ण चार ढाले	1644अमरसर	
,,	,,	3	25 × 11 × 12 × 39	,, ,, 47 गा	17वी	
,,	,,	3,2,2	25 × 11 × भिन्न 2	,, ,, 48 से 51गा	19वी	
(भावनापर) जीवनी	,,	3	25 × 11 × 13 × 32	सपूर्ण 56 गा.	17वी	
,,	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	,, 58 गा.	,,	
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 46	,, 7 ढाले	1834	1730 की कृति
,,	,,	12	15 × 10 × 13 × 20	,, ,,	19वी	
,,	,,	6,3	26 × 11 व 25 × 11	,, ,,	,,	
,,	,,	6	26 × 12 × 15 × 42	,, 16 डाले	,,	
,,	,,	7	26 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण गाथा 165 तक	,,	
,,	,,	3	26 × 11 × 15 × 39	सपूर्ण 57 गा.	17वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 14 × 46	,, 63 गा.	19वी	
,,	,,	8*,5	26 × 10 व 25 × 11	,, 56/59 गा	,,	
,,	,,	3,3	27 × 11 व 26 × 11	,, 55/59 गा.	,,	
,,	,,	3,4	26 × 11 × 11 × 41	अपूर्ण गा. 61 व 65	,,	
औपदेशिक जीवनी	,,	5	25 × 11 × 15 × 43	सपूर्ण 8 ढाले = 145 गा.	1750 अहिपुर रार्मासह	1747 की कृत्ति, उत्तराध्ययने
,,	,,	4	26 × 11 × 16 × 59	,, ,, = 143 गा	1769 आनदपुर गगाराम	
,,	,,	2	24 × 10 × 17 × 54	,, 64 गाथा	19वी	अत मे 8 गा. की 'शील सज्झाय'

1	2	3	3 A	4	5
94	ग्रोसिया 4 ग्र 190	इक्षुकार-कथा	Ikṣukāra Kathā	—	ग
95	कोलडी 227	इलाकुमार-चौपई	Ilākumāra Caupaī	ज्ञानसागर	प
96	के नाथ 29/43	इलायचीकुमार चौपई	Ilāyacīkumāra Caupaī	,,	,,
97	कुंथुनाथ 13/49	,, सज्झाय	, Sajjhāya	लब्धिविजय	,,
98	के नाथ 29/16	, ,	,	मालमुनि	,,
99	के नाथ 14/95	,, चौढालिया	,, Caudhāliyā	अज्ञात	,
100	के नाथ 21/29	उत्तमकुमार चरित्र	Uttamakumāra Caritra	चारुचंद्र	,,
101	मुनिसुव्रत 4 ग्र 139		,	,,	,,
102-3	महावीर 4 ग्र 6/6	, 2 प्रतियां	2 copies	,,	,,
104	कोलडी 225	, चौपइ	Caupaī	वत्सहंस	,,
105	,, 1326	उद्दयन चंडप्रद्योत दृष्टांत	Uddayana Caṇḍapradyota Dṛṣṭānta	—	ग
106	कुंथुनाथ 33/6	,	,	—	,,
107	महावीर 4 ग्र 27	ऋषभदेव चरित्र	Ṛṣabhadeva Caritra	जिनवल्लभ	मू वृ
108	के नाथ 6/29	, +बा	+Bālā	(कल्पसूत्र-आधार)	मू बा
109	के नाथ 6/17	,,	,	(,)	ग
110	महावीर 3 ग्र 67	,,	,	—	,,
111	के नाथ 22/30	ऋषभ शतक चरित्र	Ṛṣabha Śataka Caritra	हेमविजय	प
112	के नाथ 10/10	ऋषभदेव-चरित्र	Ṛṣabhadeva Caritra	अज्ञात	,,
113	कोलडी 334	, फागु	, Phāgu	ज्ञानभूषण	,,
114	मुनिसुव्रत 4 ग्र 118	,, धवल प्रबंध	, Dhavala Prabandha	अज्ञात	,,
115	के नाथ 29/1	,, ,,	,, ,	—	,,
116	के नाथ गुटका 6	ऋषभ-विवाहलो	Ṛṣabha Vivahalau	अज्ञात	,,
117	के नाथ 19/41	,,	,	ऋषभदास	,,
118	के नाथ 14/68	,,	,,	अज्ञात	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवनी	मा.	5	26×12×9×35	संपूर्ण	1951 सिद्धक्षेत्र हहीसिह	
(भावविषये) जीवनी	,,	6	27×10×14×44	,, 267 ग्रं.	1755	
,,	,,	6	25×11×17×51	,, गा. 187	19वी	
,,	,,	1	17×14×13×18	सपूर्ण	,,	
,,	,,	1	31×34×75×35	,,	20वी	
,,	,,	3	26×13×16×32	,, 4 ढाले	19वी	साथ में 28 लब्धि चौढलिया
सुपात्रदाने जीवनी	स.	16	26×11×13×41	,, 574 श्लोक, ग्रं. 596	1644	
,,	,,	20	25×11×13×44	,, ,, ,,	18वी × मतिसोम	
,,	,,	20,17	27×12×12/14×45	,, ,, ,,	20वी	
,,	मा.	36	25×11×17×48	सपूर्ण 51 ढाल	1767	
क्षमा[illegible] पर प्रसंग	सं.	3	26×11×17×48	सपूर्ण	16वी	
,,	मा	5	26×12×13×40	,,	19वी	
तीर्थंकर जीवन चरित्र	प्रा सं	35*	27×11×15×45	,, 25 गा	1951 अमदावाद धर्मसेन	(लिपिक ने जिनभद्र कृत कहा है) चरित्र-पचके
,,	प्रा मा.	23	26×11×13×45	,,	1668	
,,	प्रा सं.मा	13	26×11×15×43	,,	19वी	
,,	स.	8	26×11×15×50	,,	17वी	
,,	,,	7	26×11×13×41	,, 100 श्लोक	19वी	
,,	,,	20	31×12×20×68	,, 1428 श्लोक	18वी	अत मे धन्नासार्थवाह का दृष्टान्त
,,	मा	13	27×11×13×39	,, 250 गाथा	1636	
ऋषभ विवाह जीवन-चरित्र	,,	7	25×11×13×44	,, 44 ढाले	17वी	
,,	,,	7	27×10×11×56	अपूर्ण 22 ढाले	,,	
,,	,,	8	22×15×19×38	सपूर्ण 233 गा.	1738	
,,	,,	4	26×12×12×41	,, 67 गा.	1758	
,,	,,	16	26×11×11×32	सपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
119-20	के नाथ 6/129, 15/72	ऋषभदेव 13 पूर्वभव 2 प्रतियां	Rsabhadeva 13 Pūrvabhava 2 copies	—	ग
121	क नाथ 19/6	ऋषिदत्ता चरित्र	Rsidatta Caritra	विजयशेखर	प
122	क नाथ 5/6	कथा-कोष	Kathā Kośa	—	ग
123	धोमिया 4 अ 104	,,	,	अज्ञात	,
124	कोलडी 264	कनकावती चौपई	Kanakāvati Caupai	,,	प
125	कोलडी 223	कयवन्ना-चोपई	Kayavannā Caupai	गुणसागर	,,
126	कोलडी 221	कयवन्नाशाह चौपई	Kayavannā Śhāha Caupai	जयरंग (जयतसी)	,
127	कोलडी 222		,	,,	,
128-30	क नाथ 19/117 15/50, 29/15	,, 3 प्रतियां	, 3 copies	,,	,,
131	कोलडी 211	करकण्डु चौपइ	Karakandu Caupai	समयसुन्दर	प
132	क नाथ 21/95	कलावती कथा	Kalāvati Kathā	—	ग
133	क नाथ 14/101	,, चौपइ	, Caupai	मानसागर (जीतसागर शिष्य)	प
134	क नाथ 18/26	,, चरित्र	,, Caritra	कनकसूरि शिष्य ?	,,
135	कोलडी 240	कान्हड कठियारा का रास	Kānhaḍa Kathiyārā kā Rāsa	मानसागर (जीतसागर शिष्य)	,,
136	तिंवरी 4 अ 184	,,	,,	,,	,
137	क नाथ 15/26	,,	,,	,,	,,
138	क नाथ 5 106	,	,,	,,	,,
139	धामिया 4 अ 187	,	,	,,	,,
140	कोलडी 241	,, की चौपई	, ki Caupai	अज्ञात	,,
141	कोलडी 969	कालिकाचार्य-कथा	Kālikācārya Kathā	(कल्पसूत्रान्तर्गत)	ग
142	के नाथ 15/15	,,	,	,,	,,
143	क नाथ 11/7(2	,,	,,	भावदेवसूरि	प
144	कोलडी 10A	,,	,,	—	,,
145	कोलडी 10B	,,	,	—	,
146	कोलडी 1219	,,	,	—	,

6	7	8	8 A	9	10	11
ऋषभजिन के पूर्वभव	मा.	2,3	25 × 11 × 15 × 42	संपूर्ण 13 भव	19वी	
औपदेशिक जीवन चरित्र	,,	16	27 × 11 × 15 × 44	,, 3 अधिकार 492 गा	,,	
दृष्टांत कथानक	स.	124	26 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण (72 कथानक तक)	16वी	
,,	,,	94	25 × 13 × 17 × 37	सपूर्ण	1892 साधासर पन्नालाल	
औपदेशिक-जीवन	मा.	6	25 × 12 × 16 × 40	,, 164 गा.	1762	
दानविषये-जीवनी	,,	11	26 × 11 × 13 × 45	,, 25 ढाल ग्रं. (गा.) 281	1786	
,	,,	23	25 × 12 × 15 × 40	सपूर्ण 31 ढाल	1820	अतिम पन्ने पर प्र णि आयुष्मान
,,	,,	17	25 × 11 × 17 × 45	,, ,,	1834	
,	,,	20,27,5	24 से 34 व 10 से 21	,, ,,	19/20वी	
औपदेशिक-जीवन	,,	4	28 × 10 × 17 × 70	,, 10 ढाल	19वी	(प्रत्येक बुद्ध चौपई का प्रथम खड)
,,	स.	5*	26 × 11 × 18 × 51	,,	,,	
,,	मा.	7	21 × 11 × 15 × 40	,, 9 ढाले	,,	
,,	,,	5	26 × 11 × 11 × 43	,, 92 गा.	.,	
शीलविषये-जीवनी	,,	7	21 × 12 × 16 × 35	,, 9 ढालें	1833	
,,	,,	9	26 × 11 × 13 × 42	,, ,,	1841 बडलु, उम्मेदचद	
,,	,,	6	26 × 12 × 16 × 33	,, ,, 162 गा.	1841	
,,	,,	8	24 × 11 × 14 × 31	,, ,,	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 14 × 46	अपूर्ण (7वी ढाल तक)	20वी	
,,	,,	5	25 × 10 × 15 × 40	संपूर्ण 8 ढाल	19वी	
साधुजीवन का एक एतिहासिक प्रसग	प्रा.	10	29 × 10 × 7 × 39	त्रुटक (सचित्र)	13/14वी	कुल 4 चित्र/सुन हरी स्याही
,,	,,	9	26 × 11 × 9 × 30	सपूर्ण (सचित्र) + 1 कल्पसूत्र-पन्ना	15वी	कुल 6 चित्र सुनह
,,	,,	11	26 × 14 × 6 × 29	सपूर्ण 99 गा.	,,	
,,	स.	5	27 × 12 × 10 × 35	सपूर्ण 65 श्लोक	16वी	प्रथम पन्ने पर चि
,,	,,	9	26 × 11 × 7 × 28	,, ,,	,,	कुल 5 चित्र
,,	,,	8	28 × 11 × 7 × 30	,, ,,	1684	—

6	7	8	8 A	9	10	11
साधुजीवन का एक ऐतिहासिक प्रसग	सं.	12	25 × 11 × 14 × 45	संपूर्ण	1764	
,,	,,	13	26 × 11 × 14 × 45	,,	1777	
,,	,,	13,10,4	25 × 11 × 13/15 × 35	,,	19वी	
,,	,,	17	25 × 12 × 13 × 37	,,	1908 हमीरपुर ऋषिसुदर	
,,	मा.	13	16 × 11 × 14 × 42	,,	17वी	
,,	,,	10	28 × 12 × 16 × 47	,,	1812	
,,	,,	16	27 × 12 × 15 × 41	,,	19वी	
,,	,,	19	26 × 12 × 13 × 35	,,	1952	
औपदेशिक-जीवनी	प्रा.	4	26 × 8 × 10 × 51	,, 107 गा.	1496	
,,	मा.	2	21 × 10 × 17 × 38	,, 55 गा	19वी	
जीवन चरित्र	सं.	19	26 × 11 × 15 × 45	,, 730 श्लो ग्रं 750	16वी	
,,	,,	70,91	27 × 13 व 28 × 14	सपूर्ण चार उल्लास ग्र. 3105	19वी	प्रशस्ति है
,,	मा	68*	26 × 12 × 20 × 50	संपूर्ण	,,	
ऐतिहासिक जीवन प्रसंग	स.	4	27 × 12 × 14 × 42	,, 125 गाथा टब्वा-सह	1962 बालोत्रा जुहारमल	
जीवन-प्रसग	मा.	19	21 × 11 × 16 × 22	,, 18 पन्नो मे	19वी	अत मे छोटी सी मेघकुमार सज्झाय
जैन ऐतिहासिक प्रसग	,,	5	26 × 11 × 15 × 50	,, 170 गा.	1735	
,,	,,	5	25 × 11 × 15 × 40	सपूर्ण 147 गा.+2 तीर्थंकर स्तवन	1764 मेडता, भागुजी	
जीवन-प्रसंग इतिहास	,,	4	15 × 14 × 28 × 23	,, 4 ढालें	19वी	
,,	,,	6	25 × 11 × 18 × 44	,, 13 ढाले	,,	
औपदेशिक-जीवनी	,,	5	26 × 11 × 15 × 48	,, 141 गा.	,,	1660 की कृति
,,	,,	6	25 × 11 × 13 × 37	,, 102 गा.	18वी	1600 ,,
,,	,,	9	26 × 10 × 12 × 39	,, ,, ग्रं. 225	19वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 12 × 33	,, 4 ढाले	,,	
,,	,,	3	26 × 10 × 14 × 32	,, ,,	1931 × कृष्ण-लाल	
औपदेशिक-जीवन चरित्र	,,	21	23 × 12 × 16 × 34	अपूर्ण	18वी	

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवन चरित्र	मा.	5	25 × 11 × 13 × 33	सपूर्ण 17 ढाले	16वी चतरान	
,,	,,	6	24 × 11 × 12 × 40	,, 16 ढालें	17वी	
,,	,,	13	25 × 11 × 11 × 36	,, केवल पहिला पन्ना कम	19वी	
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 44	,, 92 गा.	,,	
,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 39	,, 31 गा.	,,	
,,	,,	1	26 × 12 × 15 × 40	,, 36 गा.	20वी	
,,	,,	11	26 × 11 × 18 × 51	अपूर्ण 19वी ढाल तक	,,	बीच के 2 से 12 पन्ने
औपदेशिक दृष्टान्त	प्रा.	14	27 × 11 × 17 × 56	सपूर्ण 5 कथाये	16वी	
(पुण्य पर) जीवन कथा	मा.	4	25 × 11 × 18 × 52	,, 180 गा (पहिला पन्ना कम)	1171 कदडा दुदाजी	पाच व्रतो पर
,,	,,	13	22 × 19 × 27 × 32	,, 27 ढालें गा. 603	1814	1757 की कृति
,,	,,	27	25 × 11 × 14 × 41	,, ,,	1849 मेडता राजेन्द्रसागर	
जीवन-कीर्त्तन	अ.मा.	7	27 × 12 × 9 × 34	सपूर्ण 45 गा.	17वी	वीरजिणेसर चरण कमल वाला
,,	,,	3	26 × 12 × 16 × 36	,, 73 गा	1805 × उद्योनरत्न	,,
,,	,,	4	26 × 12 × 13 × 34	,, 60 गा.	1840 सादडी, चतुरविजय	,
,,	,,	3,5	27 × 13 × 25 × 12	,, 45/58 गा.	19वी	,,
,,	,,	4	25 × 11 × 13 × 39	,,	,,	,,
,,	,,	8	24 × 13 × 12 × 23	,,	,,	,,
,,	,,	3,5,5, 10,52	22 से 26 × 11 × भिन्न2	,, (गाथाये भिन्न 2/47 से 77 तक)	,,	अतिम प्रति अपूर्ण 23 गा.
,,	,,	7,4	25 × 11 × 9/13 × 29/42	,, 74/48 गा.	18/20वी जोधपुर,सीताराम	
,,	,,	6	25 × 11 × 11 × 26	,, 47 गाथा	1920	
,,	मा.	2	26 × 12 × 18 × 49	,, 16 गा.	19वी	
आचार्यो व राजाओ के चरित्र	सं.	51	25 × 11 × 17 × 67	लगभग पूर्ण (अतिम पन्ने वस्तुपाल चरित्र के कम है)	16वी	(प्रसिद्ध)
,,	,,	90	27 × 11 × 15 × 51	संपूर्ण	18वी	,, /प्रशस्ति है
औपदेशिक-जीवन गाथा	मा.	2	25 × 10 × 16 × 45	संपूर्ण 25 गा.	1721	

1	2	3	3 A	4	5
175	कुंथुनाथ 55/25	गजसुकमाल गीत	Gajasukamāla Gīta	[illegible]	प
176	" 53/4	"	"	"	"
177	" 29/16	"	"	"	"
178	कं नाथ 19/92	" सज्झाय	" Sajjhāya	[illegible] का शिष्य	"
179	कुंथुनाथ 18/3	"		[illegible]	"
180	2/36	"	"	[illegible]	"
181	42/7	चौपई	" Caupai	—	
182	कं नाथ 14/45	[illegible]	Gaṇḍakathā Pañcaka	—	"
183	मुनिसुव्रत 4 प 166	गुणकरंड गुणावली चौपई	Guṇakaraṇḍa Guṇāvalī Caupai	ज्ञानचंद	"
184	कं नाथ गुटका 1	"	"	ऋषि[illegible] ([illegible] शिष्य)	"
185	मुनिसुव्रत 4 प 129	"		"	"
186	कुंथुनाथ 15/3	गौतम रास	Gautama Rāsa	विनयप्रभ	"
187	घोघिया 4 प 80		"	"	"
188	मुनिसुव्रत 3 द 324	"		"	"
189 90	कुंथुनाथ 9/121 10/154	" 2 प्रतियां	" 2 copies	"	"
191	कं नाथ 14/113	"	"	"	"
192	मुनिसुव्रत 3 द 324	"	"	"	"
193 8	[illegible] 254 स 58 1128	" 6 प्रतियां	" 6 copies	"	"
199 200	महावीर 4 प 37 36	" 2 प्रतियां	" 2 copies	"	"
201	घोघिया 3 द 181	"	"	"	"
202	कं नाथ 26/49	गौतमस्वामी सज्झाय	Gautama Svāmī Sajjhāya	[illegible]	"
203	मुनिसुव्रत 4 प 138	चतुर्विंशति-प्रबंध कोश	Caturviṁśati Prabandha Kośa	राजशेखरसूरि	ग
204	" 4 प 43	"	"	"	"
205	" 3 द 282	चंदनबाला-गीत	Candanabālā Gīta	अजितदेवसूरि	प

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवन चरित्र	मा.	5	25 × 11 × 13 × 33	सपूर्ण 17 ढाले	16वी चतरान	
,,	,,	6	24 × 11 × 12 × 40	,, 16 ढालें	17वी	
,,	,,	13	25 × 11 × 11 × 36	,, केवल पहिला पन्ना कम	19वी	
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 44	,, 92 गा.	,,	
,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 39	,, 31 गा.	,,	
,,	,,	1	26 × 12 × 15 × 40	,, 36 गा.	20वी	
,,	,,	11	26 × 11 × 18 × 51	अपूर्ण 19वी ढाल तक	,,	बीच के 2 से 12 पन्ने
औपदेशिक दृष्टान्त	प्रा.	14	27 × 11 × 17 × 56	सपूर्ण 5 कथाये	16वी	
(पुण्य पर) जीवन कथा	मा.	4	25 × 11 × 18 × 52	,, 180 गा (पहिला पन्ना कम)	1171 कदडा दुदाजी	पाच व्रतो पर
,,	,,	13	22 × 19 × 27 × 32	,, 27 ढाले गा. 603	1814	1757 की कृति
,,	,,	27	25 × 11 × 14 × 41	,, ,,	1849 मेडता राजेन्द्रसागर	
जीवन-कीर्त्तन	अ.मा.	7	27 × 12 × 9 × 34	संपूर्ण 45 गा.	17वी	वीरजिणेसर चरण कमल वाला
,,	,,	3	26 × 12 × 16 × 36	,, 73 गा	1805 × उद्योनरत्न	,,
,,	,,	4	26 × 12 × 13 × 34	,, 60 गा.	1840 सादडी, चतुरविजय	,
,,	,,	3,5	27 × 13 × 25 × 12	,, 45/58 गा.	19वी	,,
,,	,,	4	25 × 11 × 13 × 39	,,	,,	,,
,,	,,	8	24 × 13 × 12 × 23	,,	,,	,,
,,	,,	3,5,5, 10,52	22 से 26 × 11 × भिन्न2	,, (गाथाये भिन्न 2/ 47 से 77 तक)	,,	अतिम प्रति अपूर्ण 23 गा.
,,	,,	7,4	25 × 11 × 9/13 × 29/42	,, 74/48 गा.	18/20वी जोधपुर,सीताराम	
,,	,,	6	25 × 11 × 11 × 26	,, 47 गाथा	1920	
,,	मा.	2	26 × 12 × 18 × 49	,, 16 गा.	19वी	
आचार्यो व राजाओ के चरित्र	सं.	51	25 × 11 × 17 × 67	लगभग पूर्ण (अतिम पन्ने वस्तुपाल चरित्र के कम है)	16वी	(प्रसिद्ध)
,,	,,	90	27 × 11 × 15 × 51	संपूर्ण	18वी	,, /प्रशस्ति है
औपदेशिक-जीवन गाथा	मा.	2	25 × 10 × 16 × 45	संपूर्ण 25 गा	1721	

1	2	3	3 A	4	5
206	क नाथ 10/42	चंदनबाला चरित्र	Candanabālā Caritra	[illegible]	[illegible]
207	क नाथ 19,65	चौढालिया	,, Caudhāliya	[illegible]	
208	क नाथ 15/194	चौपई	Caupai	[illegible]	
209	क नाथ 15/160	,, रास	,, Rāsa	—	
210	कृपुनाथ 35/8	गाथा	Gāthā	[illegible]	,
211 2	महावीर 3 ड 62 61	सज्झाय 2 प्रतियां	Sijhāya 2 copies	[illegible]	
213	मुनिसुव्रत 4 ध 12	चंदनमलयागिरि चौपई	Candana Malayagiri Caupai	[illegible]	
214	[illegible] 3/2	वार्ता	Vārtā	[illegible]	,
215	कृपुनाथ 45 4			,	
216	क नाथ 14 49	चौपई	Caupai	[illegible] ([illegible])	,,
217	मुनिसुव्रत 4 ध 128	,, वार्ता	Vārtā	[illegible]	,,
218	कृपुनाथ 14 6			—	,,
219	पार्श्व 2 249	चौपई	Caupai	—	,
220	क नाथ 20/36	चन्दराजा चरित्र	Canda Rājā Caritra	[illegible]	,
221	पार्श्व 4 ध 184	प्रबन्ध	,, Prabandha	[illegible]	,
222	कृपुनाथ 45 5	चन्दराजा का रास	kā Rāsa	विद्यारुचि	,,
223	कालडी 218	,	,	मोहनविजय (रूप विजय शिष्य)	,
224	मुनिसुव्रत 4 ध 148	,	,,	,,	,,
225	कालडी 2 0	,,	,	,	
226	पार्श्व 4 ध 91			,,	,
227	मुनिसुव्रत 4 ध 147		,	,,	,,
228 9	क नाथ 19 118 20/35	2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
230 1	कालडी 229, 1139	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
232	कृपुनाथ 33/4	चंदराजा का सिलोका (श्लोक)	Canda Rājā kā Śloka	—	,,
233	कालडी 1336	चंदराजा गुणावली पत्राचार	,, Guṇāvalī Patrācāra	—	,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवन गाथा	मा.	6	24 × 12 × 14 × 38	सपूर्ण 14 ढाले	19वी	
,,	,,	18*	24 × 10 × 15 × 32	,, 4 ढाले	1906	
,,	,,	7	25 × 11 × 13 × 36	,, 137 गा.	19वी	
,,	,,	4	24 × 11 × 21 × 45	,, 143 गा.	,,	
,	,,	3	26 × 11 × 13 × 35	,, 21 गा.	20वी	
,,	,,	3,5	26 × 13 व 20 × 11	प्रथम पूर्ण 42 गा , द्वितीय 10 से 42	,,	
(शील पर)' जीवनी	,,	9	26 × 11 × 15 × 54	सपूर्ण 267 गा.	18वी	
,,	,,	गुटका	15 × 14 × 16 × 22	,, 5वी कली तक	1784	जैनेत्तर-सस्करण
,,	,,	,,	17 × 14 × 11 × 18	,, 194 गा छ कलिये	1828	
,,	,,	4	24 × 11 × 20 × 45	,, 148 गा	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 16 × 50	,, 185 गा. 6 कलिये	,,	जैनेत्तर-सस्करण
,,	,,	1	51 × 11 × 34 × 25	अपूर्ण 68 गा	,,	
,,	,,	12*	25 × 11 × 12 × 35	सपूर्ण 6 ढाले	20वी	
(शील पर) जीवन चरित्र	,,	60	24 × 11 × 14 × 35	,, 1332 गा.	1815	
,,	,,	281	25 × 13 × 11 × 34	,, 8600 ग्र.	1913	
,,	,,	119	19 × 13 × 13 × 27	,, 2700 ग्र	1818	
,,	,,	117	27 × 11 × 12 × 40	सपूर्ण 4 उल्लास 108ढा 2665 गा. ग्र 4000	1828	प्रशस्ति है ।
,,	,,	169	26 × 12 × 12 × 34	,,	1829	
,,	,,	92	25 × 11 × 15 × 42	,,	1830	
,,	,,	58	27 × 11 × 19 × 67	,,	1836 × कनकसुदर	
,,	,,	90	25 × 12 × 16 × 40	,,	1846, शुद्धदति, ऋद्धिसागर	
,,	,,	138, 140	25 × 12 व 26 × 11	,,	19वी	
,,	,,	67,11	27 × 13 व 25 × 14	प्रथम पूर्ण, द्वितीय अपूर्ण 1/11 तक	,,	
,,	,,	4	25 × 10 × 13 × 42	सपूर्ण 52 गाथा	,,	अत मे पार्श्व-स्तव
,,	,,	5	25 × 12 × 12 × 27	सपूर्ण प्रति	,,	

1	2	3	3 A	4	5
234	महावीर 3 घ 27	चंद्रप्रभु-चरित्र	Candra Prabhu Caritra	जिनेश्वरसूरि	मू ह
235	ब नाथ 13/21	,,	,,	देवेन्द्रसूरि	पद्य
236	, 5/92	चन्द्रलेखा चोपई	Candralekhā Caupai	मतिकुशल	प
237	घोसिया 4 घ 85	,	,	,,	,,
238	मुनिसुव्रत 4 घ 144	,,	,,	,,	,,
239	ब नाथ 5/109	,,		,,	,
240	बालडी 69/4	चंपकसेठ-चोपई	Campaka Seṭha Caupai	समयसुंदर	,,
241	कुंथुनाथ 24/5	चार प्रत्येक बुद्ध चोपई	Cāra Pratyeka Buddha Caupai	,	,,
242	ब नाथ 6/44	,,	,,	,,	,,
243 4	ब नाथ 9 30 10 11	, 2 प्रतियां	, 2 copies	,,	,
245	कुंथुनाथ 14/8	,, चोपई	, Caupai	,,	,,
246	सवामंदिर 4 घ 193	चित्तसंभूत-चोपई	Citta Sambhūta Caupai	आनंदसुंदर	,,
247	मुनिसुव्रत 3 ह 277	, सज्झाय	Sajjhāya	—	,,
248	,, 4 घ 130	चित्रसेन पद्मावती चरित्र	Citrasena Padmāvatī Caritra	पाठक राजवल्लभ	मू (प)
249	ब नाथ 9/40	,,	,	,,	,
250	,, 19/19	,,	,	,,	मू ह (पद्य)
251	,, 10/35	,,	,	,,	मू (प)
252	महावीर 4 घ 60	,,	,,	,,	,,
253	सवामंदिर 4 घ 191	,,	,	,,	,
254	कोलडी 162	,,	,	रत्नहर्ष	मू ह (पद्य)
255	ब नाथ 24/78	चेलणा चोढालिया	Celaṇā Caudhāliyā	ऋषि रायचंद	प
256	घोसिया 4 घ 84	चोबोलीसती चोपई	Caubolī Satī Caupai	अभयसोम (जिनचंद शिष्य)	,,
257	मुनिसुव्रत 4 घ 172	,,	,	जिनहर्ष	,,
258	,, 4 घ 108	जरासिंध की बात	Jarā Sindha kī Bāta	—	,,
259	कोलडी 143	जंबू चरित्र	Jamboo Caritra	—	मू ह (प)

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर-चरित्र	प्रा.स.	35*	27×11×15×45	सपूर्ण 41 गाथा	1531 अमदाबाद	
,,	स.	119	26×11×18×48	,, ग्रंथाग्र 5325	1731	
(सामायिक पर) जीवनी	मा.	16	25×11×17×54	,, ग्रं. 624, 29ढाले	1776	
,,	,,	15	25×11×18×56	,, ,,	1802 कर्णपुर, रूपसुदर	
,,	,,	25	25×11×12×36	,, ,,	1843 जोधपुर ऋद्धिसागर	
,,	,,	21	26×11×14×28	,, ,,	1849	
औपदेशिक-चरित्र	,,	6	25×11×13×32	अपूर्ण (त्रुटक)	19वी	
स्वय बुद्धों की जीवनिया	,,	36	27×11×15×52	लगभग पूर्ण (बीच मे 3 पत्र कम)	1692	
,,	,,	24	26×11×16×40	सपूर्ण चार खण्ड	1775	
,,	,,	21,30	25×11×17/15×42	लगभग पूर्ण 1110 गा	19वी	
,,	,,	20	26×10×18×65	संपूर्ण चार खण्ड	,,	
औपदेशिक-जीवन चरित्र	,,	71	25×10×12×38	,, 1765 गा.	18वी	1778 की कृति
,,	,,	2	24×10×14×36	,, 25+4 गा.	1783	
(शील उपर) जीवनी	सं.	21	26×11×13×25	,, 506 श्लोक	1642 लाडाउल	
,,	,,	12	24×10×14×44	,, 508 श्लोक	1811	
,,	स मा.	54	22×10×12×33	,, 508 श्लोक	1867	
,,	स.	22	26×11×12×35	,, 508 श्लोक	19वी	
,,	,,	21	26×11×12×32	,, 509 श्लोक	,,	
,,	,,	21	23×10×10×38	अपूर्ण 418 श्लोक	,,	
,,	स.मा.	64	27×12×6×40	सपूर्ण 800 श्लोक	1880	
जीवन चरित्र औपदेशिक	मा	7*	25×12×17×39	,, 4 ढालें	19वी	
ऐतिहासिक जीवन प्रसग	,,	8	26×11×15×56	,, 16 ढाले	18वी	(विक्रम प्रबन्धे) 1724 की कृत्ति
,,	,,	2	25×11×17×48	,, 21 गाथा	19वी	
,,	,,	3	24×10×13×38	संपूर्ण	19वी × देवचद	
जीवन-चरित्र	प्रा.मा.	28	25×11×7×45	,, 21 उद्देशक ग्र.750	1833	

1	2	3	3 A	4	5
260	क नाथ 9/16	जम्बू चरित्र	Jamboo Caritra	पद्मप्रभ	त्रुट (ग)
261	बाबडी 144	"	"	—	पू (ग)
262	ब नाथ 6/69	"		सकलहर्ष	"
263	" 5/19	"		—	"
264	" 11/79	जम्बू चोपई	" Caupai	बुद्धिसार	पद्य
265	कुंथुनाथ 35/41	जम्बू पांच भव-चरित्र	Jamboo 5 Bhava Caritra	—	"
266	क नाथ 19/2	जम्बूस्वामी-चोपई	Jamboo Svāmi Caupai	कमलविजय	
267	" 26/91			बुद्धिसार	"
268	कुंथुनाथ 17/19	" प्रबंध	Prabandha	पद्मसूरि	"
269	नयामंदिर 4 म 194	" चोढालिया	" Caudhāliyā	धनराज	"
270	बाबडी 145	जम्बूस्वामी कथा	Kathā	—	ग
271	क नाथ 29/44		"	—	"
272	बाबडी 1092	"	"	—	"
273	बे नाथ 5/72	"		—	"
274	क नाथ 24/53	"	"	—	"
275	ब नाथ 15/58	"	"	—	"
276	ब नाथ 6/130	"	"	—	"
277	बे नाथ 10/41	जांबवती-चोपई	Jāmbavati Caupai	सुरीसागर	प
278	मित्रमन्दिर 4 ब 183	"	"	"	"
279-82	क नाथ 24/45 गु/6, 5/13,19/78	" 4 प्रतियां	" 4 copies	"	"
283	मुनिसुव्रत 4 म 109	जिनपाल जिनरखी की चोपई	Jinapāla Jinarākhi ki Caupai	धर्मराज (भावसुंदर शिष्य)	"
284	प्रांगिया 4 म 88	" -चोढालिया	Caudhāliyā	—	"
285	ब नाथ 18/91	जिनमुक्ति सूरि बहुत्-भास	Jinamuktisūri Bṛhata Bhāṣa	सुमतिसुन्दर	"
286	कुंथुनाथ 10/136	जीरणसेठ (जीरणपारणा) गीत	Jirana Seṭha Gita	मालमुनि	"

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	प्रा मा.	80	25 × 11 × 6 × 26	सपूर्ण 20 उद्देशक ग्र. 300	1836	
,,	प्रा.	27	27 × 10 × 13 × 32	,, ,,	19वी	
,	स.	14	25 × 11 × 15 × 45	,,	1785	
,,	मा.	27	25 × 11 × 11 × 42	,, 21 उद्देशक ग्र. 801	1824	(5 पन्ने तक टव्वार्थ भी है)
,,	,,	7	26 × 11 × 15 × 43	,, 178 गा.	1616 मुदरडा जीवा	
,,	,,	4	26 × 11 × 19 × 60	,, ,,	1642	1522 की कृति
,,	,,	42	27 × 12 × 14 × 34	,, 1180 गा.	1729	
,,	,,	14	16 × 13 × 15 × 24	,, 180 गा.	18वी	
(शील विषये) जीवन चरित्र	,,	19	27 × 12 × 17 × 54	अपूर्ण 1385 गा	19वी	
,,	,,	11*	26 × 12 × 13 × 34	,, (41 गा. तक)	20वी	
,,	,,	4	25 × 11 × 17 × 46	सपूर्ण 19 कथासह	1793	
,,	,,	50	14 × 10 × 9 × 16	प्रथम चार पन्ने नही है	1830	
,,	,,	6	24 × 11 × 12 × 32	अपूर्ण	19वी	अत मे 3 पन्ने गुरु गीत के है
,,	,,	5	26 × 11 × 14 × 40	संपूर्ण 19 कथासह	,,	
,,	,,	15	26 × 11 × 16 × 37	,,	,,	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 44	,,	,, × हरिनाथ	
,,	,,	15	25 × 12 × 17 × 45	,,	20वी	
श्रीकृष्ण जीवन प्रसग	,,	14	25 × 11 × 10 × 32	,, पहिला पन्ना कम	1695	
,,	,,	16	22 × 11 × 12 × 27	,,	1826	
,,	,,	10,17 8,8	22 से 26 × 11 से 15	,,	19वी	
औपदेशिक-कथा	,,	5	26 × 11 × 14 × 51	,, 162 छद	18वी ऋषि-रूपजी	
,,	,,	30*	15 × 10 × 12 × 20	,,	18वी	
गुरु जीवन-गाथा	,,	4	21 × 11 × 9 × 25	,,	,,	
भ. महावीर जीवन प्रसग	,,	2	28 × 12 × 11 × 48	,, 31 गा.	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
287	सेवामंदिर 3 इ 345	जीरण सेठ (वीरपारणा) गीत	Jirana Setha Gita	मालमुनि	प
288 9	कोलडी 323, 926	, 2 प्रतियां	2 copies	—	
290	महावीर 6 इ 51	जैन कुमारसंभवमहाकाव्य	Jainkumāra Sambhava Mahākavya	जयशेखरसूरि	,,
291	के नाथ 20/49	झांझरिया मुनि सज्झाय	Jhānjhariyā Muni Sajjhāy.	भावरत्न	,,
292	के नाथ 5/5	ढालसागर	Dhāla Sāgara	गुणसूरि	,,
293	कुंथुनाथ 43/3		,,	,,	,,
294	कोलडी 1140			,,	,,
295	के नाथ 15 213	तपोधनमुनि स्वाध्याय	Tapodhana Muni Svādhyāya	—	,
296	के नाथ 19 101	ताबलीतापस ढाल	Tāmbali Tāpasa Dhāla	—	,,
297	के नाथ 2 /4	त्रिभुवनकुमार चरित्र	Tribhuvana Kumāra Caritra	यतिसुन्दर	ग प
298	के नाथ 6/74	त्रिषष्टी लक्षण महापुराण	Trisasthi Laksana Mahā Purāna	जिनसेन	पद्य
299	ओसिया 4 अ 90	त्रिषष्ठी शलाका पुरुष चरित्र प्रथम पर्व	Trisasthi Salākā Purusa Caritra 1st Parva	हेमचन्द्राचार्य	,
300	कोलडी 159	प्रथम पर्व	, 1st Parva	,,	,,
301	के नाथ 11/18	, 7 से 9 पर्व	7th to 9th Parv	,,	,,
302	महावीर 4 अ 70	, आठवां पर्व	, 8th Parva	,,	,
303	के नाथ 21/44	,	, ,,	,,	,
304	के नाथ 1/13	,	,	,,	,,
305	महावीर 4 अ 28	, दसवां पर्व	, 10th Parva	,,	,,
306	महावीर 4 अ 31	,, ,,	,	,,	,
307	के नाथ 29/40	, परिशिष्ट पर्व	, Parisista Parva	,,	,
308	महावीर 4 अ 75	, ,		,,	
309	ओसिया 4 अ 10	,,	, ,	,,	,,
310	महावीर 4 अ 12	,, ,,	,	,,	,,
311	महावीर 4 अ 11	,, ,,	, ,	,,	,,
312	महावीर 4 अ 15	,, ,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भ महावीर जीवन प्रसग	मा.	3	20 × 12 × 9 × 22	सपूर्ण 30 गाथा	19वी पं मुकन-चदजी	
,,	,,	2,3	26 × 10 व 26 × 12	,, 31 गाथा	,,	
जीवन चरित्र महा-काव्य	स	33	26 × 12 × 14 × 49	,, 11 सर्ग ग्र 1500	18वी	ऋषभदेव-चरित्र
जीवन-प्रसग	मा.	4	21 × 12 × 11 × 26	,,	1935	
कृष्णपाण्डव इतिहास	,,	213	26 × 11 × 11 × 36	,, ग्रथाग्र 5812	1739	
,,	,,	67	16 × 23 × 25 × 26	अपूर्ण (58 ढाल तक)	19वी	
,,	,,	24	25 × 12 × 17 × 45	,, (27 ढाल तक)	,,	
जीवनो	,,	1	26 × 12 × 13 × 50	सपूर्ण	20वी	
औपदेशिक-जीवन	,,	68*	26 × 12 × 20 × 50	,,	19वी	
,,	स	17	26 × 13 × 16 × 42	,, ग्र. 800	,,	
औपदेशिक ऐति-हासिक	,,	54	29 × 13 × 12 × 33	अपूर्ण 21 से 25 पर्व	,,	
ऋषभभरतादि-चरित्र	,,	132	31 × 11 × 15 × 46	सपूर्ण 6 सर्ग ग्र 5000	15वी (या उससे पुरानी)	प्रति मे विक्रम 114 सवत् लिखा है
,,	,,	163	26 × 11 × 13 × 46	,, ,, 5017	17वी	
रावणजन्म से पार्श्वप्रभु	,,	119	26 × 11 × 15 × 48	सातवे के सर्ग 1 से नौ वे सर्ग 4 तक	16वी	
नेमि-चरित्र	,,	147	25 × 11 × 14 × 42	सपूर्ण 12 सर्ग	17वी	
,,	,,	44	26 × 11 × 17 × 47	अपूर्ण प्रथम से तृतीय सर्ग	,,	
,,	,,	92	25 × 12 × 13 × 28	तीसरा सर्ग	19वी	
भ. महावीर चरित्र	,,	85	27 × 11 × 15 × 48	संपूर्ण 11 सर्ग	1672 जैसलमेर	
श्रेणिक चरित्र भाग	,,	46	27 × 12 × 14 × 38	ग्र 1350	1887 अजीमगज कल्याणचद	
स्थविर-चरित्र	,,	77	26 × 11 × 17 × 60	संपूर्ण 13 सर्ग ग्र. 3460	1619	
,,	,,	107	25 × 11 × 14 × 42	,, ,, ,,	1753 पद्मविजय	
,,	,,	72	26 × 12 × 18 × 45	,, ,, 3664	19वी विक्रमपुर वखतसागर	
,,	,,	126	28 × 13 × 13 × 35	,, ,, 3895	1913, वालोचर इद्रचद्र	
,,	,,	129	26 × 13 × 13 × 36	,, ,, 3560	1959	
,,	,,	124	27 × 13 × 13 × 37	,, ,, ,,	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
313	[illegible] 19/24	थावच्चा सुत चौपई	Thāvaccā Suta Caupai	[illegible]	[illegible]
314	14/74	दमयन्ती (नलचम्पू) विवरण	Damayantī (Nalacampū) Vivaraṇa	[illegible]	[illegible]
315	[illegible] 149	[illegible]	Dayādi para Kathānaka	—	[illegible]
316	150			—	
317	[illegible] 15/134	दश आश्चर्य	Daśa Āścarya	([illegible])	
318	15/53	"			"
319	[illegible] 153	[illegible]	Daśa Dṛṣṭānta	—	
320	मुनिसुव्रत 4 प 15			—	"
321	[illegible] 15/145			—	"
322	14/11	दशार्णभद्र सम्बन्ध	Daśārṇabhadra Sambandha	—	"
323	[illegible] 15 56	चौढाढ्या	Cauḍhāḍyā	—	[illegible]
324	[illegible] 1089	दानादि चतुष्कुलक कथा का बालावबोध	Dānādi Caturkulaka Bālāvabodha	—	[illegible]
325	मुनिसुव्रत 4 प 111	दामनक सेठ की चौपई	Dāmana Seṭha kī Caupai	[illegible] ([illegible] शिष्य)	[illegible]
326	मोतिया 2-198	दृष्टान्त शतक	Dṛṣṭānta Śataka	—	[illegible]
327	2/303		"	—	"
328	[illegible] 2 37[illegible]		"	[illegible]	[illegible]
329	[illegible] 54/2	संग्रह	" Saṅgraha	—	[illegible]
330	[illegible] 4 प 181		"	—	"
331	मुनिसुव्रत 4 प 161	"	"	—	[illegible]
332	रघुनाथ 38/4	"	"	—	[illegible]
333	[illegible] 4 प 177	"	"	—	"
334	[illegible] 29/17	देवकी-रास	Devakī Rāsa	[illegible]	[illegible]
335	" 19/[illegible]9	"	"	"	"
336	" 19/101	देवदत्त ढाल	Devadatta Ḍhāla	—	"
337	मोतियां 4 प 92	द्रौपदी रास	Draupadī Rāsa	[illegible] ([illegible] शिष्य)	"

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक-जीवनी	मा.	16	26 × 11 × 15 × 46	सपूर्ण 447 गा.	1711	
,,	स.	64	28 × 9 × 13 × 40	,, 7 उल्लास ग्र 1900	1660	
धर्मफल पर दृष्टात	मा.	8	26 × 13 × 14 × 34	,,	19वी	
,,	,,	13	24 × 12 × 12 × 32	,,	,,	
अभूतपूर्व घटनायें	स.	10	26 × 11 × 15 × 32	,,	,,	
,,	मा.	10	24 × 12 × 10 × 18	,,	1858	
औपदेशिक-कथानक	स.	22	27 × 10 × 14 × 45	,,	1598	
,,	,,	23	27 × 11 × 15 × 44	,,	17वी	
,,	,,	15	25 × 11 × 19 × 50	अपूर्ण 8 कथाये	19वी	
,, जीवन-प्रसग	अ	2	26 × 10 × 12 × 51	सपूर्ण	16वी	
,, ,,	मा.	3	22 × 10 × 9 × 25	,, 4 ढाले	19वी	
शीलविपयक	,,	32	25 × 10 × 20 × 60	प्रतिपूर्ण दूसरे कुलक की कथाये	1762	
औपदेशिक-चरित्र	,,	15	25 × 11 × 12 × 39	सपूर्ण 17 ढाले	1849	
,, कथानक	प्रा स. + मा.	13	25 × 12 × 6 × 39	,, 140 गा 100 कथा	19वी अजार-नगर	
,, ,,	स. + मा.	10	43 × 11 × 5 × 51	अपूर्ण 51 कथाये	20वी	
,, ,,	स.	40	21 × 11 × 4 × 24	सपूर्ण 102 श्लोक की कथाये	1935	
औपदेशिक लघु कथानक	,,	20	26 × 11 × 16 × 72	संपूर्ण 100 से उपर कथानक	16वी	
शीलप्रमाद व क्रोध पर	,,	8	24 × 10 × 16 × 41	,, 3 कथाये	17वी	
औपदेशिक-कथानस	,,	16	26 × 11 × 18 × 61	अपूर्ण	,,	
,,	,,	20	26 × 11 × 18 × 56	,, 49 से 121 कथानक	19वी	
,,	मा.	72	20 × 11 × 13 × 34	,, (बीच के पन्ने)	,,	
जीवन चरित्र-गज सुकमाल-प्रसंग	,,	3	34 × 21 × 65 × 34	सपूर्ण 19 ढाल	,,	
,,	,,	17	24 × 14 × 15 × 28	,, ,,	1941 शान्तिग्राम लक्ष्मीसागर	पूर्वोक्त का ही पाठ
औ. जीवन प्रसग	,,	68*	26 × 12 × 20 × 50	,,	19वी	
जीवन-प्रसग	,,	66	26 × 11 × 12 × 30	सपूर्ण 48 ढाल/गा. 1185	1940 बीकानेर विनयसुदर	ग्रथकार का अपरनाम सौजन्यसुदर

1	2	3	3 A	4	[illegible]
338	[illegible] 6/3	धनंजय चौपई	Dhanañjaya Caupaī	[illegible]	[illegible]
339	[illegible] 3 – 177	धन्नाऋषि सज्झाय	Dhannā Ṛṣi Sajjhāya	[illegible]	,
340	[illegible] 26/91	चौपई	Caupaī	[illegible] ([illegible]	,
341	6/55			,	
342	13/5	धन्ना प्रबंध	Prabandha	[illegible]	,,
343	मुनिसुव्रत 3 [illegible] 32	धन्नामुनि सज्झाय	Dhannā Muni Sajjhāya	—	,,
344	[illegible] 26/91	संधि	Sandhi	[illegible]	,
345	19/115	धन्ना शालिभद्र रास	Dhannā Śālibhadra Rāsa	[illegible]	,
346	,			[illegible]	,,
347	19/109			,	,,
348	[illegible] 365		,		,,
349	[illegible] 5/93		,	,,	,,
350	[illegible] 4 [illegible] 701			,,	,
351	मुनिसुव्रत [illegible] 150			,,	,,
352-54	[illegible] 214/36 [illegible] 9/12	3 प्रतियां	, 3 copies	,,	1
355	[illegible] 24/80	,		,	,,
356	[illegible] 1088	,,		जिनविजय	,,
357	[illegible] 10/183	, –सज्झाय	,, Sajjhāya	[illegible]	,,
358	[illegible] 14/13	,, –रास	, Rāsa	जिनराजसूरि	,,
359	13/34	,, –संबंध	,, Sambandha	[illegible]	,,
360	, 10/21	,	,	—	,,
361	, 11/19	, ,		—	,,
362	, 15/232	, ,,	,	—	,,
363	,, 21/92	धम्मिल चरित्र	Dhammila Caritra	—	,,
364	मुनिसुव्रत 4 [illegible] 160	,,	,	—	,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक-जीवनी	मा.	5	26 × 11 × 21 × 53	सपूर्ण	1773	
,, जीवन-प्रसग	,,	2	25 × 11 × 9 × 31	,, 22 पद	19वी	
,, जीवन चरित्र	,,	21	16 × 13 × 15 × 24	,, 333 गा.	18वी	
,, ,,	,,	10	25 × 11 × 15 × 50	,, 328 गा.	19वी	
,, ,,	,,	15	26 × 11 × 13 × 42	,, 332 गा	18वी	
औपदेशिक-प्रसंग	प्रा.	1	25 × 11 × 15 × 52	अपूर्ण 10 गा.	,,	साथ मे 'गौतम कुलक'
,,	मा.	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	सपूर्ण 63 गा.	,,	
,, जीवनी	,,	37*	26 × 11 × 13 × 43	,, 218 गा	1723	(दान ऊपर)
,, ,,	,,	37*	26 × 11 × 13 × 43	,, 29 ढाले	,,	1668 की कृति
,, ,,	,,	15	25 × 11 × 15 × 42	,, ,,	1778	
,, ,,	,,	24	26 × 11 × 14 × 39	,, ,,	1817	
,, ,,	,,	39	23 × 12 × 10 × 25	,, ,, गा 501	1832	
,, ,,	,,	29	23 × 11 × 13 × 33	,, ,, सचित्र	1834	कुल 31 चित्र
,, ,,	,,	31	22 × 11 × 12 × 26	,,	1841 नागपुर	
,, ,,	,	15,16गु	15 से 27 × 10 से 11	,, ग्रंथाग्र 600	19वी	
,, ,,	,,	19	25 × 11 × 15 × 41	,,	,,	
,, ,,	,,	24	27 × 11 × 14 × 60	अपूर्ण (द्वितीय उल्लास की 337 गाथा तक)	,,	
,, ,,	,,	1	25 × 12 × 14 × 40	सपूर्ण 7 गाथा	,,	
,, ,,	,,	25	25 × 11 × 13 × 31	,, 29 ढाल (पहिला पन्ना कम)	1720	
,, ,,	,,	19	26 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण ढाल 36वी तक गा 682	19वी	
,, ,,	,,	17	27 × 12 × 13 × 44	अपूर्ण	,,	
,, ,,	,,	11	27 × 13 × 15 × 40	,, 98 से 327 गा तक	,,	
,, ,,	,,	4	27 × 13 × 15 × 33	,, ढाल 6 तक	,,	
,, ,,	सं	19	26 × 11 × 17 × 53	सपूर्ण 478 श्लोक	1690	
,, ,,	,,	13	26 × 11 × 18 × 52	अपूर्ण 300 श्लोक	18वी	